| अंशा | ० मेष | १ वृष | २ मिथुन | ३ कर्कट | ४ सिंह | ५ कन्या | ६ तुला | ७वृश्चिक | ८ धनु | ९ मकर | १० कुम्भ | ११ मीन | अंशा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | २।५० | ६।५१ | ११।४२ | १७।१९ | २३।९ | २८।५१ | ३४।३० | ४०।१७ | ४६।३ | ५१।१४ | ५५।३३ | ५९।१४ | ० |
| १ | २।५७ | ६।५९ | ११।५२ | १७।३१ | २३।२१ | २९।२ | ३४।४२ | ४०।२९ | ४६।१४ | ५१।२४ | ५५।४१ | ५९।२२ | १ |
| २ | ३।५ | ७।८ | १२।३ | १७।४२ | २३।३२ | २९।१४ | ३४।५३ | ४०।४१ | ४६।२५ | ५१।३३ | ५५।४८ | ५९।२९ | २ |
| ३ | ३।१२ | ७।१७ | १२।१४ | १७।५४ | २३।४४ | २९।२५ | ३५।४ | ४०।५२ | ४६।३६ | ५१।४३ | ५५।५६ | ५९।३६ | ३ |
| ४ | ३।२० | ७।२६ | १२।२४ | १८।६ | २३।५५ | २९।३६ | ३५।१६ | ४१।४ | ४६।४७ | ५१।५२ | ५६।४ | ५९।४३ | ४ |
| ५ | ३।२७ | ७।३५ | १२।३५ | १८।१७ | २४।७ | २९।४७ | ३५।२७ | ४१।१६ | ४६।५८ | ५२।१ | ५६।११ | ५९।५० | ५ |
| ६ | ३।३५ | ७।४४ | १२।४६ | १८।२९ | २४।१८ | २९।५९ | ३५।३९ | ४१।२८ | ४७।९ | ५२।१० | ५६।१९ | ५९।५७ | ६ |
| ७ | ३।४३ | ७।५४ | १२।५७ | १८।४१ | २४।३० | ३०।१० | ३५।५० | ४१।३९ | ४७।२० | ५२।१९ | ५६।२७ | ०।४ | ७ |
| ८ | ३।५० | ८।३ | १३।८ | १८।५२ | २४।४१ | ३०।२१ | ३६।२ | ४१।५१ | ४७।३१ | ५२।२८ | ५६।३४ | ०।११ | ८ |
| ९ | ३।५८ | ८।१२ | १३।१९ | १९।४ | २४।५३ | ३०।३२ | ३६।१३ | ४२।३ | ४७।४२ | ५२।३७ | ५६।४२ | ०।१८ | ९ |
| १० | ४।६ | ८।२१ | १३।३० | १९।१६ | २५।४ | ३०।४४ | ३६।२५ | ४२।१४ | ४७।५२ | ५२।४६ | ५६।४९ | ०।२५ | १० |
| ११ | ४।१४ | ८।३१ | १३।४१ | १९।२८ | २५।१६ | ३०।५५ | ३६।३६ | ४२।२६ | ४८।३ | ५२।५५ | ५६।५७ | ०।३२ | ११ |
| १२ | ४।२१ | ८।४० | १३।५३ | १९।३९ | २५।२७ | ३१।६ | ३६।४८ | ४२।३७ | ४८।१४ | ५३।४ | ५७।४ | ०।४० | १२ |
| १३ | ४।२९ | ८।५० | १४।४ | १९।५१ | २५।३८ | ३१।१७ | ३६।५९ | ४२।४९ | ४८।२४ | ५३।१२ | ५७।१२ | ०।४७ | १३ |
| १४ | ४।३७ | ९।० | १४।१५ | २०।३ | २५।५० | ३१।२९ | ३७।११ | ४३।१ | ४८।३५ | ५३।२१ | ५७।१९ | ०।५४ | १४ |
| १५ | ४।४५ | ९।९ | १४।२६ | २०।१४ | २६।१ | ३१।४० | ३७।२३ | ४३।१२ | ४८।४५ | ५३।३० | ५७।२६ | १।१ | १५ |
| १६ | ४।५३ | ९।१९ | १४।३८ | २०।२६ | २६।१३ | ३१।५१ | ३७।३४ | ४३।२४ | ४८।५६ | ५३।३८ | ५७।३४ | १।८ | १६ |
| १७ | ५।१ | ९।२९ | १४।४९ | २०।३८ | २६।२४ | ३२।३ | ३७।४६ | ४३।३५ | ४९।६ | ५३।४७ | ५७।४१ | १।१५ | १७ |
| १८ | ५।९ | ९।३९ | १५।० | २०।५० | २६।३५ | ३२।१४ | ३७।५७ | ४३।४७ | ४९।१६ | ५३।५५ | ५७।४८ | १।२२ | १८ |
| १९ | ५।१८ | ९।४८ | १५।१२ | २१।१ | २६।४७ | ३२।२५ | ३८।९ | ४३।५८ | ४९।२६ | ५४।४ | ५७।५६ | १।३० | १९ |
| २० | ५।२६ | ९।५८ | १५।२३ | २१।१३ | २६।५८ | ३२।३७ | ३८।२१ | ४४।१० | ४९।३६ | ५४।१२ | ५८।३ | १।३७ | २० |
| २१ | ५।३४ | १०।९ | १५।३५ | २१।२५ | २७।९ | ३२।४८ | ३८।३२ | ४४।२१ | ४९।४७ | ५४।२० | ५८।१० | १।४४ | २१ |
| २२ | ५।४२ | १०।१९ | १५।४६ | २१।३६ | २७।२१ | ३२।५९ | ३८।४४ | ४४।३३ | ४९।५७ | ५४।२९ | ५८।१७ | १।५१ | २२ |
| २३ | ५।५१ | १०।२९ | १५।५८ | २१।४८ | २७।३२ | ३३।११ | ३८।५६ | ४४।४४ | ५०।६ | ५४।३७ | ५८।२४ | १।५८ | २३ |
| २४ | ५।५९ | १०।३९ | १६।९ | २१।५९ | २७।४३ | ३३।२२ | ३९।७ | ४४।५६ | ५०।१६ | ५४।४५ | ५८।३२ | २।६ | २४ |
| २५ | ६।८ | १०।४९ | १६।२१ | २२।११ | २७।५५ | ३३।३३ | ३९।१९ | ४५।७ | ५०।२६ | ५४।५३ | ५८।३९ | २।१३ | २५ |
| २६ | ६।१६ | ११।० | १६।३२ | २२।२३ | २८।६ | ३३।४५ | ३९।३१ | ४५।१८ | ५०।३६ | ५५।१ | ५८।४६ | २।२० | २६ |
| २७ | ६।२५ | ११।१० | १६।४४ | २२।३४ | २८।१७ | ३३।५६ | ३९।४२ | ४५।३० | ५०।४६ | ५५।९ | ५८।५३ | २।२८ | २७ |
| २८ | ६।३३ | ११।२१ | १६।५६ | २२।४६ | २८।२८ | ३४।७ | ३९।५४ | ४५।४१ | ५०।५५ | ५५।१७ | ५९।० | २।३५ | २८ |
| २९ | ६।४२ | ११।३१ | १७।७ | २२।५८ | २८।४० | ३४।१९ | ४०।६ | ४५।५२ | ५१।५ | ५५।२५ | ५९।७ | २।४२ | २९ |

**नेपालदेशीय २४°।२२'।३४" अयनांशीया निरयण**

**प्रथम लग्नसारणी काठमण्डपनर्गया: यत्राक्षांशा: २७°।४०' पलभा ६।१८ परमक्रान्ति: २३° २६'।१५"**

आवश्यक परेका दिनको समयलाई इष्ट घ.प.मा बदल्ने अर्थात् इष्टकाल्याउने। त्यही समयको स्पष्टसूर्यको राशि तथा अंशानुसार सारणीबाट अङ्क लिने। ठाडो (माथिबाट तल) सूर्यको राशि र तेर्सो (बाँयाबाट दाँया) स्पष्ट सूर्यको अंश हो। दुवैको मिलन भएको कोठामा रहेको अंक नै फल हो। उक्तफल इष्टकाल जोड्ने र त्यस योगफल बराबरको अङ्क सारिणीमा खोज्ने, जहाँ मिल्छ त्यसैको आधारमा ठाडोजाँदा पाइएको अङ्क इष्ट लग्नको राशिको अङ्क र बायाँ जाँदा पाइएको अङ्क अंशको अङ्क हुन्छ। उक्त योग फलको तुल्य नभेटिएमा नजिकको साना अङ्क लिने, उक्तयोगफल भन्दा धेरै (ठुलो) अङ्क हुँदैन। योगफलतुल्य अङ्क ठ्याक्क मिलेमा कला विकला शून्य हुन्छन्। शेष रहेमा अनुपातद्वारा कला विकला ल्याउनु पर्दछ।

**उदाहरण-** मानौं कुनैदिनको सूर्योदय प्रात: ६।५० बजे छ, त्यही दिन १५।२० बजेको लग्नल्याउँदा- (१५।२०) - (६।५०) = ८।३०, अब ८।३० र २।३० = २१।१५ इष्ट घ.प. भयो। कल्पित स्पष्टसूर्यको राशि संख्या ८ र अंश संख्या २ का आधारमा सारिणीबाट फल लिंदा ४६।२५ प्राप्त भयो, यसलाई २१।१५ इष्ट घ.प.जोड्दा ७।४० भयो। यसको सबैभन्दा नजिकको अंक सारिणीमा खोज्दा ७।३५ प्राप्त भयोयसका आधारमा लग्नको राशि सं.१ र अंश सं. ५ प्राप्त भयो, अब आफ्नो अभिष्ट योगफल ७।४० र सारिणीबाट प्राप्त सं. ७।३५ को अन्तर ५ छ सारिणीमा अभिष्ट क्रमागत दुई कोठाको अन्तर (७।४४-७।३५) = ९ छ, अब ५ अन्तरको फल कला विकलामा यसरी निकाल्नु पर्दछ- (६० X ५ ÷ ९) = ३३ कला र २० विकला प्राप्त हुन्छ यस प्रकार प्राप्त सबै फललाई यथास्थानमा राख्दा अभिष्ट लग्न राश्यादि १५।३३।२० हुन्छ। यस्तै रितले अन्य वेलाको लग्न निकाल्न सकिन्छ।

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५ नेपाल संवत् ११३३ **चैत्रशुक्लपक्षः** ( चौलाश्व) पापक्षणिः ३, मघा, पू.फा., स्वाती (अप्रैल ४ सन् २०१३) उत्तरायणं, वसन्तर्तुः, पराभवनामकः संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | न.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प्र | ३१ | श. | ३ | ३०।५८ | १८:७ | कृ | ५२।३३ | २:४५ | आ | ५२।४० | २:४८ | व | ६०।० | ५:४३ | ध्वज | ३।२२-७:४ | ३१।४८ | ५:४४ | १८:२७ | 13 | गौरीव्रतं,मत्स्यजयन्ती,मत्स्यनारायण मेला, मन्वादिः, ❶ |
| वै | १ | आ. | ४ | ३५।३७ | १९:५७ | रो | ५८।४७ | ५:१३ | सौ | ५३।५५ | ३:१७ | व | ३।१४ | ७:० | धाता | वृष | ३१।५२ | ५:४३ | १८:२७ | 14 | भ.३।१४उ.३५।३७ या., **वैशाखसंक्रान्ति**, नववर्षारम्भः❶ |
| | २ | सो. | ५ | ४०।४५ | २२:० | मृ | ६०।० | समस्त | शो | ५५।२९ | ३:५३ | ब | ८।१० | ८:५८ | आनन्द | ३२।४-१८:३१ | ३१।५६ | ५:४२ | १८:२८ | 15 | टोखा(चण्डेश्वरी)मूलरथयात्रा, मध्यपुर(ठिमी) बाल❷ |
| | ३ | मं. | ६ | ४५।५९ | ०:४ | मृ | ५।२४ | ७:५० | अ | ५७।१ | ४:२९ | कौ | १३।२४ | ११:२ | राक्षस | मिथुन | ३२।० | ५:४१ | १८:२९ | 16 | भ.पु.ब्रम्हाणीयात्रा, ❶भ.पु.विश्वध्वजपातनं, (खायुसल्हु) |
| प्र | ४ | बु. | ७ | ५०।५० | २:० | आ | ११।५३ | १०:२५ | सु | ५८।१५ | ४:५७ | ग | १८।३० | १३:३ | मुशल | मिथुन | ३२।४ | ५:४० | १८:२९ | 17 | भ.५०।५०उ.,भ.पु.छुमागणेशयात्रा, ❸**चैतेदशैं**, ❿ |
| | ५ | वृ. | ८ | ५४।५७ | ३:३८ | पु | १७।५३ | १२:४८ | धृ | ५८।५३ | ५:१२ | भ | २३।२ | १४:५१ | सिद्धि | १।२८-६:१४ | ३२।८ | ५:३९ | १८:३० | 18 | भ.२३।२या., **अष्टमीचैत्राष्टमीव्रतञ्च**, श्रीभवान्युत्पत्तिः❸ |
| | ६ | शु. | ९ | ५८।५ | ४:५१ | ति | २३।३ | १४:५१ | शू | ५८।४५ | ५:८ | बा | २६।४१ | १६:१८ | उत्पात | कर्कट | ३२।११ | ५:३८ | १८:३० | 19 | **श्रीरामनवमीव्रतं**(श्रीरामजयन्ती),त्रिशूली श्रीरामयात्रा❹ |
| | ७ | श. | १० | ६०।० | समस्त | श्ले | २७।१० | १६:२९ | गं | ५७।४२ | ४:४१ | तै | २९।१३ | १७:१८ | मानस | २७।१०-१६:२९ | ३२।१५ | ५:३७ | १८:३१ | 20 | ❷कुमारीयात्रा, भ.पु.महाकाली-महालक्ष्मीयात्रा, |
| | ८ | आ. | १० | ०।३ | ५:३७ | म | ३०।६ | १७:३८ | वृ | ५५।४० | ३:५२ | व | ३०।३१ | १७:४८ | मुद्गर | सिंह | ३२।१९ | ५:३६ | १८:३१ | 21 | भ.३०।३१उ., छन्ददिवसः, ❻भ.पु.विश्वध्वजोत्थानं❶ |
| | ९ | सो. | ११ | ०।४२ | ५:५२ | पू | ३१।४६ | १८:१७ | ध्रु | ५२।३८ | २:३८ | ब | ३०।३२ | १७:४७ | ध्वज | ४६।५८-०:२२ | ३२।२३ | ५:३५ | १८:३२ | 22 | भ.०।४२या., **कामदा एकादशी व्रतम्**, पृथ्वी दिवसः, |
| प्र | १० | मं. | १२ | ०।५<br>५८।१२ | ५:३६<br>४:५१ | उ | ३२।१२ | १८:२७ | व्या | ४८।३७ | १:१ | कौ | २९।१७ | १७:१७ | धाता | कन्या | ३२।२६ | ५:३४ | १८:३२ | 23 | **प्रदोषव्रतं**, महावीरजयन्ती,त्रिपु.०।५या. ❶मेषेऽर्कः५४।१, |
| | ११ | बु. | १४ | ५५।१५ | ३:३९ | ह | ३१।३० | १८:९ | ह | ४३।४३ | २३:२ | ग | २६।५३ | १६:१८ | आनन्द | कन्या | ३२।३० | ५:३३ | १८:३३ | 24 | भ.५५।१५उ., **लोकतन्त्रदिवसः** ❾वृषेसायनार्कः३९।३५, |
| | १२ | वृ. | १५ | ५१।२० | २:४ | चि | २९।४७ | १७:२७ | व | ३८।० | २०:४४ | भ | २३।२६ | १४:५४ | चर | ०।४७-५:५१ | ३२।३४ | ५:३२ | १८:३३ | 25 | भ.२३।२६या.,**पूर्णिमाव्रतं**, वैशाखस्नानारम्भः,श्रीहनुमज्ज-❹ |

❹यन्ती, ल्हुतिस्नानं-ल्हुतिपुन्हि, मन्वादिः,श्रीदेवीयात्रा, ❺
❺लमजुङ्ग यलुङ्गपोखरीमेला, बालाजु २२ धारास्नानमेला,

**यस पञ्चाङ्गको मुखपृष्ठमा टाँसिएको स्टिकर अवश्य हेरौं अन्यथा नक्कली पनि पर्न सक्छ ।**

**ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः** मं.मा.अ, बु.मा.९ अ.पू., वृ.मा.उ., शु.मा.८उ.प., श.व.उ. **पापाशाः** शनि:११, भौम:१२, राहु:२-केतु:८, ३१रवि:१, १भौम:१, २राहु:१-केतु:७, ४रवि:२-भौम:२, ७रवि:३, १०भौम:३, ११रवि:४,

**चैत्रशुक्लाष्टमी** श्री भवानीको उत्पत्ति दिन हो यसलाई चैतेदशैं मान्ने चलन पनि छ, यसमा ब्रम्हपुत्रनदीको स्नान अशोकवृक्षको मुजुरा खाने महात्म्य छ । **मन्त्रः** त्वमशोकवराभीष्ट मधुमास समुद्भव। पिबामि शोकसंतप्तो मामशोकं सदा कुरू । यस त्रयोदशीमा कामदेवको शालिग्राम वा

**ग्रह संचार समय घँडि पला र बजेदेखि**

३१ गते अ.१मेषेऽर्कः ५४।१=३:२०
१ गते अ.१मेषेभौमः ३०।४२=१७:५९
२ गते विशाखायां१राहुः भरण्यां३केतुः ३३।२६=१९:४
४ गते अश्विन्यां२सूर्यः १८।४३=१३:९
४ गते अश्विन्यां२भौमः ५४।४४=३:३२
५ गते रेवत्यांबुधः ५।२२=७:४७
७ गते अश्विन्यां३सूर्यः ४३।४८=२३:८
८ गते पश्चिमोदितःशुक्रः ७।३५=८:३८
९गते पूर्वास्तोबुधः ५२।२३=२:३२
१० गते अश्विन्यां३भौमः १९।५६=१३:३२
११ गते अश्विन्यां४सूर्यः ९।२२=९:१८
१२ गते अ.१मेषेबुधः २५।८=१५:३५

❿अशोककलिकाष्ठप्राशनं, गो.का.पूजा श्रीश्वेतमत्स्येन्द्रनाथ यात्रा, जवयात, भ.पु.भैरवभद्रकालीरथयात्रा,

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | चैत्र ३१ शनौ ५४।१ | | |
| र. | ०।०।०।० | ५८।४३ | |
| भौ. | ११।२९।३२।१० | ४५।१ | |
| बु. | ११।९।२४।१५ | १०१।११ | |
| गु. | १।२०।१४।२९ | ११।७ | |
| शु. | ०।५।३७।४९ | ७४।२६ | |
| श. | ६।१४।४५।५५ | ४।५२ | |
| रा. | ६।२३।२५।१६ | ३।११ | |

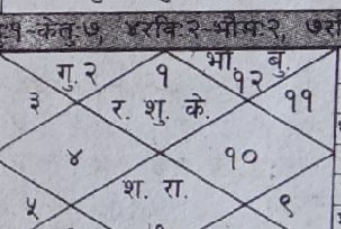


राशिप्रवेशः ३१र.१, १भौ.१, १२बु.१,

| | | |
|---|---|---|
| २ | वैशाख ७ शनौ ५४।१८ | |
| र. | ०।६।५०।१४ | ५८।२७ |
| भौ. | ०।४।५०।१८ | ४४।४७ |
| बु. | ११।२१।४२।४३ | १०७।५६ |
| गु. | १।२१।३६।४ | ११।४३ |
| शु. | ०।१४।१८।२ | ७४।१५ |
| श. | ६।१४।१३।१७ | ५।४ |
| रा. | ६।२३।३।० | ३।११ |

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५:४६ | ७:२२ | ९:१८ | ११:३३ | १३:५३ | १६:९ | १८:२४ | २०:४३ | २३:१ | १:५ |
| ५:३८ | ७:१८ | ९:१४ | ११:२९ | १३:४९ | १६:५ | १८:२० | २०:३९ | २२:५७ | १:१ |
| ५:३४ | ७:१४ | ९:११ | ११:२५ | १३:४५ | १६:१ | १८:१६ | २०:३५ | २२:५३ | ०:५७ |
| ५:३१ | ७:११ | ९:७ | ११:२१ | १३:४१ | १५:५७ | १८:१३ | २०:३१ | २२:४९ | ०:५३ |
| ५:२७ | ७:७ | ९:३ | ११:१७ | १३:३७ | १५:५३ | १८:९ | २०:२७ | २२:४५ | ०:४९ |
| ५:२३ | ७:३ | ८:५९ | ११:१३ | १३:३३ | १५:४९ | १८:५ | २०:२३ | २२:४१ | ०:४५ |
| ५:१९ | ६:५९ | ८:५५ | ११:९ | १३:२९ | १५:४५ | १८:१ | २०:१९ | २२:३७ | ०:४१ |
| ५:१५ | ६:५५ | ८:५१ | ११:५ | १३:२५ | १५:४१ | १७:५७ | २०:१५ | २२:३३ | ०:३७ |
| ५:११ | ६:५१ | ८:४७ | ११:१ | १३:२१ | १५:३८ | १७:५३ | २०:११ | २२:२९ | ०:३३ |
| ५:७ | ६:४७ | ८:४३ | १०:५८ | १३:१७ | १५:३४ | १७:४९ | २०:७ | २२:२५ | ०:३० |
| ५:३ | ६:४३ | ८:३९ | १०:५४ | १३:१३ | १५:३० | १७:४५ | २०:४ | २२:२१ | ०:२६ |
| ४:५९ | ६:३९ | ८:३५ | १०:५० | १३:९ | १५:२६ | १७:४१ | २०:० | २२:१८ | ०:२२ |
| ४:५५ | ६:३५ | ८:३१ | १०:४६ | १३:५ | १५:२२ | १७:३७ | १९:५६ | २२:१४ | ०:१८ |

## श्री संवत् २०७० चैत्रशुक्लपक्ष

| कुम्भ | मीन | गते | वार | रवि |
|---|---|---|---|---|
| २:४८ | ४:१६ | ३१ | शनि | ११।२९।७।७ |
| २:४४ | ४:१२ | १ | आइत | ०।०।५।४९ |
| २:४० | ४:९ | २ | सोम | ०।१।४।२९ |
| २:३६ | ४:५ | ३ | मंगल | ०।२।३।७ |
| २:३२ | ४:१ | ४ | बुध | ०।३।१।४३ |
| २:२८ | ३:५७ | ५ | गुरु | ०।४।०।१७ |
| २:२४ | ३:५३ | ६ | शुक्र | ०।४।५८।४८ |
| २:२० | ३:४९ | ७ | शनि | ०।५।५७।१७ |
| २:१७ | ३:४५ | ८ | आइत | ०।६।५५।४५ |
| २:१३ | ३:४१ | ९ | सोम | ०।७।५४।१० |
| २:९ | ३:३७ | १० | मंगल | ०।८।५२।३२ |
| २:५ | ३:३३ | ११ | बुध | ०।९।५०।५३ |
| २:१ | ३:२९ | १२ | गुरु | ०।१०।४९।१२ |

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

| चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ०।२९।१८।४७ | ११।२८।५१।६ | ११।७।५३।१६ | १।२०।४।१९ | ०।४।३०।४९ | ६।१४।५०।० | ६।२३।२८।८ |
| १।११।२९।५१ | ११।२९।३६।१ | ११।९।३४।१९ | १।२०।१५।३६ | ०।५।४५।११ | ६।१४।४५।२७ | ६।२३।२४।५७ |
| १।२३।३४।११ | ०।०।२२।१३ | ११।११।१६।३९ | १।२०।२६।६० | ०।६।५९।३१ | ६।१४।४०।५३ | ६।२३।२१।४६ |
| २।५।३५।६ | ०।१।७।४३ | ११।१३।०।११ | १।२०।३८।२८ | ०।८।१३।५० | ६।१४।३६।१६ | ६।२३।१८।३५ |
| २।१७।३६।३३ | ०।१।५३।१० | ११।१४।४४।४९ | १।२०।५०।३ | ०।९।२८।८ | ६।१४।३१।३८ | ६।२३।१५।२५ |
| २।२९।४२।१४ | ०।२।३८।३५ | ११।१६।३०।२९ | १।२१।१।४२ | ०।१०।४२।२३ | ६।१४।२६।५८ | ६।२३।१२।१४ |
| ३।११।५५।२६ | ०।३।२३।५७ | ११।१८।१७।७ | १।२१।१३।२७ | ०।११।५६।३८ | ६।१४।२२।१६ | ६।२३।९।३ |
| ३।२४।१८।५८ | ०।४।९।१७ | ११।२०।४।३७ | १।२१।२५।१७ | ०।१३।१०।५० | ६।१४।१७।३४ | ६।२३।५।५२ |
| ४।६।५५।१० | ०।४।५४।३४ | ११।२१।५२।५८ | १।२१।३७।११ | ०।१४।२५।१ | ६।१४।१२।५० | ६।२३।२।४१ |
| ४।१९।४५।४२ | ०।५।३९।४८ | ११।२३।४२।३ | १।२१।४९।११ | ०।१५।३९।११ | ६।१४।८।५ | ६।२२।५९।३१ |
| ५।२।५१।३३ | ०।६।२४।५९ | ११।२५।३१।५१ | १।२२।१।१५ | ०।१६।५३।१९ | ६।१४।३।१९ | ६।२२।५६।२० |
| ५।१६।१२।५५ | ०।७।१०।८ | ११।२७।२२।१७ | १।२२।१३।२५ | ०।१८।७।२५ | ६।१३।५८।३२ | ६।२२।५३।९ |
| ५।२९।४९।१५ | ०।७।५५।१३ | ११।२९।१३।१८ | १।२२।२५।३८ | ०।१९।२१।३० | ६।१३।५३।४५ | ६।२२।४९।५८ |

चैत्र ३१ गतेको मेष लग्नको आरम्भ भोलिपल्टको (वैशाख १ गतेको) सूर्योदय पूर्व ५:४२ बजे दोस्रो पटक पनि हुन्छ । यहाँ एकैदिनमा एउटैलग्न दुईपटक आरम्भको मतलब एउटा सूर्योदयदेखि अर्को सूर्योदय नहुदाँसम्मलाई एकैदिन मान्नुपर्ने कारणले गर्दा हो ।

सूचना–सं २०७०साल वैशाख १२ गते बिहीवार तदनुसार (२५/२६अप्रैल सन् २०१३)को चन्द्रग्रहण नेपाली समयानुसार रात्रि १।३७ बजे स्पर्श भै रात्रि २।८बजे मोक्ष हुनेछ तर उक्त ग्रहणको ग्रास अति अल्प हुने भएकाले यस्तो ग्रहण बार्ने चलन छैन।

| सूर्यः फलम् | रा. | चन्द्रः फलम् |
|---|---|---|
| १ स्थाननाशः | मे. | २ धनलाभः |
| १२ व्ययः | वृ. | १ अन्नलाभः |
| ११ लाभः | मि. | १२ व्ययः |
| १०कर्मप्राप्तिः | क. | ११ लाभः |
| ९ कान्तिक्षयः | सिं. | १० सुखम् |
| ८ कष्टम् | कं. | ९ नृपसुखम् |
| ७ गमनम् | तु. | ८ कष्टम् |
| ६ शत्रुनाशः | वृ. | ७ स्त्रीसुखम् |
| ५ दैन्यम् | ध. | ६ लाभः |
| ४ माननाशः | म. | ५ कार्यसिद्धिः |
| ३ श्रीप्राप्तिः | कुं. | ४ कृक्षिरुक् |
| २ भयम् | मी. | ३ श्रीप्राप्तिः |

*संक्रान्तिःफलम्* **मेष (वैशाख)** श्री संवत् २०७० शाके १९३५ पराभवनामसंवत्सरे, श्री सूर्योत्तरायणे, वसन्ततौ, चैत्रशुक्ल चतुर्थ्यांतिथौ, रोहिणीनक्षत्रे, सौभाग्ययोगे, वणिजकरणे, शनिवासरे, श्री सूर्योदयादगत घटिकासु ५४ पलासु १ श्री सूर्योमीनान्मेषराशिं प्रविष्टस्तदा चैत्रो गतो वैशाखमासः प्राप्तः । वारतो राक्षसी अन्त्यजसुखा, नक्षत्रतो मन्दा विप्रसुखा, कालतोगोपघ्नी, विषुवन्नाम्नी मेष संक्रान्तिश्च प्राप्ता ॥ इयं महिषारुढा, करभोपवाहना, श्यामवस्त्रा, तोमरायुधा, त्रपुपात्रहस्ता, दध्यशना, यावकलेपा, मृगजातिः, अर्कपुष्पा, निविष्ठा, ज्वरावस्था, मण्याभरणा, प्रगल्भाऽऽग्नेयमुखा, मुहूर्त्ताः४५ धान्यार्घवृष्टिषु श्रेष्ठफलदा, परेद्युपुण्यकालः, मासदेवता मधुसूदनो, मासदेवी मोहिनी, मासार्को भानुः मेषे सूर्यो वृषेचन्द्रगुरुश्च ॥ तिथि वारं च नक्षत्रं योगः करणमेव च । पञ्चाङ्गस्य फलं श्रुत्वा गंगास्नान फलं लभेत् ॥

*नक्षत्रःफलम्*

| | |
|---|---|
| कृ. रो. मृ. ..... | गमनम् |
| आ.पु.ति.श्ले.म.पू | सुखम् |
| उ. ह. चि. ..... | पीडा |
| स्वा.वि.अ.ज्ये.मू.पू | वस्त्रम् |
| उ. श्र. ध. ..... | हानिः |
| श.पू.उ.रे.अ.भ | धनम् |

*मासिक(भविष्य)फल* **मेष (वैशाख)** यसमासमा ग्रहगोचर साधारणतया अधम जस्ता छन् । मेष राशिमा सूर्य मंगल बुध केतु शुक्रको पञ्चग्रही योगले उल्का उत्पात, राज्य सञ्चालनमा विषमता, अशान्ति, जनरोगप्रकोप, अग्निकाण्ड, अनिकाल, पेयजलको हाहाकार आदि कठोर समयको आभास हुनेछ । भरुणीको सूर्यले सुन, चाँदी, तेल, अनाज, लौह, धातु, सूतीवस्त्र, सुपारी, रक्तचन्दन, मेथी आदि वस्तुमा तेजी रहने रुई सस्तो हुनेछ । शनि तुलाराशिमा रहेकाले जनतामा भयव्याप्ति हुनेछ । कहीं कतै भोकमरी तथा रोगभय, नयाँ व्याधीको प्रादुर्भाव, यत्रतत्र अग्निकाण्डको आशंका, सत्तापक्ष र विपक्षमा मनमुटाव हुने, दैनिक प्रशासकीय कार्यमा शिथिलता रहने, गुरुवासरी अमायोगले मासान्तमा केही सुधार हुने कष्टहरूको क्रमिकह्रास हुनेछ । वायु बतासको अधिकता रहे पनि पुँस्त्री योगबाट ४,८,१०,१३,३० गते जलवर्षणको योग छ ।

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५ ने.सं.११३३ **वैशाखकृष्णपक्षः** ( चौलागा) पाः स्वा., वि., १७, ध.,शत., भ. (अप्रैल ४/मई ५ सन् २०१३) उत्तरायणं, वसन्तर्तुः, पराभवनामकः संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | ध.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | १३ | शु. | १ | ४६।३७ | ०:१० | स्वा | २७।१३ | १६:२४ | सि | ३१।३७ | १८:१० | बा | १९।५ | १३:९ | गद | तुला | ३२।३७ | ५:३१ | १८:३४ | 26 | विशालनगरे श्रीवैष्णवीदेवीयात्रा, ल पु.श्रीमत्स्येन्द्रनाथ❶ |
| | १४ | श. | २ | ४१।१७ | २२:१ | वि | २३।५८ | १५:५ | व्य | २४।४२ | १५:२३ | तै | १४।२ | ११:७ | शुभ | ९।५१-९:२६ | ३२।४१ | ५:३० | १८:३५ | 27 | त्रिपुष्करः२३।५८या., ❶स्नानं (बुँगन्हव) |
| प्र | १५ | आ. | ३ | ३५।३० | १९:४१ | अ | २०।१३ | १३:३४ | व | १७।२२ | १२:२६ | व | ८।२७ | ८:५२ | मृत्यु | वृश्चिक | ३२।४५ | ५:२९ | १८:३५ | 28 | भ.८।२७उ.३५।३०या.,साखुयात्रा,(सकोयात), |
| | १६ | सो. | ४ | २९।२८ | १७:१६ | ज्ये | १६।१० | ११:५६ | प | ९।४६ | ९:२३ | ब | २।३१ / ५६।२४ | ६:२९ / ४:२ | [illegible] | १६।१०-११:५६ | ३२।४८ | ५:२८ | १८:३६ | 29 | ❻चाँगुनारायण छिन्नमस्ताकिलेश्वर मूलरथयात्रा |
| | १७ | मं. | ५ | २३।२३ | १४:४९ | मू | १२।० | १०:१६ | शि | ३।५ / ५४।२६ | ६:१७ / ३:१४ | ग | ५०।२२ | १:३७ | छत्र | धनु | ३२।५२ | ५:२८ | १८:३६ | 30 | ❺आमाकोमुखहेर्नेदिन, **कानूनदिवसः**,❻ |
| प्र | १८ | बु. | ६ | १७।२८ | १२:२६ | पू | ७।५९ | ८:३८ | सा | ४७।३ | ०:१६ | भ | ४४।३७ | २३:१८ | श्रीवत्स | २२।१-१४:१५ | ३२।५५ | ५:२७ | १८:३७ | 1 | भ.१७।२८उ.४४।३७या., **श्रमिकदिवसः** (मई५ता.३१), |
| | १९ | वृ. | ७ | ११।५५ | १०:१२ | उ | ४।१८ | ७:९ | शु | ४०।४ | २१:२७ | बा | ३९।२० | २१:१० | ध्वांक्ष | मकर | ३२।५९ | ५:२६ | १८:३७ | 2 | **अष्टमीव्रतं**, गोरखकालीपूजा, |
| | २० | शु. | ८ | ६।५६ | ८:११ | श्र | १।८ / ५८।३८ | ५:५३ / ४:५२ | शु | ३३।३६ | १८:५२ | तै | ३४।४० | १९:१७ | धूम्र | २९।४७-१७:२० | ३३।२ | ५:२५ | १८:३८ | 3 | ध.पं.प्रवृत्तिः२९।४७,❿संवत्सरप्रवेशः३४।१९(१९।८बजे) |
| | २१ | श. | ९ | ३।४० / ५९।१५ | ६:३८ / ५:७ | श | ५७।४ | ४:१४ | ब्र | २७।४८ | १६:३१ | व | ३०।५० | १७:४४ | आनन्द | कुम्भ | ३३।५ | ५:२४ | १८:३८ | 4 | भ.३०।५०उ.५९।१५या., ❽ध.पं.निवृत्तिः५८।५९ |
| | २२ | आ. | ११ | ५६।५६ | ४:१० | पू | ५६।३२ | ४:० | ऐं | २२।४७ | १४:३० | ब | २७।५८ | १६:३५ | चर | ४१।३४-२२:१ | ३३।९ | ५:२४ | १८:३९ | 5 | स्मार्त्तानां **वरुथिनी एकादशी व्रतं**, सौरात्प्लवङ्गनाम❿ |
| | २३ | सो. | १२ | ५५।४७ | ३:४२ | उ | ५७।९ | ४:१४ | वै | १८।३९ | १२:५१ | कौ | २६।१३ | १५:५२ | गद | मीन | ३३।१२ | ५:२३ | १८:४० | 6 | वैष्णवानां **वरुथिनी एकादशी व्रतम्**, |
| प्र | २४ | मं. | १३ | ५५।५३ | ३:४३ | रे | ५८।५९ | ४:५८ | वि | १५।३० | ११:३४ | ग | २५।४१ | १५:३९ | शुभ | ५८।५९-४:५८ | ३३।१५ | ५:२२ | १८:४० | 7 | भ.५५।५३उ., **प्रदोषव्रतं**, किराँत समाजसुधारदिवस,❽ |
| | २५ | बु. | १४ | ५७।१६ | ४:१६ | अ | ६०।० | समस्त | प्री | १३।२० | १०:४१ | भ | २६।२६ | १५:५६ | मृत्यु | मेष | ३३।१८ | ५:२१ | १८:४१ | 8 | भ.२६।२६या., (मातातिचःह्रेपूजा),रेडक्रस दिवसः, |
| | २६ | वृ. | ३० | ५९।५२ | ५:१८ | अ | २।७ | ६:११ | आ | १२।११ | १०:१३ | च | २८।२६ | १६:४३ | मानस | मेष | ३३।२१ | ५:२१ | १८:४१ | 9 | **दर्शश्राद्धं**, निशी एवं हलोबार्ने, मातातीर्थस्नानं,❺ |

*नोटः रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, ..... १२ बजे, दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १३, १४, ..... २३ बजे र रात्री १२ बजेलाई ० बजेले संकेत गरिएको छ ।*

**ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः** मं.मा.अ., बु.मा.अ.पू., वृ.मा.उ., शु.मा.उ.प., श.व.उ.

**पापाशः** शनिः११, भौमः३, राहुः१-केतुः७, १४रविः५, १४भौमः४, १८रविः६, १९भौमः५,१९शनिः१०, २१रविः७ २३भौमः५, २४रविः८,

**वैशाखमासे नियमाः** वैशाखमा एक भक्त वा नक्त अयाचित कुनै नियमले भोजन, प्रातः स्नानदान पिपल दर्शन पूजन, प्रदक्षिणा, जलार्पण, गौसेवा गर्नाले पापनाश भै कुलको उद्धार हुन्छ । **स्नानमन्त्रः** वैशाखं सकलंमासं मेषसंक्रमणेरवेः । प्रातः सनियमः स्नास्ये प्रीयतां मधुसूदनः ॥ मधुहन्तुः प्रसादेनः ब्राम्हणानामनुग्रहात् । निर्विघ्नमस्तु मे पुण्यं वैशाखस्नानमन्वहम् ॥ वैशाखे मेषगे भानौ मुरारे मधुसूदन । प्रातः स्नानेन मे नाथ फलदो भव पापहन् ॥

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

१४ गते भरण्यां१सूर्यः३५।१९=१९:३८
१४ गते अश्विन्यां४भौमः४६।२०=०:२
१६ गते मृगभे१गुरुः२२।३६=१४:३१
१७ गतेकृतिकायां१शुक्रः५५।३५=३:४१
१८ गते भरण्यां२सूर्यः१।४३=६:८
१९ गते भरण्यां१भौमः१४।१=११:२
१९ गते भरण्यांबुधः३०।२६=१७:३६
१९ गते पुनःस्वात्यां२शनिः२।३७=६:२९
२० गते कृ.२ वृषेशुक्रः३८।३=२०:३८
२१ गते भरण्यां३सूर्यः२८।२९=१६:४८
२३ गते भरण्यां२भौमः४३।०=२२:३५
२४ गते भरण्यां४सूर्यः५५।४०=३:३८
२६ गते कृतिकायांबुधः३२।१६=१८:१५

| | | |
|---|---|---|
| ३ | वैशाख १४ शनौ | ५४।३५ |
| र. | ०।१३।३८।४२ | ५८।११ |
| भौ. | ०।१०।६।११ | ४४।३२ |
| बु. | ०।४।३९।११ | १११।३३ |
| गु. | १।२३।१।३८ | १२।१४ |
| शु. | ०।२२।५६।५६ | ७४।४ |
| श. | ६।१३।३९।४९ | ५।९ |
| रा. | ६।२२।४०।४३ | ३।११ |

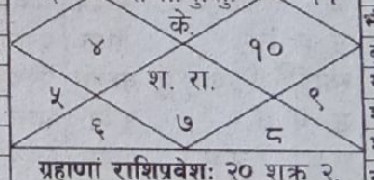


**ग्रहाणां राशिप्रवेशः** २० शुक्र २,

| | | |
|---|---|---|
| ४ | वैशाख २१ शनौ | ५४।४९ |
| र. | ०।२०।२५।२७ | ५७।५७ |
| भौ. | ०।१५।१९।४१ | ४४।१५ |
| बु. | ०।१७।५४।१० | ११२।३६ |
| गु. | १।२४।३०।३६ | १२।४१ |
| शु. | १।१।३४।२८ | ७३।५३ |
| श. | ६।१३।६।१४ | ५।८ |
| रा. | ६।२२।१८।२७ | ३।११ |

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन | गते | वार | रवि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ४:५१ | ६:३१ | ८:२७ | १०:४२ | १३:२ | १५:१८ | १७:३३ | १९:५२ | २२:१० | ०:१४ | १:५७ | ३:२५ | १३ | शुक्र | ०।११।४७।२८ |
| ४:४७ | ६:२७ | ८:२३ | १०:३८ | १२:५८ | १५:१४ | १७:२९ | १९:४८ | २२:६ | ०:१० | १:५३ | ३:२१ | १४ | शनि | ०।१२।४५।४३ |
| ४:४३ | ६:२३ | ८:१९ | १०:३४ | १२:५४ | १५:१० | १७:२५ | १९:४४ | २२:२ | ०:६ | १:४९ | ३:१७ | १५ | आइत | ०।१३।४३।५५ |
| ४:३९ | ६:१९ | ८:१५ | १०:३० | १२:५० | १५:६ | १७:२१ | १९:४० | २१:५८ | ०:२ | १:४५ | ३:१४ | १६ | सोम | ०।१४।४२।६ |
| ४:३६ | ६:१६ | ८:१२ | १०:२६ | १२:४६ | १५:२ | १७:१७ | १९:३६ | २१:५४ | २३:५८ | १:४१ | ३:१० | १७ | मंगल | ०।१५।४०।१४ |
| ४:३२ | ६:१२ | ८:८ | १०:२२ | १२:४२ | १४:५८ | १७:१४ | १९:३२ | २१:५० | २३:५४ | १:३७ | ३:६ | १८ | बुध | ०।१६।३८।२० |
| ४:२८ | ६:८ | ८:४ | १०:१८ | १२:३८ | १४:५४ | १७:१० | १९:२८ | २१:४६ | २३:५० | १:३३ | ३:२ | १९ | गुरु | ०।१७।३६।२५ |
| ४:२४ | ६:४ | ८:० | १०:१४ | १२:३४ | १४:५० | १७:६ | १९:२४ | २१:४२ | २३:४६ | १:२९ | २:५८ | २० | शुक्र | ०।१८।३४।२७ |
| ४:२० | ६:० | ७:५६ | १०:१० | १२:३० | १४:४६ | १७:२ | १९:२० | २१:३८ | २३:४२ | १:२५ | २:५४ | २१ | शनि | ०।१९।३२।२७ |
| ४:१६ | ५:५६ | ७:५२ | १०:६ | १२:२६ | १४:४३ | १६:५८ | १९:१६ | २१:३४ | २३:३८ | १:२१ | २:५० | २२ | आइत | ०।२०।३०।२६ |
| ४:१२ | ५:५२ | ७:४८ | १०:२ | १२:२२ | १४:३९ | १६:५४ | १९:१२ | २१:३० | २३:३४ | १:१८ | २:४६ | २३ | सोम | ०।२१।२८।२२ |
| ४:८ | ५:४८ | ७:४४ | ९:५९ | १२:१८ | १४:३५ | १६:५० | १९:८ | २१:२६ | २३:३१ | १:१४ | २:४२ | २४ | मंगल | ०।२२।२६।१७ |
| ४:४ | ५:४४ | ७:४० | ९:५५ | १२:१४ | १४:३१ | १६:४६ | १९:५ | २१:२२ | २३:२७ | १:१० | २:३८ | २५ | बुध | ०।२३।२४।१० |
| ४:० | ५:४० | ७:३६ | ९:५१ | १२:१० | १४:२७ | १६:४२ | १९:१ | २१:१९ | २३:२३ | १:६ | २:३४ | २६ | गुरु | ०।२४।२२।० |

## श्री संवत् २०७० वैशाखकृष्णपक्ष

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

| चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ६।१३।३९।१४ | ०।८।४०।१६ | ०।१।४।५१ | १।२२।३७।५६ | ०।२०।३५।३३ | ६।१३।४८।५८ | ६।२२।४६।४७ |
| ६।२७।४०।५४ | ०।९।२५।१६ | ०।२।५६।५२ | १।२२।५०।१९ | ०।२१।४९।३४ | ६।१३।४४।१० | ६।२२।४३।३७ |
| ७।११।५१।३९ | ०।१०।१०।१३ | ०।४।४९।१८ | १।२३।२।४५ | ०।२३।३।३४ | ६।१३।३९।२३ | ६।२२।४०।२६ |
| ७।२६।८।२९ | ०।१०।५५।७ | ०।६।४२।७ | १।२३।१५।१६ | ०।२४।१७।३३ | ६।१३।३४।३५ | ६।२२।३७।१५ |
| ८।१०।२७।५७ | ०।११।३९।५९ | ०।८।३५।१५ | १।२३।२७।५१ | ०।२५।३१।२९ | ६।१३।२९।४८ | ६।२२।३४।४ |
| ८।२४।४६।३ | ०।१२।२४।४७ | ०।१०।२८।३९ | १।२३।४०।३० | ०।२६।४५।२४ | ६।१३।२५।० | ६।२२।३०।५३ |
| ९।८।५९।१२ | ०।१३।९।३३ | ०।१२।२२।१७ | १।२३।५३।१२ | ०।२७।५९।१८ | ६।१३।२०।१३ | ६।२२।२७।४३ |
| ९।२३।४।१२ | ०।१३।५४।१५ | ०।१४।१६।५ | १।२४।५।५९ | ०।२९।१३।९ | ६।१३।१५।२५ | ६।२२।२४।३२ |
| १०।६।५८।२० | ०।१४।३८।५५ | ०।१६।१०।० | १।२४।१८।४९ | १।०।२६।५९ | ६।१३।१०।३७ | ६।२२।२१।२१ |
| १०।२०।३९।२४ | ०।१५।२३।३१ | ०।१८।३।५७ | १।२४।३१।४२ | १।१।४०।४८ | ६।१३।५।४९ | ६।२२।१८।१० |
| ११।४।५।५३ | ०।१६।८।५ | ०।१९।५७।५३ | १।२४।४४।३९ | १।२।५४।३५ | ६।१३।१।२ | ६।२२।१४।५९ |
| ११।१७।१६।५६ | ०।१६।५२।३५ | ०।२१।५१।४३ | १।२४।५७।४० | १।४।८।२० | ६।१२।५६।१५ | ६।२२।११।४९ |
| ०।०।१२।३३ | ०।१७।३७।३ | ०।२३।४५।२७ | १।२५।१०।४३ | १।५।२२।३ | ६।१२।५१।२९ | ६।२२।८।३८ |
| ०।१२।५३।२६ | ०।१८।२१।२८ | ०।२५।३८।५९ | १।२५।२३।५० | १।६।३५।४५ | ६।१२।४६।४४ | ६।२२।५।२७ |

## यस पञ्चाङ्गका सहप्रकाशन हिमाल सजिलो पात्रो तथा दुर्गा सजिलो पात्रो पनि प्रयोग गरौं ।

**वैशाखशुक्लतृतीयायां कर्त्तव्य विचारः**– यसमा स्नान, दान, जप-तप जो गरिन्छ त्यसको अक्षयफल हुन्छ । यसैले अक्षयतृतीया नाम रहेको हो । यस दिन विशेषतः तीर्थस्नान,पितृतर्पण, युगादि श्राद्ध, यवार्चन, यवदान, यव (जौ)को सतु व्यञ्जनादि, गर्मीयाममा हितकर छाता जुत्ता, दण्ड, कमण्डल, खरांउ इत्यादि दान गर्नाले स्वर्ग मिल्दछ।

**अथ तिथिनिर्णयः** यातिथि समनुप्राप्य उदयं यातिभास्करः । सा तिथि सफलाज्ञेया दानाध्ययनकर्मषु ॥

**अथ उषाकाल ज्ञानम्-** पञ्च पञ्च उषः कालः षड्पञ्चादरुणोदयः । सप्त पञ्च भवेत्प्रातः शेषसूर्योदय स्मृताः॥ **स्थानविशेषेण ग्रहाणां विफलत्वमाह-** सभानुरिन्दुः शशिजश्चतुर्थे गुरुः सुतेभूमिसुतः कुटुम्बे। भृगुः सपत्ने रविजकलत्रे विलग्न सस्ते विफला भवन्ति ।

**अथ प्रथम रजवतीनारीणां फलम्-** पहिला रजस्वला हुंदा शुभकालः वैशाख, ज्येष्ठ, श्रावण, आश्विन, मार्ग, माघ, फाल्गुनमास, शुक्लपक्ष १।२।३।५।७।१०।११।१३।१५ तिथि, श्वेतवस्त्र,सोम,बुध,गुरु,शुक्रवार ,श्र.ध.श.मू.रे.चि.अनु.ह.अश्वि.ति.३उत्तरा.रो.स्वा. नक्षत्र, २।३।४।६। ७।९।१२ लग्न आदिमा रजस्वला हुनु शुभ हुन्छ । कृष्णपक्षे रात्रौ-भद्रायां-संक्रान्ति-दिने-रोगे, वैधृतौ व्यतिपाते, रवि भौम शनिवारेषु, ज्ये.आ.श्ले.३पूर्वा.म.नक्षत्रेषु, १।३।८।१०।११,लग्नेषु अशुभः **तत्परिहारः** अशुभमपि समस्तं चार्तवं संप्रभूतं सुरगुरुसित युक्ते वीक्षतेवाथ लग्ने । तिमिरमिव कठोर ज्योतिरुत्पतिकाल क्षयमथ समुपात प्राप्नुयादीप्सितानि ।

**अस्याः शान्तिः** पानीछुनेदिन घृत, दुर्वा, तिलाक्षत सहित मृत्युञ्जय मन्त्रले १०८ हवन गर्नु सबदोष समाप्त हुन्छ ।

**माता भार्या रजस्वला हुँदा-** विवाह व्रतचुडाषु माताभार्या र जस्वला । तदा न मङ्गलकार्यं शुद्धौ कार्यं शुभेप्सभिः ॥

**अथ नवबधुपतिगृह निवास विचार-** विवाह भएपछि पतिगृहमा रहँदा प्रथम आषाढमा सासु, ज्येष्ठमा जेठाजु, पौषमा शशूर ा, मलमासमा पति क्षयमासमा आफैलाई कष्ट गर्दछ। चैत्रमा माइतमा नबस्नु पितालाई अनिष्ट हुन्छ ।

**अथ गर्भिणी प्रश्नः** प्रश्नसमयको तिथि नक्षत्र प्रहरको संख्यामा गर्भिणीनामाक्षर संख्या जोडनु त्यसमा ७ जोडी ३ ले गुणी ७ ले भागगर्दा विषम अंक शेष रहे छोरो तथा सम अंक शेष रहे छोर ी जन्म हुन्छ ।

**स्थानविशेषेण भौमदोषज्ञानम्** - लग्ने १ व्यये १२ च पाताले ४ जामित्रे ७ चाष्टमे ८ कुजे । पत्नीहन्ति स्वभर्तारं भर्ता भार्यां न संशयः ॥ **भौमदोषपरिहारज्ञानम्-** जामित्रे च यदा सौरिर्लग्ने वा हिबुकेऽथवा । नवमे द्वादशे चैव भौमदोषो न विद्यते ॥ न मङ्गली चन्द्रभृगुद्वितीये न मङ्गली पश्यति यस्य जीवः । न मङ्गली केन्द्रगते च राहु न मङ्गली मङ्गलराहु योगे ॥

**सूचनाः**– ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, हस्तरेखा र संस्कृतभाषा एवं ज्योतिष सफटवेयरका लागि विस्तृत जन्मपत्री (चिना) बनाउने सफ्टवेयर **स्काइ भिजनका** दुई संस्करण (लाइट र प्रोफेशनल) देशभर डेलिभरिको सुविधा सहित उपलब्ध छ। पुरानो सफटवेयर लाई नवीन व्यावसायिक संस्करणमा रुपान्तरणका लागि सम्पर्क राख्नुहोला ।

**पूर्वीय–दर्शन विद्यापीठ**
डिल्लीबजार, काठमाण्डौ,
फोन- ०१-४४३४९०९,९८४१२८७७५७
**e–mail:** info@orientalphilosophy.edu.np

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५ ने.संवत् ११३३ **वैशाखशुक्लपक्षः** (बछलाथ्व) पाः भ.,३,म.,स्वा.,१६,वि.,१७, (मई ५ सन् २०१३) उत्तरायणं, वसन्तर्तुः/ग्रीष्मर्तुः, पराभवनामकः संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २७ | शु. | १ | ६०।० | समस्त | भ | ६।२३ | ७:५३ | सौ | ११।५७ | १०:७ | किं | ३१।३६ | १७:५८ | मुद्गर | २२।३७-१४:२३ | ३३।२५ | ५:२० | १८:४२ | 10 | ल.पु. श्री मत्स्येन्द्रनाथरथारोहणं (बुँगद्यःरथयूतइगु), |
| | २८ | श. | १ | ३।३४ | ६:४५ | कृ | ११।४२ | १०:० | शो | १२।३२ | १०:२० | बा | ३५।४४ | १९:३७ | ध्वज | वृष | ३३।२८ | ५:१९ | १८:४२ | 11 | चन्द्रोदयः,त्रिपु.:३।३४उ.११।४२या., ❼घाँटुनृत्यविसर्जनं, |
| | २९ | आ. | २ | ८।५ | ८:३३ | रो | १७।४६ | १२:२५ | अ | १३।४४ | १०:४९ | तै | ४०।३३ | २१:३२ | धाता | ५०।५९-१:४२ | ३३।३१ | ५:१९ | १८:४३ | 12 | श्रीपरशुरामजयन्ती, ❻**उभौलीपर्व** (किराँतसमूहको),❼ |
| प्र | ३० | सो. | ३ | १३।६ | १०:३३ | मृ | २४।१७ | १५:१ | सु | १५।१९ | ११:२६ | व | ४५।४० | २३:३४ | आनन्द | मिथुन | ३३।३४ | ५:१८ | १८:४४ | 13 | भ.४५।४०उ.,**अक्षयतृतीया**,धर्मघटादिदानं,त्रेतायुगादिः❶ |
| | ३१ | मं. | ४ | १८।१४ | १२:३५ | आ | ३०।४९ | १७:३७ | धृ | १६।५७ | १२:४ | ब | ५०।४० | १:३४ | चर | मिथुन | ३३।३६ | ५:१८ | १८:४४ | 14 | भ.१८।१४या.,**मङ्गलचतुर्थी व्रतं**, वृषेऽर्कः५१।११, ❻ |
| ज्ये | १ | बु. | ५ | २२।५९ | १४:२९ | पु | ३६।५६ | २०:४ | शू | १८।१९ | १२:३७ | कौ | ५५।७ | ३:२० | गद | २०२८-१३:२८ | ३३।३९ | ५:१७ | १८:४५ | 15 | **ज्येष्ठसंक्रान्ति**,आद्यश्रीशंकराचार्य जयन्ती, |
| प्र | २ | वृ. | ६ | २७।२ | १६:५ | ति | ४२।१८ | २२:१२ | गं | १९।१० | १२:५७ | ग | ५८।४२ | ४:४५ | शुभ | कर्कट | ३३।४२ | ५:१६ | १८:४५ | 16 | ❹बन्दिकापुरे चण्डेश्वरीरथयात्रा, स्याङ्जालसर्घा आलमदेवीपूजा,❻ |
| | ३ | शु. | ७ | ३०।६ | १७:१८ | श्ले | ४६।४० | २३:५६ | वृ | १९।१७ | १२:५९ | भ | ६०।० | ५:१५ | मृत्यु | ४६।४०-२३:५६ | ३३।४५ | ५:१६ | १८:४६ | 17 | भ.३०।६उ., श्रीगङ्गोत्पत्तिः श्रीगङ्गासप्तमी, |
| | ४ | श. | ८ | ३१।५८ | १८:३ | म | ४९।५१ | १:१२ | ध्रु | १८।३० | १२:३९ | भ | १।१२ | ५:४४ | पद्म | सिंह | ३३।४८ | ५:१५ | १८:४६ | 18 | भ.१।१२या., **अष्टमीव्रतं**,गो.का.पूजा, श्रीपशुपतेर्दमनार्पणम्, |
| | ५ | आ. | ९ | ३२।३५ | १८:१७ | पू | ५१।४७ | १:५८ | व्या | १६।४४ | ११:५६ | बा | २।२७ | ६:१४ | छत्र | सिंह | ३३।५० | ५:१५ | १८:४७ | 19 | श्रीसीताजयन्ती, ❶श्रीरामानुजाचार्यजयन्ती, |
| | ६ | सो. | १० | ३१।५५ | १८:० | उ | ५२।२९ | २:१४ | ह | १३।५८ | १०:४९ | तै | २।२५ | ६:१२ | श्रीवत्स | ७।५-८:५ | ३३।५३ | ५:१४ | १८:४८ | 20 | मिथुनेसायनार्कः४२।४४, |
| | ७ | मं. | ११ | ३०।१ | १७:१५ | ह | ५२।१ | २:२ | व | १०।१२ | ९:१९ | व | १।७ / ५८।३९ | ५:४१ / ४:४२ | सौम्य | कन्या | ३३।५५ | ५:१४ | १८:४८ | 21 | भ.१।७ उ.३०।१या., **मोहिनी एका. व्रतं**, द्विपु.५२।१उ., |
| प्र | ८ | बु. | १२ | २७।२ | १६:२ | चि | ५०।३० | १:२६ | सि | ५।३१ | ७:२६ | कौ | ५५।९ | ३:१७ | काल | २१।२४-१३:४७ | ३३।५८ | ५:१४ | १८:४९ | 22 | **प्रदोषव्रतं**, कोकाकौशिकीसंगमेमत्स्यदर्शनम्, |
| | ९ | वृ. | १३ | २३।४ | १४:२७ | स्वा | ४८।६ | ०:२७ | व्य | ०।१ / ५३।४७ | ५:१४ / २:४४ | ग | ५०।४६ | १:३२ | स्थिर | तुला | ३४।० | ५:१३ | १८:४९ | 23 | श्रीनृसिंहजयन्ती, ❸**गौतमबुद्धजयन्ती**,गोखनाथजयन्ती,❹ |
| | १० | शु. | १४ | १८।१८ | १२:३२ | वि | ४४।५८ | २३:१२ | प | ४७।० | ०:१ | भ | ४५।४० | २३:२९ | मातङ्ग | ३०।४९-१७:३२ | ३४।२ | ५:१३ | १८:५० | 24 | भ.१८।१८उ.४५।४०या., **पूर्णिमाव्रतं**, कूर्मजयन्ती, |
| | ११ | श. | १५ | १२।५४ | १०:२२ | अ | ४१।१७ | २१:४३ | शि | ३९।४६ | २१:७ | बा | ४०।१ | २१:१३ | अमृत | वृश्चिक | ३४।५ | ५:१२ | १८:५० | 25 | वैशाखस्नानसमाप्तिःचण्डीपूर्णिमा, स्वाँयापून्हि, ❸ |

**वक्रमार्गोदयास्तः** मं.मा अ.,बु.मा.७ उ प., वृ.मा.उ., शु.मा.उ.प., श.व.उ.

**पापांशाः** शनि.१०, राहु१-केतु७, २८रवि. ९-भौम.७, ३१रवि.१०,१भौम.८, ४रवि.११, ६भौम.९, ७रवि. १२, १०भौम.१०, ११ रवि.१

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि** ☞

२८ गते कृति.१सूर्यः२३।१५=१४:३७
२८ गते भरण्यांश्चौभौमः१३।२२=१०:४०
२८ गते कृ.२वृषेबुधः१८।२५=१२:४१
२८ गते रोहिण्यां शुक्रः४६।२३=२३:५३
३१ गते कृ.२ वृषेऽर्कः५१।११=१:४६
३१ गते मृगभे२गुरुः४४।१०=२२:५८
१ गते भरण्यां४भौमः४५।८=२३:२०
२ गते रोहिण्यांबुधः४१।२=२१:४१
४ गते कृतिकायांश्चसूर्यः१९।३०=१३:३
६ गते कृति.१भौमः१८।२१=१२:३५
७ गते कृतिकायां४सूर्यः४८।९=०:२९
७ गते पश्चिमोदितोबुधः११।५८=१०:१
८ गते मृगशीर्षे शुक्रः३९।५४=२१:११
१० गते कृति.२ वृषेभौमः५३।३=२:२६
१० गते मृगशिर्षेबुधः९।४४=९:६
११ गते रोहिण्यां१सूर्यः१७।८=१२:४

❶ युगादिश्राद्धं,लूभूमहालक्ष्मीभैवयात्रा, अगस्त्यास्तः११।१९,ल.पु.श्रीमत्स्येन्द्रनाथ रथयात्रारम्भः,

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५ | वैशाख २८ शनौ ५५।१ | | | ६ | ज्येष्ठ ४ शनौ ५५।१२ | | |
| र. | ०।२७।१०।३६ | ५७।४३ | | र. | १।३।५४।१५ | ५७।३० | |
| भौ. | ०।२०।३०।४४ | ४३।५८ | | भौ. | ०।२५।३९।१५ | ४३।४० | |
| बु. | १।१।८।४६ | १११।९ | | बु. | १।१४।४।२८ | १०७।४ | |
| गु. | १।२६।२।२३ | १३।३ | | गु. | १।२७।३६।२७ | १३।२१ | |
| शु. | १।१०।१०।३६ | ७३।४२ | | शु. | १।१८।४५।१८ | ७३।३१ | |
| श. | ६।१२।३२।५८ | ४।५९ | | श. | ६।१२।०।५२ | ४।४३ | |
| रा. | ६।२१।५६।१० | ३।११ | | रा. | ६।२१।३३।५४ | ३।११ | |

२८बर, ३१सू २, १०.भौ२,

| ७ | ज्येष्ठ ११ शनौ ५५।१९ | |
|---|---|---|
| र. | १।१०।३६।३१ | ५७।१९ |
| भौ. | १।०।४५।११ | ४३।२२ |
| बु. | १।२६।१९।१९ | ९९।२९ |
| गु. | १।२९।१२।१७ | १३।३६ |
| शु. | १।२७।१८।३४ | ७३।१९ |
| श. | ६।११।३०।४५ | ४।२० |
| रा. | ६।२१।११।३८ | ३।११ |

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३५६ | ५:३६ | ७:३२ | ९:४७ | १२:६ | १४:२३ | १६:३८ | १८:५७ | २१:१५ | २३:१९ | १:२ | २:३० |
| ३५२ | ५:३२ | ७:२८ | ९:४३ | १२:३ | १४:१९ | १६:३४ | १८:५३ | २१:११ | २३:१५ | ०:५८ | २:२६ |
| ३४८ | ५:२८ | ७:२४ | ९:३९ | ११:५९ | १४:१५ | १६:३० | १८:४९ | २१:७ | २३:११ | ०:५४ | २:२२ |
| ३४४ | ५:२४ | ७:२० | ९:३५ | ११:५५ | १४:११ | १६:२६ | १८:४५ | २१:३ | २३:७ | ०:५० | २:१८ |
| ३४० | ५:२० | ७:१७ | ९:३१ | ११:५१ | १४:७ | १६:२२ | १८:४१ | २०:५९ | २३:३ | ०:४६ | २:१५ |
| ५:१३ | ७:१३ | ९:२७ | ११:४७ | १४:३ | १६:१८ | १८:३७ | २०:५५ | २२:५९ | ०:४२ | २:११ | ३:३७ |
| ५:९ | ७:९ | ९:२३ | ११:४३ | १३:५९ | १६:१५ | १८:३३ | २०:५१ | २२:५५ | ०:३८ | २:७ | ३:३३ |
| ५:५ | ७:५ | ९:१९ | ११:३९ | १३:५५ | १६:११ | १८:२९ | २०:४७ | २२:५१ | ०:३४ | २:३ | ३:२९ |
| ५:१ | ७:१ | ९:१५ | ११:३५ | १३:५१ | १६:७ | १८:२५ | २०:४३ | २२:४७ | ०:३० | १:५९ | ३:२५ |
| ४५७ | ६:५७ | ९:११ | ११:३१ | १३:४७ | १६:३ | १८:२१ | २०:३९ | २२:४३ | ०:२६ | १:५५ | ३:२१ |
| ४५३ | ६:५३ | ९:७ | ११:२७ | १३:४४ | १५:५९ | १८:१७ | २०:३५ | २२:३९ | ०:२३ | १:५१ | ३:१७ |
| ४:४९ | ६:४९ | ९:४ | ११:२३ | १३:४० | १५:५५ | १८:१३ | २०:३१ | २२:३६ | ०:१९ | १:४७ | ३:१३ |
| ४:४५ | ६:४५ | ९:० | ११:१९ | १३:३६ | १५:५१ | १८:९ | २०:२७ | २२:३२ | ०:१५ | १:४३ | ३:९ |
| ४:४१ | ६:४१ | ८:५६ | ११:१५ | १३:३२ | १५:४७ | १८:६ | २०:२४ | २२:२८ | ०:११ | १:३९ | ३:५ |
| ४:३७ | ६:३७ | ८:५२ | ११:११ | १३:२८ | १५:४३ | १८:२ | २०:२० | २२:२४ | ०:७ | १:३५ | ३:१ |
| ४:३३ | ६:३३ | ८:४८ | ११:८ | १३:२४ | १५:३९ | १७:५८ | २०:१६ | २२:२० | ०:३ | १:३१ | २:५७ |

## श्री संवत् २०७० वैशाखशुक्लपक्ष

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

| गते | वार | रवि | चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १७ | शुक्र | ०।२५।१९।४९ | ०।२५।२१।२ | ०।१९।५।४९ | ०।२७।३२।१८ | १।२५।३६।६० | १।७।४९।२५ | ६।१२।४१।६० | ६।२२।२।१६ |
| १८ | शनि | ०।२६।१७।३७ | १।७।३७।३० | ०।१९।५०।८ | ०।२९।२५।२१ | १।२५।५०।१३ | १।९।३।४ | ६।१२।३७।१७ | ६।२१।५९।५ |
| १९ | आइत | ०।२७।१५।२२ | १।१९।४५।२९ | ०।२०।३४।२३ | १।११।१८।४ | १।२६।३।२९ | १।१०।१६।४० | ६।१२।३२।३५ | ६।२१।५५।५५ |
| २० | सोम | ०।२८।१३।५ | २।१।४८।८ | ०।२१।१८।३५ | १।३।१०।२३ | १।२६।१६।४७ | १।११।३०।१५ | ६।१२।२७।५५ | ६।२१।५२।४४ |
| २१ | मंगल | ०।२९।१०।४७ | २।१३।४८।५९ | ०।२२।२।४५ | १।५।२।१७ | १।२६।३०।८ | १।१२।४३।४९ | ६।१२।२३।१६ | ६।२१।४९।३३ |
| १ | बुध | १।०।८।२७ | २।२५।५२।३ | ०।२२।४६।५१ | १।६।५३।४१ | १।२६।४३।३२ | १।१३।५७।२० | ६।१२।१८।३९ | ६।२१।४६।२२ |
| २ | गुरु | १।१।६।५ | ३।८।०।४९ | ०।२३।३०।५४ | १।८।४४।३२ | १।२६।५६।५९ | १।१५।१०।५० | ६।१२।१४।३ | ६।२१।४३।११ |
| ३ | शुक्र | १।२।३।४२ | ३।२०।१८।२२ | ०।२४।१४।५४ | १।१०।३४।४५ | १।२७।१०।२७ | १।१६।२४।१९ | ६।१२।९।३० | ६।२१।४०।० |
| ४ | शनि | १।३।१।१७ | ४।२।४७।२१ | ०।२४।५८।५१ | १।१२।२४।१९ | १।२७।२३।५८ | १।१७।३७।४५ | ६।१२।४।५९ | ६।२१।३६।५० |
| ५ | आइत | १।३।५८।५० | ४।१५।२९।४८ | ०।२५।४२।४५ | १।१४।१३।७ | १।२७।३७।३२ | १।१८।५१।१० | ६।१२।०।३० | ६।२१।३३।३९ |
| ६ | सोम | १।४।५६।२२ | ४।२८।२७।८ | ०।२६।२६।३६ | १।१६।१।७ | १।२७।५१।७ | १।२०।४।३३ | ६।११।५६।४ | ६।२१।३०।२८ |
| ७ | मंगल | १।५।५३।५२ | ५।११।३९।५८ | ०।२७।१०।२३ | १।१७।४८।१४ | १।२८।४।४५ | १।२१।१७।५५ | ६।११।५१।४१ | ६।२१।२७।१७ |
| ८ | बुध | १।६।५१।२० | ५।२५।८।११ | ०।२७।५४।८ | १।१९।३४।२१ | १।२८।१८।२५ | १।२२।३१।१४ | ६।११।४७।२० | ६।२१।२४।६ |
| ९ | गुरु | १।७।४८।४७ | ६।८।५०।५४ | ०।२८।३७।४९ | १।२१।१९।२३ | १।२८।३२।६ | १।२३।४४।३२ | ६।११।४३।२ | ६।२१।२०।५६ |
| १० | शुक्र | १।८।४६।१३ | ६।२२।४६।३१ | ०।२९।२१।२७ | १।२३।३।१५ | १।२८।४५।५० | १।२४।५७।४८ | ६।११।३८।४७ | ६।२१।१७।४५ |
| ११ | शनि | १।९।४३।३७ | ७।६।५२।४६ | १।०।५।२ | १।२४।४५।५३ | १।२८।५९।३५ | १।२६।११।३ | ६।११।३४।३५ | ६।२१।१४।३४ |

| सूर्यः फलम् | रा. | चन्द्रः फलम् |
|---|---|---|
| २ भयम् | मे. | ३ श्रीप्राप्तिः |
| १ स्थाननाशः | वृ. | २ धनलाभः |
| १२ व्यय | मि. | १ अन्नलाभः |
| ११ लाभः | क. | १२ व्ययः |
| १०कर्मप्राप्तिः | सिं. | ११ लाभः |
| ९ कान्तिक्षयः | कं. | १० सुखम् |
| ८ कष्टम् | तु. | ९ नृपसुखम् |
| ७ गमनम् | वृ. | ८ कष्टम् |
| ६ शत्रुनाशः | ध. | ७ स्त्रीसुखम् |
| ५ दैन्यम् | म. | ६ लाभः |
| ४ माननाशः | कुं. | ५ कार्यसिद्धिः |
| ३ श्रीप्राप्तिः | मी. | ४ कुक्षिरुक् |

**संक्रान्तिःफलम्** वृष (ज्येष्ठ) श्री संवत् २०७० शाके १९३५ पराभवनामकसंवत्सरे, श्री सूर्योत्तरायणे, ग्रीष्मर्तौ, वैशाखशुक्ल पञ्चम्यांतिथौ, पुनर्वसुनक्षत्रे, शूलयोगे, बालवकरणे, भौमवासरे, श्री सूर्योदयाद्गत घटिकासु ५१ पलासु ११ श्री सूर्योमेषाद्वृषराशिं प्रविष्टस्तदा वसन्तर्तुः वैशाखौ गतौ ग्रीष्मर्तुः ज्येष्ठ मासः प्राप्तः ॥ वारतो महोदरी चौरसुखा, नक्षत्रतो महोदरी चौरसुखा, कालतो नटघ्नी, विष्णुपदी नाम्नी वृष संक्रान्तिश्च प्राप्ता ॥ इयं व्याघ्रारुढा, अश्वोपवाहना, पीतवस्त्रा, गदाऽऽयुधा, रौप्यपात्रहस्ता, पर मान्नाशना, कुङ्कुमलेपा, भूतजातिः, जातिपुष्पा, निविष्ठा, भोग्यावस्था, किङ्किण्याभरणा, कुमारी, दक्षिणमुखा, मुहूर्त्ताः४५ धान्यार्घवृष्टिषु श्रेष्ठफलदा,परेद्युपुण्यकालः, मासदेवता त्रिविक्रमो मासदेवी पद्माक्षी, मासार्कः इन्द्रो, मिथुनेचन्द्रो, वृषे सूर्यगुरुश्च ॥ तिथिवारं च नक्षत्रंयोगः करण मेव च ॥ पञ्चाङ्गस्य फलं श्रुत्वा गंगास्नान फलं लभेत् ॥

### नक्षत्रःफलम्

| | |
|---|---|
| आ. पु. ति. ..... | गमनम् |
| अ.म.पू.उ.ह.चि. | सुखम् |
| स्वा. वि. अनु. .... | पीडा |
| ज्ये.मू.पू.उ.श्र.ध. | वस्त्रम् |
| श. पू. उ. ..... | हानिः |
| रे.अ.भ.कृ.रो.मृ. | धनम् |

**मासिक(अविष्य)फल** वृष (ज्येष्ठ) यसमासको केतुमंगल, राहुशनि र शनिवार को अमावाश्या योग अनिष्ठप्रद छ। यत्रतत्र भय त्रास र रोगव्याधको प्रकोप रहने देशका शिर्षस्थ नेताहरूको आपसी खिचातानीले गर्दा राष्ट्रको अखण्डतामा आँच पुग्ने खतरा, नयाँ व्याँधी, करभारादि तथा राज्यपक्षको भयले जनता त्रसित रहने, रोहिणीका सूर्यले गँहू, जौ, चना, गुड़, घृत, तिल, तेल, आलसी, सुत, सन आदि वस्तुमा तेजी । मोती, माणिक्य, सुन, चाँदी आदि धातुमा मन्दता। धनाढ्य व्यक्ति, योगिक कार्यमा लाग्ने व्यक्ति, कृषक तथा यन्त्र चालकलाई कष्ट र उनीहरूको जिविकामा खतरा हुनसक्ने । पशुपालक तथा जलचरमा भयंकर दुःखदायक समय रहने। मंगल वृषराशिमा रहेकाले राता वस्तुहरूमा तेजी र शेयर बजारमा केही सुधार हुनेछ। सुख्खा खडेरी वायु आदिको विशेषता रहे पनि पुँस्त्री योगबाट १, ४, ७-९, २०, २७-३१, गते उचित वर्षा योग छ।



ज्येष्ठ १ गते बुधवार वृषलग्नको आरम्भ ५:१६ बजे पहिलो पटक

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५ ने.सं.११३३ **ज्येष्ठकृष्णपक्षः** (वछलागा) पाः अभि.,श्र.,ध.,श.,भ.,कृ.,३,रो.,मृ. (मई ५/जून ६ सन् २०१३) उत्तरायणं, ग्रीष्मर्तुः, पराभवनामकः संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | १२ | आ. | १ | ७।४ | ८:१ | ज्ये | ३७।१६ | २०:६ | सि | ३२।१५ | १८:६ | तै | ३४।१ | १८:४९ | काण | ३७।१६-२०:६ | ३४।७ | ५:१२ | १८:५१ | 26 | |
| | १३ | सो. | २ | ०।५७ / ५४।४७ | ५:३५ / ३:६ | मू | ३३।६ | १८:२६ | सा | २४।३६ | १५:२ | व | २७।५१ | १६:२० | लुम्ब | धनु | ३४।९ | ५:१२ | १८:५१ | 27 | भ.२७।५१उ.५४।४७या., |
| प्र | १४ | मं. | ४ | ४८।४७ | ०:४२ | पू | २९।० | १६:४७ | शु | १६।५८ | ११:५९ | ब | २१।४५ | १३:५३ | मित्र | ४३।१-२२:२४ | ३४।११ | ५:११ | १८:५२ | 28 | **मङ्गलचतुर्थी व्रतम्,** |
| | १५ | बु. | ५ | ४३।८ | २२:२६ | उ | २५।१२ | १५:१६ | शु | ९।३३ | ९:० | कौ | १५।५४ | ११:३३ | वज्र | मकर | ३४।१३ | ५:११ | १८:५२ | 29 | **गणतन्त्र दिवसः,** |
| प्र | १६ | वृ. | ६ | ३८।२ | २०:२४ | श्र | २१।५२ | १३:५६ | ब्र | २।२९ / ५५।५५ | ६:११ / ३:३३ | ग | १०।३० | ९:२३ | ध्वज | ५०।२६-१:२१ | ३४।१५ | ५:११ | १८:५३ | 30 | भ.३८।२उ., ध.पं.प्रवृत्तिः५०।२६, |
| | १७ | शु. | ७ | ३३।३८ | १८:३८ | ध | १९।१३ | १२:५२ | वै | ४९।५९ | १:१० | भ | ५।४४ | ७:२८ | धाता | कुम्भ | ३४।१७ | ५:११ | १८:५३ | 31 | भ.५।४४या., **अष्टमीव्रतं,** |
| | १८ | श. | ८ | ३०।८ | १७:१४ | श | १७।२४ | १२:८ | वि | ४४।४९ | २३:६ | बा | ११।४६ / ५८।४६ | ५:५३ / ४:४१ | आनन्द | कुम्भ | ३४।१८ | ५:१० | १८:५४ | 1 | गोरखकालीपूजा, (जून ६ ता.३०), |
| | १९ | आ. | ९ | २७।४१ | १६:१४ | पू | १६।३५ | ११:४८ | प्री | ४०।३१ | २१:२३ | व | ५६।५२ | ३:५५ | चर | ११४१-५:५१ | ३४।२० | ५:१० | १८:५४ | 2 | भ.५६।५२उ., |
| | २० | सो. | १० | २६।२३ | १५:४३ | उ | १६।५४ | ११:५६ | आ | ३७।११ | २०:२ | ब | ५६।११ | ३:३९ | गद | मीन | ३४।२१ | ५:१० | १८:५५ | 3 | भ.२६।२३या., |
| | २१ | मं. | ११ | २६।२० | १५:४२ | रे | १८।२६ | १२:३२ | सौ | ३४।५० | १९:६ | कौ | ५६।४७ | ३:५२ | शुभ | १८।२६-१२:३२ | ३४।२३ | ५:१० | १८:५५ | 4 | **अपरा एकादशी व्रतं,** ध.पं.निवृत्तिः१८।२६, |
| प्र | २२ | बु. | १२ | २७।३३ | १६:११ | अ | २१।१३ | १३:३९ | शो | ३३।३० | १८:३४ | ग | ५८।३७ | ४:३७ | मृत्यु | मेष | ३४।२४ | ५:१० | १८:५६ | 5 | **प्रदोषव्रतम्,** वातावरण दिवसः, |
| | २३ | वृ. | १३ | ३०।० | १७:९ | भ | २५।१३ | १५:१५ | अं | ३३।७ | १८:२४ | भ | ६०।० | ५:१० | पद्म | ४१।२३-२१:४३ | ३४।२६ | ५:१० | १८:५६ | 6 | भ.३०।०उ.,(सिथिचःह्रेपूजा), |
| | २४ | शु. | १४ | ३३।३१ | १८:३४ | कृ | ३०।१६ | १७:१६ | सु | ३३।३५ | १८:३५ | भ | १।३८ | ५:४९ | छत्र | वृष | ३४।२७ | ५:१० | १८:५६ | 7 | भ.१।३८या., ❶शनिजयन्ती, |
| | २५ | श. | ३० | ३७।५५ | २०:१९ | रो | ३६।११ | १९:३८ | धृ | ३४।४२ | १९:२ | च | ५।३८ | ७:२५ | श्रीवत्स | वृष | ३४।२८ | ५:९ | १८:५७ | 8 | **दर्शश्राद्धं,** वटसावित्रीव्रतं, निशी तथा हलोबार्ने,❶ |

*नोटः रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, ..... १२ बजे, दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १३, १४, ..... २३ बजे र रात्री १२ बजेलाई ० बजेले संकेत गरिएको छ।*

**ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः** म.मा.अ., बु.मा.उ.प.,वृ.मा.२४अ., शु.मा.उ.प., श.व.उ.

**पापांशाः** शनि:१०, राहु:१-केतु:७, १४रवि:२, १५भौम:११, १८रवि:३, २०भौम:१२, २१रवि:४, २४भौम:१, २५रवि:५,

**वटसावित्रीव्रतः** वैधव्यदोष निवारण तथा सौभाग्य प्राप्ति निमित्त गरिने यो व्रत ज्येष्ठकृष्ण त्रयोदशीबाट प्रारम्भ भई अमावास्यामा पुरा हुन्छ । यसमा वट वृक्ष तलमा सावित्री-सत्यवान्को मूर्ति बनाई पूजा गरी वरको वृक्षलाई काँचो धागोले एकसय आठ वा सात वा पाँचपटक बेरी प्रदक्षिणा गरी यो **स्तोत्र पाठ** गर्नु वटमूले स्थितो ब्रम्हा वटमध्ये जनार्दनः । वटाग्रे शिवो देवो सावित्री वटसंश्रिता ॥

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

१४ गते रोहिण्यांरसूर्यः४६।२५=२३:४५
१४ गते मृ.३ मिथुनेबुधः९।६=८:५०
१४ गते मृ.३मिथुनेशुक्रः७।४२=८:१६
१५ गते कृ.३भौमः२९।१८=१६:५४
१५ गते मृ.३ मिथुनेगुरुः२२।१७=१४:६
१८ गते रोहिण्यांरसूर्यः१६।०=११:३४
१८ गते आर्द्रायांबुधः२६।३९=१५:५०
१९ गते आर्द्रायां शुक्रः३६।१२=१९:३९
२० गते कृतिकायां४भौमः७।६=८:०
२१ गते रोहिण्यां४सूर्यः४५।५०=२३:३०
२४ गते रोहिण्यां१भौमः४६।३०=२३:४६
२४गतेपश्चिमास्तोगुरुः२९।१०=१६:५०
२५ गते मृगशीर्षे१सूर्यः१५।५५=११:३१

| | | |
|---|---|---|
| ८ | ज्येष्ठ १८ शनौ ५५।२४ | |
| र. | १।१७।१७।३५ | ५७।१० |
| भौ. | १।५।४८।३० | ४३।३ |
| बु. | २।७।२२।१६ | ८६।४८ |
| गु. | २।०।४९।२४ | १३।४६ |
| शु. | २।५।५०।२२ | ७३।८ |
| श. | ६।११।३।२६ | ३।५१ |
| रा. | ६।२०।४९।२२ | ३।११ |

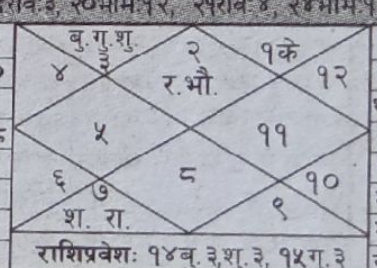


राशिप्रवेशः १४बु.३,शु.३, १५गु.३

| | | |
|---|---|---|
| ९ | ज्येष्ठ २५ शनौ ५५।२६ | |
| र. | १।२३।५७।३६ | ५७।२ |
| भौ. | १।१०।४९।१० | ४२।४३ |
| बु. | २।१६।२७।५१ | ६६।२० |
| गु. | २।२।२७।१९ | १३।५२ |
| शु. | २।१४।२०।४१ | ७२।५६ |
| श. | ६।१०।३९।३६ | ३।१६ |
| रा. | ६।२०।२७।६ | ३।११ |

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ४:९९ | ६:२९ | ८:४४ | ११:४ | १३:२० | १५:३५ | १७:५४ | २०:१२ | २२:१६ | २३:५९ |
| ४:९५ | ६:२५ | ८:४० | ११:० | १३:१६ | १५:३१ | १७:५० | २०:८ | २२:१२ | २३:५५ |
| ४:९१ | ६:२१ | ८:३६ | १०:५६ | १३:१२ | १५:२७ | १७:४६ | २०:४ | २२:८ | २३:५१ |
| ४:९८ | ६:१८ | ८:३२ | १०:५२ | १३:८ | १५:२३ | १७:४२ | २०:० | २२:४ | २३:४७ |
| ४:९४ | ६:१४ | ८:२८ | १०:४८ | १३:४ | १५:२० | १७:३८ | १९:५६ | २२:० | २३:४३ |
| ४:९० | ६:१० | ८:२४ | १०:४४ | १३:० | १५:१६ | १७:३४ | १९:५२ | २१:५६ | २३:३९ |
| ४:६ | ६:६ | ८:२० | १०:४० | १२:५६ | १५:१२ | १७:३० | १९:४८ | २१:५२ | २३:३५ |
| ४:२ | ६:२ | ८:१६ | १०:३६ | १२:५२ | १५:८ | १७:२६ | १९:४४ | २१:४८ | २३:३१ |
| ३:५८ | ५:५८ | ८:१२ | १०:३२ | १२:४९ | १५:४ | १७:२२ | १९:४० | २१:४४ | २३:२७ |
| ३:५४ | ५:५४ | ८:८ | १०:२८ | १२:४५ | १५:० | १७:१८ | १९:३६ | २१:४० | २३:२४ |
| ३:५० | ५:५० | ८:५ | १०:२४ | १२:४१ | १४:५६ | १७:१४ | १९:३२ | २१:३७ | २३:२० |
| ३:४६ | ५:४६ | ८:१ | १०:२० | १२:३७ | १४:५२ | १७:११ | १९:२८ | २१:३३ | २३:१६ |
| ३:४२ | ५:४२ | ७:५७ | १०:१६ | १२:३३ | १४:४८ | १७:७ | १९:२५ | २१:२९ | २३:१२ |
| ३:३८ | ५:३८ | ७:५३ | १०:१२ | १२:२९ | १४:४४ | १७:३ | १९:२१ | २१:२५ | २३:८ |

## श्री सवत् २०७० ज्येष्ठकृष्णपक्ष

| मीन | मेष | गते | वार | रवि |
|---|---|---|---|---|
| १:२७ | २:५३ | १२ | आइत | १।१०।४०।५९ |
| १:२३ | २:४९ | १३ | सोम | १।११।३८।२० |
| १:१९ | २:४५ | १४ | मंगल | १।१२।३५।४० |
| १:१६ | २:४१ | १५ | बुध | १।१३।३२।५८ |
| १:१२ | २:३८ | १६ | गुरु | १।१४।३०।१५ |
| १:८ | २:३४ | १७ | शुक्र | १।१५।२७।३० |
| १:४ | २:३० | १८ | शनि | १।१६।२४।४५ |
| १:० | २:२६ | १९ | आइत | १।१७।२१।५८ |
| ०:५६ | २:२२ | २० | सोम | १।१८।१९।१० |
| ०:५२ | २:१८ | २१ | मंगल | १।१९।१६।२० |
| ०:४८ | २:१४ | २२ | बुध | १।२०।१३।३० |
| ०:४४ | २:१० | २३ | गुरु | १।२१।१०।३८ |
| ०:४० | २:६ | २४ | शुक्र | १।२२।७।४५ |
| ०:३६ | २:२ | २५ | शनि | १।२३।४।५१ |

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

| चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ७।२१।६।५१ | १।०।४८।३४ | १।२६।२७।९ | १।२९।१३।२२ | १।२७।२४।१६ | ६।११।३०।२६ | ६।२१।११।२३ |
| ८।५।२५।३५ | १।१।३२।३ | १।२८।६।५८ | १।२९।२७।१० | १।२८।३७।२७ | ६।११।२६।२१ | ६।२१।८।१२ |
| ८।१९।४५।१७ | १।२।१५।२८ | १।२९।४५।१४ | १।२९।४०।६० | १।२९।५०।३६ | ६।११।२२।१९ | ६।२१।५।२ |
| ९।४।१।५७ | १।२।५८।५० | २।१।२१।५० | १।२९।५४।५१ | २।१।३।४४ | ६।११।१८।२२ | ६।२१।१।५१ |
| ९।१८।१२।१५ | १।३।४२।१० | २।२।५६।३९ | २।०।८।४३ | २।२।१६।५० | ६।११।१४।२७ | ६।२०।५८।४० |
| १०।२।१३।९ | १।४।२५।२५ | २।४।२९।३२ | २।०।२२।३७ | २।३।२९।५४ | ६।११।१०।३७ | ६।२०।५५।२९ |
| १०।१६।२।८ | १।५।८।३८ | २।६।०।२१ | २।०।३६।३२ | २।४।४२।५६ | ६।११।६।५१ | ६।२०।५२।१८ |
| १०।२९।३७।१८ | १।५।५१।४८ | २।७।२८।५९ | २।०।५०।२८ | २।५।५५।५७ | ६।११।३।९ | ६।२०।४९।८ |
| ११।१२।५७।२५ | १।६।३४।५४ | २।८।५५।१४ | २।१।४।२५ | २।७।८।५६ | ६।१०।५९।३१ | ६।२०।४५।५७ |
| ११।२६।१।६० | १।७।१७।५७ | २।१०।१८।५८ | २।१।१८।२३ | २।८।२१।५३ | ६।१०।५५।५८ | ६।२०।४२।४६ |
| ०।८।५१।२० | १।८।०।५७ | २।११।३९।५८ | २।१।३२।२२ | २।९।३४।४९ | ६।१०।५२।२९ | ६।२०।३९।३५ |
| ०।२१।२६।२९ | १।८।४३।५४ | २।१२।५८।५ | २।१।४६।२१ | २।१०।४७।४२ | ६।१०।४९।५ | ६।२०।३६।२४ |
| १।३।४९।१२ | १।९।२६।४८ | २।१४।१३।५ | २।२।०।२१ | २।१२।०।३४ | ६।१०।४५।४६ | ६।२०।३३।१४ |
| १।१६।१।५३ | १।१०।९।३८ | २।१५।२४।४६ | २।२।१४।२२ | २।१३।१३।२४ | ६।१०।४२।३१ | ६।२०।३०।३ |

# यस पञ्चाङ्गका सहप्रकाशन हिमाल सजिलो पात्रो तथा दुर्गा सजिलो पात्रो पनि प्रयोग गरौं ।

**अथ परदेशी प्रश्नः** तिथि, प्रहर नक्षत्र वारको संख्या जोडी ७ ले भागगर्दा शेष १ मा बसेको ठाउँमा, २ शेष बाटोमा, ३ शेष अर्ध बाटोमा, ४ शेष ग्राममा, ५ शेष फर्केको, ६ शेष रोगलागेको, ७ वा ० शेषमा फल शून्य जान्नु।

**हराए वा चोरी भएको वस्तुज्ञानम्-** प्रश्नकालको तिथि, वार नक्षत्र प्रहरको संख्या जोडी १० ले गुणागरी ७ ले भागगर्दा शेष १ मा पृथ्वीमा वा जमिनमा गाडेको, २ शेष भाँडामा, ३ शेष जलमा, ४ अटाली वा जमिनदेखि मास्तिर, ५ शेष कसिंगरमा, ६ शेष गोवर वा कसिंगरमा, ७ वा ० शेषमा खरानीमा हुन सक्ने बताइन्छ।

**अथ भूकम्पेलग्नफलम्-** भूकम्प समये कर्क, मकर, मीन लग्नेषु कूर्मचलति फलं-मरणम्। मिथुन, सिंह, तुला लग्नेषु सर्पश्चलति फलं- अनिकालः। कुम्भ, धनु, कन्या लग्नेषु पृथ्वी चलति फलं- समर्घ्यम्। मेष, वृश्चिक, वृष लग्नेषु हरिस्तचलति फलं- कल्याणदायकम्। पृथ्वीको भूगर्भमा गन्धक आदि हरेक विस्फोटक चीजहरू छन्। तिनबाट ग्यास पैदा भएर त्यो ग्यास बाहिर निस्कन लाग्दा पृथ्वी फाटेर निस्कन्छ। तेसको जोडले पृथ्वी कपं हुने हो, यो कुनै आउने र ग्रहबलले हुने होईन, यो एक उत्पात हो। त्यस्तो उत्पात भए पछि ३ दिनसम्मको समय अशुद्ध हुन्छ, शुभकार्य गर्नु हुँदैन। इति देवैज्ञ विनोदे विहितम्।

**अथ स्वप्नविचारः** स्वप्नमा धेरै विचार छ, अस्वस्थावस्थामा तर्क वितर्क धेरै चिन्ता अपशोचपरेको अवस्थामा देखिएको स्वप्न प्रायः निष्फल हुन्छ, रात्रिको पूर्वभागमा देखिएको परोक्षफल परभागमा देखिएको प्रत्यक्ष फल मिल्दछ। शुभाशुभमा- **शुभफल दिने** यथा-नदी नाला या समुन्द्र पार गर्नु, आकाशमा उड्नु, ग्रह-नक्षत्र तारा, सूर्य, चन्द्र-मण्डल देख्नु, घर, दरबारमा प्रवेश गर्नु, मदिरापान, वसा, मांसभक्षण, विष्टालेपन, रक्तलेपन गर्नु, दहिभात खानु, श्वेतवस्त्र आभरणादिले खुशी हुनु, देवता ब्राम्हण,राजाबाट कुनै मंगलवस्तु पाउनु, देवी स्वरुप असल स्त्रीजाती देख्नु, वयल, हात्ति, पर्वत दुध आउने वृक्षमाथि चढनु, दर्पण आमिष वस्तु पाउनु, सेतो फूलमाला,कपडा लगाउनु, यस्तो स्वप्न देखियो भनेधन ऐश्वर्य लाभ भई रोगनाश हुन्छ। **सन्तानप्रद मन्त्र**-देवकीसुत गोविन्द वासुदेव जनार्दन। देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणङ्गतः॥ सन्तान नभएका दम्पतिले यो मन्त्र नित्य जप्नाले असल सन्तान प्राप्त हुन्छ। ज्येष्ठशुक्ल षष्ठी तिथिमा विन्ध्यवासिनी कुमारषष्ठीको पूजा गरेमा असल सन्तान प्राप्त हुन्छ।

**शुक्लपक्षद्वितीयामा चन्द्रदर्शन** –प्रत्येक महिना शुक्लपक्षमा सायंकाल द्वितीया तिथिको घटी भएका दिन चन्द्रोदय हुन्छ, सो दिन चन्द्रमाको दर्शन गर्नाले शुभ हुन्छ। मन्त्र– निष्कलङ्ककलाधार गङ्गाधरशिरोमणे । मुक्ताहार निभाभास बालचन्द्र नमोऽस्तुते॥

धर्म-संस्कृति सम्बन्धि निर्णय गर्न र धार्मिक जागरणको अभियान चलाउन राष्ट्रिय धर्मसभा नेपाललाई सदैव सम्झनुहोस् ।

**राष्ट्रिय धर्मसभा, नेपाल**

अनामनगर, काठमाण्डौ

फोन नं.:४२१८३०९

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५नै. सं. ११३३ **ज्येष्ठशुक्लपक्षः** (तछलाथ्व) पाः मृ.,म.,स्वा.,१७,पू.षा. (जून ६ सन् २०१३ ) उत्तरायणं, ग्रीष्मर्तुः, पराभवनामकः संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र जाडपर्वहरु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २६ | आ. | १ | ४२।४९ | २२:१७ | मृ | ४२।३६ | २२:१२ | शु | ३६।१५ | १९:३९ | कि | १०।१९ | ९:१७ | सौम्य | ९।२१-८:५४ | ३४।२९ | ५:९ | १८:५७ | 9 | दशहरास्नानारम्भः, गोसाईकुण्डस्नानारम्भश्च, |
| | २७ | सो. | २ | ४७।५२ | ०:१८ | आ | ४९।९ | ०:४९ | गं | ३७।५५ | २०:२० | बा | १५।२१ | ११:१८ | काल | मिथुन | ३४।३० | ५:९ | १८:५८ | 10 | चन्द्रोदयः, ❹गौडूपूजा, मन्वादिः पनौतीस्नानं,❺ |
| | २८ | मं. | ३ | ५२।३४ | २:११ | पु | ५५।२२ | ३:१८ | वृ | ३९।२४ | २०:५५ | तै | २०।१७ | १३:१६ | स्थिर | ३८।५२-२०:४२ | ३४।३१ | ५:९ | १८:५८ | 11 | ❺पनौती भैरव-भद्रकाली इन्द्रेश्वररथयात्रा, |
| | २९ | बु. | ४ | ५६।३५ | ३:४८ | ति | ६०।० | समस्त | ध्रु | ४०।२४ | २१:१९ | व | २४।४१ | १५:२ | मातङ्ग | कर्कट | ३४।३२ | ५:९ | १८:५८ | 12 | भ.२४।४१उ.५६।३५या., ❸वज्रगुरु पद्मसंभवजयन्ती, |
| | ३० | वृ. | ५ | ५९।३८ | ५:१ | ति | ०।५५ | ५:३१ | व्या | ४०।४२ | २१:२६ | ब | २८।१५ | १६:२७ | शुभ | कर्कट | ३४।३३ | ५:९ | १८:५९ | 13 | ❼तुलसीवीजारोपणम्, ❷रु रु(रिङ्डी)क्षेत्रे हृषीकेशोत्सवः,❸ |
| | ३१ | शु. | ६ | ६०।० | समस्त | श्ले | ५।३० | ७:२१ | ह | ४०।८ | २१:१३ | कौ | ३०।४४ | १७:२७ | मृत्यु | ५।३०-७:२१ | ३४।३४ | ५:१० | १८:५९ | 14 | कुमारषष्ठी, (सिथिनख), भ.पु.चण्डीभगवतीयात्रा, |
| प्र | १ | श. | ६ | १।३१ | ५:४६ | म | ८।५६ | ८:४४ | व | ३८।३५ | २०:३६ | ग | ३१।५९ | १७:५७ | पद्म | सिंह | ३४।३४ | ५:१० | १८:५९ | 15 | मिथुनेऽर्कः१६।४३ (**आषाढसंक्रान्ति**), कुमारयात्रा, |
| आ | २ | आ. | ७ | २।८ | ६:१ | पू | ११।८ | ९:३७ | सि | ३६।२ | १९:३४ | भ | ३१।५८ | १७:५७ | छत्र | २६।३०-१५:४५ | ३४।३५ | ५:१० | १९:० | 16 | भ.२।८उ.३१।५८या., रवि संप्तमी व्रतम्, |
| | ३ | सो. | ८ | १।३८ / ५९।३६ | ५:४५ / ५:० | उ | १२।६ | १०:० | व्य | ३२।२९ | १८:९ | बा | ३०।४१ | १७:२६ | श्रीवत्स | कन्या | ३४।३५ | ५:१० | १९:० | 17 | अष्टमीव्रतं, बायुः अष्टमी, गोरखकालीपूजा,❶ |
| | ४ | मं. | १० | ५६।३७ | ३:४९ | ह | ११।५२ | ९:५५ | व | २७।५९ | १६:२२ | तै | २८।१४ | १६:२८ | सौम्य | ४१।२०-२१:४२ | ३४।३५ | ५:१० | १९:० | 18 | गंगादशहरा १०, रामेश्वरपूजा, हत्यामोचनस्नानं,❷ |
| | ५ | बु. | ११ | ५२।३९ | २:१४ | चि | १०।३३ | ९:२३ | प | २२।३९ | १४:१४ | व | २४।४५ | १५:४ | काल | तुला | ३४।३६ | ५:१० | १९:० | 19 | भ.२४।४५उ.५२।३९या., स्मार्त्तानां **निर्जला ११ व्रतं**,❼ |
| | ६ | वृ. | १२ | ४७।५३ | ०:१९ | स्वा | ८।१९ | ८:३० | शि | १६।३५ | ११:४८ | ब | २०।२१ | १३:१९ | स्थिर | ५१।८-१:३७ | ३४।३६ | ५:१० | १९:१ | 20 | वैष्णवानां **निर्जला एकादशी व्रतं**,तुलसीवीजारोपणम्, |
| प्र | ७ | शु. | १३ | ४२।२८ | २२:१० | वि | ५।१८ | ७:१८ | सि | ९।५४ | ९:८ | कौ | १५।१४ | ११:१६ | मातङ्ग | वृश्चिक | ३४।३६ | ५:१० | १९:१ | 21 | **प्रदोषव्रतं**, कर्कटेसायनार्कः१२।२, ❶कूलपूजनम् |
| | ८ | श. | १४ | ३६।३५ | १९:४९ | अ | १।४३ / ५७।४४ | ५:५३ / ४:१६ | सा | २।४५ / ५५।१७ | ६:१६ / ३:१७ | ग | ९।३४ | ९:० | अमृत | ५७।४४-४:१६ | ३४।३६ | ५:११ | १९:१ | 22 | भ.३६।३५उ., भूमिरज,❶गौतमगोत्रीयत्रिपाठीवन्धूनां❶ |
| | ९ | आ. | १५ | ३०।२६ | १७:२१ | मू | ५३।३४ | २:३६ | शु | ४७।३९ | ०:१४ | भ | ३।३२ / ५७।२० | ६:३६ / ४:७ | सिद्धि | धन | ३४।३६ | ५:११ | १९:१ | 23 | भ.३।३२या., **पूर्णिमाव्रतं**, मष्टोपूर्णिमा (ज्यापून्हि),❹ |

ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः मं.मा ६ उ. बु.७ व.उ.प. ब.मा.अ., शु.मा.उ.प. श.व.उ.

अथ दशहरास्नानम् ज्येष्ठशुक्ल प्रतिपदादेखि दशमीसम्म दशहरा हुन्छ, यसमा प्रतिदिन वा दशमीमा मात्र, भए पनि गंगानदी वा जलाशयमास्नान गरी गंगापूजन गर्नु । गंगा प्रार्थनामंत्रः नमो भगवत्यै दशपापहरायै गंगायै नारायण्यै रेवत्यै शिवायै दक्षायै अमृतायै विश्वरुपिण्यै ते नमोनमः ॥ ज्येष्ठपूर्णिमाका दिन दक्षिणासहित तिलदान गरे अश्वमेघ यज्ञसमान फल मिल्ने शास्त्रमा उल्लेख छ ।

२८ गते मृगशीर्षे२सूर्यः४६।१३=२३:३९
२९ गते रोहिण्यां२भौमः२७।३३=१६:१०
२९ गते पुनर्वसौबुधः३०।१६=१७:१६
२९ गते मृगभे४गुरुः४०।३९=२१:२५
३० गते पुनर्वसौ शुक्रः३५।२३=१९:१९
१ गते मृ.३ मिथुनेऽर्कः१६।४३=११:५१
२ गते पुनर्वसौ२शुक्रः२०।३८=१३:२५
३ गते रोहिण्यां३भौमः१०।१५=९:१६

३ गते स्वात्यां४राहुः
भरण्यां२केतुः २६।५२=१५:५५
४ गते मृगशीर्षे४सूर्यः४७।२३=०:७
७ गते रोहिण्यां४भौमः५४।४१=३:३
७ गते वक्रीबुधः१३।४३=१०:३९
७ गते पुन.४कर्कटेशुक्रः५१।४१=१:५१
८ गते आर्द्रायां१सूर्यः१८।११=१२:२७
९ गते पूर्वोदितो भौमः ९।५८=९:१०

| | | | |
|---|---|---|---|
| १० | आषाढ १ शनौ ५५।२६ | | |
| र. | २।०।३६।४६ | ५६।५६ | |
| भौ. | १।१५।४७।११ | ४२।२४ | |
| बु. | २।२२।२६।५ | ३४।२९ | |
| गु. | २।४।५।३६ | १३।५५ | |
| शु. | २।२२।४९।३१ | ७२।४४ | |
| श. | ६।१०।१९।५१ | २।३६ | |
| रा. | ६।२०।४।५१ | ३।११ | |

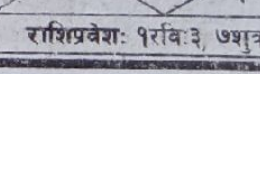


राशिप्रवेशः १रविः३, ७शुक्रः४,

| | | |
|---|---|---|
| ११ | आषाढ ८ शनौ ५५।२३ | |
| र. | २।७।१५।१७ | ५६।५२ |
| भौ. | १।२०।४२।३२ | ४२।३ |
| बु. | २।२३।४७।४२ | ८।१४ |
| गु. | २।५।४३।४८ | १३।५५ |
| शु. | ३।१।१६।५२ | ७२।३२ |
| श. | ६।१०।४।४१ | १।५३ |
| रा. | ६।१९।४२।३५ | ३।११ |

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन | मेष |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३:३४ | ५:३४ | ७:४९ | १०:९ | १२:२५ | १४:४० | १६:५९ | १९:१७ | २१:२१ | २३:४ | ०:३२ | १:५८ |
| ३:३० | ५:३० | ७:४५ | १०:५ | १२:२१ | १४:३६ | १६:५५ | १९:१३ | २१:१७ | २३:० | ०:२८ | १:५४ |
| ३:२६ | ५:२६ | ७:४१ | १०:१ | १२:१७ | १४:३२ | १६:५१ | १९:९ | २१:१३ | २२:५६ | ०:२४ | १:५० |
| ३:२३ | ५:२३ | ७:३७ | ९:५७ | १२:१३ | १४:२८ | १६:४७ | १९:५ | २१:९ | २२:५२ | ०:२१ | १:४६ |
| ३:१९ | ५:१९ | ७:३३ | ९:५३ | १२:९ | १४:२४ | १६:४३ | १९:१ | २१:५ | २२:४८ | ०:१७ | १:४३ |
| ३:१५ | ५:१५ | ७:२९ | ९:४९ | १२:५ | १४:२१ | १६:३९ | १८:५७ | २१:१ | २२:४४ | ०:१३ | १:३९ |
| मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष |
| ५:११ | ७:२५ | ९:४५ | १२:१ | १४:१७ | १६:३५ | १८:५३ | २०:५७ | २२:४० | ०:९ | १:३५ | ३:११ |
| ५:३ | ७:२१ | ९:४१ | ११:५७ | १४:१३ | १६:३१ | १८:४९ | २०:५३ | २२:३६ | ०:५ | १:३१ | ३:७ |
| ४:५९ | ७:१७ | ९:३७ | ११:५३ | १४:९ | १६:२७ | १८:४५ | २०:४९ | २२:३२ | ०:१ | १:२७ | ३:३ |
| ४:५५ | ७:१३ | ९:३३ | ११:५० | १४:५ | १६:२३ | १८:४१ | २०:४५ | २२:२८ | २३:५७ | १:२३ | २:५९ |
| ४:५१ | ७:१० | ९:२९ | ११:४६ | १४:१ | १६:१९ | १८:३७ | २०:४२ | २२:२५ | २३:५३ | १:१९ | २:५५ |
| ४:४७ | ७:६ | ९:२५ | ११:४२ | १३:५७ | १६:१५ | १८:३३ | २०:३८ | २२:२१ | २३:४९ | १:१५ | २:५१ |
| ४:४३ | ७:२ | ९:२१ | ११:३८ | १३:५३ | १६:१२ | १८:२९ | २०:३४ | २२:१७ | २३:४५ | १:११ | २:४७ |
| ४:३९ | ६:५८ | ९:१७ | ११:३४ | १३:४९ | १६:८ | १८:२६ | २०:३० | २२:१३ | २३:४१ | १:७ | २:४३ |
| ४:३५ | ६:५४ | ९:१४ | ११:३० | १३:४५ | १६:४ | १८:२२ | २०:२६ | २२:९ | २३:३७ | १:३ | २:३९ |

## श्री संवत २०७७ ज्येष्ठशुक्लपक्ष

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

| तारा | वार | रवि | चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २६ | आइत | १।२४।१।५६ | १।२८।७।२५ | १।१०।५२।२५ | २।१६।३२।५४ | २।२।२८।२३ | २।१४।२६।१३ | ६।१०।३९।२२ | ६।२०।२६।५२ |
| २७ | सोम | १।२४।५९।१ | २।१०।९।५ | २।१७।३५।९ | २।१७।३७।१४ | २।२।४२।२५ | २।१५।३८।६० | ६।१०।३६।१७ | ६।२०।२३।४१ |
| २८ | मंगल | १।२५।५६।४ | २।२२।१०।४३ | १।१२।१७।५० | २।१८।३७।३१ | २।२।५६।२७ | २।१६।५१।४५ | ६।१०।३३।१७ | ६।२०।२०।३० |
| २९ | बुध | १।२६।५३।६ | ३।४।१६।११ | १।१३।०।२७ | २।१९।३३।२९ | २।३।१०।२९ | २।१८।४।२८ | ६।१०।३०।२३ | ६।२०।१७।१९ |
| ३० | गुरु | १।२७।५०।७ | ३।१६।२८।४५ | १।१३।४३।१ | २।२०।२४।५२ | २।३।२४।३२ | २।१९।१७।९ | ६।१०।२७।३४ | ६।२०।१४।९ |
| ३१ | शुक्र | १।२८।४७।८ | ३।२८।५१।२१ | १।१४।२५।३२ | २।२१।११।२३ | २।३।३८।३४ | २।२०।२९।४९ | ६।१०।२४।५१ | ६।२०।१०।५८ |

आषाढ १ गते शनिवार मिथुनलग्नको आरम्भ भोलिपल्टको (आषाढ २ गतेको) सूर्योदय पूर्व ५:७ बजे दोस्रो पटक पनि हुन्छ ।

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | शनि | १।२९।४४।८ | ४।११।२६।२२ | १।१५।८।० | २।२१।५२।४४ | २।३।५२।३७ | २।२१।४२।२७ | ६।१०।२२।१२ | ६।२०।७।४७ |
| २ | आइत | २।०।४१।६ | ४।२४।१५।३४ | १।१५।५०।२५ | २।२२।२८।३८ | २।४।६।४० | २।२२।५५।३ | ६।१०।१९।४० | ६।२०।४।३६ |
| ३ | सोम | २।१।३८।५ | ५।७।२०।२ | १।१६।३२।४६ | २।२२।५८।४८ | २।४।२०।४२ | २।२४।७।३७ | ६।१०।१७।१३ | ६।२०।१।२५ |
| ४ | मंगल | २।२।३५।२ | ५।२०।४०।३ | १।१७।१५।४ | २।२३।२२।५८ | २।४।३४।४५ | २।२५।२०।१० | ६।१०।१४।५१ | ६।१९।५८।१५ |
| ५ | बुध | २।३।३१।५९ | ६।४।१५।१० | १।१७।५७।१९ | २।२३।४०।५३ | २।४।४८।४७ | २।२६।३२।४१ | ६।१०।१२।३६ | ६।१९।५५।४ |
| ६ | गुरु | २।४।२८।५५ | ६।१८।४।१० | १।१८।३९।३० | २।२३।५२।२२ | २।५।२।४९ | २।२७।४५।१० | ६।१०।१०।२६ | ६।१९।५१।५३ |
| ७ | [illegible] | २।५।२५।५० | ७।२।५।८ | १।१९।२१।३९ | २।२३।५७।१३ | २।५।१६।५० | २।२८।५७।३७ | ६।१०।८।२२ | ६।१९।४८।४२ |
| ८ | शनि | २।६।२२।४५ | ७।१६।१५।३४ | १।२०।३।४४ | २।२३।५५।२३ | २।५।३०।५२ | ३।०।१०।३ | ६।१०।६।२५ | ६।१९।४५।३१ |
| ९ | आइत | २।७।१९।४० | ८।०।३२।२८ | १।२०।४५।४६ | २।२३।४६।४९ | २।५।४४।५३ | ३।१।२२।२७ | ६।१०।४।३३ | ६।१९।४२।२१ |

| सूर्यः फलम् | रा. | चन्द्रः फलम् |
|---|---|---|
| ३ श्रीप्राप्तिः | मे. | ५ कार्यसिद्धिः |
| २ भयम् | वृ. | ४ कक्षिरुक् |
| १ स्थाननाशः | मि. | ३ श्रीप्राप्तिः |
| १२ व्ययः | क. | २ धनलाभः |
| ११ लाभः | सिं. | १ अन्नलाभः |
| १० कर्मप्राप्तिः | क. | १२ व्ययः |
| ९ कान्तिक्षयः | तु. | ११ लाभः |
| ८ कष्टम् | वृ. | १० सुखम् |
| ७ गमनम् | ध. | ९ नृपसुखम् |
| ६ शत्रुनाशः | म. | ८ कष्टम् |
| ५ दैन्यम् | कुं. | ७ स्त्रीसुखम् |
| ४ माननाशः | मी. | ६ लाभः |

### नक्षत्रः फलम्

| | |
|---|---|
| म. पू. उ. ..... | गमनम् |
| ह. चि. स्वा. वि. अ. ज्ये | सुखम् |
| मू. पू. उ. ..... | पीडा |
| श्र. ध. श. पू. उ. रे. | वस्त्रम् |
| अ. भ. कृ. ..... | हानिः |
| रो. मृ. आ. पु. ति. श्ले | धनम् |

*संक्रान्तिः फलम्* **मिथुन (आषाढ)** श्री संवत् २०७० शाके १९३५ पराभवनामक संवत्सरे, श्री सूर्योत्तरायणे, ग्रीष्मर्तौ, ज्येष्ठशुक्ल सप्तम्यातिथौ, पूर्फानक्षत्रे, वज्रयोगे, गरकरणे, शनिवासरे, श्री सूर्योदयाद् गत घटिकासु १६ पलासु ४३ श्री सूर्योवृषान्मिथुनराशिं प्रविष्टस्तदा ज्येष्ठोगतः आषाढमासः प्राप्तः ॥ वारतो राक्षसी अन्त्यजसुखा, नक्षत्रतो घोरा शूद्रसुखा, कालतो विप्रघ्नी, षड्शीतिमुखनाम्नी मिथुन संक्रान्तिश्च प्राप्ता ॥ **इयं** गजारुढा, खरोपवाहना, रक्तवस्त्रा, धनुरायुधा, शीशपात्रहस्ता, दुग्धाशना, गोरो चन्दनलेपा, पशुजातिः, बिल्वपुष्पा, निविष्ठा, दुर्मुखावस्था, कङ्कणाभरणा, प्रौढा, वायव्यमुखा, महूर्त्ताः ३० धान्यार्घवृष्टिषु समफलदाः मासदेवता वामनो, मासदेवी कमला, मासार्को रविः, मिथुने सूर्यः सिंहे चन्द्रो, मिथुने देवगुरुः ॥ तिथि वारञ्च नक्षत्रंयोगः करणमेव च । पञ्चाङ्गस्य फलं श्रुत्वा गंगास्नान फलं लभेत् ॥

*मासिक(भविष्य)फल* **मिथुन (आषाढ)** यसमासमा ग्रहस्थितिले सामान्य मध्यमताको आभास गराएको छ । चतुर्ग्रहयोग शुभप्रद छ, सोमवारको औंशीले अन्नादि खाद्यवस्तुमा केही समर्घता ल्याउला । उचित वर्षाले सुभिक्षको संकेत दिनेछ कृषिमा राम्रो सुधारले किसान हर्षित रहलान् । आर्थिकवर्षको समाप्तिमा बजेट सक्न गरिने केही विकासकाकार्यले थोरै भएपनि जनता लाभान्वित हुनेछन् । गाई-भैंसी आदि दुधारु चौपाया तथा सुन, कपास, तिल, धागो आदिमा महँगी पुनर्वसुको सूर्यले पुष्य तथा तज्जनित सुगन्धित द्रव्य, कोमल पदार्थमा तेजी । आषाढ २२ गते मंगल मिथुनमा सर्ने हुनाले रातो वस्तुहरूमा अत्यन्त तेजी, मुद्रा विनिमय र सुवर्णमा घटाबढी हुनेछ । जलवायुमा अत्यधिक असन्तुलनले भूमिवासी-हरू पीड़ित हुनेछन् । वायु-वतास, खण्डवृष्टिले वर्षायामको अनुभूति भए पनि पुँस्त्री योगबाट १,४,६,१५,२२,२९,,३१ गते जलवर्षणको योग छ ।

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५ ने.सं.११३३ **आषाढकृष्णपक्षः** (तछलागा) पाः पू.षा.,अभि.,श.,भ.,मृ.,पुन. (जून ६/जुलाई ७ सन् २०१३) उत्तरायणं, ग्रीष्मर्तुः,पराभवनामकः संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | ब.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | १० | सो. | १ | २४।१३ | १४:५२ | पू | ४९।२४ | ०:५७ | ब्र | ४०।० | २१:११ | तै | ५१।९ | १:३९ | उत्पात | धनु | ३४।३५ | ५:११ | १९:१ | 24 | |
| | ११ | मं. | २ | १८।९ | १२:२७ | उ | ४५।३० | २३:२३ | ऐं | ३२।३२ | १८:१२ | व | ४५।१४ | २३:१७ | मानस | ३।२३-६:३३ | ३४।३५ | ५:११ | १९:१ | 25 | भ.४५।१४उ., भूमिपूजा, त्रिपुष्करः१८।९या., |
| प्र | १२ | बु. | ३ | १२।२५ | १०:१० | श्र | ४२।१ | २२:० | वै | २५।२४ | १५:२१ | ब | ३९।४५ | २१:५ | छत्र | मकर | ३४।३५ | ५:१२ | १९:१ | 26 | भ.१२।२५या., |
| | १३ | वृ. | ४ | ७।१३ | ८:५ | ध | ३९।१० | २०:५२ | वि | १८।४४ | १२:४१ | कौ | ३४।५३ | १९:९ | श्रीवत्स | १०।३०-९:२४ | ३४।३४ | ५:१२ | १९:२ | 27 | ध.पं.प्रवृत्तिः१०।३०, |
| | १४ | शु. | ५ | २।४३ / ५९।७ | ६:१७ / ४।५१ | श | ३७।८ | २०:३ | प्री | १२।४० | १०:१६ | ग | ३०।४८ | १७:३१ | सौम्य | कुम्भ | ३४।३४ | ५:१२ | १९:२ | 28 | भ.५९।७उ., ⑩देवपत्तने त्रिशूलयात्रा, |
| प्र | १५ | श. | ७ | ५६।३१ | ३:४९ | पू | ३६।३ | १९:३८ | आ | ७।२० | ८:९ | भ | २७।४० | १६:१७ | काल | २१।१३-१३:४२ | ३४।३३ | ५:१२ | १९:२ | 29 | भ.२७।४०या., त्रिपुष्करः३६।३या.,(दही चिउरा खाने) |
| | १६ | आ. | ८ | ५५।५ | ३:१५ | उ | ३६।४ | १९:३९ | सौ | २।५२ / ५९।२१ | ६:३३ / ४:५७ | बा | २५।३९ | १५:२८ | स्थिर | मीन | ३४।३२ | ५:१३ | १९:२ | 30 | **अष्टमीव्रतं**, गोरखकालीपूजा, भलभल अष्टमी,⑩ |
| | १७ | सो. | ९ | ५४।५३ | ३:१० | रे | ३७।१८ | २०:८ | अ | ५६।४९ | ३:५७ | तै | २४।४९ | १५:९ | मातङ्ग | ३७।१८-२०:८ | ३४।३२ | ५:१३ | १९:२ | 1 | ध.पं.निवृत्तिः३७।१८, (जुलाई ७ ता.३१), |
| | १८ | मं. | १० | ५५।५८ | ३:३७ | अ | ३९।४७ | २१:८ | सु | ५५।१८ | ३:२० | व | २५।१५ | १५:२० | अमृत | मेष | ३४।३१ | ५:१३ | १९:२ | 2 | भ.२५।१५उ.५५।५८या., (नक्वाःदिसि), |
| | १९ | बु. | ११ | ५८।१६ | ४:३२ | भ | ४३।२९ | २२:३७ | धृ | ५४।४४ | ३:७ | ब | २६।५८ | १६:१ | काण | ५९।३६-५:४ | ३४।३० | ५:१४ | १९:२ | 3 | स्मार्त्तानां **योगिनी एकादशी व्रतम्**, |
| | २० | वृ. | १२ | ६०।० | समस्त | कृ | ४८।१८ | ०:३३ | शू | ५५।३ | ३:१५ | कौ | २९।५१ | १७:१० | लुम्ब | वृष | ३४।२९ | ५:१४ | १९:२ | 4 | वैष्णवानां **योगिनी एकादशी व्रतम्**, |
| प्र | २१ | शु. | १२ | १।४० | ५:५५ | रो | ५४।१ | २:५१ | गं | ५६।४ | ३:४० | ग | ३३।४३ | १८:४४ | मित्र | वृष | ३४।२७ | ५:१५ | १९:२ | 5 | **प्रदोषव्रतम्**, |
| | २२ | श. | १३ | ५।५७ | ७:३८ | मृ | ६०।० | समस्त | वृ | ५७।३३ | ४:१६ | भ | ३८।२० | २०:३५ | वज्र | २७।७-१६:६ | ३४।२६ | ५:१५ | १९:१ | 6 | भ.५।५७उ.३८।२०या., (दिलाचःद्वेपूजा), |
| | २३ | आ. | १४ | १०।४८ | ९:३४ | मृ | ०।१९ | ५:२३ | धु | ५९।१४ | ४:५७ | च | ४३।१९ | २२:३५ | सौम्य | मिथुन | ३४।२५ | ५:१५ | १९:१ | 7 | **दर्शश्राद्धं**, निशी बाने, |
| | २४ | सो. | ३० | १५।४८ | ११:३५ | आ | ६।५१ | ८:० | व्या | ६०।० | समस्त | किं | ४८।१४ | ०:३३ | काल | ५६।३९-३:५५ | ३४।२४ | ५:१६ | १९:१ | 8 | स्नानदानादौ सोमवती अमावास्या, हलोबार्ने, |

ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः मं.मा.उ., बु.व.११ अ.प., बृ.मा.१७ उ., शु.मा.उ.प., श.व.उ.

पर्वाणि: शनि१०, राहु१२-केतु४, ११:वि१०-शनि ९,१२भौम५, १५रवि:११, १७भौम:६, १८रवि१२, २२रवि१-भौम७

कुनै पनि **अमावास्याको** रात्रिमा भोजन नगर्नु, उक्तञ्चः दश जन्मानि गृद्धश्चद्वादशो जन्मशूकरः । सप्तजन्मानि श्वानश्च ह्यमायां निशिभोजनात् । तर बाबुआमा हुनेले औंशी बार्नु पर्दैन ।

आकाशमा रातो पहेंलो देखिए वर्षा हुँदैन, बादलमाथि बादल थपिए तुरन्तै वर्षा होला । पूर्वा पछुवा एकसाथ वा कहिले पूर्वा कहिले पछुवा हावा चले पनि तुरन्तै वर्षा होला ।

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

१०गते तिष्येशुक्रः३७।२९=२०:११
११गते पुनःस्वात्यां१शनिः४२।४७=२२:१८
११ गते आर्द्रायां२सूर्यः४९।७=०:५०
११ गते पश्चिमास्तौबुधः३५।३=१९:१२
१२ गते मृगभे१भौमः४०।५०=२१:३२
१२ गते आर्द्रायां१गुरुः५५।४७=३:३०
१५ गते आर्द्रायां३सूर्यः२०।७=१३:१५
१६ गते पुनःआर्द्रायांबुधः२।३२=६:१४
१७ गते मृगभे२भौमः२८।४५=१६:४३
१७ गते पूर्वोदितो गुरुः७।०=८:१
१८ गते आर्द्रायां४सूर्यः५१।१०=१:४२
२१ गते श्लेषायां शुक्रः४२।७=२२:५
२२ गते पुनर्वसौ१सूर्यः२२।१४=१४:९
२२ गते मृ.३मिथुनेभौमः१८।२८=१२:३८
२३ गते मार्गीशनिः६।३१=७:५३

| | | | |
|---|---|---|---|
| १२ | आषाढ १५ शनौ ५५।१९ | | |
| र. | २।१३।५३।२१ | ५६।५० | |
| भौ. | १।२५।३५।१४ | ४१।४३ | |
| बु. | २।२०।५।४१ | ४१।३७ | |
| गु. | २।७।२१।५७ | १३।५४ | |
| शु. | ३।९।४२।५४ | ७२।२२ | |
| श. | ६।९।५४।२८ | १।८ | |
| रा. | ६।१९।२०।२० | ३।११ | |

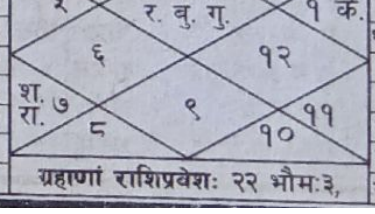


ग्रहाणां राशिप्रवेशः २२ भौमः३,

| | | | |
|---|---|---|---|
| १३ | आषाढ २२ शनौ ५५।१३ | | |
| र. | २।२०।३१।१५ | ५६।५१ | |
| भौ. | २।०।२५।१६ | ४१।२२ | |
| बु. | २।१४।४५।५ | ३१।२४ | |
| गु. | २।८।५९।४९ | १३।४८ | |
| शु. | ३।१८।७।४९ | ७२।११ | |
| श. | ६।९।४९।२५ | ०।२१ | |
| रा. | ६।१८।५८।५ | ३।११ | |

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ४:३१ | ६:५० | ९:१० | ११:२६ | १३:४१ | १६:० | १८:१८ | २०:२२ | २२:५ | २३:३३ | ०:५९ | २:३५ |
| ४:२७ | ६:४६ | ९:६ | ११:२२ | १३:३७ | १५:५६ | १८:१४ | २०:१८ | २२:१ | २३:२९ | ०:५५ | २:३१ |
| ४:२४ | ६:४२ | ९:२ | ११:१८ | १३:३३ | १५:५२ | १८:१० | २०:१४ | २१:५७ | २३:२५ | ०:५१ | २:२७ |
| ४:२० | ६:३८ | ८:५८ | ११:१४ | १३:२९ | १५:४८ | १८:६ | २०:१० | २१:५३ | २३:२२ | ०:४७ | २:२४ |
| ४:१६ | ६:३४ | ८:५४ | ११:१० | १३:२६ | १५:४४ | १८:२ | २०:६ | २१:४९ | २३:१८ | ०:४४ | २:२० |
| ४:१२ | ६:३० | ८:५० | ११:६ | १३:२२ | १५:४० | १७:५८ | २०:२ | २१:४५ | २३:१४ | ०:४० | २:१६ |
| ४:८ | ६:२६ | ८:४६ | ११:२ | १३:१८ | १५:३६ | १७:५४ | १९:५८ | २१:४१ | २३:१० | ०:३६ | २:१२ |
| ४:४ | ६:२२ | ८:४२ | १०:५८ | १३:१४ | १५:३२ | १७:५० | १९:५४ | २१:३७ | २३:६ | ०:३२ | २:८ |
| ४:० | ६:१८ | ८:३८ | १०:५५ | १३:१० | १५:२८ | १७:४६ | १९:५० | २१:३३ | २३:२ | ०:२८ | २:४ |
| ३:५६ | ६:१४ | ८:३४ | १०:५१ | १३:६ | १५:२४ | १७:४२ | १९:४६ | २१:३० | २२:५८ | ०:२४ | २:० |
| ३:५२ | ६:११ | ८:३० | १०:४७ | १३:२ | १५:२० | १७:३८ | १९:४३ | २१:२६ | २२:५४ | ०:२० | १:५६ |
| ३:४८ | ६:७ | ८:२६ | १०:४३ | १२:५८ | १५:१७ | १७:३४ | १९:३९ | २१:२२ | २२:५० | ०:१६ | १:५२ |
| ३:४४ | ६:३ | ८:२२ | १०:३९ | १२:५४ | १५:१३ | १७:३१ | १९:३५ | २१:१८ | २२:४६ | ०:१२ | १:४८ |
| ३:४० | ५:५९ | ८:१८ | १०:३५ | १२:५० | १५:९ | १७:२७ | १९:३१ | २१:१४ | २२:४२ | ०:८ | १:४४ |
| ३:३६ | ५:५५ | ८:१५ | १०:३१ | १२:४६ | १५:५ | १७:२३ | १९:२७ | २१:१० | २२:३८ | ०:४ | १:४० |

## श्री संवत् २०७० आषाढकृष्णपक्ष

| गते | वार | रवि |
|---|---|---|
| १० | सोम | २।८।१६।३३ |
| ११ | मंगल | २।९।१३।२७ |
| १२ | बुध | २।१०।१०।२० |
| १३ | गुरु | २।११।७।१२ |
| १४ | शुक्र | २।१२।४।५ |
| १५ | शनि | २।१३।०।५७ |
| १६ | आइत | २।१३।५७।४८ |
| १७ | सोम | २।१४।५४।४० |
| १८ | मंगल | २।१५।५१।३१ |
| १९ | बुध | २।१६।४८।२२ |
| २० | गुरु | २।१७।४५।१४ |
| २१ | शुक्र | २।१८।४२।५ |
| २२ | शनि | २।१९।३८।५६ |
| २३ | आइत | २।२०।३५।४८ |
| २४ | सोम | २।२१।३२।४० |

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

| चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ८।१४।५२।२८ | १।२१।२७।४५ | २।२३।३१।३६ | २।५।५८।५४ | ३।२।३४।४९ | ६।१०।२।४७ | ६।१९।३९।१० |
| ८।२९।११।३५ | १।२२।९।४० | २।२३।९।५८ | २।६।१२।५६ | ३।३।४७।९ | ६।१०।१।७ | ६।१९।३५।५९ |
| ९।१३।२६।७ | १।२२।५१।३२ | २।२२।४२।१३ | २।६।२६।५८ | ३।४।५९।२९ | ६।९।५९।३४ | ६।१९।३२।४८ |
| ९।२७।३२।५३ | १।२३।३३।२१ | २।२२।८।५१ | २।६।४०।५९ | ३।६।११।४७ | ६।९।५८।७ | ६।१९।२९।३७ |
| १०।११।२९।३ | १।२४।१५।७ | २।२१।३०।३० | २।६।५५।१ | ३।७।२४।३ | ६।९।५६।४६ | ६।१९।२६।२७ |
| १०।२५।१२।२१ | १।२४।५६।५० | २।२०।४७।५४ | २।७।९।२ | ३।८।३६।१९ | ६।९।५५।३१ | ६।१९।२३।१६ |
| ११।८।४१।११ | १।२५।३८।२९ | २।२०।१।६० | २।७।२३।३ | ३।९।४८।३३ | ६।९।५४।२२ | ६।१९।२०।५ |
| ११।२१।५४।३८ | १।२६।२०।५ | २।१९।१३।४८ | २।७।३७।४ | ३।११।०।४६ | ६।९।५३।२० | ६।१९।१६।५४ |
| ०।४।५२।३४ | १।२७।१।३८ | २।१८।२४।२४ | २।७।५१।४ | ३।१२।१२।५८ | ६।९।५२।२५ | ६।१९।१३।४३ |
| ०।१७।३५।३८ | १।२७।४३।८ | २।१७।३५।८ | २।८।५।३ | ३।१३।२५।८ | ६।९।५१।३६ | ६।१९।१०।३३ |
| १।०।५।११ | १।२८।२४।३४ | २।१६।४७।१४ | २।८।१९।३ | ३।१४।३७।१७ | ६।९।५०।५३ | ६।१९।७।२२ |
| १।१२।२३।१९ | १।२९।५।५८ | २।१६।१।४९ | २।८।३३।१ | ३।१५।४९।२४ | ६।९।५०।१७ | ६।१९।४।११ |
| १।२४।३२।३७ | १।२९।४७।१८ | २।१५।१९।५२ | २।८।४६।५९ | ३।१७।१।३१ | ६।९।४९।४७ | ६।१९।१।० |
| २।६।३६।१३ | २।०।२८।३४ | २।१४।४२।१५ | २।९।०।५६ | ३।१८।१३।३५ | ६।९।४९।२४ | ६।१८।५७।४९ |
| २।१८।३७।३४ | २।१।९।४८ | २।१४।९।४४ | २।९।१४।५२ | ३।१९।२५।३९ | ६।९।४९।७ | ६।१८।५४।३९ |

**॥ संवत् २०७० साल नवान्न भक्षण मुहूर्त्ताः ॥**

परम्परा अनुसार कार्तिकशुक्ल द्वादशी कात्तिक २८ गते **नवान्न भक्षण** गर्नु शुभ छ, त्यसदिन गुरुवार परेकाले गुरुवारको बारवेला अनुसार प्रातः पहिलो वेला शुभबेला हुन्छ अतः सूर्योदयबाट लगभग १ घं ३० मि भित्रमा **नवान्न भक्षण** गर्नु उत्तम छ ।

**मार्गशीर्षः** ५ गते बुधे ल. ९ शुभम् । ७ गते शुक्रे ल.५ शुभम् ।(तर दुबै दिन ग्रहमुख चक्र चाँही जुर्दैन ।)॥ **संवत् २०७० साल शिववास जुर्ने दिन ॥**

**वैशाखेः**११, १३, १६, १७, १८, २०, २२, २३, २४ र २९ गते ।

**ज्येष्ठेः** १,२,३,५,८,९,१०,१२,१४,१५,१६,१८गते ।

**आषाढेः** २१, २२, २६, २९, ३० र ३१ गते ।

**श्रावणेः** २,५,६,८,११,१२,१३,१५,१८,१९,२०,२४, २७,२८,२९ र ३१ गते ।

**भाद्रेः** २,३,४,६,८,९,१०,१२,१६,१७,१८,२२,२५,२६, २७, ३१ गते ।

**आश्विनेः** १ र २ गते ।

**कार्तिकेः** २, ६, ७, ८, १०, १३, १४, १५, १९, २२, २३, २५, २८, २९, गते ।

**मार्गशीर्षेः** १,३, ६ ,७, ८, ११, १४, १५, १६, १९, २२, २३, २४, २६, २९, ३० गते ।

**पौषेः** १,३,६,७,८,१०,१३,१४,१५,१९ गते ।

**माघेः** ३,६,७,८,१०,१३,१४,१५,१८,२१,२२,२३,२५, २८,२९ गते ।

**फाल्गुनेः** १,३,४,७,८,९,१३,१४,१५,१९,२२,२३, २४, २६, २९, ३० गते

**चैत्रेः** १,३,६,७,८,१०,१३,१४,१८,२१,२२,२३, २५, २९, ३० गते ।

**॥ संवत् २०७० साल अग्निवास जुर्ने दिन ॥**

**वैशाखेः**११,१३,१५,१७,१९,२१,२२,२४,२७,२९,३१ गते

**ज्येष्ठेः** २,४,५,७,९,११,१३,१४,१६,१८,२० गते ।

**आषाढेः**२२,२३,२६,२८,३० गते ।

**श्रावणेः** १,३,५,६,८,१०,१२,१३,१५,१७,१९,२१,२४, २६, २७, २९, ३१ गते ।

**भाद्रेः**१,३,५,८,१०,१२,१४,१६,१८,२१,२४,२६,२८, ३१ गते । **आश्विनेः** २, गते ।

**कार्तिकेः** २,३,६,८,११,१३,१५,१८,२०,२२,२५,२७, २९ गते ।

**मार्गशीर्षेः**३,५,७,९,११,१३,१५,१७,१९,२१,२३,२५, २७,२९,३० गते ।

**पौषेः** २,४,६,८,१०,१२,१५,१८,२० गते ।

**माघेः**३,५,७,९,११,१२,१४,१७,२०,२२,२४,२६,२८गते।

**फाल्गुनेः** १,३,५,७,९,१२,१४,१६,१८,२०,२२,२४, २६,२८,३० गते ।

**चैत्रेः** ३,५,७,९,११,१३,१७,१९,२१,२४,२६,२७,२९, ३० गते ।

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५ ने सं.११३३ **आषाढशुक्लपक्षः** (दिल्लाश्व) पाः पुन.,म.,स्वा.,१७,मू.,पू.षा. (जुलाई ७ सन् २०१३) उत्तरायणं-ग्रीष्मर्तु/दक्षिणायनं-वर्षर्तुः, **पराभवनामकः संवत्सरः**

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | ब.रा. प्र.प = बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २५ | मं. | १ | २०।३१ | १३:२९ | पु | १३।१० | १०:३२ | व्या | ०।४५ | ५:३४ | बा | ५२।३९ | २:२० | स्थिर | कर्कट | ३४।२२ | ५:१६ | १९:१ | 9 | चन्द्रोदयः, |
| | २६ | बु. | २ | २४।३४ | १५:६ | ति | १८।५३ | १२:५० | ह | १।५१ | ६:१ | तै | ५६।१६ | ३:४७ | मातङ्ग | कर्कट | ३४।२१ | ५:१७ | १९:१ | 10 | श्री जगन्नाथरथयात्रा, ❷कण्डारकपूजा,दक्षिणायनारम्भः, |
| | २७ | वृ. | ३ | २७।४० | १६:२१ | श्ले | २३।४१ | १४:४६ | व | २।१८ | ६:१२ | व | ५८।४८ | ४:४८ | अमृत | २३।४१-१४:४६ | ३४।१९ | ५:१७ | १९:१ | 11 | भ.५८।४८उ., जनसंख्या दिवसः, |
| | २८ | शु. | ४ | २९।३७ | १७:८ | म | २७।२३ | १६:१५ | सि | १।५३ | ६:३ | ब | ६०।० | ५:१८ | काण | सिंह | ३४।१७ | ५:१७ | १९:० | 12 | भ.२९।३७या., ❶रात्रौ लुतनिक्षेपणं (लुतोफाल्ने)❷ |
| | २९ | श. | ५ | ३०।१९ | १७:२५ | पू | २९।५२ | १७:१५ | व्य | ०।३१ / ५८।१० | ५:३० / ४:३४ | ब | ०।७ | ५:२१ | लुम्ब | ४५।१७-२३:२५ | ३४।१५ | ५:१८ | १९:० | 13 | **भानुभक्त जयन्ती**, ❶(श्रावण संक्रान्ति),❶ |
| प्र | ३० | आ. | ६ | २९।४४ | १७:१२ | उ | ३१।५ | १७:४४ | प | ५४।४८ | ३:१३ | कौ | ०।१० / ५९।१० | ५:२३ / ४:५४ | मित्र | कन्या | ३४।१४ | ५:१८ | १९:० | 14 | त्रिपुष्करः २९।४४उ.३१।५या., |
| | ३१ | सो. | ७ | २७।५६ | १६:२९ | ह | ३१।६ | १७:४५ | शि | ५०।२८ | १:३० | भ | ५६।३७ | ३:५८ | वज्र | कन्या | ३४।१२ | ५:१९ | १९:० | 15 | भ.२७।५६उ.५६।३७या.,सूर्यपूजा,देवपत्तनेगंगामाईथयात्रा, |
| श्रा | १ | मं. | ८ | २५।१ | १५:२० | चि | ३०।१ | १७:२० | सि | ४५।१६ | २३:२६ | बा | ५३।११ | २:३६ | ध्वांक्ष | ०।४१-५:३६ | ३४।१० | ५:१९ | १८:५९ | 16 | **भौमाष्टमीव्रतं**, गोरखकालीपूजा, कर्कटेऽर्कः५५।०❶ |
| | २ | बु. | ९ | २१।७ | १३:४७ | स्वा | २७।५८ | १६:३१ | सा | ३९।१९ | २१:३ | तै | ४८।५१ | ०:५२ | धूम्र | तुला | ३४।८ | ५:२० | १८:५९ | 17 | ❼दक्षिणामूर्त्तिपूजा(दिलापुन्हि)मन्वादिः,सिंहेसायनार्कः५०।३, |
| | ३ | वृ. | १० | १६।२३ | ११:५३ | वि | २५।६ | १५:२३ | शु | ३२।४३ | १८:२६ | व | ४३।४६ | २२:५१ | प्रवर्द्ध | १०।५३-९:४२ | ३४।६ | ५:२० | १८:५९ | 18 | भ.४३।४६उ., मन्वादिः, ❺तुलसीरोपणम्, |
| | ४ | शु. | ११ | ११।० | ९:४५ | अ | २१।३७ | १४:० | शु | २५।३८ | १५:३६ | ब | ३८।८ | २०:३६ | राक्षस | वृश्चिक | ३४।३ | ५:२१ | १८:५८ | 19 | भ.११।०या.,**हरिशयनी एका. व्रतं**, चातुर्मास्यव्रतारम्भः❺ |
| प्र | ५ | श. | १२ | ५।९ / ५९।१ | ७:३५ / ४:५८ | ज्ये | १७।४२ | १२:२६ | ब्र | १८।१२ | १२:३८ | कौ | ३२।६ | १८:१२ | मुशल | १७।४२-१२:२६ | ३४।१ | ५:२१ | १८:५८ | 20 | **शनिप्रदोषव्रतं**, (तुलसीपिये), |
| | ६ | आ. | १४ | ५२।४८ | २:२९ | मू | १३।३२ | १०:४७ | ऐं | १०।३४ | ९:३५ | ग | २५।५४ | १५:४३ | सिद्धि | धनु | ३३।५९ | ५:२२ | १८:५७ | 21 | भ.५२।४८उ., |
| | ७ | सो. | १५ | ४६।४२ | ०:३ | पू | ९।२१ | ९:६ | वै | २।५३ / ५५।२३ | ६:३२ / ३:३१ | भ | १९।४३ | १३:१५ | उत्पात | २३।१९-१४:४२ | ३३।५६ | ५:२२ | १८:५७ | 22 | भ.१९।४३या, **पूर्णिमाव्रतं**, **गुरुपूर्णिमा**, गुरु(व्यासः)पूजा,❼ |

***नोटः** रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, ..... १२ बजे, दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १३, १४, ..... २३ बजे र रात्री १२ बजेलाई ० बजेले संकेत गरिएको छ ।*

ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः म.मा.उ., बु.२८ मा.२६ उ.पू., वृ.मा.उ., शु.मा.उ.प., श.२६मा.उ.

पापांशाः शनिः९, राहु१२-केतु६,२५रवि२, २७भौम८, २९रवि३, १रवि४-भौम९, ५रवि५-भौम१०,

**चातुर्मास्य व्रतारम्भ** गर्दा विधिवत् संकल्पपूर्वक **प्रार्थनामन्त्रः**– इमं करिष्ये नियमं निर्विघ्नं कुरुमेऽच्युतः । इदं व्रतं मयादेव गृहीतं पुरतस्तव । निर्विघ्नं सिद्धिमायातु प्रसादात्तवकेशव । गृहितेऽस्मिन्व्रते देव पंचत्वं यदि मे भवेत् । तदा भवतु तत्सर्वं त्वत्प्रसादाज्जनार्दन ॥

**चातुर्मास्येत्याज्यपदार्थाः**– श्राव्रणमा साग, भाद्रमा दही, आश्विनमा दूध, कार्तिकमा दाल, चातुर्मास्यव्रतीले व्रत कालमा मधु, गुड, मांस, तैल, गहत, मूला, कुष्माण्ड क्षौरकर्म, खाटमा शयन, बदरी फलको त्याग गर्नुपर्दछ ।

२५ गते पुनर्वसौ२सूर्यः५३।१५=२:३४
२६ गते मार्गीशनिः ५।३५=७:३१
२६ गते पूर्वादितौबुधः ५७।३३=४:१८
२७ गते मृगभे४भौमः१०।१=९:१७
२७ गते आर्द्रायां२गुरुः१४।५४=११:१५
२८ गते मार्गीबुधः ३८।४५=२०:४७
२९ गते पुनर्वसौ३सूर्यः२४।१०=१४:५८
१ गते पुन.४ कर्कटऽर्कः५५।०=३:१९
१ गते आर्द्रायां१भौमः३।२५=६:४१

१ गते मघायां१सिंहेशुक्रः४९।४=०:५७
५ गते तिष्ये१सूर्यः२५।३९=१५:३७
५ गते आर्द्रायां२भौमः५८।४३=४:५१

**साउनेसंक्रान्तिको बेलुका उल्काप्रक्षेपण (अगुल्टो फाल्ने) मन्त्रः** कण्डारक ! सुराधीश ! गृहाण दीपदत्तमम् । सरलेन्धनसम्भूतं समारिष्ट विनाशय ॥ कण्डारक ! रात्रिचर ! लूतादि भयनाशन । उल्कामिमां प्रक्षिपामि मास्तु लुताभयं मम ॥

| १४ | आषाढ २९ शनौ ५५।५ | |
|---|---|---|
| र. | २।२७।९।१९ | ५६।५२ |
| भौ. | २।५।१२।४० | ४१।१ |
| बु. | २।१३।४।३ | ९।५० |
| गु. | २।१०।३६।५६ | १३।३९ |
| शु. | ३।२६।३१।३६ | ७१।५९ |
| श. | ६।९।४९।४२ | ०।२६ |
| रा. | ६।१८।३५।४९ | ३।११ |

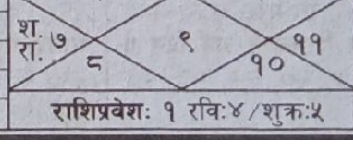


राशिप्रवेशः १ रविः४/शुक्रः५

| १५ | श्रावण ५ शनौ ५४।५७ | |
|---|---|---|
| र. | ३।३।४७।४९ | ५६।५६ |
| भौ. | २।९।५७।२७ | ४०।४० |
| बु. | २।१६।२९।५७ | ४८।२४ |
| गु. | २।१२।१२।५२ | १३।२६ |
| शु. | ४।४।५४।८ | ७१।४७ |
| श. | ६।९।५५।१९ | १।१२ |
| रा. | ६।१८।१३।३४ | ३।११ |

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धन् | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३:३२ | ५:५१ | ८:११ | १०:२७ | १२:४२ | १५:१ | १७:१९ | १९:२३ | २१:६ | २२:३४ | ०:० | १:३६ | ३:३२ |
| ३:२८ | ५:४७ | ८:७ | १०:२३ | १२:३८ | १४:५७ | १७:१५ | १९:१९ | २१:२ | २२:३० | २३:५६ | १:३२ | ३:२८ |
| ३:२५ | ५:४३ | ८:३ | १०:१९ | १२:३४ | १४:५३ | १७:११ | १९:१५ | २०:५८ | २२:२६ | २३:५२ | १:२८ | ३:२५ |
| ३:२१ | ५:३९ | ७:५९ | १०:१५ | १२:३० | १४:४९ | १७:७ | १९:११ | २०:५४ | २२:२३ | २३:४८ | १:२५ | ३:२१ |
| ३:१७ | ५:३५ | ७:५५ | १०:११ | १२:२७ | १४:४५ | १७:३ | १९:७ | २०:५० | २२:१९ | २३:४५ | १:२१ | ३:१७ |
| ३:१३ | ५:३१ | ७:५१ | १०:७ | १२:२३ | १४:४१ | १६:५९ | १९:३ | २०:४६ | २२:१५ | २३:४१ | १:१७ | ३:१३ |
| ३:९ | ५:२७ | ७:४७ | १०:३ | १२:१९ | १४:३७ | १६:५५ | १८:५९ | २०:४२ | २२:११ | २३:३७ | १:१३ | ३:९ |
| कर्कट | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धन् | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन | |
| ५:२३ | ७:४३ | ९:५९ | १२:१५ | १४:३३ | १६:५१ | १८:५५ | २०:३८ | २२:७ | २३:३३ | १:९ | ३:५ | |
| ५:१५ | ७:३९ | ९:५६ | १२:११ | १४:२९ | १६:४७ | १८:५१ | २०:३४ | २२:३ | २३:२९ | १:५ | ३:१ | |
| ५:१२ | ७:३५ | ९:५२ | १२:७ | १४:२५ | १६:४३ | १८:४७ | २०:३१ | २१:५९ | २३:२५ | १:१ | २:५७ | |
| ५:८ | ७:३१ | ९:४८ | १२:३ | १४:२१ | १६:३९ | १८:४४ | २०:२७ | २१:५५ | २३:२१ | ०:५७ | २:५३ | |
| ५:४ | ७:२७ | ९:४४ | ११:५९ | १४:१८ | १६:३५ | १८:४० | २०:२३ | २१:५१ | २३:१७ | ०:५३ | २:४९ | |
| ५:० | ७:२३ | ९:४० | ११:५५ | १४:१४ | १६:३२ | १८:३६ | २०:१९ | २१:४७ | २३:१३ | ०:४९ | २:४५ | |
| ४:५६ | ७:१९ | ९:३६ | ११:५१ | १४:१० | १६:२८ | १८:३२ | २०:१५ | २१:४३ | २३:९ | ०:४५ | २:४१ | |

## श्री संवत् २०७० आषाढशुक्लपक्ष

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मेष | वृष | गते | वार | रवि | चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
| ०:० | १:३६ | २५ | मंगल | २।२२।२९।३२ | ३।०।४०।४२ | २।१।५०।५८ | २।१३।४२।५३ | २।९।२८।४७ | ३।२०।३७।४१ | ६।९।४८।५७ | ६।१८।५१।२८ |
| २३:५६ | १:३२ | २६ | बुध | २।२३।२६।२५ | ३।१२।४९।११ | २।२।३२।५ | २।१३।२२।१० | २।९।४२।४१ | ३।२१।४९।४२ | ६।९।४८।५३ | ६।१८।४८।१७ |
| २३:५२ | १:२८ | २७ | गुरु | २।२४।२३।१८ | ३।२५।६।९ | २।३।१३।९ | २।१३।७।५३ | २।९।५६।३३ | ३।२३।१।४१ | ६।९।४८।५६ | ६।१८।४५।१६ |
| २३:४८ | १:२५ | २८ | शुक्र | २।२५।२०।११ | ४।७।३४।१७ | २।३।५४।१० | २।१३।०।१२ | २।१०।१०।२५ | ३।२४।१३।३९ | ६।९।४९।१६ | ६।१८।४१।५५ |
| २३:४५ | १:२१ | २९ | शनि | २।२६।१७।५ | ४।२०।१५।४३ | २।४।३५।८ | २।१२।५९।१० | २।१०।२४।१५ | ३।२५।२५।३५ | ६।९।४९।२२ | ६।१८।३८।४४ |
| २३:४१ | १:१७ | ३० | आइत | २।२७।१३।५९ | ५।३।११।५५ | २।५।१६।२ | २।१३।४।४६ | २।१०।३८।४ | ३।२६।३७।३० | ६।९।४९।४४ | ६।१८।३५।३४ |
| २३:३७ | १:१३ | ३१ | सोम | २।२८।१०।५४ | ५।१६।२३।३६ | २।५।५६।५३ | २।१३।१६।५३ | २।१०।५१।५२ | ३।२७।४९।२४ | ६।९।५०।१३ | ६।१८।३२।२३ |

श्रावण १ गते मंगलवार कर्कटलग्नको आरम्भ भोलिपल्टको (श्रावण २ गतेको) सूर्योदय पूर्व ५:१९ बजे दोस्रो पटक पनि हुन्छ ।

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | मंगल | २।२९।७।५० | ५।२९।५०।४४ | २।६।३७।४१ | २।१३।३५।२० | २।११।५।३८ | ३।२९।१।१६ | ६।९।५०।४९ | ६।१८।२९।१२ | | |
| २ | बुध | ३।०।४।४६ | ६।१३।३२।३० | २।७।१८।२६ | २।१३।५९।५४ | २।११।१९।२२ | ४।०।१३।६ | ६।९।५१।३१ | ६।१८।२६।१ | | |
| ३ | गुरु | ३।१।१।४३ | ६।२७।२७।२२ | २।७।५९।७ | २।१४।३०।२० | २।११।३३।४ | ४।१।२४।५५ | ६।९।५२।२० | ६।१८।२२।५० | | |
| ४ | शुक्र | ३।१।५८।४० | ७।११।३३।९ | २।८।३९।४५ | २।१५।६।२२ | २।११।४६।४५ | ४।२।३६।४३ | ६।९।५३।१५ | ६।१८।१९।४० | | |
| ५ | शनि | ३।२।५५।३९ | ७।२५।४७।४ | २।९।२०।२१ | २।१५।४७।४२ | २।१२।०।२४ | ४।३।४८।२८ | ६।९।५४।१७ | ६।१८।१६।२९ | | |
| ६ | आइत | ३।३।५२।३८ | ८।१०।५।५८ | २।१०।०।५३ | २।१६।३४।३ | २।१२।१४।१ | ४।५।०।१२ | ६।९।५५।२५ | ६।१८।१३।१८ | | |
| ७ | सोम | ३।४।४९।३८ | ८।२४।२६।१५ | २।१०।४१।२१ | २।१७।२५।८ | २।१२।२७।३६ | ४।६।११।५५ | ६।९।५६।३९ | ६।१८।१०।७ | | |

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

नोटः रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, ..... १२ बजे, दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १३, १४, ..... २३ बजे र रात्री १२ बजेलाई ० बजेले सकेत गरिएको छ ।

| सूर्यः फलम् | रा. | चन्द्रः फलम् |
|---|---|---|
| ४ माननाशः | मे. | ७ स्त्रीसुखम् |
| ३ श्रीप्राप्तिः | वृ. | ६ लाभः |
| २ भयम् | मि. | ५ कार्यसिद्धिः |
| १ स्थाननाशः | क. | ४ कुक्षिरुक् |
| १२ व्ययः | सिं. | ३ श्रीप्राप्तिः |
| ११ लाभः | कं. | २ धनलाभः |
| १० कर्मप्राप्तिः | तु. | १ अन्नलाभः |
| ९ कान्तिक्षयः | वृ. | १२ व्ययः |
| ८ कष्टम् | ध. | ११ लाभः |
| ७ गमनम् | म. | १० सुखम् |
| ६ शत्रुनाशः | कुं. | ९ नृपसुखम् |
| ५ दैन्यम् | मी. | ८ कष्टम् |

### नक्षत्रःफलम्

| | |
|---|---|
| चि. स्वा. वि. ... | गमनम् |
| अनु.ज्ये.मू.पू.उ.श्र. | सुखम् |
| ध. श. पू. ..... | पीडा |
| उ.रे.अ.भ.कृ. रो. | वस्त्रम् |
| मृ. आ. पू. ..... | हानिः |
| ति.अ.म.पू.उ.ह. | धनम् |

**संक्रान्तिःफलम् कर्कट (श्रावण)** श्री संवत् २०७० शाके १९३५ पराभवसंवत्सरे, श्री सूर्यदक्षिणायने, वर्षर्तौ, आषाढशुक्ल नवम्यांतिथौ, स्वातिभे, साध्ययोगे, कौलवकरणे, भौमवासरे, श्री सूर्योदयाद्गतघटिकासु ५५ पलासु ० श्री सूर्योमिथुनात्कर्कटराशिं प्रविष्टस्तदा उत्तरायण ग्रीष्मर्त्वाषाढोगतो दक्षिणायनवर्षर्तुः श्रावणमासः प्राप्तः ॥ वारतो नक्षत्रतश्चमहोदरी चौरसुखा, कालतः गोपघ्नी, अयनन्नाम्नी कर्कट (श्रावण) संक्रान्तिश्च प्राप्ता ॥ इयं वराहारुढा, वृषोपवाहना, हरितवस्त्रा, खड्गायुधा, ताम्रपात्रहस्ता, भैक्ष्याशना, चन्दनलेपा, सर्पजातिः, वकुलपुष्पा, ऊर्ध्वा, रत्यावस्था, मुक्ताभरणा, गतालकवया, पश्चिममुखा, मुहूर्त्ता१५ धान्यार्घवृष्टिषु अनिष्टफलदा, अब्द विंशोपकाः ८, मासदेवता श्रीधरो, मासदेवी कान्तिमती, मासार्को गभस्तिः, कर्कटे सूर्यस्तुलायां चन्द्रो, मिथुने देवगुरुः ॥ तिथिवारञ्चेतिपठेत् ॥

**मासिक(भविष्य)फल कर्कट (श्रावण)** यसमासमा ग्रहस्थिति साधारणतया मध्यम जस्ता देखिएका छन् । मंगलवारे संक्रान्ति र औंशीले सत्तापक्ष र विपक्षमा तानातान विकासका कार्ययोजनाहरू ठप्प हुने, जनताका दैनिकीका विषमता अत्यावश्यकीय पदार्थहरूको अभाव, नयाँ करभारले मँहगीको चरमवृद्धि हुनेछ । पशुचौपायमा रोगव्याधको प्रकोप, जलजनित प्रकोपले आवागमनमा विषमता र नयाँ रोगव्याधको आगमन, तिष्य नक्षत्रको सूर्यले तिल, तेल, सस्यौं, गुड, बाजरा, सुठो, मदिरा, नरीवल, सून, चाँदी आदिमा महंगीको प्रकोप । आर्द्राका मंगलले गुड, रुई, सूतीकपडा, नून, तेल आदिमा तेजी रहनेछ, चाँदीमा केही मन्दी हुनेछ । कर्मचारी, व्यापारीवर्ग सन्तोषित, कृषक र गायकवर्ग मध्यम रहनेछन् । खाद्यान्नको अभाव देखिन्छ । वर्षाभाव स्वल्प वृष्टि आदिको आभास भए पनि पुँस्त्री योगबाट ६,१०,१५-१९ गते उचित जल वर्षण र मासान्तमा मन्दझरीको योग छ ।

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५ ने.सं. ११३३ **श्रावणकृष्णपक्षः** (दिल्लागा) पाः श.,भ.,आ.,पुन.,अश्ले. (जुलाई ७/अगस्त ८ सन् २०१३) दक्षिणायनं, वर्षर्तुः, पराभवनामकः संवत्सरः

| | ग. | बा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ८ | मं. | १ | ४०।५६ | २१:४५ | उ | ५।२१ | ७:३१ | प्री | ४८।९ | ०:३८ | बा | १३।४६ | १०:५३ | पद्म | मकर | ३३।५४ | ५:२३ | १८:५६ | 23 | |
| | ९ | बु. | २ | ३५।४१ | १९:४० | श्र | ११।४५ / ५८।४५ | ६:५ / ४:५ | आ | ४१।२२ | २१:५६ | तै | ८।१४ | ८:४१ | छत्र | ३०।१०-१७:२७ | ३३।५१ | ५:२३ | १८:५६ | 24 | ध.पं.प्रवृत्तिः३०।१०, |
| प्र | १० | बृ. | ३ | ३१।८ | १७:५१ | श | ५६।२९ | ४:० | सौ | ३५।९ | १९:२७ | व | ३।१८ / ५९।११ | ६:४३ / ५:४ | वज्र | कुम्भ | ३३।४९ | ५:२४ | १८:५५ | 25 | भ.३।१८उ.३१।८या., |
| | ११ | शु. | ४ | २७।२७ | १६:२३ | पू | ५५।१० | ३:२८ | शो | २९।४० | १७:१६ | कौ | ५५।५९ | ३:४८ | ध्वांक्ष | ४०।२४-२१:३४ | ३३।४६ | ५:२४ | १८:५५ | 26 | |
| | १२ | श. | ५ | २४।४६ | १५:१९ | उ | ५४।५५ | ३:२३ | अ | २५।०० | १५:२५ | ग | ५३।५२ | २:५८ | धूम्र | मीन | ३३।४४ | ५:२५ | १८:५४ | 27 | |
| प्र | १३ | आ. | ६ | २३।१५ | १४:४३ | रे | ५५।५२ | ३:४६ | सु | २१।१६ | १३:५६ | भ | ५२।५८ | २:३६ | प्रवर्द्ध | ५५।५२-३:४६ | ३३।४१ | ५:२५ | १८:५४ | 28 | भ.२३।१५उ.५२।५८या.,ध.पं.निवृत्तिः५५।५२, |
| | १४ | सो. | ७ | २२।५८ | १४:३७ | अ | ५८।३ | ४:३९ | धृ | १८।३० | १२:५० | बा | ५३।१९ | २:४६ | राक्षस | मेष | ३३।३८ | ५:२६ | १८:५३ | 29 | **अष्टमीव्रतम्,** |
| | १५ | मं. | ८ | २३।५८ | १५:२ | भ | ६०।० | समस्त | शू | १६।४६ | १२:९ | तै | ५४।५७ | ३:२५ | मुशल | मेष | ३३।३५ | ५:२६ | १८:५२ | 30 | **भौमाष्टमी**, गोरखकालीपूजा, (खीर खाने दिन) |
| | १६ | बु. | ९ | २६।१२ | १५:५६ | भ | १।२७ | ६:२ | गं | १६।० | ११:५१ | व | ५७।४६ | ४:३३ | काण | १७।२९-१२:२७ | ३३।३२ | ५:२७ | १८:५२ | 31 | भ.५७।४६उ., |
| | १७ | बृ. | १० | २९।३४ | १७:१७ | कृ | ६।१ | ७:५२ | वृ | १६।८ | ११:५५ | ब | ६०।० | ५:२८ | लुम्ब | वृष | ३३।२९ | ५:२७ | १८:५१ | 1 | भ.२९।३४या., (अगस्त ८ ता.३१), |
| | १८ | शु. | ११ | ३३।४९ | १९:० | रो | ११।३२ | १०:५ | ध्रु | १७।०० | १२:१६ | ब | १।३५ | ६:६ | मित्र | ४४।३५-२३:१८ | ३३।२६ | ५:२८ | १८:५० | 2 | **कामिका एकादशी व्रतम्,** |
| प्र | १९ | श. | १२ | ३८।४० | २०:५६ | मृ | १७।४४ | १२:३४ | व्या | १८।२२ | १२:४९ | कौ | ६।११ | ७:५७ | वज्र | मिथुन | ३३।२३ | ५:२८ | १८:५० | 3 | द्विपुष्करः१७।४४या., |
| | २० | आ. | १३ | ४३।४२ | २२:५८ | आ | २४।१६ | १५:११ | ह | २०।० | १३:२९ | ग | ११।११ | ९:५७ | ध्वांक्ष | मिथुन | ३३।२० | ५:२९ | १८:४९ | 4 | भ.४३।४२उ., **प्रदोषव्रतम्,** मित्रता दिवसः, |
| | २१ | सो. | १४ | ४८।२९ | ०:५३ | पु | ३०।४० | १७:४५ | व | २१।३४ | १४:७ | भ | १६।९ | ११:५७ | धूम्र | १४।६-११:८ | ३३।१७ | ५:२९ | १८:४८ | 5 | भ.१६।९या., **घण्टाकर्ण** १४ (गथाँमुग चःह्रेपूजा), |
| | २२ | मं. | ३० | ५२।३८ | २:३३ | ति | ३६।३२ | २०:७ | सि | २२।४४ | १४:३६ | च | २०।३९ | १३:४६ | प्रवर्द्ध | कर्कट | ३३।१४ | ५:३० | १८:४८ | 6 | **दर्शश्राद्धं**, निशी एवं हलोबार्ने, |

ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः मं.मा.उ., बु.मा.२२अ.पू., बृ.मा.उ., शु.मा.उ.प., श.मा.उ.

पापांशाः शनिः९, राहु१२-केतु६, ८रविः६, ९शनिः १०,१०भौमः११, १२रविः७, १५रविः८-भौमः१२,१९रविः९,२०भौमः१,२२रविः१०,

चातुर्मास्यव्रतीले व्रतकालमा मधु, गुड, मास, तैल, गहत, मूला, कुष्माण्ड क्षौरकर्म, खाटमा शयन, बदरी फलको त्याग गर्नुपर्दछ ।

**श्रीतुलसीस्तोत्रम्** वृन्दां वृन्दावनीं विश्वपूजितां विश्व पावनीम् । पुष्पसारां नन्दिनीस्तुलसीं कृष्णजीवनीम् ।

**श्रीतुलसीपत्रचयनेनिषिद्ध** वैधृतौ च व्यतिपाते भौम भार्गव भानुषु । पर्वद्वये१५/३०।च संक्रान्तौ द्वादश्यां सूतकद्वये ॥

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

८ गते तिथ्ये२सूर्यः५६।१०=३:५१
९ गते पुनर्वसौबुधः३७।५०=२०:३१
९ गते स्वात्यां२शनिः२१।०=१३:४७
१० गते आर्द्रायां३भौमः५५।५६=३:४६
१० गते आर्द्रायां३गुरुः५३।४=२:३७
१२ गते तिथ्ये३सूर्यः२६।२८=१६:०
१२ गते पू.फा.या शुक्रः५८।४४=४:५४
१५ गते तिथ्ये४सूर्यः५६।३३=४:४
१५ गते आर्द्रायां४भौमः५५।६=३:२९
१७ गते पुन.४ कर्कटेबुधः२८।५६=१७:२
१९ गते श्लेषायां१सूर्यः२६।२३=१६:२
१९ गते तिथ्येबुधः४३।५२=२३:१
२० गते पुनर्वसौ१भौमः५६।१५=३:५९
२२ गते श्लेषायां२सूर्यः५५।५८=३:५३
२२ गते पूर्वास्तोबुधः५।२३=७:३९

श्रावणको सोमवारमा उपवास वा नक्तभोजन गरी शिवउपासना गर्नाले विद्या धन पुत्रादिको प्राप्ति हुन्छ भन्ने शास्त्रवचन छ

| | | | |
|---|---|---|---|
| १६ | श्रावण १२ शनौ ५४।४८ | | |
| र. | ३।१०।२६।५७ | ५७।२ | |
| भौ. | २।१४।३९।३७ | ४०।१८ | |
| बु. | २।२३।४९।४ | ७४।४१ | |
| गु. | २।१३।४७।८ | १३।१० | |
| शु. | ४।१३।१५।१९ | ७१।३३ | |
| श. | ६।१०।६।११ | १।५७ | |
| रा. | ६।१७।५१।१९ | ३।११ | |

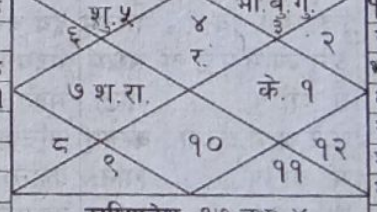


राशिप्रवेशः १७ बुधः ४

| | | | |
|---|---|---|---|
| १७ | श्रावण १९ शनौ ५४।३९ | | |
| र. | ३।१७।६।५७ | ५७।१० | |
| भौ. | २।१९।१९।१२ | ३९।५७ | |
| बु. | ३।३।३६।२४ | ९१।३ | |
| गु. | २।१५।१९।१४ | १२।४९ | |
| शु. | ४।२१।३४।५७ | ७१।१७ | |
| श. | ६।१०।२२।९ | २।४१ | |
| रा. | ६।१७।२९।४ | ३।११ | |

## દૈનિક લગ્નકોષ્ટક: સારણી ૨૦૯૬

| ઉત્તર | મિથુન | કર્ક | સિંહ | કન્યા | તુલા | વૃશ્ચિક | ધનુ | મકર | કુંભ | મીન | મેષ | વૃષભ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ૪૫:૬૯ | ૬૭:૩૨ | ૯૧:૩૬ | ૧૧૫:૪૭ | ૧૪૦:૬૮ | ૧૬૫:૨૪ | ૧૯૦:૧૧ | ૨૧૫:૩૬ | ૨૪૦:૩૯ | ૨૬૫:૪૫ | ૨૯૦:૨૧ | ૩૧૫:૩૭ | ૩૪૦:૫૨ |
| ૪૬:૨૮ | ૬૯:૨૬ | ૯૩:૮૬ | ૧૧૬:૨૩ | ૧૪૧:૨૨ | ૧૬૬:૨૦ | ૧૯૧:૨૭ | ૨૧૬:૩૩ | ૨૪૧:૩૬ | ૨૬૬:૨૨ | ૨૯૧:૩૫ | ૩૧૬:૧૨ | ૩૪૧:૩૧ |
| ૪૭:૨૦ | ૭૧:૨૧ | ૯૫:૩૬ | ૧૧૭:૧૮ | ૧૪૨:૧૬ | ૧૬૭:૧૬ | ૧૯૨:૩૬ | ૨૧૭:૩૩ | ૨૪૨:૩૧ | ૨૬૭:૩૩ | ૨૯૨:૩૬ | ૩૧૭:૩૩ | ૩૪૨:૩૬ |
| ૪૭:૩૮ | ૭૩:૧૬ | ૯૭:૩૬ | ૧૧૮:૩૦ | ૧૪૩:૩૦ | ૧૬૮:૩૬ | ૧૯૩:૩૬ | ૨૧૮:૩૬ | ૨૪૩:૩૬ | ૨૬૮:૩૬ | ૨૯૩:૩૬ | ૩૧૮:૩૬ | ૩૪૩:૩૬ |
| ૪૮:૫૬ | ૭૫:૦૬ | ૯૯:૩૬ | ૧૧૯:૩૬ | ૧૪૪:૩૬ | ૧૬૯:૩૬ | ૧૯૪:૩૬ | ૨૧૯:૩૬ | ૨૪૪:૩૬ | ૨૬૯:૩૬ | ૨૯૪:૩૬ | ૩૧૯:૩૬ | ૩૪૪:૩૬ |
| ૪૯:૧૪ | ૭૬:૩૩ | ૧૦૧:૩૩ | ૧૨૦:૩૩ | ૧૪૫:૩૩ | ૧૭૦:૩૩ | ૧૯૫:૩૩ | ૨૨૦:૩૩ | ૨૪૫:૩૩ | ૨૭૦:૩૩ | ૨૯૫:૩૩ | ૩૨૦:૩૩ | ૩૪૫:૩૩ |
| ૪૯:૩૨ | ૭૮:૩૯ | ૧૦૩:૩૯ | ૧૨૧:૩૯ | ૧૪૬:૩૯ | ૧૭૧:૩૯ | ૧૯૬:૩૯ | ૨૨૧:૩૯ | ૨૪૬:૩૯ | ૨૭૧:૩૯ | ૨૯૬:૩૯ | ૩૨૧:૩૯ | ૩૪૬:૩૯ |
| ૫૦:૪૯ | ૮૦:૪૬ | ૧૦૫:૪૬ | ૧૨૨:૪૬ | ૧૪૭:૪૬ | ૧૭૨:૪૬ | ૧૯૭:૪૬ | ૨૨૨:૪૬ | ૨૪૭:૪૬ | ૨૭૨:૪૬ | ૨૯૭:૪૬ | ૩૨૨:૪૬ | ૩૪૭:૪૬ |
| ૫૧:૬૫ | ૮૨:૨૨ | ૧૦૭:૨૨ | ૧૨૩:૨૨ | ૧૪૮:૨૨ | ૧૭૩:૨૨ | ૧૯૮:૨૨ | ૨૨૩:૨૨ | ૨૪૮:૨૨ | ૨૭૩:૨૨ | ૨૯૮:૨૨ | ૩૨૩:૨૨ | ૩૪૮:૨૨ |
| ૫૨:૮૧ | ૮૩:૫૯ | ૧૦૯:૫૯ | ૧૨૪:૫૯ | ૧૪૯:૫૯ | ૧૭૪:૫૯ | ૧૯૯:૫૯ | ૨૨૪:૫૯ | ૨૪૯:૫૯ | ૨૭૪:૫૯ | ૨૯૯:૫૯ | ૩૨૪:૫૯ | ૩૪૯:૫૯ |
| ૫૩:૯૭ | ૮૫:૩૬ | ૧૧૧:૩૬ | ૧૨૫:૩૬ | ૧૫૦:૩૬ | ૧૭૫:૩૬ | ૧૯૦:૩૬ | ૨૨૫:૩૬ | ૨૫૦:૩૬ | ૨૭૫:૩૬ | ૩૦૦:૩૬ | ૩૨૫:૩૬ | ૩૫૦:૩૬ |
| ૫૪:૧૩ | ૮૭:૧૨ | ૧૧૩:૧૨ | ૧૨૬:૧૨ | ૧૫૧:૧૨ | ૧૭૬:૧૨ | ૧૯૧:૧૨ | ૨૨૬:૧૨ | ૨૫૧:૧૨ | ૨૭૬:૧૨ | ૩૦૧:૧૨ | ૩૨૬:૧૨ | ૩૫૧:૧૨ |
| ૫૫:૨૯ | ૮૯:૩૩ | ૧૧૫:૩૩ | ૧૨૭:૩૩ | ૧૫૨:૩૩ | ૧૭૭:૩૩ | ૧૯૨:૩૩ | ૨૨૭:૩૩ | ૨૫૨:૩૩ | ૨૭૭:૩૩ | ૩૦૨:૩૩ | ૩૨૭:૩૩ | ૩૫૨:૩૩ |
| ૫૬:૪૬ | ૯૧:૫૬ | ૧૧૭:૫૬ | ૧૨૯:૫૬ | ૧૫૩:૫૬ | ૧૭૯:૫૬ | ૧૯૩:૫૬ | ૨૨૯:૫૬ | ૨૫૩:૫૬ | ૨૭૯:૫૬ | ૩૦૩:૫૬ | ૩૨૯:૫૬ | ૩૫૩:૫૬ |
| ૫૭:૬૩ | ૯૩:૨૦ | ૧૧૯:૨૦ | ૧૩૦:૨૦ | ૧૫૫:૨૦ | ૧૮૦:૨૦ | ૧૯૫:૨૦ | ૨૩૦:૨૦ | ૨૫૫:૨૦ | ૨૮૦:૨૦ | ૩૦૫:૨૦ | ૩૩૦:૨૦ | ૩૫૫:૨૦ |
| ૫૮:૮૦ | ૯૫:૦૬ | ૧૨૧:૦૬ | ૧૩૨:૦૬ | ૧૫૬:૦૬ | ૧૮૧:૦૬ | ૧૯૬:૦૬ | ૨૩૧:૦૬ | ૨૫૬:૦૬ | ૨૮૧:૦૬ | ૩૦૬:૦૬ | ૩૩૧:૦૬ | ૩૫૬:૦૬ |
| ૫૯:૯૭ | ૯૭:૫૩ | ૧૨૩:૫૩ | ૧૩૩:૫૩ | ૧૫૭:૫૩ | ૧૮૨:૫૩ | ૧૯૭:૫૩ | ૨૩૨:૫૩ | ૨૫૭:૫૩ | ૨૮૨:૫૩ | ૩૦૭:૫૩ | ૩૩૨:૫૩ | ૩૫૭:૫૩ |
| ૬૧:૧૩ | ૯૯:૩૯ | ૧૨૫:૩૯ | ૧૩૫:૩૯ | ૧૫૯:૩૯ | ૧૮૩:૩૯ | ૧૯૯:૩૯ | ૨૩૩:૩૯ | ૨૫૯:૩૯ | ૨૮૩:૩૯ | ૩૦૯:૩૯ | ૩૩૩:૩૯ | ૩૫૯:૩૯ |
| ૬૨:૩૦ | ૧૦૧:૨૬ | ૧૨૭:૨૬ | ૧૩૭:૨૬ | ૧૫૯:૨૬ | ૧૮૪:૨૬ | ૧૯૯:૨૬ | ૨૩૪:૨૬ | ૨૫૯:૨૬ | ૨૮૪:૨૬ | ૩૦૯:૨૬ | ૩૩૪:૨૬ | ૩૫૯:૨૬ |
| ૬૩:૪૬ | ૧૦૩:૧૩ | ૧૨૯:૧૩ | ૧૩૯:૧૩ | ૧૬૦:૧૩ | ૧૮૫:૧૩ | ૧૯૯:૧૩ | ૨૩૫:૧૩ | ૨૫૯:૧૩ | ૨૮૫:૧૩ | ૩૦૯:૧૩ | ૩૩૫:૧૩ | ૩૫૯:૧૩ |
| ૬૫:૦૩ | ૧૦૫:૦૦ | ૧૩૦:૦૦ | ૧૩૯:૫૯ | ૧૬૦:૫૯ | ૧૮૫:૫૯ | ૧૯૯:૫૯ | ૨૩૫:૫૯ | ૨૫૯:૫૯ | ૨૮૫:૫૯ | ૩૦૯:૫૯ | ૩૩૫:૫૯ | ૩૫૯:૫૯ |
| ૬૬:૨૦ | ૧૦૬:૫૬ | ૧૩૦:૫૬ | ૧૩૯:૫૬ | ૧૬૦:૫૬ | ૧૮૫:૫૬ | ૧૯૯:૫૬ | ૨૩૫:૫૬ | ૨૫૯:૫૬ | ૨૮૫:૫૬ | ૩૦૯:૫૬ | ૩૩૫:૫૬ | ૩૫૯:૫૬ |
| ૬૭:૩૬ | ૧૦૮:૩૩ | ૧૩૦:૩૩ | ૧૩૯:૩૩ | ૧૬૦:૩૩ | ૧૮૫:૩૩ | ૧૯૯:૩૩ | ૨૩૫:૩૩ | ૨૫૯:૩૩ | ૨૮૫:૩૩ | ૩૦૯:૩૩ | ૩૩૫:૩૩ | ૩૫૯:૩૩ |
| ૬૮:૫૩ | ૧૧૦:૦૯ | ૧૩૦:૦૯ | ૧૩૯:૦૯ | ૧૬૦:૦૯ | ૧૮૫:૦૯ | ૧૯૯:૦૯ | ૨૩૫:૦૯ | ૨૫૯:૦૯ | ૨૮૫:૦૯ | ૩૦૯:૦૯ | ૩૩૫:૦૯ | ૩૫૯:૦૯ |
| ૬૯:૧૦ | ૧૧૧:૪૬ | ૧૩૧:૪૬ | ૧૩૯:૪૬ | ૧૬૦:૪૬ | ૧૮૫:૪૬ | ૧૯૯:૪૬ | ૨૩૫:૪૬ | ૨૫૯:૪૬ | ૨૮૫:૪૬ | ૩૦૯:૪૬ | ૩૩૫:૪૬ | ૩૫૯:૪૬ |
| ૬૯:૪૭ | ૧૧૩:૪૩ | ૧૩૧:૪૩ | ૧૩૯:૪૩ | ૧૬૦:૪૩ | ૧૮૫:૪૩ | ૧૯૯:૪૩ | ૨૩૫:૪૩ | ૨૫૯:૪૩ | ૨૮૫:૪૩ | ૩૦૯:૪૩ | ૩૩૫:૪૩ | ૩૫૯:૪૩ |
| ૭૦:૨૩ | ૧૧૫:૩૯ | ૧૩૧:૩૯ | ૧૩૯:૩૯ | ૧૬૦:૩૯ | ૧૮૫:૩૯ | ૧૯૯:૩૯ | ૨૩૫:૩૯ | ૨૫૯:૩૯ | ૨૮૫:૩૯ | ૩૦૯:૩૯ | ૩૩૫:૩૯ | ૩૫૯:૩૯ |
| ૭૧:૦૦ | ૧૧૭:૩૬ | ૧૩૧:૩૬ | ૧૩૯:૩૬ | ૧૬૦:૩૬ | ૧૮૫:૩૬ | ૧૯૯:૩૬ | ૨૩૫:૩૬ | ૨૫૯:૩૬ | ૨૮૫:૩૬ | ૩૦૯:૩૬ | ૩૩૫:૩૬ | ૩૫૯:૩૬ |
| ૭૧:૩૬ | ૧૧૯:૩૩ | ૧૩૧:૩૩ | ૧૩૯:૩૩ | ૧૬૦:૩૩ | ૧૮૫:૩૩ | ૧૯૯:૩૩ | ૨૩૫:૩૩ | ૨૫૯:૩૩ | ૨૮૫:૩૩ | ૩૦૯:૩૩ | ૩૩૫:૩૩ | ૩૫૯:૩૩ |
| ૭૨:૧૩ | ૧૨૧:૦૯ | ૧૩૧:૦૯ | ૧૩૯:૦૯ | ૧૬૦:૦૯ | ૧૮૫:૦૯ | ૧૯૯:૦૯ | ૨૩૫:૦૯ | ૨૫૯:૦૯ | ૨૮૫:૦૯ | ૩૦૯:૦૯ | ૩૩૫:૦૯ | ૩૫૯:૦૯ |
| ૭૩:૪૯ | ૧૨૩:૪૬ | ૧૩૧:૪૬ | ૧૩૯:૪૬ | ૧૬૦:૪૬ | ૧૮૫:૪૬ | ૧૯૯:૪૬ | ૨૩૫:૪૬ | ૨૫૯:૪૬ | ૨૮૫:૪૬ | ૩૦૯:૪૬ | ૩૩૫:૪૬ | ૩૫૯:૪૬ |
| ૭૫:૨૬ | ૧૨૫:૪૩ | ૧૩૧:૪૩ | ૧૩૯:૪૩ | ૧૬૦:૪૩ | ૧૮૫:૪૩ | ૧૯૯:૪૩ | ૨૩૫:૪૩ | ૨૫૯:૪૩ | ૨૮૫:૪૩ | ૩૦૯:૪૩ | ૩૩૫:૪૩ | ૩૫૯:૪૩ |
| ૭૬:૦૩ | ૧૨૭:૩૯ | ૧૩૧:૩૯ | ૧૩૯:૩૯ | ૧૬૦:૩૯ | ૧૮૫:૩૯ | ૧૯૯:૩૯ | ૨૩૫:૩૯ | ૨૫૯:૩૯ | ૨૮૫:૩૯ | ૩૦૯:૩૯ | ૩૩૫:૩૯ | ૩૫૯:૩૯ |
| ૭૬:૪૦ | ૧૨૯:૩૬ | ૧૩૧:૩૬ | ૧૩૯:૩૬ | ૧૬૦:૩૬ | ૧૮૫:૩૬ | ૧૯૯:૩૬ | ૨૩૫:૩૬ | ૨૫૯:૩૬ | ૨૮૫:૩૬ | ૩૦૯:૩૬ | ૩૩૫:૩૬ | ૩૫૯:૩૬ |
| ૭૭:૩૬ | ૧૩૧:૩૩ | ૧૩૧:૩૩ | ૧૩૯:૩૩ | ૧૬૦:૩૩ | ૧૮૫:૩૩ | ૧૯૯:૩૩ | ૨૩૫:૩૩ | ૨૫૯:૩૩ | ૨૮૫:૩૩ | ૩૦૯:૩૩ | ૩૩૫:૩૩ | ૩૫૯:૩૩ |
| ૭૮:૩૩ | ૧૩૩:૦૯ | ૧૩૧:૦૯ | ૧૩૯:૦૯ | ૧૬૦:૦૯ | ૧૮૫:૦૯ | ૧૯૯:૦૯ | ૨૩૫:૦૯ | ૨૫૯:૦૯ | ૨૮૫:૦૯ | ૩૦૯:૦૯ | ૩૩૫:૦૯ | ૩૫૯:૦૯ |
| ૭૯:૩૦ | ૧૩૫:૪૬ | ૧૩૧:૪૬ | ૧૩૯:૪૬ | ૧૬૦:૪૬ | ૧૮૫:૪૬ | ૧૯૯:૪૬ | ૨૩૫:૪૬ | ૨૫૯:૪૬ | ૨૮૫:૪૬ | ૩૦૯:૪૬ | ૩૩૫:૪૬ | ૩૫૯:૪૬ |
| ૮૦:૨૬ | ૧૩૭:૪૩ | ૧૩૧:૪૩ | ૧૩૯:૪૩ | ૧૬૦:૪૩ | ૧૮૫:૪૩ | ૧૯૯:૪૩ | ૨૩૫:૪૩ | ૨૫૯:૪૩ | ૨૮૫:૪૩ | ૩૦૯:૪૩ | ૩૩૫:૪૩ | ૩૫૯:૪૩ |
| ૮૧:૨૩ | ૧૩૯:૩૯ | ૧૩૧:૩૯ | ૧૩૯:૩૯ | ૧૬૦:૩૯ | ૧૮૫:૩૯ | ૧૯૯:૩૯ | ૨૩૫:૩૯ | ૨૫૯:૩૯ | ૨૮૫:૩૯ | ૩૦૯:૩૯ | ૩૩૫:૩૯ | ૩૫૯:૩૯ |

## ઋતુ સંવત ૨૦૭૦ શ્રાવણાનુષ્ઠાન

| તિથિ | વાસર | નક્ષત્ર | યોગ | કરણ | મુખ્ય | સ્થાન |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ૧ શુક્લ | ૦૦:૩૦ | ૧૩:૧૭ | ૧૭:૧૬ | ૧૧:૧૭ | ગોકુલાષ્ટમી | મથુરા |
| ૨ શુક્લ | ૦૧:૨૬ | ૧૩:૫૬ | ૧૭:૪૬ | ૧૧:૫૬ | પુત્રદા એકાદશી | વૃંદાવન |
| ૩ શુક્લ | ૦૨:૧૨ | ૧૪:૩૬ | ૧૮:૧૬ | ૧૨:૩૬ | પ્રદોષ | કાશી |
| ૪ શુક્લ | ૦૩:૦૦ | ૧૫:૧૬ | ૧૮:૪૬ | ૧૩:૧૬ | માસશિવરાત્રિ | સોમનાથ |
| ૫ શુક્લ | ૦૩:૪૬ | ૧૬:૦૬ | ૧૯:૧૬ | ૧૩:૫૬ | અમાવસ્યા | પ્રયાગ |
| ૬ શુક્લ | ૦૪:૩૩ | ૧૬:૫૬ | ૧૯:૪૬ | ૧૪:૩૬ | પિતૃ તર્પણ | ગયા |
| ૭ શુક્લ | ૦૫:૧૯ | ૧૭:૪૬ | ૨૦:૩૬ | ૧૫:૪૬ | વરાહ જયંતી | મથુરા |
| ૮ શુક્લ | ૦૬:૦૬ | ૧૮:૩૬ | ૨૧:૨૬ | ૧૬:૩૬ | દુર્ગાષ્ટમી | કોલ્હાપુર |
| ૯ શુક્લ | ૦૬:૫૩ | ૧૯:૨૬ | ૨૨:૧૬ | ૧૭:૨૬ | મહાનવમી | કોલ્હાપુર |
| ૧૦ શુક્લ | ૦૭:૪૦ | ૨૦:૧૬ | ૨૩:૦૬ | ૧૮:૧૬ | વિજયાદશમી | કોલ્હાપુર |
| ૧૧ શુક્લ | ૦૮:૨૬ | ૨૧:૦૬ | ૨૩:૫૬ | ૧૯:૦૬ | પાપાંકુશા એકાદશી | પદ્મતીર્થ |
| ૧૨ શુક્લ | ૦૯:૧૩ | ૨૧:૫૬ | ૨૪:૩૬ | ૧૯:૫૬ | પ્રદોષ | કાશી |
| ૧૩ શુક્લ | ૦૯:૫૯ | ૨૨:૩૬ | ૨૫:૧૬ | ૨૦:૩૬ | શરદ પૂર્ણિમા | વૃંદાવન |
| ૧૪ શુક્લ | ૧૦:૪૬ | ૨૩:૧૬ | ૨૫:૫૬ | ૨૧:૧૬ | કોજાગરી | મથુરા |
| ૧૫ શુક્લ | ૧૧:૩૩ | ૨૩:૫૬ | ૨૬:૩૬ | ૨૧:૫૬ | શરદ પૂર્ણિમા | કોલ્હાપુર |
| ૧ કૃષ્ણ | ૧૨:૨૯ | ૨૪:૩૬ | ૨૭:૧૬ | ૨૨:૩૬ | કરવા ચોથ | દિલ્હી |
| ૨ કૃષ્ણ | ૧૩:૨૬ | ૨૫:૧૬ | ૨૭:૫૬ | ૨૩:૧૬ | અહોઈ આઠમ | મથુરા |
| ૩ કૃષ્ણ | ૧૪:૨૨ | ૨૫:૫૬ | ૨૮:૩૬ | ૨૩:૫૬ | ધનતેરસ | કોલ્હાપુર |
| ૪ કૃષ્ણ | ૧૫:૧૯ | ૨૬:૩૬ | ૨૮:૫૬ | ૨૪:૩૬ | નરક ચતુર્દશી | કોલ્હાપુર |
| ૫ કૃષ્ણ | ૧૬:૧૬ | ૨૭:૩૬ | ૨૯:૩૬ | ૨૫:૩૬ | દીપાવલી અમાવસ્યા | કોલ્હાપુર |
| ૬ કૃષ્ણ | ૧૭:૧૩ | ૨૮:૩૬ | ૨૯:૫૬ | ૨૬:૩૬ | ગોવર્ધન પૂજા | મથુરા |
| ૭ કૃષ્ણ | ૧૮:૦૯ | ૨૯:૩૬ | ૩૦:૩૬ | ૨૭:૩૬ | ભાઈબીજ | કોલ્હાપુર |
| ૮ કૃષ્ણ | ૧૮:૫૬ | ૩૦:૩૬ | ૩૦:૫૬ | ૨૮:૩૬ | છઠ્ઠ પૂજા | પટના |
| ૯ કૃષ્ણ | ૧૯:૪૩ | ૩૧:૩૬ | ૩૧:૩૬ | ૨૯:૩૬ | કાર્તિક શુક્લ નવમી | અક્ષય નવમી |
| ૧૦ કૃષ્ણ | ૨૦:૩૦ | ૩૨:૩૬ | ૩૨:૩૬ | ૩૦:૩૬ | દેવ ઉઠી એકાદશી | પંઢરપુર |
| ૧૧ કૃષ્ણ | ૨૧:૧૬ | ૩૩:૩૬ | ૩૩:૩૬ | ૩૧:૩૬ | પ્રદોષ | કાશી |
| ૧૨ કૃષ્ણ | ૨૨:૦૨ | ૩૪:૩૬ | ૩૪:૩૬ | ૩૨:૩૬ | કાર્તિક પૂર્ણિમા | પુષ્કર |
| ૧૩ કૃષ્ણ | ૨૨:૫૯ | ૩૫:૩૬ | ૩૫:૩૬ | ૩૩:૩૬ | વૈકુંઠ ચતુર્દશી | કાશી |
| ૧૪ કૃષ્ણ | ૨૩:૫૬ | ૩૬:૩૬ | ૩૬:૩૬ | ૩૪:૩૬ | દેવ દિવાળી | વારાણસી |
| ૧૫ કૃષ્ણ | ૨૪:૫૩ | ૩૭:૩૬ | ૩૭:૩૬ | ૩૫:૩૬ | કાલાષ્ટમી | ઉજ્જૈન |

## કર્મકાંડ ૭ : ૨૦૯૬ ચૈત્ર : ૨૦૯૬ વૈશાખ : ૨૦૯૬ જ્યેષ્ઠ : ૨૦૯૬ આષાઢ : ૨૦૯૬ શ્રાવણ : ૨૦૯૬ ભાદરવો : ૨૦૯૬ આસો : ૨૦૯૬ કારતક : ૨૦૯૬ માગશર : ૨૦૯૬ પોષ : ૨૦૯૬ મહા

## ત્રિમાસ ૪૩ પ્રત્યાંગ

**અક્ષય તૃતીયા પછી શનાનિને દુઃખ ગુમા વહી ખરુ ! કહેટ રાશિકો સુર્ય મધ્યકાલના સા.શુ. દુનીયા ર સોમવાર પરંતા પિવળી યોગ હુંગ્ર પરસોમા પિરવપુજન, ઠરી ગરમ નીરોગરાકર પ્રમન હુંગ્રની બાલકકો દોન પહિલો પટક ઉર્મિદાંકો માસખત: પહિલો મહિનામા દોન બાકેવા આખૈ નાશ, દોયો મહિનામા દોન આપુમા ખાકકો નાશ, તેસો મહિનામા દોન આપુમા કિરી-વહિનીકો નાશ, ચૌથો મહિનામા દોન આપુમા સામાસાકે કષ્ટ, પાંચો મહિનામા દોન આપુમા વાલુકો નાશ, છઠ્ઠો મહિનામા દોન આપુમા સ્વજન સુખી, સાતો મહિનામા દોન આપુમા વાલુકાંકે સુખ, આઠો મહિનામા દોન આપુમા આખૈ શરીર તન્દુરસ્તી, નવો મહિનામા દોન આપુમા લક્ષ્મીપ્રિય, દશમો મહિનામા જન્મ મરણ વાલ, આમા, સ્વય ર આખ્ત્રકસ્વાંકે અસર પર હુંગાર શાનિકા લાગિ સ્ત્રી-વપુકોકો પાઠ લગાવર મૃત્યુન્યયકો ભય આરિ નાર્નુ પંઢેક્ર ।**

**ભગ્ન સાગોર પહુ કાનાંકે દુઃ ગુમા વહી ખરુ ! કહેટ રાશિકો સુર્ય મધ્યકાલના સા.શુ. દુનીયા ર સોમવાર પરંતા પિવળી યોગ હુંગ્ર પરસોમા પિરવપુજન, ઠરી ગરમ નીરોગરાકર પ્રમન હુંગ્ર બાલકકો દોન પહિલો પટક ઉર્મિદાંકો માસખત: પહિલો મહિનામા દોન આખૈ નાશ, દોયો મહિનામા દોન આપુમા ખાકકો નાશ, તેસ

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५ ने. सं. ११३३ **श्रावणशुक्लपक्षः** (गुँलाथ्व) पाः अश्ले., म., स्वा., अनु., १७, मू., २२, श. (अगस्त ८ सन् २०१३ ) दक्षिणायनं, वर्षर्तुः, पराभवनामकः संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | ज.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २३ | बु. | १ | ५५।५१ | ३:५१ | श्ले | ४१।३५ | २२:८ | व्य | २३।१७ | १४:४९ | किं | २४।२२ | १५.१५ | राक्षस | ४१।३५-२२:८ | ३३।११ | ५:३१ | १८:४७ | 7 | गुँलाधर्मारम्भः, |
| | २४ | वृ. | २ | ५७।५५ | ४:४१ | म | ४५।३२ | २३:४४ | व | २३।१ | १४:४४ | बा | २७।१ | १६:२० | मुशल | सिंह | ३३।८ | ५:३१ | १८:४६ | 8 | चन्द्रोदयः, ❷४७।२४उ.५०।०या., |
| | २५ | शु. | ३ | ५८।४४ | ५:१ | पू | ४८।१८ | ०:५१ | प | २१।४९ | १४:१५ | तै | २८।२९ | १६:५५ | सिद्धि | सिंह | ३३।४ | ५:३२ | १८:४५ | 9 | वराहजयन्ती, आदिवासी दिवसः, |
| प्र | २६ | श. | ४ | ५८।१७ | ४:५१ | उ | ४९।४८ | १:२७ | शि | १९।३७ | १३:२३ | व | २८।४० | १७:० | उत्पात | ३।४७-७:३ | ३३।१ | ५:३२ | १८:४४ | 10 | भ.२८।४०उ.५८।१७या., ❾नक्साल नागपोखरी मेला |
| | २७ | आ. | ५ | ५६।३७ | ४:११ | ह | ५०।६ | १:३५ | सि | १६।२४ | १२:६ | ब | २७।३५ | १६:३५ | मानस | कन्या | ३२।५८ | ५:३३ | १८:४४ | 11 | **नागपञ्चमी**, नागपूजनं (नागटास्ने) ल.पु.दानघाट❶ |
| | २८ | सो. | ६ | ५३।४८ | ३:४ | चि | ४९।१५ | १:१५ | सा | १२।१३ | १०:२६ | कौ | २५।२० | १५:४१ | मुद्गर | १९।४८-१३:२८ | ३२।५४ | ५:३३ | १८:४३ | 12 | कल्कीजयन्ती, ❶ धापाखेल नागदह (टौदह) मेला,❾ |
| प्र | २९ | मं. | ७ | ५०।० | १:३४ | स्वा | ४७।२४ | ०:३१ | शु | ७।९ | ८:२५ | ग | २२।० | १४:२२ | ध्वज | तुला | ३२।५१ | ५:३४ | १८:४२ | 13 | भ.५०।०उ., गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती, त्रिपुष्करः❷ |
| | ३० | बु. | ८ | ४५।२१ | २३:४३ | वि | ४४।४३ | २३:२७ | शु | ७।१८ / ५४।४९ | ६:५ / ३:३० | भ | १७।४६ | १२:४० | धाता | ३०।२७-१७:४५ | ३२।४७ | ५:३४ | १८:४१ | 14 | भ.१७।४६या.**बुधाष्टमीव्रतं**, गो.का.पूजा (यलपञ्चदानं), |
| | ३१ | वृ. | ९ | ४०।३ | २१:३६ | अ | ४१।२१ | २२:७ | ऐं | ४७।४७ | ०:४१ | बा | १२।४६ | १०:४१ | आनन्द | वृश्चिक | ३२।४४ | ५:३५ | १८:४० | 15 | |
| | ३२ | शु. | १० | ३४।१५ | १९:१७ | ज्ये | ३७।३१ | २०:३५ | वै | ४०।२२ | २१:४४ | तै | ७।११ | ८:२८ | चर | ३७।३१-२०:३५ | ३२।४० | ५:३५ | १८:३९ | 16 | ❺ल.पु.कुम्भेश्वरमेला,पशुपति-दूधकुण्डमेला,भागेश्वर जाँत, |
| भा | १ | श. | ११ | २८।१० | १६:५२ | मू | ३३।२३ | १८:५७ | वि | ३२।४४ | १८:४१ | व | ७।१३ / ५५।५५ | ६:५ / ३:३७ | गद | धनु | ३२।३७ | ५:३६ | १८:३८ | 17 | भ.१।१३उ.२८।१०या.,**पुत्रदा एका. व्रतं**,सिंहेऽर्कः२२।५०❼ |
| प्र | २ | आ. | १२ | २१।५९ | १४:२३ | पू | २९।११ | १७:१६ | प्री | २५।१ | १५:३७ | कौ | ४८।५५ | १:१० | शुभ | ४३।९-२२:५२ | ३२।३३ | ५:३६ | १८:३७ | 18 | **प्रदोषव्रतं** (वहिद्यःब्वय), ❼**भाद्रसंक्रान्ति**, |
| | ३ | सो. | १३ | १५।५५ | ११:५८ | उ | २५।७ | १५:४० | आ | १७।२५ | १२:३५ | ग | ४३।० | २२:४८ | मृत्यु | मकर | ३२।२९ | ५:३७ | १८:३६ | 19 | ❹शिवस्यपवित्रारोपणं, ध.पं.प्रवृत्तिः४९।४६ |
| | ४ | मं. | १४ | १०।१० | ९:४१ | श्र | २१।२५ | १४:११ | सौ | १०।५ | ९:३९ | भ | ३७।२८ | २०:३६ | लुम्ब | ४९।४६-१:३१ | ३२।२६ | ५:३७ | १८:३५ | 20 | भ.१०।१०उ.३७।२८या., **पूर्णिमाव्रतं**, हयग्रीवोत्पत्तिः,❹ |
| | ५ | बु. | १५ | ४।५५ | ७:३६ | ध | १८।१५ | १२:५५ | शो | ३।९ / ५६।४८ | ६:५३ / ४:२१ | बा | ३२।३३ | १८:३९ | मित्र | कुम्भ | ३२।२२ | ५:३८ | १८:३४ | 21 | ऋषितर्पणी, **रक्षाबन्धनं**, **जनैपूर्णिमा**, (गुँपून्हि ब्याँजानके)❺ |

ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः मं.मा.उ., बु.मा.अ.पू., वृ.मा.उ., शु.मा.उ.प., श.मा.उ.

पापग्रहाः शनि:१०, राहु:१२-केतु:६, २५भौम:२, २६रवि:११,२९रवि:१२,३१भौम:३, १रवि:१, ३राहु:११-केतु:५,४रवि:२-भौम:४

**अथ नागपूजने विशेषः** नागपंचमीमा गोमयनाग बनाई नागको मानपात्र(चित्र)मा दीपकलश गणेशपूजन पूर्वक दधिदुर्वाङ्कुर कुश सिन्दूर गन्धादिले नागको पूजा गरी टाँस्नाले मेघ अग्नि सर्पको भय हुँदैन ।

**नागप्रार्थनाः** आस्तिकस्य मुर्नेमातर्जगदानन्दकारिणि । एहयेहि मनसा देवि नागमातर्नमोस्तुते । **सर्पविषनाशन मन्त्रः** ॐ कुरुकुलये हुँ फट्स्वाहा। यो मन्त्र जपीफुकि दिनाले सर्पको विषनाश हुन्छ ।

२४ गते उ.फा.यां शुक्रः११।४३=१०:१२
२५ गते पुनर्वसौ२भौमः५९।२५=५:१८
२६ गते श्लेषायां३सूर्यः२५।१४=१५:३८
२६ गते आर्द्रायां४गुरुः१३।१८=१०:५१
२७ गते श्लेषायांबुधः५७।३३=४:३४
२७ गते उ.२कन्यायांशुक्रः०।३६=५:४७
२९ गते श्लेषायां४सूर्यः५४।१३=३:१५
३१ गते पुनर्वसौ३भौमः४।३८=७:२६

१ गते म.१ सिंहेऽर्क२२।५०=१४:४४
३ गते म.१ सिंहेबुधः३४।२२=१९:२१
३ गते हस्तभे शुक्रः२९।५=१७:१५
३ गते स्वात्यां३राहुः भरण्यां१केतुः २०।१९=१३:४४
४ गते मघायां२सूर्यः५१।९=२:५
४ गते पु.४कर्कटेभौमः११।५८=१०:२४

| १८ | श्रावण २६ शनौ ५४।३० | |
|---|---|---|
| र. | ३।२३।४७।५९ | ५७।१९ |
| भौ. | २।२३।५६।१२ | ३९।३५ |
| बु. | ३।१४।५३।९ | १००।५४ |
| गु. | २।१६।४८।३८ | १२।२४ |
| शु. | ४।२९।५२।४६ | ७०।५९ |
| श. | ६।१०।४२।५९ | ३।२२ |
| रा. | ६।१७।६।४९ | ३।११ |

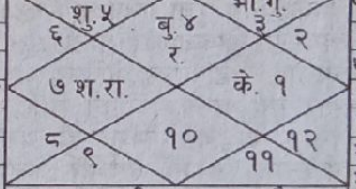

२७शु:६, १रवि:५, ३बु ५, ४भौ.४

| १९ | भाद्र १ शनौ ५४।२१ | |
|---|---|---|
| र. | ४।०।३०।१३ | ५७।३० |
| भौ. | २।२८।३०।३६ | ३९।१३ |
| बु. | ३।२७।१।४४ | १०६।२६ |
| गु. | २।१८।१४।४९ | ११।५४ |
| शु. | ५।८।८।२८ | ७०।३८ |
| श. | ६।११।८।२३ | ४।१ |
| रा. | ६।१६।४४।३३ | ३।११ |

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| कर्कट | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३:५३ | ६:१७ | ८:३३ | १०:४८ | १३:७ | १५:२५ | १७:२९ | १९:१२ | २०:४० | २२:६ | २३:४२ | १:३८ |
| ३:४९ | ६:१३ | ८:२९ | १०:४४ | १३:३ | १५:२१ | १७:२५ | १९:८ | २०:३६ | २२:२ | २३:३८ | १:३४ |
| ३:४५ | ६:९ | ८:२५ | १०:४० | १२:५९ | १५:१७ | १७:२१ | १९:४ | २०:३२ | २१:५८ | २३:३४ | १:३१ |
| ३:४१ | ६:५ | ८:२१ | १०:३६ | १२:५५ | १५:१३ | १७:१७ | १९:० | २०:२९ | २१:५४ | २३:३१ | १:२७ |
| ३:३७ | ६:१ | ८:१७ | १०:३३ | १२:५१ | १५:९ | १७:१३ | १८:५६ | २०:२५ | २१:५१ | २३:२७ | १:२३ |
| ३:३३ | ५:५७ | ८:१३ | १०:२९ | १२:४७ | १५:५ | १७:९ | १८:५२ | २०:२१ | २१:४७ | २३:२३ | १:१९ |
| ३:२९ | ५:५३ | ८:९ | १०:२५ | १२:४३ | १५:१ | १७:५ | १८:४८ | २०:१७ | २१:४३ | २३:१९ | १:१५ |
| ३:२५ | ५:४९ | ८:५ | १०:२१ | १२:३९ | १४:५७ | १७:१ | १८:४४ | २०:१३ | २१:३९ | २३:१५ | १:११ |
| ३:२१ | ५:४५ | ८:२ | १०:१७ | १२:३५ | १४:५३ | १६:५७ | १८:४० | २०:९ | २१:३५ | २३:११ | १:७ |
| ३:१८ | ५:४१ | ७:५८ | १०:१३ | १२:३१ | १४:४९ | १६:५३ | १८:३७ | २०:५ | २१:३१ | २३:७ | १:३ |
| सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट |
| ५:३७ | ७:५४ | १०:९ | १२:२७ | १४:४५ | १६:५० | १८:३३ | २०:१ | २१:२७ | २३:३ | ०:५९ | ३:१४ |
| ५:३९ | ७:५० | १०:५ | १२:२४ | १४:४१ | १६:४६ | १८:२९ | १९:५७ | २१:२३ | २२:५९ | ०:५५ | ३:१० |
| ५:२५ | ७:४६ | १०:१ | १२:२० | १४:३८ | १६:४२ | १८:२५ | १९:५३ | २१:१९ | २२:५५ | ०:५१ | ३:६ |
| ५:२२ | ७:४२ | ९:५७ | १२:१६ | १४:३४ | १६:३८ | १८:२१ | १९:४९ | २१:१५ | २२:५१ | ०:४७ | ३:२ |
| ५:१८ | ७:३८ | ९:५३ | १२:१२ | १४:३० | १६:३४ | १८:१७ | १९:४५ | २१:११ | २२:४७ | ०:४३ | २:५८ |

## श्री संवत् २०७० श्रावणशुक्लपक्ष

| तिथि | वार | रवि |
|---|---|---|
| २३ | बुध | ३।२०।३।५२ |
| २४ | गुरु | ३।२१।१।११ |
| २५ | शुक्र | ३।२१।५८।३१ |
| २६ | शनि | ३।२२।५५।५३ |
| २७ | आइत | ३।२३।५३।१६ |
| २८ | सोम | ३।२४।५०।४० |
| २९ | मंगल | ३।२५।४८।६ |
| ३० | बुध | ३।२६।४५।३४ |
| ३१ | गुरु | ३।२७।४३।३ |
| ३२ | शुक्र | ३।२८।४०।३३ |

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

| तिथि | चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २३ | ३।२१।२७।२३ | ३।२१।२१।४९ | ३।८।२६।४७ | २।१५।५९।४ | ४।२५।१४।५९ | ६।१०।३०।४६ | ६।१७।१९।१४ |
| २४ | ३।३।४९।१० | ३।२२।१।२४ | ३।१०।३।५० | २।१६।११।५० | ४।२६।२६।७ | ६।१०।३३।४५ | ६।१७।१६।३ |
| २५ | ४।१६।२३।९ | ३।११।४२।१२ | २।१६।२४।३३ | ४।२७।३७।१३ | ६।१०।३६।५० | ६।१७।१२।५३ |
| २६ | ४।२९।११।११ | ३।१३।२१।४६ | २।१६।३७।१२ | ४।२८।४८।१७ | ६।१०।४०।१ | ६।१७।९।४२ |
| २७ | ५।१२।१४।२५ | २।२३।५९।४९ | ३।१५।१।२८ | २।१६।४९।४८ | ४।२९।५९।१८ | ६।१०।४३।१७ | ६।१७।६।३१ |
| २८ | ५।२५।३३।१२ | २।२४।३९।११ | ३।१६।४४।१२ | २।१७।२।१९ | ५।१।१०।१६ | ६।१०।४६।३९ | ६।१७।३।२० |
| २९ | ६।९।७।१० | २।२५।१८।३० | ३।१८।२६।५२ | २।१७।१४।४६ | ५।२।२१।१२ | ६।१०।५०।७ | ६।१७।०।९ |
| ३० | ६।२२।५५।८ | २।२५।५७।४६ | ३।२०।१०।२४ | २।१७।२७।९ | ५।३।३२।५ | ६।१०।५३।४० | ६।१६।५६।५९ |
| ३१ | ७।६।५५।१७ | २।२६।३६।५९ | ३।२१।५४।४४ | २।१७।३९।२८ | ५।४।४२।५६ | ६।१०।५७।१८ | ६।१६।५३।४८ |
| ३२ | ७।२१।५।९ | २।२७।१६।८ | ३।२३।२९।४८ | २।१७।५१।४२ | ५।५।५३।४३ | ६।११।१।२ | ६।१६।५०।३७ |

भाद्र १ गते शनिवार सिंहलग्नको आरम्भ भोलिपल्टको (भाद्र २ गतेको) सूर्योदय पूर्व ५:३३ बजे दोस्रो पटक पनि हुन्छ ।

| तिथि | वार | रवि | चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | शनि | ३।२९।३८।६ | ८।५।२१।४५ | २।२७।५५।१४ | ३।२५।२५।३० | २।१८।३।५२ | ५।७।४।२७ | ६।११।४।५१ | ६।१६।४७।२६ |
| २ | आइत | ४।०।३५।४० | ८।१९।४१।४६ | २।२८।३४।१८ | ३।२७।११।४८ | २।१८।१५।५७ | ५।८।१५।९ | ६।११।८।४६ | ६।१६।४४।१५ |
| ३ | सोम | ४।१।३३।१५ | ९।४।१।१७ | २।२९।१३।१८ | ३।२८।५८।३७ | २।१८।२७।५८ | ५।९।२५।४७ | ६।११।१२।४५ | ६।१६।४१।५ |
| ४ | मंगल | ४।२।३०।५३ | ९।१८।१६।३१ | २।२९।५२।१४ | ४।०।४५।५५ | २।१८।३९।५४ | ५।१०।३६।२२ | ६।११।१६।५० | ६।१६।३७।५४ |
| ५ | बुध | ४।३।२८।३२ | १०।२।२४।१४ | ३।०।३१।८ | ४।२।३३।३७ | २।१८।५१।४५ | ५।११।४६।५४ | ६।११।२१।० | ६।१६।३४।४३ |

| सूर्य फलम् | रा. | चन्द्र फलम् |
|---|---|---|
| ५ दैन्यम् | मे. | ९ नृपसुखम् |
| ४ माननाशः | वृ. | ८ कष्टम् |
| ३ श्रीप्राप्तिः | मि. | ७ स्त्रीसुखम् |
| २ भयम् | क. | ६ लाभः |
| १ स्थाननाशः | सिं. | ५ कार्यसिद्धिः |
| १२ व्ययः | कं. | ४ कुक्षिरुक् |
| ११ लाभः | तु. | ३ श्रीप्राप्तिः |
| १०कर्मप्राप्तिः | वृ. | २ धनलाभः |
| ९ कान्तिक्षयः | ध. | १ अन्नलाभः |
| ८ कष्टम् | म. | १२ व्ययः |
| ७ गमनम् | कुं. | ११ लाभः |
| ६ शत्रुनाशः | मी. | १० सुखम् |

*संक्रान्तिःफलम्* **सिंह (भाद्र)** श्री संवत् २०७० शाके १९३५ पराभवनामसंवत्सरे, श्री सूर्यदक्षिणायने, वर्षर्तौ, श्रावणशुक्लैकादश्म्यांतिथौ, मूलनक्षत्रे, विष्कुम्भयोगे, भद्राकरणे, शनिवासरे, श्री सूर्योदयाद्गत घटिकासु २२ पलासु ५० श्री सूर्यः कर्कटात्सिंहेप्रविष्टस्तदा श्रावणो गतो भाद्रपदमासः प्राप्तः ॥ वारतो नक्षत्रतश्च राक्षसी अन्त्यजसुखा, कालतो वैश्यघ्नी, विष्णुपदीनाम्नी सिंह (भाद्र) संक्रान्तिश्च प्राप्ता ॥ **इयं** अश्वारुढा, सिंहोपवाहना, कृष्णवस्त्रा, कुन्तायुधा, काश्यपात्रहस्ता, चित्रान्नाशना, ओतुमदलेपा, ब्राम्हणजातिः, दूर्वापुष्पा, निविष्ठा, भुक्तावस्था, गुञ्जाभरणा, वृद्धेशानमुखा, मुहूर्त्ताः३० धान्यार्घ वृष्टिषु समफलदा, मासदेवता हृषीकेशो, मासदेवी अपराजिता, मासार्को यमः, सिंहे सूर्यो धनुषि चन्द्रो, मिथुने देवगुरुः ॥ तिथि वारं च नक्षत्रं योगः करणमेव च । पञ्चाङ्गस्य फलं श्रुत्वा गंगास्नान फलं लभेत् ॥

### नक्षत्रःफलम्

| | |
|---|---|
| ज्ये. मू. पू. ..... | **गमनम्** |
| उ.श्र.ध.श.पू.उ. | **सुखम्** |
| रे. अ. भ. ..... | **पीडा** |
| कृ.रो.मृ.आ.पु.ति. | **वस्त्रम्** |
| अ. म. पू. ..... | **हानिः** |
| उ.ह.चि.स्वा.वि.अ. | **धनम्** |

*मासिक(भविष्य)फलभाद्रः* मासको शनिवासरी संक्रान्ति सर्वसाधारणकालागि त्यत्ति राम्रो छैन तर गुरुवासरीय अमायोगले सुन्दर जलखेती, सुभिक्ष र जनतामा हर्षकारक हुन सक्ने छ। बुधादित्ययोग राम्रो छ। सिंहराशिका सूर्यले ऊखु, गुड़, चिनी, रुई, रक्तवर्णका वस्तु, ज्वार, दाख, मरिच, सस्यौं, तेल, मणि, माणिक्यादिमा महंगी बढ्ने। व्यापारको प्रतीक भएको तुलाराशिमा बसेका राहु र शनिले व्यापार -विनिमयमा विषमता द्योतक छन्। व्यापार स्वच्छ नहुने कसैले अत्यधिक लाभ लिने र कोही सँधैं घाटामा रहने छन्। मूल नक्षत्र पापवेधित हुनाले पश्चिमी प्रदेशमा खाद्यान्नको चरम संकट रहने छ। खाद्यान्नको अभावले भोकमरीको स्थिति श्रृजित हुने तर अधिकारवान् व्यक्ति भने मूकदर्शक भएर रहनेछन्। बाढी, पहिरो,अतिवृष्टि, खण्डवृष्टिको आभास भए पनि पुँस्त्री योगबाट १, ३, ५, १०-१४, तथा २८, २९, ३१ गते जलवर्षणको योग छ।

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५ ने. सं.११३३ **भाद्रपदकृष्णपक्षः** (गुँलागा) पाः श.,भ.,ति.,म.,पू.फा. (अगस्त ८/सितं ९सन् २०१३ ) दक्षिणायनं, वर्षर्तुः, पराभवनामकः संवत्सरः

| | ग. | बा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | करा. घप= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ६ | वृ. | १ | ०।२२ / ५६।४१ | ५:४७ / ४।१८ | श | १५।४८ | ११:५७ | सु | ५१।६ | २:५ | तै | २८।२४ | १७:० | वज्र | ५९।३४-५:२८ | ३२।१८ | ५:३८ | १८:३३ | 22 | गोयात्रा गाईजात्रा (सापारु), ❸गौरापर्व, मन्वादिः,गोकापू |
| | ७ | श. | ३ | ५४।० | ३:१४ | पू | १४।१५ | ११:२१ | धृ | ४६।१३ | ०:८ | व | २५।११ | १५:४३ | ध्वांक्ष | मीन | ३२।१५ | ५:३९ | १८:३२ | 23 | भ.२५।११उ.५४।०या, रोपाइँयात्रा,(दथुसाया यँलमतया), ❶ |
| प्र | ८ | श. | ४ | ५२।२७ | २:३८ | उ | १३।४५ | ११:९ | शू | ४२।१५ | २२:३३ | ब | २३।४ | १४:५३ | धूम्र | — मीन — | ३२।११ | ५:३९ | १८:३१ | 24 | ❹ नारायणीयात्राच,डोटी शीलगढी मष्टजाँत, ❾ |
| | ९ | आ. | ५ | ५२।९ | २:३१ | रे | १४।२५ | ११:२५ | गं | ३९।१५ | २१:२१ | कौ | २२।८ | १४:३१ | प्रवर्द्ध | १४।२५-११:२५ | ३२।७ | ५:३९ | १८:३० | 25 | ध.पं.निवृत्तिः१४।२५,कोलमतीघाटस्नान,डाँछी |
| | १० | सो. | ६ | ५३।९ | २:५५ | अ | १६।१८ | १२:११ | वृ | ३७।१५ | २०:३४ | ग | २२।२९ | १४:३९ | राक्षस | मेष | ३२।३ | ५:४० | १८:२९ | 26 | भ.५३।९उ.,❾विराटनगरे श्रीराधाकृष्णरथयात्रा,गूँगानवमी, |
| प्र | ११ | मं. | ७ | ५५।२३ | ३:४९ | भ | १९।२७ | १३:२७ | ध्रु | ३६।१४ | २०:१० | भ | २४।६ | १५:१९ | मुशल | ३५।२६-१९:५१ | ३२।० | ५:४० | १८:२८ | 27 | भ.२४।६या., अमुक्ताभरणसप्तमीव्रतं, ❷ |
| | १२ | बु. | ८ | ५८।४५ | ५:११ | कृ | २३।४६ | १५:११ | व्या | ३६।८ | २०:८ | बा | २६।५५ | १६:२७ | सिद्धि | वृष | ३१।५६ | ५:४१ | १८:२७ | 28 | बुधाष्टमीव्रतं, श्रीकृष्णजन्माष्टमीव्रतं, दूर्वाष्टमीव्रतं, ❸ |
| | १३ | वृ. | ९ | ६०।० | समस्त | रो | २९।६ | १७:२० | ह | ३६।४८ | २०:२५ | तै | ३०।४७ | १८:० | उत्पात | वृष | ३१।५२ | ५:४१ | १८:२६ | 29 | श्री कृष्णरथयात्रा, पाल्पातानसेन श्रीभगवतीयात्रा, ❹ |
| | १४ | शु. | ९ | ३।१ | ६:५४ | मृ | ३५।१० | १९:४६ | व | ३८।२ | २०:५५ | व | ३५।२५ | १९:५२ | मानस | २।३-६:३१ | ३१।४८ | ५:४२ | १८:२५ | 30 | भ.३५।२५उ., ल.पु.भीमयात्रा, ❷त्रिपु.१९।२७उ.५५।२३या., |
| | १५ | श. | १० | ७।५५ | ८:५२ | आ | ४१।४० | २२:२२ | सि | ३९।३५ | २१:३२ | ब | ४०।२९ | २१:५४ | मुद्गरे | मिथुन | ३१।४४ | ५:४२ | १८:२४ | 31 | भ.७।५५या., ❻ निशी एवं हलोवार्ने,मन्वादिः, |
| | १६ | आ. | ११ | १३।२ | १०:५५ | पु | ४८।८ | ०:५८ | व्य | ४१।८ | २२:१० | कौ | ४५।३२ | २३:५६ | ध्वज | ३१।३२-१८:२० | ३१।४० | ५:४३ | १८:२३ | 1 | **अजाएकादशी व्रतं**, त्रिपुष्करः१३।२उ.४८।८या.,(सित.९ता.३०), |
| प्र | १७ | सो. | १२ | १७।५५ | १२:५३ | ति | ५४।१० | ३:२३ | व | ४२।२१ | २२:४० | ग | ५०।९ | १:४७ | धाता | कर्कट | ३१।३६ | ५:४३ | १८:२२ | 2 | **सोमप्रदोषव्रतं**, ❶कन्यायांसायनार्कः १३।४१, |
| | १८ | मं. | १३ | २२।११ | १४:३६ | श्ले | ५९।२५ | ५:३० | प | ४३।० | २२:५६ | भ | ५३।५९ | ३:१९ | आनन्द | ५९।२५-५:३० | ३१।३२ | ५:४४ | १८:२१ | 3 | भ.२२।११उ.५३।५९या.,जुगः यें पञ्चदान,जुगःचह्रेपूजा, |
| | १९ | बु. | १४ | २५।३१ | १५:५७ | म | ६०।० | समस्त | शि | ४२।५२ | २२:५३ | च | ५६।४७ | ४:२७ | चर | सिंह | ३१।२९ | ५:४४ | १८:२० | 4 | अगस्त्योदयः३८।१८, ❺ मुखहेर्ने, **मोतीराम जयन्ती**, ❻ |
| | २० | वृ. | ३० | २७।४३ | १६:५० | म | ३।३८ | ७:१२ | सि | ४१।४९ | २२:२८ | किं | ५८।२२ | ५:५ | मुशल | सिंह | ३१।२५ | ५:४५ | १८:१८ | 5 | **दर्शश्राद्धं**, कुशग्रहणं (कुशेऔंशी),गोकर्णस्नानं,बाबुको❺ |

**ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः** मं.मा.उ., बु.मा.अ.पू., वृ.मा.उ., शु.मा.उ.प., श.मा.उ.

**पापाशाः** शनि:१०, राहु:११-केतु:५, ८रविः३, ९भौमः५, ११रवि:४, १४भौमः६, १५रवि:५, १८रवि:६, १९भौमः७,

**अथ कुशच्छेदन मन्त्रः** विरञ्चिना सहोत्पन्न परमेष्ठी निसर्गतः। नुदः सर्वाणि पापानिदर्भस्वस्ति करो भव। यो मन्त्रले प्रार्थनागरी ॐ हुँ फट्स्वाहा यो मन्त्रले पूर्वोत्तर मुखगरी ग्रहण गर्नु।

**सिंहार्कगोप्रसव नारदः** भानौ सिंहगते चैव यस्यगौ संप्रसूयते। मरणंतस्य निर्दिष्टं षड्भिर्मासैः नसंशयः। सिंह राशिमा सूर्य भएका समयमा व्याएकी गाईलाई विधिपूर्वक पूजन गरी दान गर्नु पर्दछ।

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

८ गते मघायां३सूर्यः१९।४=१३:१७
९ गते तिष्ये१भौमः२१।२८=१४:१५
१० गते पू.फा.यांबुधः५७।४=४:३०
१० गते पुनर्वसौ१गुरुः५४।३०=३:२८
११ गते मघायां४सूर्यः४६।३८=०:१९
१४ गते तिष्ये२भौमः३३।१०=१८:५८
१४ गते चित्रर्क्षे शुक्रः५२।२२=२:३९
१५ गते पू.फा.यां१सूर्यः१३।४७=११:१३
१८ गते पू.फा.यां२सूर्यः४०।३३=२१:५७
१८ गते उ.फा.यांबुधः१८।४५=१३:१४
१९ गते तिष्ये३भौमः४७।९=०:३६
२० गते उ.२कन्यायाबुधः१०।३१=९:५७
२० गते चि.३तुलायांशुक्रः३६।५३=२०:३०

| २० | भाद्र ८ शनौ ५४।१३ | |
|---|---|---|
| र. | ४।७।१३।५० | ५७।४३ |
| भौ. | ३।३।२।२६ | ३८।५१ |
| बु. | ४।९।३६।५२ | १०८।५२ |
| गु. | २।१९।३७।११ | ११।२० |
| शु. | ५।१६।२१।३९ | ७०।१४ |
| श. | ६।११।३८।३ | ४।३६ |
| रा. | ६।१६।२२।१८ | ३।११ |

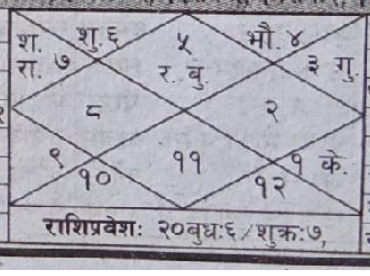


**राशिप्रवेशः** २०बुधः६/शुक्रः७,

| २१ | भाद्र १५ शनौ ५४।४ | |
|---|---|---|
| र. | ४।१३।५८।५६ | ५७।५६ |
| भौ. | ३।७।३१।४० | ३८।२८ |
| बु. | ४।२२।१९।११ | १०८।४२ |
| गु. | २।२०।५५।९ | १०।४० |
| शु. | ५।२४।३१।५० | ६९।४४ |
| श. | ६।१२।११।३५ | ५।८ |
| रा. | ६।१६।०।३ | ३।११ |

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| सिंह | कन्या | तुला | बृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | बृष | मिथुन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५:१४ | ७:३४ | ९:४९ | १२:८ | १४:२६ | १६:३० | १८:१३ | १९:४१ | २१:७ | २२:४३ | ०:३९ |
| ५:१० | ७:३० | ९:४५ | १२:४ | १४:२२ | १६:२६ | १८:९ | १९:३७ | २१:३ | २२:३९ | ०:३५ |
| ५:६ | ७:२६ | ९:४१ | १२:० | १४:१८ | १६:२२ | १८:५ | १९:३३ | २०:५९ | २२:३५ | ०:३२ |
| ५:२ | ७:२२ | ९:३७ | ११:५६ | १४:१४ | १६:१८ | १८:१ | १९:३० | २०:५५ | २२:३२ | ०:२८ |
| ४:५८ | ७:१८ | ९:३४ | ११:५२ | १४:१० | १६:१४ | १७:५७ | १९:२६ | २०:५२ | २२:२८ | ०:२४ |
| ४:५४ | ७:१४ | ९:३० | ११:४८ | १४:६ | १६:१० | १७:५३ | १९:२२ | २०:४८ | २२:२४ | ०:२० |
| ४:५० | ७:१० | ९:२६ | ११:४४ | १४:२ | १६:६ | १७:४९ | १९:१८ | २०:४४ | २२:२० | ०:१६ |
| ४:४६ | ७:६ | ९:२२ | ११:४० | १३:५८ | १६:२ | १७:४५ | १९:१४ | २०:४० | २२:१६ | ०:१२ |
| ४:४२ | ७:३ | ९:१८ | ११:३६ | १३:५४ | १५:५८ | १७:४१ | १९:१० | २०:३६ | २२:१२ | ०:८ |
| ४:३८ | ६:५९ | ९:१४ | ११:३२ | १३:५० | १५:५४ | १७:३८ | १९:६ | २०:३२ | २२:८ | ०:४ |
| ४:३४ | ६:५५ | ९:१० | ११:२८ | १३:४६ | १५:५१ | १७:३४ | १९:२ | २०:२८ | २२:४ | ०:० |
| ४:३० | ६:५१ | ९:६ | ११:२५ | १३:४२ | १५:४७ | १७:३० | १८:५८ | २०:२४ | २२:० | २३:५६ |
| ४:२६ | ६:४७ | ९:२ | ११:२१ | १३:३९ | १५:४३ | १७:२६ | १८:५४ | २०:२० | २१:५६ | २३:५२ |
| ४:२३ | ६:४३ | ८:५८ | ११:१७ | १३:३५ | १५:३९ | १७:२२ | १८:५० | २०:१६ | २१:५२ | २३:४८ |
| ४:१९ | ६:३९ | ८:५४ | ११:१३ | १३:३१ | १५:३५ | १७:१८ | १८:४६ | २०:१२ | २१:४८ | २३:४४ |

## श्री संवत् २०७० भाद्रपदकृष्णपक्ष

| तारे | वार | रवि | चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६ | गुरु | ४।४।२६।१२ | १०।१६।२१।३५ | ३।१९।५८ | ४।४।२१।४० | २।१९।३।३१ | ५।१२।५७।२३ | ६।११।२५।१५ | ६।१६।३१।३२ |
| ७ | शुक्र | ४।५।२३।५५ | ११।०।६।१४ | ३।११।४८।४६ | ४।६।१०।१ | २।१९।१५।११ | ५।१४।७।४८ | ६।११।२९।३५ | ६।१६।२८।२१ |
| ८ | शनि | ४।६।२१।३९ | ११।१३।३६।३१ | ३।२।२७।३० | ४।७।५८।३७ | २।१९।२६।४७ | ५।१५।१८।१० | ६।११।३३।५९ | ६।१६।२५।११ |
| ९ | आइत | ४।७।१९।२५ | ११।२६।५१।२८ | ३।३।६।११ | ४।९।४७।२४ | २।१९।३८।१८ | ५।१६।२८।२८ | ६।११।३८।२९ | ६।१६।२१।६० |
| १० | सोम | ४।८।१७।१३ | ०।९।५०।५२ | ३।३।४४।४८ | ४।११।३६।२० | २।१९।४९।४३ | ५।१७।३८।४२ | ६।११।४३।३ | ६।१६।१८।४९ |
| ११ | मंगल | ४।९।१५।३ | ०।२२।३५।१८ | ३।४।२३।२३ | ४।१३।२५।२१ | २।२०।१।२ | ५।१८।४८।५३ | ६।११।४७।४२ | ६।१६।१५।३८ |
| १२ | बुध | ४।१०।१२।५५ | १।५।६।४ | ३।५।१।५४ | ४।१५।१४।२५ | २।२०।१२।१६ | ५।१९।५८।५९ | ६।११।५२।२६ | ६।१६।१२।२७ |
| १३ | गुरु | ४।११।१०।४८ | १।१७।२५।१० | ३।५।४०।२३ | ४।१७।३।२९ | २।२०।२३।२४ | ५।२१।९।२ | ६।११।५७।१४ | ६।१६।९।१७ |
| १४ | शुक्र | ४।१२।८।४४ | १।२९।३५।१२ | ३।६।१८।४७ | ४।१८।५२।२९ | २।२०।३४।२७ | ५।२२।१९।१ | ६।१२।२।७ | ६।१६।६।६ |
| १५ | शनि | ४।१३।६।४१ | २।११।३९।१२ | ३।६।५७।९ | ४।२०।४१।१९ | २।२०।४५।२३ | ५।२३।२८।५५ | ६।१२।७।४ | ६।१६।२।५५ |
| १६ | आइत | ४।१४।४।४१ | २।२३।४०।३७ | ३।७।३५।२८ | ४।२२।२९।५६ | २।२०।५६।१३ | ५।२४।३८।४५ | ६।१२।१२।५ | ६।१५।५९।४४ |
| १७ | सोम | ४।१५।२।४२ | ३।५।४३।२८ | ३।८।१३।४३ | ४।२४।१८।१७ | २।२१।६।५८ | ५।२५।४८।३० | ६।१२।१७।११ | ६।१५।५६।३३ |
| १८ | मंगल | ४।१६।०।४५ | ३।१७।५१।२० | ३।८।५१।५५ | ४।२६।६।२० | २।२१।१७।३५ | ५।२६।५८।११ | ६।१२।२२।२० | ६।१५।५३।२३ |
| १९ | बुध | ४।१६।५८।५१ | ४।०।७।२६ | ३।९।३०।४ | ४।२७।५४।१० | २।२१।२८।७ | ५।२८।७।४८ | ६।१२।२७।३४ | ६।१५।५०।१२ |
| २० | गुरु | ४।१७।५६।५८ | ४।१२।३४।२८ | ३।१०।८।१० | ४।२९।४१।१५ | २।२१।३८।३२ | ५।२९।१७।१९ | ६।१२।३२।५३ | ६।१५।४७।१ |

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

नाट: रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १ २ ... १२ बजे दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १३ १४ ... २३ बजे र रात्री १२ बजेलाई ० बजेले सकेत गरिएको छ ।

**अथ भाद्रशुक्लपाक्षिकव्रत विचारः** भाद्रशुक्ल तृतीया हरितालिका चतुर्थी सहितायातु सा तृतीयाफलप्रदाः अवैधव्यकरा स्त्रीणां पुत्रपौत्र प्रवर्धिन। भाद्रशुक्ल चतुर्थी **गणेशः**४अस्मिन् चन्द्रदर्शन **दोषस्तस्यशान्तये मन्त्रः**–( यो मन्त्र पाठ गर्नाले चौथीका चन्द्रमाको दोष शान्ति हुन्छ।) सिंहप्रसेनमवधीत् सिंहो जाम्बवताहतः।सुकुमारकमारोदी तव ह्येष श्यमन्तक इति: । **भाद्रशुक्लपञ्चमीमा** सप्तऋषिको पूजा गरी व्रत गर्नाले रजस्वला हुँदा अज्ञानतावश भएको छुवाछुतको दोष नाश हुन्छ। **पञ्चमीमा दतिवन ग्रहण मन्त्रः**– आयुर्बलं यशोवर्च प्रजापशुवसूनिचा। ब्रम्हप्रज्ञाञ्चमेधाञ्चत्वन्नो देहिवनस्पते। **दाँत माझने मन्त्रः** मुखदुर्गन्धनाशाय दन्तानाञ्च विशुद्धये। ष्ठीवनायच गात्राणां कुर्वेऽहं दन्तधावनम् ॥ **दतिवन गरी पञ्चगव्य खाने मन्त्रः**– यत्वगस्थिगतंपापं देहि तिष्ठति मामके। प्राशनंपञ्चगव्यस्य दहत्यग्निरिवेन्धनम्॥ **भाद्रशुक्लषष्ठीमा** सूर्यपूजाको विशेष महत्व छ - शुक्लेभाद्रपदेषष्ठ्यांस्नानं भास्कर पूजनं प्राशनं पञ्चगव्यस्य अश्वमेधफलाधिकम्॥

**अगस्तिलाईअर्घ्यदिनेमन्त्रः**–काशपुष्पप्रतीकाश वन्हिकारुतसंभवामित्रावरुणयोःपुत्र कुम्भयोनेर्नमोऽस्तुते॥ **लोपामुद्रालाई अर्घ्यदिवे मन्त्रः**–राजपुत्रि महाभागे ऋषिपत्नि वरानने। लोपमुद्रा नमस्तुभ्यमर्घ्यमे प्रतिगृह्यताम् ।यत्वगस्थिगतंपापं देहि तिष्ठति मामके। प्राशनंपञ्चगव्यस्य दहत्यग्निरिवेन्धनम्॥ **भाद्रशुक्लद्वादशीको** रात्रिमा विष्णुपूजाको विशेष महत्व छ यसदिन श्रवण नक्षत्र पनि परेमा अझ राम्रो हुन्छ। षोडशोपचारले विष्णुको पूजा गरी प्रार्थना गर्ने मन्त्र - वासुदेवजगन्नाथ प्राप्तेयं द्वादशी तव । पार्श्वेन परिवर्तस्व सुख स्वपीहि माधव॥ **भाद्रशुक्लचतुर्दशीमा** वासुदेवजगन्नाथ अनन्त भगवानको पूजा गरी व्रत गर्ने विधान छ। सोही दिन काठमाण्डौ उपत्यकामा गणेश,कुमारी र भैरवको रथयात्रा गरी इन्द्रजात्रा पर्व मनाउने पुरानो पचलन छ ।

**यमपञ्चक(तिहारका ५ दिन) कर्त्तव्यसम्बन्धि पृ.५४को शेष– त्रयोदशीमा काकबलिदान मन्त्रः** ऐन्द्रवारुणवायव्यां याम्यां वै निऋतिस्तथा। वायव्यां प्रतिगृह्णन्तु मयादत्तं वलित्रियम् ॥ **नरक चतुर्दशीमा अपामार्ग घुमाउने मन्त्र**–सीतालोष्टसमायुक्त सकण्टकदलान्वित । हर पापमपामार्ग भ्राम्यमाणः पुनः पुनः ॥ **दीपदान गर्ने मन्त्रः**– दत्तादीपश्चतुर्दश्यां नरक प्रीतयेमया।चतुर्वत्तिसमायुक्ता;सर्वपापमनुत्तये। **माषको पातखाने मन्त्रः** नुदसर्वाणि पापानि नरकादर्शन करु। **प्राश्नामि** तव पत्राणि माषदेहि यशोवलम् ॥ **श्वबलिदान मन्त्रः** द्वौश्वानौ श्यामधवलौ वैवश्वतकुलोद्भवौ। ताभ्यामन्नं प्रदास्यामि रक्षतां पथि सर्वदा ॥ **का.शु. प्रतिपदामा** प्रातः काल गोठमा गई गाई पूजा गर्नु, गोबरको गोवर्द्धन पर्वत बनाई पूजा गर्ने **मन्त्र**– गोवर्द्धधन धराधार गोकुलत्राणकारक । कृष्णबाहुकृतच्छाय गवां कोटिप्रदो भव ॥ **बलिराज पूजा मन्त्रः** बलिराज नमस्तुभ्य दैत्यदानवबन्दित । इन्द्रशत्रोऽराते विष्णुसान्निध्यदो भव ॥ यसै रातमा नेवारजातिमा म्ह (आत्म)पूजाको प्रचलन छ। **का.शु. प्रतिपदामा** दिदीबहिनीले भातृपूजा गरी **यमराजको प्रार्थना गर्ने मन्त्रः** धर्मराज नमस्तुभ्यं नमस्ते यमुनाग्रज पाहि मां किङ्करैः सार्द्धं सूर्यपुत्र नमोऽस्तुते ॥ **का.शु. षष्ठीमा** अस्ताउँदो सूर्य र भोलिपल्टको उदाउँदो सूर्यलाई अर्घ्य दिई धुमधामसँग छठपर्व मनाउने चलन छ। **का.शु. एकादशीमा** भगवान् नारायणको जागरण पर्व तुलसीविवाह गरी श्रद्धापूर्वक मनाइन्छ। **का.शु. पूर्णिमामा** चतुर्मासव्रत समाप्त हुन्छ। साँझमा त्रिपुरोत्सव र काशीमा गङ्गातटमा लाखौं दीप एकसाथ बाली देवदिपावली पर्व मनाइन्छ। यो विश्वमा अनुपम पर्व हो।

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५ ते. सं.११३३ **भाद्रपदशुक्लपक्षः** ( अलाख) पाः पू.फा.,स्वा.,१७,ज्ये.,२३,श. (सितं ९सन् २०१३ ) दक्षिणायनं, वर्षर्तुः/शरदृतुः, पराभवनामकः संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगः | करण | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता | भद्रा, त्रिपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २१ | शु. | १ | २८।४१ | १७:१३ | पू | ६।४० | ८:२५ | सा | ३९।४६ | २१:३९ | बा | ५८।४१ | ५:१३ | सिद्धि | २२।१५-१४:३९ | ३१।२१ | ५:४५ | १८:१७ | 6 | चन्द्रोदयः, गुलाधर्मसमाप्तिः, ❶मन्वादिः, शिक्षादिवसः |
| | २२ | श. | २ | २८।२१ | १७:६ | उ | ८।२८ | ९:९ | शु | ३६।४३ | २०:२७ | तै | ५७।४४ | ४:५१ | उत्पात | कन्या | ३१।१७ | ५:४५ | १८:१६ | 7 | तीजकोदरखाने,सामवेदिनामुपाकर्मः,त्रिपुष्करः८।२८या., ❶ |
| प्र | २३ | आ. | ३ | २६।४८ | १६:२९ | ह | ९।२ | ९:२३ | श | ३२।४२ | १८:५१ | व | ५५।३५ | ४:० | मानस | ३८।५३-२१:१९ | ३१।१३ | ५:४६ | १८:१५ | 8 | भ.५५।३५उ.,हरितालिकाव्रतं(तीज),चन्द्रदर्शनदोषः (चथा), ❶ |
| | २४ | सो. | ४ | २४।६ | १५:२५ | चि | ८।२७ | ९:९ | ब्र | २७।४६ | १६:५३ | ब | ५२।२२ | २:४३ | मुदगर | तुला | ३१।९ | ५:४६ | १८:१४ | 9 | भ.२४।६या., गणेश ४ व्रतं, रा.धर्मसभादिवसः |
| | २५ | मं. | ५ | २०।२४ | १३:५६ | स्वा | ६।४९ | ८:३० | ऐं | २२।२ | १४:३६ | कौ | ४८।१४ | १:४ | ध्वज | ५०।१-१:४७ | ३१।५ | ५:४७ | १८:१३ | 10 | ऋषिपञ्चमीव्रतं,सप्तर्षिपूजा,धर्मविनायकरथयात्रा,(क्वखजाविय), |
| प्र | २६ | बु. | ६ | १५।५१ | १२:८ | वि | ४।१८ | ७:३१ | वै | १५।३६ | १२:२ | ग | ४३।१९ | २३:७ | धाता | वृश्चिक | ३१।१ | ५:४७ | १८:१२ | 11 | सूर्यः६, भ.पु.मङ्गलकुण्डमेला, |
| | २७ | बृ. | ७ | १०।३८ | १०:३ | अ | ९।५ ५७।२२ | ६:१४ ४:४४ | वि | ८।३८ | ९:१५ | भ | ३७।५० | २०:५६ | आनन्द | ५७।२२-४:४५ | ३०।५७ | ५:४८ | १८:१० | 12 | भ.१०।३८उ.३७।५०या.,श्रीमहालक्ष्मीव्रतारम्भः, |
| | २८ | शु. | ८ | ४।५५ ५८।५५ | ७:४६ ५:२२ | मू | ५३।१७ | ३:७ | प्री | ११।१५ ५३।३७ | ६:१८ ३:१५ | बा | ३१।५६ | १८:३५ | स्थिर | धनु | ३०।५३ | ५:४८ | १८:९ | 13 | अष्टमीव्रतं, गोरखकालीपूजा, कागेश्वरी ८,कायजस्नानं, ❶ |
| | २९ | श. | १० | ५२।४७ | २:५५ | पू | ४९।५ | १:२७ | सौ | ४५।५१ | ०:९ | तै | २५।५० | १६:९ | मातङ्ग | धनु | ३०।४८ | ५:४९ | १८:८ | 14 | बालदिवसः, ❶कागेश्वरमेला,अदुःखनवमीव्रतं |
| | ३० | आ. | ११ | ४६।४६ | ०:३२ | उ | ४४।५८ | २३:४८ | शो | ३८।१० | २१:५ | व | १९।४४ | १३:४३ | अमृत | ३।१-७:२ | ३०।४४ | ५:४९ | १८:७ | 15 | भ.१९।४४उ.४६।४६या., हरिपरिवर्तिनी एकादशी व्रतं, |
| प्र | ३१ | सो. | १२ | ४१।४ | २२:१५ | श्र | ४१।१० | २२:१८ | अ | ३०।४२ | १८:६ | ब | १३।५२ | ११:२२ | सिद्धि | मकर | ३०।४० | ५:५० | १८:६ | 16 | वामन१२, दधिदानं, इन्द्रध्वजोत्थानं (मतछोयके), |
| आ | १ | मं. | १३ | ३५।५२ | २०:११ | ध | ३७।५१ | २०:५९ | सु | २३।३६ | १५:१७ | कौ | ८।२३ | ९:११ | उत्पात | ९।२६-९:३६ | ३०।३६ | ५:५० | १८:५ | 17 | प्रदोषव्रतं, कन्यायामर्कः२३।२४(आश्विनसंक्रान्ति), ❶ |
| | २ | बु. | १४ | ३१।२२ | १८:२३ | श | ३५।१४ | १९:५६ | धृ | १७।२ | १२:३९ | ग | ३।३१ ५९।२५ | ७:१५ ५:३७ | मानस | कुम्भ | ३०।३२ | ५:५१ | १८:३ | 18 | भ.३१।२२उ.५९।२५या., अनन्त १४ व्रतं, कुमारी❽ |
| | ३ | बृ. | १५ | २७।४२ | १६:५६ | पू | ३३।२८ | १९:१४ | शू | ११।७ | १०:१८ | बा | ५६।१५ | ४:२१ | मुदगर | १८।४९-१३:२२ | ३०।२८ | ५:५१ | १८:२ | 19 | पूर्णिमाव्रतं, इन्द्रदहस्नानं, (यँयापुन्हि भगया), चेपाङ ❾ |

❻(न्हुँगया), ध.प.प्रवृत्तिः९।२६, विश्वकर्मापूजा, वास्तुदिवसः, ❽इन्द्रयात्रा, (स्वाच्छाय), ❾चौनामपर्व, भ.पु.सिद्धपोखरीमेला, ❶निजामतिसेवादिवसः,

ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः मं.मा.उ., बु.मा.२१ उ.प., बृ.मा.१ उ., शु.मा.उ.प., श.मा.उ.

**सं २०६९ को अधिकमासमा निधन भएकाहरूको वार्षिकश्राद्धका सम्बन्धमा**

गतवर्ष अधिकभाद्रशुक्लपक्षमा निधन भएका व्यक्तिहरूको वार्षिकश्राद्ध भाद्रशुक्लपक्षमा र अधिक भाद्रकृष्णपक्षमा निधन भएका व्यक्तिहरूको आश्विनकृष्णपक्षमा गर्नु पर्दछ ।

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

२१ गते पश्चिमोदितोबुधः६।५४=८:३१
२२ गते पू.फा.यांइसूर्यः६।५३=८:३१
२५ गते तिष्ये४भौमः३।२८=७:१०
२५ गते हस्तभेबुधः५२।३०=२:४७
२५ गते पूर्फायां४सूर्यः३२।५०=१८:५५
२६ गते स्वात्याशुक्रः२३।४९=१५:१९

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

२८ गते उ.फा.यां१सूर्यः५८।२०=५:८
२८ गते स्वात्याइ शनिः२४।५१=१५:४५
३० गते श्ले.१भौमः२२।१५=१४:४३
३० गते पुनर्वसौरगुरुः२४।५=१५:२७
१ गते उ.रकन्यायामर्कः२३।२४=१५:११
२ गते चित्रर्क्षेबुधः५६।२६=४:२५

| २२ | भाद्र २२ शनौ ५३।५६ | |
|---|---|---|
| र. | ४।२०।४५।३९ | ५८।११ |
| भौ. | ३।११।५८।१७ | ३८।४ |
| बु. | ५।४।४९।१८ | १०५।५१ |
| गु. | २।२२।८।६ | ९।५६ |
| शु. | ६।२।३८।२२ | ६९।९ |
| श. | ६।१२।४८।३७ | ५।३७ |
| रा. | ६।१५।३७।४८ | ३।११ |

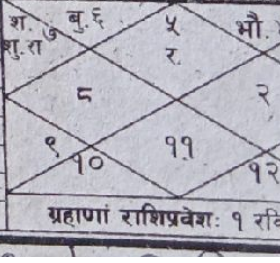


ग्रहाणां राशिप्रवेशः १ रविः६,

| २३ | भाद्र २९ शनौ ५३।४८ | |
|---|---|---|
| र. | ४।२७।३४।४ | ५८।२६ |
| भौ. | ३।१६।२२।१३ | ३७।४० |
| बु. | ५।१६।४७।५९ | ९९।५८ |
| गु. | २।२३।१५।२३ | ९।६ |
| शु. | ६।१०।४०।३१ | ६८।२७ |
| श. | ६।१३।२८।४४ | ६।३ |
| रा. | ६।१५।१५।३३ | ३।११ |

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धन | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ४:१५ | ६:३५ | ८:५० | ११:९ | १३:२७ | १५:३१ | १७:१४ | १८:४२ | २०:८ | २१:४४ | २३:४० | १:५५ |
| ४:१९ | ६:३९ | ८:४६ | ११:५ | १३:२३ | १५:२७ | १७:१० | १८:३८ | २०:४ | २१:४० | २३:३७ | १:५१ |
| ४:२१ | ६:२७ | ८:४२ | ११:१ | १३:१९ | १५:२३ | १७:६ | १८:३५ | २०:० | २१:३७ | २३:३३ | १:४७ |
| ४:२ | ६:२३ | ८:३८ | १०:५७ | १३:१५ | १५:१९ | १७:२ | १८:३१ | १९:५७ | २१:३३ | २३:२९ | १:४३ |
| ३:५९ | ६:१९ | ८:३५ | १०:५३ | १३:११ | १५:१५ | १६:५८ | १८:२७ | १९:५३ | २१:२९ | २३:२५ | १:३९ |
| ३:५५ | ६:१५ | ८:३१ | १०:४९ | १३:७ | १५:११ | १६:५४ | १८:२३ | १९:४९ | २१:२५ | २३:२१ | १:३५ |
| ३:५१ | ६:११ | ८:२७ | १०:४५ | १३:३ | १५:७ | १६:५० | १८:१९ | १९:४५ | २१:२१ | २३:१७ | १:३१ |
| ३:४७ | ६:७ | ८:२३ | १०:४१ | १२:५९ | १५:३ | १६:४६ | १८:१५ | १९:४१ | २१:१७ | २३:१३ | १:२७ |
| ३:४३ | ६:४ | ८:१९ | १०:३७ | १२:५५ | १४:५९ | १६:४२ | १८:११ | १९:३७ | २१:१३ | २३:९ | १:२४ |
| ३:३९ | ६:० | ८:१५ | १०:३३ | १२:५१ | १४:५६ | १६:३९ | १८:७ | १९:३३ | २१:९ | २३:५ | १:२० |
| ३:३५ | ५:५६ | ८:११ | १०:२९ | १२:४७ | १४:५२ | १६:३५ | १८:३ | १९:२९ | २१:५ | २३:१ | १:१६ |
| कन्या | तुला | वृश्चिक | धन | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह |
| ५:५२ | ८:७ | १०:२६ | १२:४४ | १४:४८ | १६:३१ | १७:५९ | १९:२५ | २१:१ | २२:५७ | १:१२ | ३:३१ |
| ५:४४ | ८:३ | १०:२२ | १२:४० | १४:४४ | १६:२७ | १७:५५ | १९:२१ | २०:५७ | २२:५३ | १:८ | ३:२८ |
| ५:४० | ७:५९ | १०:१८ | १२:३६ | १४:४० | १६:२३ | १७:५१ | १९:१७ | २०:५३ | २२:४९ | १:४ | ३:२४ |

## श्री संवत २०७० भाद्रपदशुक्लपक्ष

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| २१ | शुक्र | ४।१८।५५।८ | ४।२५।१४।३८ | ३।१०।४६।१२ |
| २२ | शनि | ४।१९।५३।१९ | ५।८।९।२७ | ३।११।२४।११ |
| २३ | आदित्य | ४।२०।५१।३३ | ५।२१।१९।४३ | ३।१२।२।७ |
| २४ | सोम | ४।२१।४९।४८ | ६।४।४५।२८ | ३।१२।३९।६० |
| २५ | मंगल | ४।२२।४८।६ | ६।१८।२५।५७ | ३।१३।१७।४९ |
| २६ | बुध | ४।२३।४६।२६ | ७।२।१९।४२ | ३।१३।५५।३५ |
| २७ | गुरु | ४।२४।४४।४८ | ७।१६।२४।३४ | ३।१४।३३।१८ |
| २८ | शुक्र | ४।२५।४३।१२ | ८।०।३७।५२ | ३।१५।१८।५७ |
| २९ | शनि | ४।२६।४१।३८ | ८।१४।५६।२६ | ३।१५।४८।३३ |
| ३० | आदित्य | ४।२७।४०।७ | ८।२९।१६।४३ | ३।१६।२६।६ |
| ३१ | सोम | ४।२८।३८।३७ | ९।१३।३४।४१ | ३।१७।३।३५ |

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

| चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ६।०।२६।४६ | ६।१२।३८।१५ | ६।१५।४३।५० | ३।२१।४८।५० | २।२९।५९।२ | ६।१।३६।७ | ६।१५।४०।३९ |
| ६।१।२४।१९ | ६।१२।४३।४१ | ६।१५।३७।२८ | २।२९।१९।७ | २।२२।१९।७ | ६।२।४५।२३ | ६।१५।३४।१८ |
| ६।२।२।१७ | ६।१२।५४।४४ | ६।१५।३१।१८ | २।२२।१९।५ | २।२२।२८।५६ | ६।३।३९ | ६।१५।३१।१७ |
| ६।२।३९।६० | ६।१२।५४।३४ | ६।१५।२७।५६ | २।२२।३८।३९ | ६।६।१२।३९ | ६।१३।६।२ | ६।१५।२७।५६ |
| ६।२।१७।४९ | ६।१२।५९।२१ | ६।१५।२४।१७ | २।२२।४८।१६ | ६।७।२१।३३ | ६।१३।११।४७ | ६।१५।२४।४५ |
| ६।२।५९।१५ | ६।१३।०।२१ | ६।१५।२०।३४ | २।२२।५७।४५ | ६।८।३०।२० | ६।१३।१७।३५ | ६।१५।२१।३४ |
| ६।३।२८।५६ | ६।१३।१०।२१ | ६।१५।१८।२४ | २।२३।७।६ | ६।९।३९।२ | ६।१३।२३।२६ | ६।१५।१८।२४ |
| ६।३।३९ | ६।१३।१६।२ | ६।१३।१६।२ | २।२३।१६।२० | ६।१०।४७।३७ | ६।१३।२९।२१ | ६।१५।१५।१३ |
| ६।३।३९ | ६।१३।२७।५६ | ६।१३।१२।२ | २।२३।२५।२६ | ६।११।५६।६ | ६।१३।३५।१९ | ६।१५।१२।२ |

आश्विन १ गते भौमवार कन्यालग्नको आरम्भ भोलिपल्टको (आश्विन २ गतेको) सूर्योदय पूर्व ५:४८ बजे दोस्रो पटक पनि हुन्छ ।

| | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३ | शुक्र | ४।२९।३७।१० | ९।२७।४६।५२ | ३।१७।४१।१ | ५।२०।१४।३२ | २।२३।३४।२४ | ६।१३।४।२७ | ६।१३।४१।२० | ६।१५।८।५१ |
| ४ | बुध | ५।०।३५।४५ | १०।११।५०।११ | ३।१८।१८।२४ | ५।२१।५०।४६ | २।२३।४३।१४ | ६।१४।१२।४२ | ६।१३।४७।२५ | ६।१५।५।४० |
| ५ | गुरु | ५।१।३४।२३ | १०।२५।४२।१ | ३।१८।५५।४३ | ५।२३।२५।३८ | २।२३।५१।५६ | ६।१५।२०।५० | ६।१३।५३।३२ | ६।१५।२।३० |

| | | | |
|---|---|---|---|
| मुखः फलम् | रा. | चन्द्रः फलम् | |
| १ शत्रुनाशः | मे. | ११ लाभः | |
| २ दैन्यम् | वृ. | १० सुखम् | |
| ४ माननाशः | मि. | ९ नृपसुखम् | |
| ३ श्रीप्राप्तिः | क. | ८ कष्टम् | |
| ६ भयम् | सिं. | ७ स्त्रीसुखम् | |
| ७ स्थाननाशः | क. | ६ लाभः | |
| १२ व्ययः | तु. | ५ कार्यसिद्धिः | |
| ११ लाभः | वृ. | ४ कुक्षिरुक् | |
| १०कर्मप्राप्तिः | धु. | ३ श्रीप्राप्तिः | |
| ९ कान्तिक्षयः | म. | २ धनलाभः | |
| ८ कष्टम् | कुं. | १ अन्नलाभः | |
| १० गमनम् | मी. | १२ व्ययः | |

*संक्रान्तिःफलम्* **कन्या (आश्विन)** श्री संवत् २०७० शाके १९३५ पराभवनामसंवत्सर, श्री सूर्यदक्षिणायने, शरदृतौ, भाद्रपदशुक्लत्रयोदश्यांतिथौ, धनिष्ठानक्षत्रे, सुकर्मयोगे, तैतिल करणे, भौमवासरे, श्री सूर्योदयाद्गत घटिकासु २३ पलासु २४ श्री सूर्यः सिंहात्कन्यायां प्रविष्टस्तदा वर्षर्तुः भाद्रोगतः शरदृत्वाश्विनमासः प्राप्तः ॥ वारतो एवं नक्षत्रतो महोदरी चौरसुखा, कालतो वैश्यघ्नी, षड्शीतिमुखनाम्नी कन्या (आश्विन) संक्रान्तिश्च प्राप्ता ॥ इयं रासभारुढा, मेषोपवाहना, पाण्डूरवस्त्रा, दण्डाऽऽयुधा, लोहपात्रहस्ता, पक्वान्नाशना, भूतिकालेपा, पक्षिजातिः, केतकीपुष्पा, सुप्ता, हास्यावस्था, विद्रुमाभरणा, युवतिरुत्तरमुखा, महूर्त्ता ३० धान्यार्ध वृष्टिषु समफलदा, मासदेवता पद्मनाभो, मासदेवी इषा, मासार्कः सुवर्णरेता, कन्यायां सूर्यः कुम्भे चन्द्रो, मिथुने देवगुरुः ॥ तिथि वारं च नक्षत्रं योगः करण मेव च । पञ्चाङ्गस्य फलं श्रुत्वा गंगास्नान फलं लभेत् ॥

*नक्षत्रःफलम्*

| | |
|---|---|
| श्र. ध. श. ..... | गमनम् |
| पू.उ.रे.अ.भ.कृ | सुखम् |
| रो. मृ. आ. ..... | पीडा |
| पु.ति.अ.म.पू.उ. | वस्त्रम् |
| ह. चि. स्वा. ..... | हानिः |
| वि.अ.ज्ये.मू.पू.उ. | धनम् |

*मासिक(भविष्य)फल* **कन्या (आश्विन)** मासमा बुध, शुक्र, शनि, राहुको चतुर्ग्रही योग र शनिवासरी अमावाश्या योग परेकाले ग्रहस्थिति सामान्यतया असन्तोषप्रद छन् । सुधीजनमा दुर्जनको दमन पीडा अखण्ड प्रकोप राज्यबाट कुनै प्रकारको सहायता नपाइने यत्रतत्रत मत्स्यन्यायको प्रवलता रहने छ । अधिकार प्राप्त व्यक्तिहरू आफ्नै परिस्थितिलाई सुदृढ बनाउनमा व्यस्त रहने छन् । हस्ताका सूर्यले गहूँ, नून, चना, जौ, चीनी, कपास, बेसार, मसला, रक्तचन्दन, तेल घृत काष्ठोपकरण आदि मँहगा हुनेछन् । पशु मूल्यमा केही वृद्धि अनुमानित छ । कृषकवर्ग आंशिक प्रशन्न रहनेछन् । देशको दक्षिणीभागमा केही अशान्ति रहनेछ । सरकार परिवर्तनको सम्भावनाले साशनतन्त्रमा शिथिलता रहनेछ । जनताकी दैनिककार्यमा पनि अवरोध आउने छ । प्रायः आकाश स्वच्छ रहेपनि पुँस्त्री योग बाट महिनाको अन्तिम भागमा बादल दर्शन योग देखिन्छ ।

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५ ने.सं. ११३३ **आश्विनकृष्णापितृपक्षः** (अलागा) पाः रे. भ. अश्ले. म. ह.(सि. ९/अक्टो.१० सन् २०१३ ) दक्षिणायनं, शरदृतुः, पराभवनामकः संवत्सरः

| | गा. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | चं.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ४ | शु. | १ | २५।३ | १५:५३ | उ | ३२।४२ | १८:५६ | गं | ५।५९ | ८:१५ | तै | ५४।१० | ३:३१ | ध्वज | मीन | ३०।२४ | ५:५१ | १८:१ | 20 | षोडशश्राद्धारम्भः, प्रतिपच्छ्राद्धं, पुञ्चलीभुजा, |
| | ५ | श. | २ | २३।३३ | १५:१७ | रे | ३३।६ | १९:६ | वृ | ७।४४ / ५८।२७ | ६:३३ / ५:१५ | व | ५३।१७ | ३:११ | धाता | ३३।६-१९:६ | ३०।२० | ५:५२ | १८:० | 21 | भ.५३।१७ उ., द्वितीयाश्राद्धं, ध.पं.निवृत्तिः३३।६, ❶ |
| प्र | ६ | आ. | ३. | २३।१८ | १५:१२ | अ | ३४।४२ | १९:४५ | व्या | ५६।९ | ४:२० | ब | ५३।४० | ३:२० | आनन्द | मेष | ३०।१६ | ५:५२ | १७:५९ | 22 | भ.२३।१८या.,तृतीयाश्राद्धं,गातिला,इन्द्रध्वजपातनं, ❼ |
| | ७ | सो. | ४ | २४।२० | १५:३७ | भ | ३७।३४ | २०:५४ | ह | ५४।५० | ३:४९ | कौ | ५५।२१ | ४:१ | चर | ५३।२८-३:१६ | ३०।१२ | ५:५३ | १७:५८ | 23 | चतुर्थीश्राद्धं, तुलायांसायनार्कः७।५६, ❼नानीचायाः, |
| | ८ | मं. | ५ | २६।३८ | १६:३२ | कृ | ४१।३७ | २२:३२ | व | ५४।२७ | ३:४० | ग | ५८।१४ | ५:११ | गद | वृष | ३०।८ | ५:५३ | १७:५६ | 24 | पञ्चमीश्राद्धं, ❾(नःलास्वने), द्विपुष्करः५९।६उ., |
| प्र | ९ | बु. | ६ | ३०।४ | १७:५५ | रो | ४६।४४ | ०:३५ | सि | ५४।५३ | ३:५१ | भ | ६०।० | ५:५४ | शुभ | वृष | ३०।४ | ५:५४ | १७:५५ | 25 | भ.३०।४उ., षष्ठीश्राद्धं, ❶नवरात्रारम्भः घटस्थापना,❶ |
| | १० | बृ. | ७ | ३४।२६ | १९:४१ | मृ | ५२।४० | २:५८ | व्य | ५५।५६ | ४:१६ | भ | २।८ | ६:४६ | मृत्यु | १९।३६-१३:४५ | ३०।० | ५:५४ | १७:५४ | 26 | भ.२।८या., सप्तमीश्राद्धं, महालक्ष्मीव्रतसमाप्तिः, |
| | ११ | शु. | ८ | ३९।२५ | २१:४१ | आ | ५९।६ | ५:३३ | व | ५७।२१ | ४:५१ | बा | ६।५१ | ८:३९ | पद्म | मिथुन | २९।५५ | ५:५५ | १७:५३ | 27 | अष्टमीव्रतं, अष्टमीश्राद्धं, जीवत्पुत्रिकाव्रतं (जितियापर्व)❸ |
| | १२ | श. | ९ | ४४।३८ | २३:४६ | पु | ६०।० | समस्त | प | ५८।५१ | ५:२७ | तै | १२।० | १०:४३ | छत्र | ४९।०-१:३१ | २९।५१ | ५:५५ | १७:५२ | 28 | नवमी/मातृनवमीश्राद्धे, ❸गोरखकालीपूजा, |
| | १३ | आ. | १० | ४९।३७ | १:४६ | पु | ५।३५ | ८:१० | शि | ६०।० | समस्त | व | १७।१० | १२:४८ | ध्वज | कर्कट | २९।४७ | ५:५६ | १७:५१ | 29 | भ.१७।१०उ.४९।३७या., दशमीश्राद्धम्, ❶शान्तिदिवसः, |
| | १४ | सो. | ११ | ५३।५९ | ३:३२ | ति | ११।४५ | १०:३८ | शि | ०।४ | ५:५८ | ब | २१।५४ | १४:४२ | धाता | कर्कट | २९।४३ | ५:५६ | १७:४९ | 30 | इन्दिरा एकादशी व्रतंश्राद्धञ्च, फर्पिङ्गहरिशङ्कर यात्रा, |
| | १५ | मं. | १२ | ५७।२६ | ४:५५ | श्ले | १७।१३ | १२:५० | सि | ०।४८ | ६:१६ | कौ | २५।५० | १६:१७ | आनन्द | १७।१३-१२:५० | २९।३९ | ५:५७ | १७:४८ | 1 | द्वादशीश्राद्धं, मघाश्राद्धं, (अक्टोबर१०ता.३१), |
| प्र | १६ | बु. | १३ | ५९।४४ | ५:५१ | म | २१।४१ | १४:३८ | सा | ०।४८ / ५९।५६ | ६:१६ / ५:५५ | ग | २८।४४ | १७:२७ | चर | सिंह | २९।३५ | ५:५७ | १७:४७ | 2 | भ.५९।४४उ., प्रदोषव्रतं, त्रयोदशीश्राद्धं, कलियुगादिः, |
| | १७ | बृ. | १४ | ६०।० | समस्त | पू | २५।१ | १५:५८ | शु | ५८।४ | ५:११ | भ | ३०।२५ | १८:८ | गद | ४०।३९-२२:१३ | २९।३१ | ५:५८ | १७:४६ | 3 | भ.३०।२५या., शस्त्रादिभिर्हतानां चतुर्दशीश्राद्धं,❺ |
| | १८ | शु. | १४ | ०।४६ | ६:१७ | उ | २७।६ | १६:४९ | ब्र | ५५।१२ | ४:३ | च | ३०।५० | १८:१८ | शुभ | कन्या | २९।२७ | ५:५८ | १७:४५ | 4 | दर्शश्राद्धं,अमाश्राद्धं,पितृविसर्जनं,नि.बार्ने, ❺नलास्वनेचङ्गेपूजा, |
| | १९ | श. | ३० | ०।३३ / ५९।६ | ६:१२ / ५:३७ | ह | २७।५६ | १७:९ | ऐं | ५१।२१ | २:३१ | किं | २९।५८ | १७:५८ | मृत्यु | ५७।५५-५:९ | २९।२३ | ५:५९ | १७:४४ | 5 | स्नानदानादौ अमावास्या, हलोबार्ने, मातामहश्राद्धं,❶ |

शनिः११, राहुः११-केतुः५,४रविः११-भौमः१०, ८रविः१२, १०भौमः११, ११रविः१, १४रविः२, १५भौमः१२,१८रविः३

**महालय श्राद्ध** कन्याराशिका सूर्यका पक्षमा पितृका निमित्त तर्पण, श्राद्ध, सिधादान गर्नु, नगरे धन पुत्रनाश हुन्छ ।

**श्राद्धमा निषिद्ध फूलहरूः** केतकीं करवीञ्च बकुलं कुन्दकं तथा । पाटलीं चैव जातिञ्च श्राद्धे यत्नेन वर्जयेत् ॥

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

४ गते उ.फा.यांः३सूर्यः४८।२=१:४
४ गते श्लेषायांः२भौमः४३।३४=२३:१७
७ गते चि.३ तुलायांबुधः२१।२०=१४:२५
७ गते विशाखायां शुक्रः७।१=८:४१
८ गते उ.फा.यांः४सूर्यः१२।१३=१०:४६
१० गते श्लेषायांः३भौमः७।३१=८:५५
११ गते हस्तभे१सूर्यः३५।५८=२०:१८
१२ गते स्वात्यांबुधः१७।२७=१२:५४

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

१४ गते हस्तभे२सूर्यः५९।१७=५:३९
१५ गते श्लेषायांः४भौमः३४।१९=१९:४०
१६ गते वि.४वृश्चिकेशुक्रः५।२७=८:८
१८ गते हस्तभे३सूर्यः२२।८=१४:४९
१९ गते अनुराधायां शुक्रः७।४३=९:४

**श्राद्धमा गृहित फूलहरूः** अगस्ति,भृङ्गराज, तुलसी, सयपत्री, चम्पक, तिलपुष्प,पारिजात

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २४ | आश्विन ५शनौ ५३।४० | | | २५ | आश्विन१२शनौ ५३।३२ | | | २६ | आश्विन१९शनौ ५३।२३ | | | | |
| र. | ५।४।२४।१५ | ५८।४२ | | र. | ५।११।१६।१५ | ५८।५९ | | र. | ५।१८।१०।१६ | ५९।१६ | | | |
| भौ. | ३।२०।४३।२५ | ३७।१५ | | भौ. | ३।२५।१।४९ | ३६।४९ | | भौ. | ३।२९।१७।१७ | ३६।२२ | | | |
| बु. | ५।२७।५१।२४ | ८९।५० | | बु. | ६।७।२४।२९ | ७३।१० | | बु. | ६।१४।३२।४२ | ४६।२२ | | | |
| गु. | २।२४।१६।२० | ८।११ | | गु. | २।२५।१०।१९ | ७।१० | | गु. | २।२५।५६।३८ | ६।४ | | | |
| शु. | ६।१८।३७।१९ | ६७।३५ | | शु. | ६।२६।२७।३५ | ६६।३२ | | शु. | ७।४।९।४९ | ६५।१५ | | | |
| श. | ६।१४।११।३२ | ६।२५ | | श. | ६।१४।५६।३६ | ६।४४ | | श. | ६।१५।४३।३० | ६।५९ | | | |
| रा. | ६।१४।५३।१७ | ३।११ | | रा. | ६।१४।३१।२ | ३।११ | | रा. | ६।१४।८।४७ | ३।११ | | | |

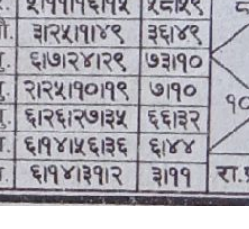


रा.प्रवेश ७बु.७, १६शु.८,

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५:३६ | ७:५५ | १०:१४ | १२:३२ | १४:३६ | १६:१९ | १७:४७ | १९:१३ | २०:४९ | २२:४५ |
| ५:३२ | ७:५१ | १०:१० | १२:२८ | १४:३२ | १६:१५ | १७:४३ | १९:९ | २०:४५ | २२:४१ |
| ५:२८ | ७:४७ | १०:६ | १२:२४ | १४:२८ | १६:११ | १७:३९ | १९:५ | २०:४१ | २२:३८ |
| ५:२४ | ७:४३ | १०:२ | १२:२० | १४:२४ | १६:७ | १७:३६ | १९:१ | २०:३८ | २२:३४ |
| ५:२० | ७:४० | ९:५८ | १२:१६ | १४:२० | १६:३ | १७:३२ | १८:५८ | २०:३४ | २२:३० |
| ५:१६ | ७:३६ | ९:५४ | १२:१२ | १४:१६ | १५:५९ | १७:२८ | १८:५४ | २०:३० | २२:२६ |
| ५:१२ | ७:३२ | ९:५० | १२:८ | १४:१२ | १५:५५ | १७:२४ | १८:५० | २०:२६ | २२:२२ |
| ५:९ | ७:२८ | ९:४६ | १२:४ | १४:८ | १५:५१ | १७:२० | १८:४६ | २०:२२ | २२:१८ |
| ५:५ | ७:२४ | ९:४२ | १२:० | १४:४ | १५:४७ | १७:१६ | १८:४२ | २०:१८ | २२:१४ |
| ५:१ | ७:२० | ९:३८ | ११:५६ | १४:० | १५:४४ | १७:१२ | १८:३८ | २०:१४ | २२:१० |
| ४:५७ | ७:१६ | ९:३४ | ११:५२ | १३:५७ | १५:४० | १७:८ | १८:३४ | २०:१० | २२:६ |
| ४:५३ | ७:१२ | ९:३१ | ११:४८ | १३:५३ | १५:३६ | १७:४ | १८:३० | २०:६ | २२:२ |
| ४:४९ | ७:८ | ९:२७ | ११:४५ | १३:४९ | १५:३२ | १७:० | १८:२६ | २०:२ | २१:५८ |
| ४:४५ | ७:४ | ९:२३ | ११:४१ | १३:४५ | १५:२८ | १६:५६ | १८:२२ | १९:५८ | २१:५४ |
| ४:४१ | ७:० | ९:१९ | ११:३७ | १३:४१ | १५:२४ | १६:५२ | १८:१८ | १९:५४ | २१:५० |
| ४:३७ | ६:५६ | ९:१५ | ११:३३ | १३:३७ | १५:२० | १६:४८ | १८:१४ | १९:५० | २१:४६ |

## श्री संवत् २०७० आश्विनकृष्णपक्ष

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

| कर्कट | सिंह | गते | वार | रवि | चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १:० | ३:२० | ४ | शुक्र | ५।२।३३।२ | ११।९।२०।१८ | ३।१९।३२।५९ | ५।२४।५८।६० | २।२४।०।३० | ६।१६।२८।५१ | ६।१३।५९।४३ | ६।१४।५९।१९ |
| ०:५६ | ३:१६ | ५ | शनि | ५।३।३१।४४ | ११।२२।४३।४१ | ३।२०।१०।१२ | ५।२६।३०।४६ | २।२४।८।५६ | ६।१७।३६।४४ | ६।१४।५।५६ | ६।१४।५२।६८ |
| ०:५२ | ३:१२ | ६ | आइत | ५।४।३०।२७ | ०।५।५१।३२ | ३।२०।४७।२१ | ५।२८।०।५१ | २।२४।१७।१३ | ६।१८।४४।२९ | ६।१४।१२।१२ | ६।१४।५२।५७ |
| ०:४८ | ३:८ | ७ | सोम | ५।५।२९।१४ | ०।१८।४४।१ | ३।२१।२४।२७ | ५।२९।२९।५ | २।२४।२५।२१ | ६।१९।५२।६ | ६।१४।१८।३१ | ६।१४।४९।४६ |
| ०:४४ | ३:४ | ८ | मंगल | ५।६।२८।२ | ११।१।२२।२ | ३।२२।११।२९ | ६।०।५५।२३ | २।२४।३३।२१ | ६।२०।५९।३५ | ६।१४।२४।५३ | ६।१४।४६।३६ |
| ०:४० | ३:० | ९ | बुध | ५।७।२६।५३ | ११।१३।४७।१३ | ३।२२।३८।२७ | ६।२।१९।३५ | २।२४।४१।१२ | ६।२२।६।५६ | ६।१४।३१।१७ | ६।१४।४३।२५ |
| ०:३६ | २:५६ | १० | गुरु | ५।८।२५।४५ | १।२६।१।५१ | ३।२३।१५।२३ | ६।३।४१।३३ | २।२४।४८।५४ | ६।२३।१४।७ | ६।१४।३७।४४ | ६।१४।४०।१४ |
| ०:३२ | २:५२ | ११ | शुक्र | ५।९।२४।४१ | २।८।८।४५ | ३।२३।५२।१४ | ६।५।१।७ | २।२४।५६।२७ | ६।२४।२१।१० | ६।१४।४४।१३ | ६।१४।३७।३ |
| ०:२८ | २:४८ | १२ | शनि | ५।१०।२३।३८ | २।२०।११।८ | ३।२४।२९।२ | ६।६।१८।७ | २।२५।३।५१ | ६।२५।२८।४ | ६।१४।५०।४५ | ६।१४।३३।५२ |
| ०:२५ | २:४४ | १३ | आइत | ५।११।२२।३८ | ३।२।१२।४३ | ३।२५।५।४७ | ६।७।३२।२२ | २।२५।११।५ | ६।२६।३४।४८ | ६।१४।५७।१९ | ६।१४।३०।४२ |
| ०:२१ | २:४० | १४ | सोम | ५।१२।२१।३९ | ३।१४।१७।२७ | ३।२५।४२।२८ | ६।८।४३।४२ | २।२५।१८।१० | ६।२७।४१।२२ | ६।१५।३।५५ | ६।१४।२७।३१ |
| ०:१७ | २:३६ | १५ | मंगल | ५।१३।२०।४४ | ३।२६।२८।४२ | ३।२६।१९।५ | ६।९।५१।५३ | २।२५।२५।६ | ६।२८।४७।४६ | ६।१५।१०।३३ | ६।१४।२४।२० |
| ०:१३ | २:३२ | १६ | बुध | ५।१४।१९।५० | ४।८।४९।२९ | ३।२६।५५।३९ | ६।१०।५६।४३ | २।२५।३१।५२ | ६।२९।५३।५९ | ६।१५।१७।१४ | ६।१४।२१।९ |
| ०:९ | २:२९ | १७ | गुरु | ५।१५।१८।५९ | ४।२१।२२।१६ | ३।२७।३२।९ | ६।११।५७।५९ | २।२५।३८।२८ | ७।१।०।२ | ६।१५।२३।५६ | ६।१४।१७।५८ |
| ०:५ | २:२५ | १८ | शुक्र | ५।१६।१८।१० | ५।४।८।५८ | ३।२८।८।३६ | ६।१२।५५।२६ | २।२५।४४।५५ | ७।२।५।५४ | ६।१५।३०।४१ | ६।१४।१४।४७ |
| ०:१ | २:२१ | १९ | शनि | ५।१७।१७।२३ | ५।१७।१०।४८ | ३।२८।४४।५८ | ६।१३।४८।५० | २।२५।५१।११ | ७।३।११।३४ | ६।१५।३७।२७ | ६।१४।११।३७ |

**अथ आश्विनकृष्णपाक्षिकव्रत विचार**:यस प्रतिपदादेखि अमावाश्यासम्म दिवङ्गत पितृहरूको सम्झना र सम्मानका निम्ति श्राद्धगर्ने परम्परा छ श्राद्धको अपररूप सम्मान पनि हो । यो श्राद्ध जुठो सुतक वा अन्य कारणले रोकिएमा चोखिए पछि गर्ने । एकोदिष्ट (तिथि)श्राद्ध पत्नी रजस्वला वा गर्भिणी भए पनि एक्लै गर्ने, पार्वण वा महालय (सोह्र)श्राद्ध एक्लै गर्नु हुँदैन पत्नी गर्भिणी भएमा सिधादान गरेमात्र पनि पुग्छ । पितृको तिथि ज्ञात नभएमा वा भूले वा श्राद्धविघ्न भएमा कृष्णएकादशीमा श्राद्ध गर्नु पर्दछ । **श्राद्ध काल निर्णयः**– वृद्धि(नान्दीमुखी) श्राद्ध प्रातःकालमा, दैविक (नित्य) श्राद्ध पूर्वान्हकालमा, एकोदिष्ट (तिथि) श्राद्ध मध्यान्हकालमा, पार्वण (सोह्र) श्राद्ध र एकापार्वण (पितृपक्षमा नै पर्ने तिथि) श्राद्ध अपरान्हकालमा गर्नुपर्दछ भन्नेशास्त्रोक्ति छ । **अथ आश्विनशुक्लपाक्षिकव्रत विचार**–: यस पक्षलाई **दुर्गापक्ष** वा देवीपक्ष पनि भनिन्छ । प्रतिपदामा घटस्थापना गरी नवमीसम्म दुर्गापूजा एकोत्तरवृद्धिले कुमारीपूजा, महाकाली, महालक्ष्मी,महासरस्वतीपूजा, सप्तशतीपाठ, नक्तभोजन दशमीमा देविविर्सजन, घटस्थापनाका दिन राखिएको घडा वा कलशको जलले अभिषेक गरी मान्यजनका हातबाट प्रसाद (टीका)-जमरा लगाउनाले वर्षभर सुखशान्ति मिल्दछ । जगन्माता भगवती जीवबलीले मात्र खुशी हुने होईनन् श्रद्धाभक्तिले पनि प्रसन्न हुनुहुन्छ । **स्मार्त्तबलिदानम्**- कुष्माण्डनारीकेलञ्च श्री फलञ्चेक्षुमेव च । वस्त्रेण वेष्टितं कृत्वा छेदयेच्छुरिकाभिदिः । एष स्मार्त्त बलिं प्रोक्तः धर्मशास्त्रानुगामिभिः । यस्ययत्राधिकाभक्तिस्तेन तुष्यन्ति देवता ॥ **दशैं टीका लगाउंदा पुरुषलाई दिने आशिर्वाद**– स्वस्त्यस्तु ते कुशलमस्तु चिरायुरस्तु । गोवाजिहस्तिधनधान्य सम्बृद्धिरस्तु ॥ ऐश्वर्यमस्तु विजयोऽस्तु रिपुक्षयोऽस्तु ।सन्तानवृद्धिसहिता हरिभक्तिरस्तु॥आयुर्दोणसुते श्रियं दशरथे शत्रुक्षये राघवे । ऐश्वर्य नहुषे गतिश्च पवने मानं च दुर्योधने ॥ दानं सूर्यसुते बलं हलधरे सत्यं च कुन्तीसुते । विज्ञानं विदुरे भवन्तु भवतां कीर्तिश्च नारायणे ॥ **दशैं टीका लगाउंदा स्त्रीलाई दिने आशिर्वाद**–भद्रमस्तु शिवं चास्तु महालक्ष्मी प्रसीदतु । रक्षन्तु त्वां सदा देवा आशिषः सन्तु सर्वदा ॥ जयन्ती मङ्गलाकाली भद्रकाली कपालिनी। दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वहा स्वधा नमोस्तुते ॥ (यी मन्त्र आशिर्वचन हुन् अन्य समयमा पनि आशिष दिंदा उपयोगी छन्) । विजया दशमीका दिन **शमीवृक्षको** दर्शन गर्नुपर्दछ मन्त्र–अमङ्गलानां शमनी शमनीं दुष्कृतस्य च । दुःस्वप्ननाशिनीं धन्यां प्रपद्येऽहं शमीं शुभाम् ॥ **आ.शु.पूर्णिमाबाट** कार्त्तिक स्नान र दीपदान शुरु हुन्छ । कार्त्तिक महिनाभरि जितेन्द्रिय रही प्रातः तारा नअस्ताउँदै स्नान गरी आकाशबत्ती बाल्ने, राधा-दामोदर, माधव, तुलसीको पूजा गर्ने र हविष्यान्न खानु भन्ने शास्त्रको वचन छ । **अथ कार्त्तिकस्नान मन्त्रः** कार्तिकेऽहंकरिष्यामि प्रातःस्नानं जनार्दन। प्रीत्यर्थं तव देवेश दामोदर मयासह ॥ इमं मन्त्रः समुच्चार्य मौनी स्नायाद् व्रती नरः ॥

श्री संवत्२०७० श्री शाके १९३५ ने.सं ११३३ **आश्विनशुक्ल(दुर्गा)पक्षः** विश्वघसपक्षः (कौलाश्व) पा:स्वा.१७, २२, श.पू.भा.(अक्टु.१० सन् २०१३)दक्षिणायनं,शरदृतुः, पराभवनामकः संवत्सर

| | ग. | बा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प = बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्व |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २० | आ. | २ | ५६।२९ | ४:३५ | चि | २७।३६ | १७:२ | वै | ४६।३४ | ०:३७ | बा | २७।५५ | १७:९ | पद्म | तुला | २९।१९ | ५:५९ | १७:४३ | 6 | चन्द्रोदयः द्विपुष्करः२७।३६या., ❷कुलछिम्वय, |
| | २१ | सो. | ३ | ५२।५१ | ३:८ | स्वा | २६।१२ | १६:२८ | वि | ४०।५८ | २२:२३ | तै | २४।४६ | १५:५४ | छत्र | तुला | २९।१५ | ६:० | १७:४२ | 7 | ❸खड्गयात्रा-चॉल, ध.पं.प्रवृत्तिः२९ |
| प्र | २२ | मं. | ४ | ४८।२३ | १:२१ | वि | २३।५२ | १५:३३ | प्री | ३४।३८ | १९:५२ | व | २०।४२ | १४:१७ | श्रीवत्स | ९।३२-९:४९ | २९।११ | ६:० | १७:४१ | 8 | भ.२०।४२उ.४८।२३या., **मङ्गलचतुर्थीव्रतम्,** |
| | २३ | बु. | ५ | ४३।१४ | २३:१८ | अ | २०।४८ | १४:२० | आ | २७।४४ | १७:६ | ब | १५।५२ | १२:२२ | सौम्य | वृश्चिक | २९।६ | ६:१ | १७:३९ | 9 | उपाङ्गललितात्रतं, पचलीभैरवयात्रा, |
| प्र | २४ | वृ. | ६ | ३७।३५ | २१:३ | ज्ये | १७।९ | १२:५३ | सौ | २०।२२ | १४:१० | कौ | १०।२७ | १०:१२ | काल | १७।९-१२:५३ | २९।२ | ६:१ | १७:३८ | 10 | विल्वनिमन्त्रणम्, ❶सरस्वत्यावाह |
| | २५ | शु. | ७ | ३१।३८ | १८:४१ | मू | १३।८ | ११:१७ | शो. | १२।४३ | ११:७ | ग | ४।३७/५८।३६ | ७:५३/५:२८ | स्थिर | धनु | २८।५८ | ६:२ | १७:३७ | 11 | भ.३१।३८उ.५८।३६या., नवपत्रिकाप्रवेशः **फूलपाती,❶** |
| | २६ | श. | ८ | २५।३४ | १६:१६ | पू | ८।५६ | ९:३७ | अ | ४।५४/५७।८ | ८:०/४:५४ | बा | ५२।३४ | ३:४ | मातङ्ग | २२।५३-१५:१२ | २८।५४ | ६:२ | १७:३६ | 12 | **अष्टमी-महाष्टमीव्रतञ्च**, गोरखकालीपूजा, कालरात्रि, |
| | २७ | आ. | ९ | १९।३७ | १३:५४ | उ | ४।४७ | ७:५८ | धृ | ४९।३२ | १:५२ | तै | ४६।४६ | ०:४५ | मुशल | मकर | २८।५० | ६:३ | १७:३५ | 13 | **महानवमीव्रतं**, मन्वादिः, (स्याक्वट्याक्व), बौद्धावतारः, |
| | २८ | सो. | १० | १३।५९ | ११:३९ | श्र | ०।५३/५७।२८ | ६:२५/५:३ | शू | ४२।१६ | २२:५८ | व | ४१।२१ | २२:३६ | सिद्धि | २९।६-१७:४२ | २८।४६ | ६:४ | १७:३४ | 14 | भ.४१।२१उ., देवीविसर्जनं **विजयादशमी (दशैंटीका)❸** |
| | २९ | मं. | ११ | ८।५१ | ९:३७ | श | ५४।३९ | ३:५६ | गं | ३५।२९ | २०:१६ | ब | ३६।३३ | २०:४१ | मृत्यु | कुम्भ | २८।४२ | ६:४ | १७:३३ | 15 | भ.८।५१या., **पापाङ्कुशा एका. व्रतं**, श्रीअन्नपूर्णायात्रा❹ |
| प्र | ३० | बु. | १२ | ४।२५ | ७:५१ | पू | ५२।४० | ३:९ | वृ | २९।१९ | १७:४८ | कौ | ३२।३१ | १९:५ | पद्म | ३८।४-२१:१९ | २८।३८ | ६:५ | १७:३२ | 16 | **प्रदोषव्रतम्**, ❹(असंचालें),त्रिपु.५४।३९उ., |
| | ३१ | वृ. | १३ | ०।५०/५८।१८ | ६:२५/५:२४ | उ | ५१।४० | २:४५ | धृ | २३।५३ | १५:३९ | ग | २९।२६ | १७:५२ | छत्र | मीन | २८।३४ | ६:५ | १७:३१ | 17 | भ.५८।१८उ.,अखिलवलीपूर्त्तिः,सिघया,तुलायामर्कः४९।१६, |
| का | १ | शु. | १५ | ५६।५३ | ४:५१ | रे | ५१।४६ | २:४८ | व्या | १९।१९ | १३:४९ | भ | २७।२६ | १७:४ | श्रीवत्स | ५१।४६-२:४८ | २८।३१ | ६:६ | १७:३० | 18 | भ.२७।२६या., कार्तिकस्नान एवं आकाशदीपदानारम्भौ❻ |

❼कतिःपुन्हि, सिघपुन्हि, **कोजाग्रतव्रतं**, **पूर्णिमाव्रतं**, (योसिमतवियगु), **कार्तिकसंक्रान्ति**, ध.पं.निवृत्तिः५१।४६

*नोटः रात्रीं १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, ..... १२ बजे, दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १३, १४, ..... २३ बजे र रात्री १२ बजेलाई ० बजेले संकेत गरिएको छ।*

ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः मं.मा.उ., बु.२८ व.उ.प., वृ.मा.उ., शु.मा.उ.प., श.मा.उ.

राशीशः शनिः११, राहु११-केतु५, २१रवि४-भौम१, २५रवि५, २६भौम२, २८रवि६-शनि१२, ३१रवि७१-भौम३

सूचना- दुई दिन एकादशी र अमावाश्या परेकाबेला भोलिपल्ट अर्थात् कमघटी भएका दिन माता मनकामनामा बली पूजा नचल्ने समस्त भक्तजनहरूलाई अवगत गराइन्छ। जगन्माता भगवती जीवबली ले मात्र खुशी हुने होइन श्रद्धा भक्तिले पनि प्रशन्न हुनुहुन्छ।

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

२१ गते हस्तमे४सूर्यः४४।३४=२३:४९
२१ गते मघायां१सिंहेभौमः४।४=७:३८
२५ गते चित्रर्क्षे१सूर्यः६।३३=८:३९
२६ गते मघायां२भौमः३७।३=२०:५२
२८ गते वक्रीबुधः२०।१८=१४:११
२८ गते चित्रर्क्षे२सूर्यः२८।७=१७:१९

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

२८ गते पुनर्वसौ३गुरुः१।४=६:२९
२८ गते स्वात्यां४शनिः३।३=७:१७
३१ गते चि.३तुलायांमर्कः४९।१६=१:४८
३१ गते ज्येष्ठर्क्षे शुक्रः३६।८=२०:३३
१ गते मघायां३भौमः१३।२६=११:२९

| २७ | आश्विन २६ शनौ ५३।१४ | |
|---|---|---|
| र. | ५।२५।५।४७ | ५९।३२ |
| भौ. | ४।३।२९।४० | ३५।५३ |
| बु. | ६।१७।५७।२२ | ६।१८ |
| गु. | २।२६।३४।४० | ४।५३ |
| शु. | ७।११।४२।५ | ६३।३९ |
| श. | ६।१६।३१।५१ | ७।१० |
| रा. | ६।१३।४६।३२ | ३।११ |

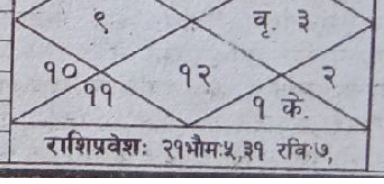


राशिप्रवेशः २१भौमः५,३१ रविः७,

**विजया दशमी टीकाको साइतः** दशैं टीका पूर्वमुख भै ग्रहण गर्नु, यस दिन सोमबारको बारबेला यस प्रकार छ – सूर्योदयबाट प्रातः ७।३० बजेसम्म अमृतबेला, प्रातः ८।५६ बजेबाट १०।२२ बजेसम्म शुभबेला रहने छ। दिवा ११।२९बजे बाट १२।१२ बजेसम्म अभिजित मुहूर्त्त रहने छ।

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ४:३३ | ६:५२ | ९:११ | ११:२९ | १३:३३ | १५:१६ | १६:४४ | १८:१० | १९:४६ | २१:४२ | २३:५७ | २:१७ |
| ४:२९ | ६:४८ | ९:७ | ११:२५ | १३:२९ | १५:१२ | १६:४१ | १८:६ | १९:४३ | २१:३९ | २३:५३ | २:१३ |
| ४:२५ | ६:४४ | ९:३ | ११:२१ | १३:२५ | १५:८ | १६:३७ | १८:३ | १९:३९ | २१:३५ | २३:४९ | २:९ |
| ४:२१ | ६:४१ | ८:५९ | ११:१७ | १३:२१ | १५:४ | १६:३३ | १७:५९ | १९:३५ | २१:३१ | २३:४५ | २:५ |
| ४:१७ | ६:३७ | ८:५५ | ११:१३ | १३:१७ | १५:० | १६:२९ | १७:५५ | १९:३१ | २१:२७ | २३:४१ | २:१ |
| ४:१३ | ६:३३ | ८:५१ | ११:९ | १३:१३ | १४:५६ | १६:२५ | १७:५१ | १९:२७ | २१:२३ | २३:३७ | १:५७ |
| ४:१० | ६:२९ | ८:४७ | ११:५ | १३:९ | १४:५२ | १६:२१ | १७:४७ | १९:२३ | २१:१९ | २३:३३ | १:५३ |
| ४:६ | ६:२५ | ८:४३ | ११:१ | १३:५ | १४:४८ | १६:१७ | १७:४३ | १९:१९ | २१:१५ | २३:३० | १:४९ |
| ४:२ | ६:२१ | ८:३९ | १०:५७ | १३:१ | १४:४५ | १६:१३ | १७:३९ | १९:१५ | २१:११ | २३:२६ | १:४५ |
| ३:५८ | ६:१७ | ८:३५ | १०:५३ | १२:५८ | १४:४१ | १६:९ | १७:३५ | १९:११ | २१:७ | २३:२२ | १:४१ |
| ३:५४ | ६:१३ | ८:३२ | १०:४९ | १२:५४ | १४:३७ | १६:५ | १७:३१ | १९:७ | २१:३ | २३:१८ | १:३७ |
| ३:५० | ६:९ | ८:२८ | १०:४६ | १२:५० | १४:३३ | १६:१ | १७:२७ | १९:३ | २०:५९ | २३:१४ | १:३३ |
| तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या |
| ६:१ | ८:२४ | १०:४२ | १२:४६ | १४:२९ | १५:५७ | १७:२३ | १८:५९ | २०:५५ | २३:१० | १:३० | ३:४६ |

## श्री संवत् २०७० आश्विनशुक्लपक्ष

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

| गते | वार | रवि | चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २० | आइत | ५।१८।१६।३९ | ६।०।२८।११ | ३।२९।२१।१७ | ६।१४।३७।५४ | २।२५।५७।१८ | ७।४।१७।३ | ६।१५।४४।१६ | ६।१४।८।२६ |
| २१ | सोम | ५।१९।१५।५७ | ६।१४।०।४८ | ३।२९।५७।३३ | ६।१५।२२।२४ | २।२६।३।१४ | ७।५।२२।१९ | ६।१५।५१।६ | ६।१४।५।१५ |
| २२ | मंगल | ५।२०।१५।१७ | ६।२७।४७।३५ | ४।०।३३।४४ | ६।१६।२।२ | २।२६।९।० | ७।६।२७।२२ | ६।१५।५७।५७ | ६।१४।२।४ |
| २३ | बुध | ५।२१।१४।३९ | ७।११।४६।४५ | ४।१।९।५२ | ६।१६।३६।३३ | २।२६।१४।३६ | ७।७।३२।१३ | ६।१६।४।५१ | ६।१३।५८।५३ |
| २४ | गुरु | ५।२२।१४।४ | ७।२५।५५।५२ | ४।१।४५।५५ | ६।१७।५।४१ | २।२६।२०।१ | ७।८।३६।५१ | ६।१६।११।४५ | ६।१३।५५।४३ |
| २५ | शुक्र | ५।२३।१३।३१ | ८।१०।१२।१ | ४।२।२१।५५ | ६।१७।२९।११ | २।२६।२५।१६ | ७।९।४१।१४ | ६।१६।१८।४२ | ६।१३।५२।३२ |
| २६ | शनि | ५।२४।१३।० | ८।२४।३१।५५ | ४।२।५७।५१ | ६।१७।४६।४८ | २।२६।३०।२० | ७।१०।४५।२३ | ६।१६।२५।३९ | ६।१३।४९।२१ |
| २७ | आइत | ५।२५।१२।३१ | ९।८।५१।४१ | ४।३।३३।४३ | ६।१७।५८।२२ | २।२६।३५।१३ | ७।११।४९।१८ | ६।१६।३२।३८ | ६।१३।४६।१० |
| २८ | सोम | ५।२६।१२।५ | ९।२३।७।३० | ४।४।९।३१ | ६।१८।३।४० | २।२६।३९।५५ | ७।१२।५२।५७ | ६।१६।३९।३९ | ६।१३।४२।५९ |
| २९ | मंगल | ५।२७।११।४१ | १०।७।१६।४ | ४।४।४५।१६ | ६।१८।२।३८ | २।२६।४४।२६ | ७।१३।५६।२१ | ६।१६।४६।४० | ६।१३।३९।४९ |
| ३० | बुध | ५।२८।११।१९ | १०।२१।१४।३१ | ४।५।२०।५६ | ६।१७।५५।१३ | २।२६।४८।४७ | ७।१४।५९।२८ | ६।१६।५३।४३ | ६।१३।३६।३८ |
| ३१ | गुरु | ५।२९।१०।५९ | ११।५।०।२८ | ४।५।५६।३१ | ६।१७।४१।२६ | २।२६।५२।५६ | ७।१६।२।१९ | ६।१७।०।४६ | ६।१३।३३।२७ |
| १ | शुक्र | ६।०।१०।४२ | ११।१८।३२।१० | ४।६।३२।३ | ६।१७।२१।२७ | २।२६।५६।५३ | ७।१७।४।५२ | ६।१७।७।५१ | ६।१३।३०।१६ |

कार्तिक १ गते शुक्रवार तुलालग्नको आरम्भ भालिपल्ट कार्तिक २ गते सूर्योदय पूर्व ६:५ बजे दोसो पटक पनि हुन्छ ।

साटः रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, ... १२ बजे, दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १२, १४, ... २३ बजे र रात्री १२ बजेदेखि ० बजेले संकेत गरिएको छ ।

| सूर्यः फलम् | रा. | चन्द्रः फलम् |
|---|---|---|
| ७ गमनम् | मे. | १२ व्ययः |
| ६ शत्रुनाशः | वृ. | ११ लाभः |
| ५ दैन्यम् | मि. | १० सुखम् |
| ४ माननाशः | क. | ९ नृपसुखम् |
| ३ श्रीप्राप्तिः | सिं. | ८ कष्टम् |
| २ भयम् | कं. | ७ स्त्रीसुखम् |
| १ स्थाननाशः | तु. | ६ लाभः |
| १२ व्ययः | वृ. | ५ कार्यसिद्धिः |
| ११ लाभः | ध. | ४ कुक्षिरुक् |
| १०कर्मप्राप्तिः | म. | ३ श्रीप्राप्तिः |
| ९ कान्तिक्षयः | कुं. | २ धनलाभः |
| ८ कष्टम् | मी. | १ अन्नलाभः |

### नक्षत्रःफलम्

| | |
|---|---|
| पू. उ. रे. ..... | गमनम् |
| अ.भ.कृ.रो.मृ.आ. | सुखम् |
| पु. ति. अ. ..... | पीडा |
| म.पू.उ.ह.चि.स्वा. | वस्त्रम् |
| वि. अ. ज्ये. ..... | हानिः |
| मू.पू.उ.श्र.ध.श. | धनम् |

*संक्रान्तिःफलम्* तुला (कार्तिक) श्री संवत् २०७० शाके १९३५ पराभवनामसंवत्सरे, श्री सूर्यदक्षिणायने, शरदृतौ आश्विनशुक्ल चतुर्दश्यांतिथौ,उभानक्षत्रे, व्याघातयोगे, वणिजकरणे, गुरुवासरे, श्री सूर्योदयाद्गत घटिकासु ४९ पलासु १६ श्री सूर्यः कन्यातस्तुलाराशिं प्रविष्टस्तदाऽऽश्विनो गतः कार्तिकमासः प्राप्तः ॥ वारतोनक्षत्रतश्च मन्दा विप्रसुखा, कालतो नटघ्नी विषुवन्नाम्नी तुला (कार्तिक) संक्रान्तिश्च प्राप्ता ॥ इयं महिषारुढा, करभोपवाहना, श्यामवस्त्रा, तोमरायुधा, त्रपुपात्रहस्ता, दध्यशना, यावकलेपा, मृगजातिरर्कपुष्पा, निविष्ठा, ज्वरावस्था, मण्याभरणा, प्रगल्भाऽऽग्नेयमुखा, मुहूर्त्ताः४५ धान्यार्घवृष्टिषु श्रेष्ठफलदाः परेद्युपुण्यकालः, मासदेवता दामोदरो, मासदेवी राधा, मासार्को दिवाकर स्तुलायां सूर्यो, मीने चन्द्रो, मिथुने देवगुरुः ॥ तिथिवारं च नक्षत्रंयोगः करण मेव च ॥ पञ्चाङ्गस्य फलं श्रुत्वा गंगास्नान फलं लभेत् ॥

*मासिक(भविष्य)फल* तुला (कार्तिक) मासमा ग्रहस्थिति साधारणतया राम्रा जस्ता देखिँदैन । सूर्य, शनि, राहु तीन क्रूरग्रैहको योग तथा सूर्य आफ्नो नीच राशिको भएकाले देशमा उथल-पुथल, सत्ता परिवर्तनको सम्भावना, राज्य संयन्त्रमा शिथिलता, दैनिक उपभोग्य पदार्थको कमीले अनुचित मूल्यवृद्धि,मार्गावरोध आदिको सम्भावना देखिन्छ । रविवारको अमावाश्याले अनावश्यक अर्थहानि, सन्ताप, क्लेश, कहीं कतै वार्षिकशीलाले धान्यवालीमा हानि पुग्ने किसानलाई मानसिक ताप हुने जस्तो पनि छ । स्वातिका सूर्यले सुन, चाँदी, रुई, सूति कपडा, गुड, चिनी, सुपारी, मरिच, हिंग, आलसी आदि वस्तुमा महंगीको प्रकोप रहने छ । देशको दक्षिणीभागमा केही अशान्ति रहने मार्गावरोध र हडताल आदिले आवागमन र उत्पादनमा नकारात्मक असर रहने छ। प्रायः आकाश स्वच्छ रहें पनि मासको मध्यभागतिर मेघ बादल दर्शनको योग छ ।

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५ ने.सं.११३३ **कार्तिककृष्णपक्षः** (कौलागा) पाः भ. म. पू.फा. स्वा. (अक्टो १०/नवम्बर ११ सन् २०१३) दक्षिणायनं,शरदृतुः,पराभवनामकः संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २ | श. | १ | ५६।४४ | ४:४८ | अ | ५३।५ | ३:२१ | ह | १५।४० | १२:२३ | बा | २६।३८ | १६:४६ | सौम्य | मेष | २८।२७ | ६:७ | १७:२९ | 19 | |
| | ३ | आ. | २ | ५७।५२ | ५:१६ | भ | ५५।३९ | ४:२३ | व | १३।१ | ११:२० | तै | २७।७ | १६:५८ | काल | मेष | २८।२३ | ६:७ | १७:२८ | 20 | त्रिपुष्करः५५।३९उ.५७।५२या., |
| | ४ | सो. | ३ | ६०।० | समस्त | क | ५९।२६ | ५:५४ | सि | ११।२२ | १०:४० | व | २८।५४ | १७:४१ | स्थिर | ११।२८-१०:४३ | २८।१९ | ६:८ | १७:२७ | 21 | भ.२८।५४उ., |
| प्र | ५ | मं. | ३ | ०।१४ | ६:१४ | रो | ६०।० | समस्त | व्य | १०।३९ | १०:२४ | ब | ३१।५३ | १८:५४ | मातङ्ग | वृष | २८।१५ | ६:८ | १७:२६ | 22 | भ.०।१४या., |
| | ६ | बु. | ४ | ३।४६ | ७:४० | रो | ४।१८ | ७:५२ | व | १०।४८ | १०:२८ | कौ | ३५।५५ | २०:३१ | शुभ | ३७।६-२०:५९ | २८।११ | ६:९ | १७:२५ | 23 | वृश्चिकेसायनार्कः२७।१०, |
| | ७ | वृ. | ५ | ८।१४ | ९:२७ | मृ | १०।४ | १०:११ | प | ११।३६ | १०:४८ | ग | ४०।४४ | २२:२७ | मृत्यु | मिथुन | २८।७ | ६:१० | १७:२५ | 24 | संयुक्त राष्ट्रसंघ दिवसः, ❽ (नवम्बर ११ ता.३०), |
| प्र | ८ | शु. | ६ | १३।१९ | ११:३० | आ | १६।२४ | १२:४४ | शि | १२।५२ | ११:१९ | भ | ४६।० | ०:३४ | पद्म | मिथुन | २८।३ | ६:१० | १७:२४ | 25 | भ.१३।१९उ.४६।०या., |
| | ९ | श. | ७ | १८।३८ | १३:३८ | पु | २२।५६ | १५:२१ | सि | १४।१७ | ११:५४ | बा | ५१।१४ | २:४१ | छत्र | ६।१८-८:४२ | २८।० | ६:११ | १७:२३ | 26 | **अष्टमीव्रतं**, त्रिपुष्करः१८।३८या., |
| | १० | आ. | ८ | २३।४२ | १५:४१ | ति | २९।१२ | १७:५२ | सा | १५।३३ | १२:२५ | तै | ५६।२ | ४:३७ | श्रीवत्स | कर्कट | २७।५६ | ६:१२ | १७:२२ | 27 | राधाष्टमी, गोरखकालीपूजा, |
| | ११ | सो. | ९ | २८।९ | १७:२८ | श्ले | ३४।५० | २०:८ | शु | १६।२१ | १२:४५ | व | ६०।० | ६:१३ | सौम्य | ३४।५०-२०:८ | २७।५२ | ६:१२ | १७:२१ | 28 | ❼धन १३,धन्वन्तरी जयन्ती, काकवलि (**कागतिहार**)❽ |
| | १२ | मं. | १० | ३१।३९ | १८:५३ | म | ३९।३३ | २२:२ | शु | १६।३० | १२:४९ | व | ०।१ | ६:१३ | काल | सिंह | २७।४८ | ६:१३ | १७:२० | 29 | भ.०।१उ.३१।३९या., ❻ तथा हलोबार्ने, |
| | १३ | बु. | ११ | ३४।१ | १९:५० | पू | ४३।९ | २३:२९ | ब्र | १५।४७ | १२:३३ | ब | २।५८ | ७:२५ | स्थिर | ५८।५२-५:४६ | २७।४५ | ६:१४ | १७:२० | 30 | **रमा एकादशी व्रतम्,** |
| प्र | १४ | वृ. | १२ | ३५।६ | २०:१७ | उ | ४५।३१ | ०:२७ | ऐं | १४।८ | ११:५४ | कौ | ४।४२ | ८:७ | मातङ्ग | कन्या | २७।४१ | ६:१४ | १७:१९ | 31 | गोवत्सद्वादशी, ❶(**कुकुरतिहार**),(स्वन्तिचःद्वे पूजा) |
| | १५ | शु. | १३ | ३४।५५ | २०:१३ | ह | ४६।३८ | ०:५४ | वै | ११।२८ | १०:५० | ग | ५।९ | ८:१९ | अमृत | कन्या | २७।३७ | ६:१५ | १७:१८ | 1 | भ.३४।५५उ.,**प्रदोषव्रतं**,यमपञ्चकारम्भःयमदीपदानं,❼ |
| | १६ | श. | १४ | ३३।२९ | १९:३९ | चि | ४६।३३ | ०:५३ | वि | ७।४९ | ९:२४ | भ | ४।२० | ८:० | काण | १६।४३-१२:५७ | २७।३४ | ६:१६ | १७:१७ | 2 | भ.४।२०या.,**नरक** १४, प्रत्युषेऽभ्यङ्गस्नानं, श्वपूजा ❶ |
| | १७ | आ. | ३० | ३०।५४ | १८:३८ | स्वा | ४५।२२ | ०:२५ | प्री | ३।१४ / ५७।४९ | ७:३४ / ५:२४ | च | २।१९ / ५९।१४ | ७:१२ / ५:५८ | लुम्ब | तुला | २७।३० | ६:१७ | १७:१७ | 3 | **दर्शश्राद्धं, लक्ष्मीपूजा, दीपमालिका,**सुखरात्रि, निशी❻ |

शनिः१२, राहुः११-केतुः५, ४रविः८-राहुः१०-केतुः४, ६भौमः४,७रविः९,१० रविः१०,१२भौमः५,१४रविः११,१७रविः१२, मं.मा.उ., बु.व.३अ.प.,वृ.मा.उ., शु.मा.उ.प., श.मा.२अ.

**यमपञ्चक कर्त्तव्यः**त्रयोदशीमाप्रातः कागलाईबली र खाना दिने, चतुर्दशीमाप्रातःतेल लगाई स्नानगर्ने,अपामार्ग(दतिवन)शीरमा घुमाउने र चारमुखे दिपदान गर्ने, कुकुर पूजा, मासको पात खाने, औंसीमा सायंकाल घर गोठ आदि सर्वत्र स्थानमा दीप बाली लक्ष्मी पूजा गरी सुखरात्रि मनाउने, रात्रिको अन्ततिर नाड्लो ठटाउदै घर घुमी दरिद्रदेवीलाई घरबाट निकाल्ने ।

२ गते पश्चिमास्तःशनिः१५।३५=१२:१७
३ गते पश्चिमास्तोबुधः५५।२=४:८
४ गते चित्रर्क्षे४सूर्यः९।५९=१०:७
४ गते स्वात्यां२राहुः
अश्विन्यां४केतुः १३।४६=११:३८
६ गते मघायां४भौमः५३।३७=३:३६
७ गते स्वात्यां१सूर्यः३०।१८=१८:१७
१० गते स्वात्यां२सूर्यः५०।१४=२:१७

१२ गते पूफायां१भौमः३७।५३=२१:२२
१३ गते मू.१धनुषिशुक्रः५३।३=३:२७
१४ गते स्वात्यां३सूर्यः९।४५=१०:८
१७ गते स्वात्यां४सूर्यः२८।५४=१७:५०
१७ गते पुनःचित्रर्क्षेबुधः७।४८=९:२४

**नोटः– यमपञ्चक कर्त्तव्यसम्बन्धि मन्त्रहरू भाद्रकृष्णको पृष्ट(४७)मा हेर्नुहोला ।**

| २८ | कार्तिक २ शनौ ५३।४ | | २९ | कार्तिक ९शनौ ५२।५२ | |
|---|---|---|---|---|---|
| र. | ६।२।३।१७ | ५९।४८ | र. | ६।९।२।३५ | ६०।४ |
| भौ. | ४।७।३८।४८ | ३५।२२ | भौ. | ४।११।४४।२७ | ३४।४९ |
| बु. | ६।१६।२७।५३ | ३८।५७ | बु. | ६।११।९।२१ | ५५।४३ |
| गु. | २।२७।३।५० | ३।३७ | गु. | २।२७।२३।३८ | २।१७ |
| शु. | ७।१९।१।५४ | ६१।३९ | शु. | ७।२६।६।१ | ५९।८ |
| श. | ६।१७।२१।१३ | ७।१८ | श. | ६।१८।११।१३ | ७।२३ |
| रा. | ६।१३।२४।१७ | ३।११ | रा. | ६।१३।२।२ | ३।११ |

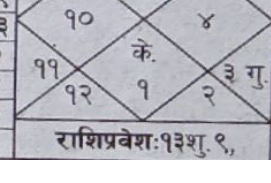


राशिप्रवेशः१३शु.९,

| ३० | कार्तिक१६शनौ ५२।४० | |
|---|---|---|
| र. | ६।१६।३।३५ | ६०।१९ |
| भौ. | ४।१५।४६।२१ | ३४।१३ |
| बु. | ६।६।४४।५१ | २४।३० |
| गु. | २।२७।३३।३९ | ०।५३ |
| शु. | ८।२।५०।८ | ५५।५५ |
| श. | ६।१९।१।२६ | ७।२४ |
| रा. | ६।१२।३९।४७ | ३।११ |

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५:५७ | ८:२० | १०:३८ | १२:४२ | १४:२५ | १५:५३ | १७:१९ | १८:५५ | २०:५१ | २३:६ | १:२६ | ३:४२ |
| ५:५३ | ८:१६ | १०:३४ | १२:३८ | १४:२१ | १५:४९ | १७:१५ | १८:५१ | २०:४७ | २३:२ | १:२२ | ३:३८ |
| ५:४९ | ८:१३ | १०:३० | १२:३४ | १४:१७ | १५:४५ | १७:११ | १८:४७ | २०:४४ | २२:५८ | १:१८ | ३:३४ |
| ५:४५ | ८:८ | १०:२६ | १२:३० | १४:१३ | १५:४२ | १७:७ | १८:४४ | २०:४० | २२:५४ | १:१४ | ३:३० |
| ५:४२ | ८:४ | १०:२२ | १२:२६ | १४:९ | १५:३८ | १७:४ | १८:४० | २०:३६ | २२:५० | १:१० | ३:२६ |
| ५:३८ | ८:० | १०:१८ | १२:२२ | १४:५ | १५:३४ | १७:० | १८:३६ | २०:३२ | २२:४६ | १:६ | ३:२२ |
| ५:३४ | ७:५६ | १०:१४ | १२:१८ | १४:१ | १५:३० | १६:५६ | १८:३२ | २०:२८ | २२:४२ | १:२ | ३:१८ |
| ५:३० | ७:५२ | १०:१० | १२:१४ | १३:५७ | १५:२६ | १६:५२ | १८:२८ | २०:२४ | २२:३८ | ०:५८ | ३:१४ |
| ५:२६ | ७:४८ | १०:६ | १२:१० | १३:५३ | १५:२२ | १६:४८ | १८:२४ | २०:२० | २२:३४ | ०:५४ | ३:११ |
| ५:२२ | ७:४४ | १०:२ | १२:६ | १३:५० | १५:१८ | १६:४४ | १८:२० | २०:१६ | २२:३१ | ०:५० | ३:७ |
| ५:१८ | ७:४० | ९:५८ | १२:३ | १३:४६ | १५:१४ | १६:४० | १८:१६ | २०:१२ | २२:२७ | ०:४६ | ३:३ |
| ५:१४ | ७:३७ | ९:५४ | ११:५९ | १३:४२ | १५:१० | १६:३६ | १८:१२ | २०:८ | २२:२३ | ०:४२ | २:५९ |
| ५:१० | ७:३३ | ९:५१ | ११:५५ | १३:३८ | १५:६ | १६:३२ | १८:८ | २०:४ | २२:१९ | ०:३८ | २:५५ |
| ५:६ | ७:२९ | ९:४७ | ११:५१ | १३:३४ | १५:२ | १६:२८ | १८:४ | २०:० | २२:१५ | ०:३५ | २:५१ |
| ५:२ | ७:२५ | ९:४३ | ११:४७ | १३:३० | १४:५८ | १६:२४ | १८:० | १९:५६ | २२:११ | ०:३१ | २:४७ |
| ४:५८ | ७:२१ | ९:३९ | ११:४३ | १३:२६ | १४:५४ | १६:२० | १७:५६ | १९:५२ | २२:७ | ०:२७ | २:४३ |

## श्री संवत् २०७० कार्तिककृष्णपक्ष

| तारीख | वार | रवि | चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २ | शनि | ६।१।१०।२७ | ०।१।४८।३५ | ४।७।७।३१ | ६।१६।५५।३० | २।२७।०।४० | ७।१८।७।७ | ६।१७।१४।५६ | ६।१३।२७।५ |
| ३ | आइत | ६।२।१०।१४ | ०।१४।४९।२७ | ४।७।४२।५४ | ६।१६।२३।५७ | २।२७।४।१५ | ७।१९।९।४ | ६।१७।२२।२ | ६।१३।२३।५५ |
| ४ | सोम | ६।३।१०।३ | ०।२७।३५।१६ | ४।८।१८।१३ | ६।१५।४७।१८ | २।२७।७।३८ | ७।२०।१०।४१ | ६।१७।२९।९ | ६।१३।२०।४४ |
| ५ | मंगल | ६।४।९।५४ | १।१०।७।१६ | ४।८।५३।२८ | ६।१५।६।१० | २।२७।१०।५० | ७।२१।११।५९ | ६।१७।३६।१७ | ६।१३।१७।३३ |
| ६ | बुध | ६।५।९।४८ | १।२२।२७।२५ | ४।९।२८।३९ | ६।१४।२१।२० | २।२७।१३।५० | ७।२२।१२।५६ | ६।१७।४३।२६ | ६।१३।१४।२२ |
| ७ | गुरु | ६।६।९।४४ | २।४।३८।१३ | ४।१०।३।४५ | ६।१३।३३।३८ | २।२७।१६।३९ | ७।२३।१३।३२ | ६।१७।५०।३४ | ६।१३।११।११ |
| ८ | शुक्र | ६।७।९।४२ | २।१६।४२।४३ | ४।१०।३८।४७ | ६।१२।४४।२ | २।२७।१९।१५ | ७।२४।१३।४६ | ६।१७।५७।४४ | ६।१३।८।१ |
| ९ | शनि | ६।८।९।४२ | २।२८।४४।१८ | ४।११।१३।४४ | ६।११।५३।३३ | २।२७।२१।४० | ७।२५।१३।३७ | ६।१८।४।५४ | ६।१३।४।५० |
| १० | आइत | ६।९।९।४४ | ३।१०।४६।५८ | ४।११।४८।३६ | ६।११।३।२६ | २।२७।२३।५३ | ७।२६।१३।५ | ६।१८।१२।४ | ६।१३।१।३९ |
| ११ | सोम | ६।१०।९।४८ | ३।२२।५४।२३ | ४।१२।२३।२४ | ६।१०।१४।४७ | २।२७।२५।५४ | ७।२७।१२।८ | ६।१८।१९।१४ | ६।१२।५८।२८ |
| १२ | मंगल | ६।११।९।५५ | ४।५।९।४४ | ४।१२।५८।८ | ६।९।२८।३६ | २।२७।२७।४२ | ७।२८।१०।४५ | ६।१८।२६।२५ | ६।१२।५५।१७ |
| १३ | बुध | ६।१२।१०।३ | ४।१७।३५।४८ | ४।१३।३२।४६ | ६।८।४५।४७ | २।२७।२९।१९ | ७।२९।८।५७ | ६।१८।३३।३६ | ६।१२।५२।७ |
| १४ | गुरु | ६।१३।१०।१४ | ५।०।१४।५१ | ४।१४।७।२० | ६।८।७।८ | २।२७।३०।४४ | ८।०।६।४१ | ६।१८।४०।४७ | ६।१२।४८।५६ |
| १५ | शुक्र | ६।१४।१०।२६ | ५।१३।८।२८ | ४।१४।४१।४९ | ६।७।३३।२१ | २।२७।३१।५६ | ८।१।३।५७ | ६।१८।४७।५८ | ६।१२।४५।४५ |
| १६ | शनि | ६।१५।१०।४१ | ५।२६।१७।२९ | ४।१५।१६।१४ | ६।७।४।५८ | २।२७।३२।५६ | ८।२।०।४४ | ६।१८।५५।८ | ६।१२।४२।३४ |
| १७ | आइत | ६।१६।१०।५८ | ६।९।४२।२ | ४।१५।५०।३३ | ६।६।४२।२५ | २।२७।३३।४४ | ८।२।५७।० | ६।१९।२।१९ | ६।१२।३९।२३ |

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

## विविध मुहूर्तहरू

**दीक्षाग्रहणमुहूर्तः-** वैशाख श्रावण आश्विन कार्त्तिक मार्गशीर्ष मासमा, अश्वि.रो.मृ.आ.३पूर्वा.३उत्तरा.पु.ति.ह.वि.स्वा.अनु.मू.श्र.ध.श.रे. नक्षत्रमा, आइत.सोम.बुध.गुरु.शुक्रवारमा, २।३।५।८।११ शुक्लपक्ष र २।३।५ कृष्णपक्षको तिथि, गुरुशुक्रको उदयकालमा, २।३।४।५।६।७।९।१२ यी लग्नमा, चन्द्रमा र तारावल जुराई लग्नदेखि ३।६।११ स्थानमा पापग्रह केन्द्र त्रिकोणमा शुभग्रह र गुरु शुक्रको लग्नमा दृष्टि भै भद्रा छोडी संक्रान्ति र सूर्य चन्द्रग्रहणमा दीक्षा मन्त्र लिनु शुभ हुन्छ ।

**बालक जन्मदाः-** ज्येष्ठा, मूल, अश्लेषा, मघा, अमावास्या कृष्ण चतुर्दशीमा आमाबाबु र सहोदर दाजुदिदीका नक्षत्रमा ग्रहणकालमा तिथि गणान्त (५।१०।१५।३० तिथिको पछिल्लो १ घडी र १।६।११ तिथिको आदिको १ घडी), नक्षत्र गणान्त (अश्ले. ज्येष्ठा. रेवतीको पछिल्लो २ घडि र अश्वि.मघा.मूलको आदिको २ घडी), लग्न गणान्त (४।८।१२ लग्नको पछिल्लो आधा घडि र १।५।९ लग्नको आदिको आधा घडि), व्यतिपात-वैधृति योग, संक्रान्ति, चित्रा नक्षत्रको तेस्रो पाउ, उत्तराफाल्गुनीको पहिलो पाउ, तिष्यको २।३ पाउमा, तिथिक्षय, भद्रा, यमघण्टयोग. दग्धयोग. कुलिक, कालबेला, विष्कुम्भ-वज्रयोगको ३ घडि, गण्डको ६ घडि, परि घपूर्वार्द्धशूलको ५ घडि, व्याघातको ९ घडि आदिमा बालक जन्मेमा अनिष्ठ हुन्छ । यसमा सामान्य रूपले शान्तिका लागि रुद्री-चण्डी लगायत शन्तिका अन्य योग्य प्रयत्नहरू गर्नु पर्दछ । मूल नक्षत्रको पहिलो पाउले बाबुलाई, द्वोस्रोले आमालाई, तेस्रोले धनसम्पतिलाई अनिष्ठ तर चौथोले शुभ प्रद गराउँछ । त्यस्तै श्लेषाको पहिलोले शुभप्रद गराउने, द्वोस्रोले धनसम्पतिलाई, तेस्रोले आमालाई र चौथो पाउले बाबुलाई पिर्छ । मूल-श्लेषाको चतुर्थ-प्रथमले मित्रलाई अनिष्ट गर्छ । ज्येष्ठाको पछिल्लो २ घडि मूलको आदिको २ घडि अभुक्त((कडा) मूल हुने हुदाँ उपरोक्त अवधिमा जन्मेका बच्चालाई ८ वर्षसम्म बाबुले मुख हेर्न हुँदैन भन्ने वचन छ । यस्तो अवस्थामा मूलशान्तिको उपायहरू, महामृत्युञ्जयको जप आदि विशेष कार्य लगायत बच्चा जन्मनासाथ गोप्रसव (गाईबाट जन्मेको बनाउने) कार्य गर्नुपर्दछ । अमावास्यामा जन्मेको बालकले बाबु-आमालाई अनिष्ट गर्छ भने बालिकाले पतिलाई पिरोल्छे । तीनगर्भसम्म पुत्र भएर चतुर्थगर्भमा पुत्रीको जन्म वा ३ गर्भसम्म पुत्री भएर ४ गर्भमा पुत्र भएमा त्रितर योग हुन्छ । त्रितर योगले मातापिता र कूललाई अनिष्ट गर्छ भन्ने गरिन्छ । त्रितरयोगको शान्ति गरेर शुद्ध हुन पनि सकिन्छ ।

क्रमशः अग्रिमपृष्ठहरूमा....

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५ ने.सं.११३४ **कार्तिकशुक्लपक्षः**(कछलाथ्व) पाः धनिष्ठा,शत.,अश्वि., ३ (नव.११ सन् २०१३) दक्षिणायनं,शरदृतुः/हेमन्तर्तुः,पराभवनामकः संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | १८ | सो. | १ | २७।१८ | १७:१३ | वि | ४३।१४ | २३:३५ | सौ | ५१।३७ | २:५६ | बा | ५५।१२ | ४:२२ | मित्र | २८।५१-१७:४९ | २७।२७ | ६:१७ | १७:१६ | 4 | गोवर्द्धनपूजा, गो.वलिपूजा(**गाई/गोरुतिहार**),म्हपूजा, |
| | १९ | मं. | २ | २२।५२ | १५:२७ | अ | ४०।१९ | २२:२५ | शो | ४४।४८ | ०:१३ | तै | ५०।२४ | २:२८ | वज्र | वृश्चिक | २७।२३ | ६:१८ | १७:१५ | 5 | चन्द्रोदयः, यमद्वितीया/भातृ २,(**भाइटीका**-किजापूजा), |
| प्र | २० | बु. | ३ | १७।४५ | १३:२५ | ज्ये | ३६।४६ | २१:१ | अ | ३७।३० | २१:१९ | व | ४५।१ | ०:१९ | ध्वांक्ष | ३६।४६-२१:१ | २७।२० | ६:१९ | १७:१५ | 6 | भ.४५।१उ., ❾गोरखकालीपूजा, ध.पं.प्रवृत्तिः४८।३७, |
| | २१ | वृ. | ४ | १२।९ | ११:११ | मू | ३२।४९ | १९:२७ | सु | २९।५१ | १८:१६ | ब | ३९।१४ | २२:१ | धूम्र | धनु | २७।१६ | ६:१९ | १७:१४ | 7 | भ.१२।९या., ❺ध.पं.निवृत्तिः१०।१७,डोटीकेदारमेला, भागेश्वरमेला, |
| | २२ | शु. | ५ | ६।१५ | ८:५० | पू | २८।३८ | १७:४७ | धृ | २२।० | १५:८ | कौ | ३३।१५ | १९:३८ | प्रवर्द्ध | ४२।३५-२३:२२ | २७।१३ | ६:२० | १७:१३ | 8 | ❶कुष्माण्डसरोवरमेला, फाल्गुनन्द जयन्ती, |
| प्र | २३ | श. | ६ | ०।१४ / ५४।२३ | ६:२७ / ४:६ | उ | २४।२६ | १६:७ | शू | १४।७ | १२:० | ग | २७।१७ | १७:१६ | राक्षस | मकर | २७।१० | ६:२१ | १७:१३ | 9 | भ.५४।२३उ., **डालाषट्पूजा**, त्रिपुष्करः०।१४उ.२४।२६या. |
| | २४ | आ. | ८ | ४८।५० | १५४ | श्र | २०।२७ | १४:३३ | गं | ६।२३ / ५८।५९ | ८:५५ / ५:५७ | भ | २१।३२ | १४:५९ | गद | ४८।३७-१:४९ | २७।६ | ६:२२ | १७:१२ | 10 | भ.२१।३२या, **अष्टमीव्रतं**, मुख अष्टमी, गोपाष्टमी,❾ |
| | २५ | सो. | ९ | ४३।४७ | २३:५३ | ध | १६।५३ | १३:८ | ध्रु | ५१।५८ | ३:१० | बा | १६।१३ | १२:५२ | शुभ | कुम्भ | २७।३ | ६:२२ | १७:१२ | 11 | **कुष्माण्डनवमी**, सत्ययुगादिः (सक्वचँगुवने), हेटौडा❶ |
| | २६ | मं. | १० | ३९।२६ | २२:१० | श | १३।५४ | ११:५७ | व्या | ४५।३२ | ०:३६ | तै | ११।३० | १०:५९ | मृत्यु | ५७।१२-५:१६ | २७।० | ६:२३ | १७:११ | 12 | वलम्बुमहालक्ष्मीयात्रा,❷चाँगुनारायण अखण्डदीपदर्शनं, |
| | २७ | बु. | ११ | ३५।५८ | २०:४७ | पू | ११।४२ | ११:५ | ह | ३९।४९ | २२:१९ | व | ७।३४ | ९:२६ | पद्म | मीन | २६।५७ | ६:२४ | १७:११ | 13 | भ.७।३४उ.३५।५८या., **हरिबोधिनीएकादशी व्रतं**,❸ |
| प्र | २८ | वृ. | १२ | ३३।३१ | १९:४९ | उ | १०।२७ | १०:३६ | व | ३४।५४ | २०:२२ | ब | ४।३५ | ८:१५ | छत्र | मीन | २६।५४ | ६:२५ | १७:१० | 14 | मन्वादिः रिडीक्षेत्रे ऋषिकेशरथयात्रा,❹ |
| | २९ | शु. | १३ | ३२।१४ | १९:१९ | रे | १०।१७ | १०:३२ | सि | ३०।५४ | १८:४७ | कौ | २।४२ | ७:३० | श्रीवत्स | १०।१७-१०:३२ | २६।५१ | ६:२६ | १७:१० | 15 | **प्रदोषव्रतं**, पाल्पा(दर्लम)महाकालीभगवती यात्रा,❺ |
| मं. | १ | श. | १४ | ३२।१२ | १९:१९ | अ | ११।१९ | १०:५८ | व्य | २७।५३ | १७:३५ | ग | २।२ | ७:१५ | सौम्य | मेष | २६।४८ | ६:२६ | १७:९ | 16 | भ.३२।१२उ., वृश्चिकेऽर्कः४२।१ (**मार्गशीर्षसंक्रान्ति**),❻ |
| | २ | आ. | १५ | ३३।२८ | १९:५० | भ | १३।३५ | ११:५३ | व | २५।५१ | १६:४७ | भ | २।४० | ७:३१ | काल | २९।२१-१८:१२ | २६।४५ | ६:२७ | १७:९ | 17 | भ.२।४०या., **पूर्णिमाव्रतं**, मन्वादिः चातुर्मास्यव्रत एवं❼ |

❻**वैकुण्ठ चतुर्दशी व्रतं**,केदारपूजा, डोटी दिपायलजाँत, ❸तुलसीविवाह, भीष्मपञ्चकारम्भः, वराहक्षेत्रे धार्मिकमेलारम्भः, खोटाङ्ग वराहपोखरीमेला,
❼कार्तिकस्नानसमाप्तिः, सकिमनापुन्हि, **त्रिपुरोत्सवः**, स्थानकोटे(वाणस्थली)त्रिवेणीस्नानं, वराहक्षेत्रे धार्मिकमेलापूर्त्तिः डोटी(सिलगढी)शैलेश्वरीजाँत, निम्वार्काचार्य/गुरुनानकजयन्ती,

**वक्रमार्गोदयास्तः**
मं.मा.उ.,बु.२०मा.अ.प.बु.२० ब.उ., शु.मा.उ.प., श.मा.अ.

**पापांशाः** शनि:१२, राहु:१०-केतु:४,१८भौम:६, २०रवि:१, २४ रवि:२-भौम:७, २५शनि:१, २७ रवि:३, १ रवि:४-भौम:८,

तिहारे टीकाको साइतः तिहारटीका पश्चिममुख गरी ग्रहण गर्नु, यसदिन मङ्गलवारको बेला – प्रातः १०।२४ बजेबाट ११।४७ बजेसम्म लाभबेला दिन ११।४७ बजेबाट.१३।८ बजेसम्म अमृतबेला

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**
१८ गते पूफायां२भौम:२६।४४=१६:५९
२० गते विशाखायां१सूर्यः४७।४२=१:२४
२० गते मार्गीबुधः०।१३=६:२४
२० गते वक्रीगुरुः २२।५०=१५:२७
२३ गते स्वात्यांबुधः४।३०=८:९
२४ गते विशाखायां२सूर्यः६।७=८:४९

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**
२४ गते पूफायां३भौम:२०।४४=१४:३९
२५ गते विशाखायां१शनिः२।१७=७:१७
२७ गते विशाखायां३सूर्यः२४।१४=१६:६
२८ गते पू.षा.या शुक्रः ५३।५३=३:५८
१ गते वि.४वृश्चिकऽर्कः४२।१=२३:१५
१ गते पूफायां४भौम:२०।३६=१४:४१

| | | |
|---|---|---|
| ३१ | कार्तिक २३ शनौ ५२।२८ | |
| र. | ६।२३।६।१२ | ६०।३२ |
| भौ. | ४।१९।४४।८ | ३३।३४ |
| बु. | ६।६।५६।३६ | २१।११ |
| गु. | २।२७।३३।३९ | ०।३१ |
| शु. | ८।९।८।२९ | ५१।४६ |
| श. | ६।१९।५१।३९ | ७।२४ |
| रा. | ६।१२।१७।३२ | ३।११ |

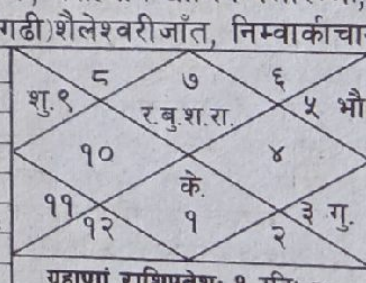


ग्रहाणां राशिप्रवेशः १ रविः ८,

| | | |
|---|---|---|
| ३२ | मार्गशीर्ष १ शनौ ५२।१४ | |
| र. | ७।०।१०।२० | ६०।४५ |
| भौ. | ४।२३।३७।२४ | ३२।५० |
| बु. | ६।११।४३।१३ | ५६।१७ |
| गु. | २।२७।२३।३८ | १।५६ |
| शु. | ८।१४।५३।१४ | ४६।२३ |
| श. | ६।२०।४१।४४ | ७।२० |
| रा. | ६।११।५५।१७ | ३।११ |

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ४:५४ | ७:१७ | ९:३५ | ११:३९ | १३:२२ | १४:५० | १६:१६ | १७:५२ | १९:४८ | २२:३ | ०:२३ | २:३९ |
| ४:५० | ७:१३ | ९:३१ | ११:३५ | १३:१८ | १४:४६ | १६:१२ | १७:४८ | १९:४५ | २१:५९ | ०:१९ | २:३५ |
| ४:४७ | ७:९ | ९:२७ | ११:३१ | १३:१४ | १४:४३ | १६:८ | १७:४५ | १९:४१ | २१:५५ | ०:१५ | २:३१ |
| ४:४३ | ७:५ | ९:२३ | ११:२७ | १३:१० | १४:३९ | १६:५ | १७:४१ | १९:३७ | २१:५१ | ०:११ | २:२७ |
| ४:३९ | ७:१ | ९:१९ | ११:२३ | १३:६ | १४:३५ | १६:१ | १७:३७ | १९:३३ | २१:४७ | ०:७ | २:२३ |
| ४:३५ | ६:५७ | ९:१५ | ११:१९ | १३:२ | १४:३१ | १५:५७ | १७:३३ | १९:२९ | २१:४३ | ०:३ | २:१९ |
| ४:३१ | ६:५३ | ९:११ | ११:१५ | १२:५८ | १४:२७ | १५:५३ | १७:२९ | १९:२५ | २१:३९ | २३:५९ | २:१६ |
| ४:२७ | ६:४९ | ९:७ | ११:११ | १२:५४ | १४:२३ | १५:४९ | १७:२५ | १९:२१ | २१:३५ | २३:५५ | २:१२ |
| ४:२३ | ६:४५ | ९:३ | ११:७ | १२:५१ | १४:१९ | १५:४५ | १७:२१ | १९:१७ | २१:३२ | २३:५१ | २:८ |
| ४:१९ | ६:४१ | ८:५९ | ११:४ | १२:४७ | १४:१५ | १५:४१ | १७:१७ | १९:१३ | २१:२८ | २३:४७ | २:४ |
| ४:१५ | ६:३८ | ८:५५ | ११:० | १२:४३ | १४:११ | १५:३७ | १७:१३ | १९:९ | २१:२४ | २३:४३ | २:० |
| ४:११ | ६:३४ | ८:५२ | १०:५६ | १२:३९ | १४:७ | १५:३३ | १७:९ | १९:५ | २१:२० | २३:३९ | १:५६ |
| वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला |
| ६:३० | ८:४८ | १०:५२ | १२:३५ | १४:३ | १५:२९ | १७:५ | १९:१ | २१:१६ | २३:३६ | १:५२ | ४:७ |
| ६:२२ | ८:४४ | १०:४८ | १२:३१ | १३:५९ | १५:२५ | १७:१ | १८:५७ | २१:१२ | २३:३२ | १:४८ | ४:३ |

## श्री सवत् २०७० कार्तिकशुक्लपक्ष

| गते | वार | रवि |
|---|---|---|
| १८ | सोम | ६।१७।११।१७ |
| १९ | मंगल | ६।१८।११।३७ |
| २० | बुध | ६।१९।११।६० |
| २१ | गुरु | ६।२०।१२।२४ |
| २२ | शुक्र | ६।२१।१२।५१ |
| २३ | शनि | ६।२२।१३।१९ |
| २४ | आइत | ६।२३।१३।५० |
| २५ | सोम | ६।२४।१४।२२ |
| २६ | मंगल | ६।२५।१४।५६ |
| २७ | बुध | ६।२६।१५।३२ |
| २८ | गुरु | ६।२७।१६।१० |
| २९ | शुक्र | ६।२८।१६।४९ |
| १ | शनि | ६।२९।१७।३० |
| २ | आइत | ७।०।१८।१३ |

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

| चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ६।२३।२१।२५ | ४।१६।२४।४७ | ६।६।२५।५९ | २।२७।३४।१९ | ८।३।५२।४५ | ६।१९।९।२९ | ६।१२।३६।१२ |
| ७।७।१४।१४ | ४।१६।५८।५६ | ६।६।१५।५२ | २।२७।३४।४३ | ८।४।४७।५७ | ६।१९।१६।४० | ६।१२।३३।२ |
| ७।२१।१८।२४ | ४।१७।३३।० | ६।६।१२।७ | २।२७।३४।५४ | ८।५।४२।३५ | ६।१९।२३।५० | ६।१२।२९।५१ |
| ८।५।३१।१५ | ४।१८।६।५९ | ६।६।१४।४४ | २।२७।३४।५२ | ८।६।३६।३८ | ६।१९।३१।१ | ६।१२।२६।४० |
| ८।१९।४९।३९ | ४।१८।४०।५२ | ६।६।२३।३८ | २।२७।३४।३८ | ८।७।३०।५ | ६।१९।३८।१२ | ६।१२।२३।२९ |
| ९।४।१०।८ | ४।१९।१४।४० | ६।६।३८।३८ | २।२७।३४।१२ | ८।८।२२।५३ | ६।१९।४५।२२ | ६।१२।२०।१८ |
| ९।१८।२८।३८ | ४।१९।४८।२३ | ६।६।५९।३३ | २।२७।३३।३४ | ८।९।१५।२ | ६।१९।५२।३३ | ६।१२।१७।८ |
| १०।२।४१।३७ | ४।२०।२२।० | ६।७।२६।१० | २।२७।३२।४३ | ८।१०।६।२९ | ६।१९।५९।४४ | ६।१२।१३।५७ |
| १०।१६।४५।६० | ४।२०।५५।३२ | ६।७।५८।१४ | २।२७।३१।४० | ८।१०।५७।१४ | ६।२०।६।५४ | ६।१२।१०।४६ |
| ११।०।३९।५ | ४।२१।२८।५७ | ६।८।३५।२७ | २।२७।३०।२५ | ८।११।४७।१५ | ६।२०।१४।४ | ६।१२।७।३५ |
| ११।१४।१८।४७ | ४।२२।२।१७ | ६।९।१७।३५ | २।२७।२८।५७ | ८।१२।३६।२९ | ६।२०।२१।१३ | ६।१२।४।२४ |
| ११।२७।४३।३९ | ४।२२।३५।३१ | ६।१०।४।२० | २।२७।२७।१७ | ८।१३।२४।५५ | ६।२०।२८।२३ | ६।१२।१।१४ |

मार्गशीर्ष १ गते शनिवार वृश्चिकलग्नको आरम्भ भोलिपल्टको (मार्गशीर्ष २ गतेको) सूर्योदय पूर्व ६:२६ बजे दोस्रो पटक पनि हुन्छ ।

नोटः रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, ... १२ बजे, दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १३, १४, ... २३ बजे र रात्री १२ बजेलाई ० बजेले सकेत गरिएको छ ।

| सूर्यः फलम् | रा. | चन्द्रः फलम् |
|---|---|---|
| ८ कष्टम् | मे. | १ अन्नलाभः |
| ७ गमनम | वृ. | १२ व्ययः |
| ६ शत्रुनाशः | मि. | ११ लाभः |
| ५ दैन्यम् | क. | १० सुखम् |
| ४ माननाशः | सिं. | ९ नृपसुखम् |
| ३ श्रीप्राप्तिः | कं. | ८ कष्टम् |
| २ भयम् | तु. | ७ स्त्रीसुखम् |
| १ स्थाननाशः | वृ. | ६ लाभः |
| १२ व्ययः | ध. | ५ कार्यसिद्धिः |
| ११ लाभः | म. | ४ कुक्षिरुक् |
| १०कर्मप्राप्तिः | कुं. | ३ श्रीप्राप्तिः |
| ९ कान्तिक्षयः | मी. | २ धनलाभः |

**नक्षत्रःफलम्**

अ. भ. कृ. ..... **गमनम्**
रो.मृ.आ.पु.ति.श्ले **सुखम्**
म. पू. उ. ..... **पीडा**
ह.चि.स्वा.वि.अनु.ज्ये **वस्त्रम्**
मू. पू. उ. ..... **हानिः**
श्र.ध.श.पू.उ.रे. **धनम्**

*संक्रान्तिःफलम्* **वृश्चिक (मार्गशीर्ष)** श्री संवत् २०७० शाके १९३५ पराभवनामक संवत्सरे, श्री सूर्यदक्षिणायने, हेमन्ततौ कार्तिकशुक्ल पूर्णिमायांतिथौ, भरुणिनक्षत्रे, वरियान्योगे, भद्राकरणे, शनिवासरे, श्री सूर्योदयाद्गत घटिकासु ४२ पलासु १ श्री सूर्यस्तुलातोवृश्चिकराशिं प्रविष्टस्तदा शरदृतुः कार्तिकोगतो हेमन्तर्तुमार्गशीर्षमासः प्राप्तः ॥ वारतो राक्षसी अन्त्यजसुखा, नक्षत्रतो घोरा शूद्रसुखा, कालतोराक्षसघ्नी, विष्णुपदी नाम्नी वृश्चिक (मार्गशीर्ष) संक्रान्तिश्चः प्राप्ता ॥ इयं अश्वारुढा, सिंहोपवाहना, कृष्णवस्त्रा, कुन्तायुधा, काश्यपात्रहस्ता, चित्रान्नाशनौतुमदलेपा, ब्राम्हणजातिः, दूर्वापुष्पा, निविष्ठा, भुक्तावस्था, गुञ्जाभरणा, वृद्धेशानमुखा, मुहूर्त्ताः १५ धान्यार्घवृष्टिष्वनिष्ट फलदा, मासदेवता केशवो, मासदेवी विशालाक्षी, मासार्को मित्रो, वृश्चिके सूर्यो, मेषे चन्द्रो, मिथुने देवगुरुः ॥ तिथिवारञ्चेतिपठेत् ॥

*मासिक(भविष्य)फल* **वृश्चिक (मार्गशीर्ष)** यसमासका ग्रहस्थितिसाधारणतया मध्यम जस्ता छन्। सोमवासरीय अमायोगले वर्षेवाली सन्तोषजनक हुने, कृषकवर्ग आनन्दित रहने, जनतामा सुभिक्ष, क्षेमकल्याण, दुःख निवृत्ति आरोग्यप्रद स्थितिको सिर्जना, आर्थिक क्षेत्रमा केही उतार-चढाव हुनेछ। मुद्राविनिमयमा पनि उतार-चढाव आउने, रुई, सूतिकपडा, चामल, खुर्सानी, ल्वांङ, चाँदी, काष्ठोपकरण, जौ चना, मकै आदि वस्तुमा तेजी रहनेछ। सुन, चाँदी, माणिक्यादि धातु मासारम्भमा महँगा भएर अन्त्यभागमा केही सस्ता हुनेछन्। पशुचौपायमा केही रोग व्याधीको भय, मूल्यमा सामान्य गिरावट, फलफूल, सागसब्जीमा न्यूनता, अधिकारीहरूको आपसी तालमेलको अभावलेगर्दा विकासनिर्माणमा विरोध र अवरोधको वातावरण श्रृजित होला। मार्गावरोध, विशेष गरेर उत्तरी भेगमा हिमपात तुषाराच्छन्न रहने, मासको आदि र अन्त्यमा बादल दर्शनको संभावना रहनेछ।

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५ ने. सं.११३४ **मार्गशीर्षकृष्णपक्षः** (कछलागा) पाः ३.अश्ले.पू.फा.उ.फा.,स्वा.,वि.,अनु. (नव.११/दिस.१२ सन् २०१३ ) **दक्षिणायनं, हेमन्तर्तुः, पराभवनामकः संवत्सरः**

| | ग. | बा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ३ | सो. | १ | ३६।० | २०:५२ | कृ | १७।५ | १३:१८ | प | २४।४७ | १६:२३ | बा | ४।३४ | ८:१८ | स्थिर | वृष | २६।४२ | ६:२८ | १७:९ | 18 | त्रिजटार्घ्यदानं, स्थानकोटे महालक्ष्मीयात्रा, |
| | ४ | मं. | २ | ३९।४१ | २२:२१ | रो | २१।४४ | १५:१० | शि | २४।३६ | १६:१९ | तै | ७।४२ | ९:३३ | मातङ्ग | ५४।२६-४:१५ | २६।३९ | ६:२९ | १७:८ | 19 | द्विपु. २१।४४उ. ३९।४१या., |
| | ५ | बु. | ३ | ४४।१६ | ०:१२ | मृ | २७।१८ | १७:२५ | सि | २५।९ | १६:३३ | व | ११।५२ | ११:१४ | अमृत | मिथुन | २६।३६ | ६:३० | १७:८ | 20 | भ.११।५२उ. ४४।१६या., |
| प्र | ६ | बृ. | ४ | ४९।२७ | २:१७ | आ | ३३।३२ | १९:५५ | सा | २६।१४ | १७:० | ब | १६।४७ | १३:१३ | काण | मिथुन | २६।३३ | ६:३० | १७:८ | 21 | ❶खोटाङ्गे-हलेसी महादेवमेला, (दिसम्बर१२ता. ३१), |
| | ७ | शु. | ५ | ५४।५० | ४:२७ | पु | ४०।३ | २२:३२ | शु | २७।३४ | १७:३३ | कौ | २२।८ | १५:२२ | लुम्ब | २३।२५-१५:५३ | २६।३१ | ६:३१ | १७:७ | 22 | धनुषिसायनार्क:१४।२६, |
| | ८ | श. | ६ | ५९।५८ | ६:३१ | ति | ४६।२५ | १:६ | शु | २८।५० | १८:४ | ग | २७।२७ | १७:३१ | मित्र | कर्कट | २६।२८ | ६:३२ | १७:७ | 23 | भ.५९।५८उ., |
| प्र | ९ | आ. | ७ | ६०।० | समस्त | श्ले | ५२।१३ | ३:२६ | ब्र | २९।४५ | १८:२६ | भ | ३२।१७ | १९:२७ | वज्र | ५२।१३-३:२६ | २६।२६ | ६:३३ | १७:७ | 24 | भ.३२।१७ या., रविसप्तमी व्रतम्, |
| | १० | सो. | ७ | ४।२४ | ८:१९ | म | ५७।१० | ५:२६ | ऐं | ३०।३ | १८:३५ | बा | ३६।१८ | २१:५ | ध्वांक्ष | सिंह | २६।२३ | ६:३३ | १७:७ | 25 | **अष्टमीव्रतं**, सायंकाले श्रीभैरवोत्पत्तिः, गोरखकालीपूजा, |
| | ११ | मं. | ८ | ७।५५ | ९:४४ | पू | ६०।० | समस्त | वै | २९।३३ | १८:२४ | तै | ३९।१५ | २२:१६ | धूम्र | सिंह | २६।२१ | ६:३४ | १७:७ | 26 | भौमाष्टमी, |
| | १२ | बु. | ९ | १०।१६ | १०:४१ | पू | १।० | ६:५९ | वि | २८।९ | १७:५१ | व | ४०।५९ | २२:५९ | स्थिर | १६।४७-१३:१८ | २६।१९ | ६:३५ | १७:७ | 27 | भ.४०।५९उ., |
| | १३ | बृ. | १० | ११।२१ | ११:८ | उ | ३।३९ | ८:३ | प्री | २५।४५ | १६:५४ | ब | ४१।२५ | २३:१० | मातङ्ग | कन्या | २६।१६ | ६:३६ | १७:६ | 28 | भ.११।२१या., श्रीगुह्येश्वरीयात्रा, |
| | १४ | शु. | ११ | ११।८ | ११:४ | ह | ५।२ | ८:३८ | आ | २२।२१ | १५:३३ | कौ | ४०।३४ | २२:५० | अमृत | ३५।१८-२०:४४ | २६।१४ | ६:३७ | १७:६ | 29 | **उत्पतिका एकादशी व्रतम्**, |
| प्र | १५ | श. | १२ | ९।४१ | १०:३० | चि | ५।१३ | ८:४३ | सौ | १८।० | १३:४९ | ग | ३८।३२ | २२:२ | काण | तुला | २६।१२ | ६:३७ | १७:६ | 30 | **शनिप्रदोषव्रतं**, द्विपुष्कर:५।१३या., ❶हलोबार्ने, |
| | १६ | आ. | १३ | ७।५ | ९:२८ | स्वा | ४।१७ | ८:२१ | शो | १२।४६ | ११:४५ | भ | ३५।२५ | २०:४८ | लुम्ब | ४७।५७-१:४९ | २६।१० | ६:३८ | १७:६ | 1 | भ.७।५उ. ३५।२५या., (बाला च:ह्वेपूजा), ❶ |
| | १७ | सो. | १४ | ३।२९/५९।४ | ८:३/६।१७ | वि | २।२१/५९।३८ | ७:३६/६:३० | अ | ६।४५ | ९:२१ | च | ३१।२२ | १९:१२ | मित्र | वृश्चिक | २६।८ | ६:३९ | १७:६ | 2 | बालाचतुर्दशी,**शतबीजारोपणं,दर्शश्राद्धं**,निशी तथा❶ |

**ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः** मं.मा.उ., बु.मा.अ.प., बृ.व.उ., शु.मा.उ.प., श.मा.६ उ.

**पापांशाः** शनि:१, राहु१० केतु:४, ४रवि:५ ७भौम:९, ८रवि:६, ११रवि:७, १३भौम:१० १४रवि:८

यसमासमा दहीमिश्रित नवान्नप्राशन (न्वागी) खाने, नूनदान तथा शिव पूजनको माहात्म्य छ। बालाचतुर्दशीमा मृगस्थलीमा शतबीजरोपण, पशुपति ,गुह्येश्वरी तथा वासुकि नागराजको पूजाको विधान छ । यस पक्षको प्रतिपदामा त्रिजटालाई अर्घ्यदिएपछि मात्र कार्तिकस्नान तथा व्रतपूर्त्ति हुन्छ । मन्त्र- रामाय वरदे देवि सीतायै प्रियवादिनि । गृहाणार्घ्यं मया दत्तं त्रिजटायै नमो नमः ।

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

**४ गते** अनुराधायां१सूर्य:५९।३१=६:१७
**६ गते** पूर्वोदितः शनिः ४७।४०=१:३४
**७ गते** उफायां१भौम:२७।१५=१७:२५
**८ गते** अनुभे२सूर्य:१६।४१=१३:१२
**९ गते** विशाखायांबुध:६।४०=९:१३

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

**११ गते** अनुराधायां३सूर्य:३३।३६=२०:१
**१३ गते** उ.२कन्यायांभौम:४१।५१ =२३:२०
**१४ गते** अनुभे४सूर्य:५०।१७=२:४३
**१४ गते** पुनःपुनर्वसौ२गुरु:४४।०=०:१३
**१६ गते** वि.४वृश्चिकेबुध:६।३४=९:१६

| ३३ | मार्गशीर्ष ८ शनौ ५२।० | |
|---|---|---|
| र. | ७।७।१५।५० | ६०।५६ |
| भौ. | ४।२७।२५।३९ | ३२।१ |
| बु. | ६।१९।४०।४७ | ७८।४४ |
| गु. | २।२७।३।४९ | ३।१८ |
| शु. | ८।१९।५३।४५ | ३९।२० |
| श. | ६।२१।३१।१९ | ७।१३ |
| रा. | ६।११।३३।२ | ३।११ |

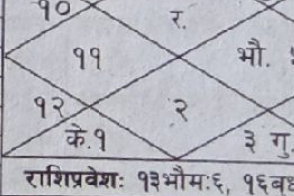


**राशिप्रवेशः** १३भौम:६, १६बुध:८,

| ३४ | मार्गशीर्ष १५ शनौ ५१।४६ | |
|---|---|---|
| र. | ७।१४।२२।३५ | ६१।६ |
| भौ. | ५।१।८।१७ | ३१।७ |
| बु. | ६।२९।३७।२४ | ९२।२३ |
| गु. | २।२६।३४।४२ | ४।३४ |
| शु. | ८।२३।५५।३७ | ३०।४ |
| श. | ६।२२।२०।० | ७।२ |
| रा. | ६।११।१०।४७ | ३।११ |

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६:१८ | ८:४० | १०:४४ | १२:२७ | १३:५५ | १५:२१ | १६:५७ | १८:५३ | २१:८ | २३:२८ | १:४४ | ३:५९ |
| ६:१४ | ८:३६ | १०:४० | १२:२३ | १३:५१ | १५:१७ | १६:५३ | १८:५० | २१:४ | २३:२४ | १:४० | ३:५५ |
| ६:१० | ८:३२ | १०:३६ | १२:१९ | १३:४८ | १५:१३ | १६:५० | १८:४६ | २१:० | २३:२० | १:३६ | ३:५१ |
| ६:६ | ८:२८ | १०:३२ | १२:१५ | १३:४४ | १५:१० | १६:४६ | १८:४२ | २०:५६ | २३:१६ | १:३२ | ३:४८ |
| ६:२ | ८:२४ | १०:२८ | १२:११ | १३:४० | १५:६ | १६:४२ | १८:३८ | २०:५२ | २३:१२ | १:२८ | ३:४४ |
| ५:५८ | ८:२० | १०:२४ | १२:७ | १३:३६ | १५:२ | १६:३८ | १८:३४ | २०:४८ | २३:८ | १:२४ | ३:४० |
| ५:५४ | ८:१६ | १०:२० | १२:३ | १३:३२ | १४:५८ | १६:३४ | १८:३० | २०:४४ | २३:४ | १:२० | ३:३६ |
| ५:५० | ८:१२ | १०:१६ | ११:५९ | १३:२८ | १४:५४ | १६:३० | १८:२६ | २०:४० | २३:० | १:१७ | ३:३२ |
| ५:४६ | ८:८ | १०:१२ | ११:५५ | १३:२४ | १४:५० | १६:२६ | १८:२२ | २०:३७ | २२:५६ | १:१३ | ३:२८ |
| ५:४२ | ८:४ | १०:८ | ११:५२ | १३:२० | १४:४६ | १६:२२ | १८:१८ | २०:३३ | २२:५२ | १:९ | ३:२४ |
| ५:३९ | ८:० | १०:५ | ११:४८ | १३:१६ | १४:४२ | १६:१८ | १८:१४ | २०:२९ | २२:४८ | १:५ | ३:२० |
| ५:३५ | ७:५६ | १०:१ | ११:४४ | १३:१२ | १४:३८ | १६:१४ | १८:१० | २०:२५ | २२:४४ | १:१ | ३:१६ |
| ५:३१ | ७:५३ | ९:५७ | ११:४० | १३:८ | १४:३४ | १६:१० | १८:६ | २०:२१ | २२:४० | ०:५७ | ३:१२ |
| ५:२७ | ७:४९ | ९:५३ | ११:३६ | १३:४ | १४:३० | १६:६ | १८:२ | २०:१७ | २२:३७ | ०:५३ | ३:८ |
| ५:२३ | ७:४५ | ९:४९ | ११:३२ | १३:० | १४:२६ | १६:२ | १७:५८ | २०:१३ | २२:३३ | ०:४९ | ३:४ |

## श्री संवत् २०७० मागशीर्षकृष्णपक्ष

| गते | वार | रवि |
|---|---|---|
| ३ | सोम | ७।१।१८।५८ |
| ४ | मंगल | ७।२।१९।४४ |
| ५ | बुध | ७।३।२०।३२ |
| ६ | गुरु | ७।४।२१।२१ |
| ७ | शुक्र | ७।५।२२।१२ |
| ८ | शनि | ७।६।२३।५ |
| ९ | आइत | ७।७।२३।५९ |
| १० | सोम | ७।८।२४।५५ |
| ११ | मंगल | ७।९।२५।५२ |
| १२ | बुध | ७।१०।२६।५१ |
| १३ | गुरु | ७।११।२७।५१ |
| १४ | शुक्र | ७।१२।२८।५२ |
| १५ | शनि | ७।१३।२९।५५ |
| १६ | आइत | ७।१४।३०।५९ |
| १७ | सोम | ७।१५।३२।४ |

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

| चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|
| १।६।२६।२० | ४।२४।१४।३७ | ६।१२।४९।३७ | २।२७।२१।५ | ८।१५।४५।६ | ६।२०।४९।४७ | ६।११।५१।४१ |
| १।८।५२।४१ | ४।२४।४७।२७ | ६।१३।५२।१३ | २।२७।१८।३७ | ८।१६।२९।५९ | ६।२०।५६।५४ | ६।११।४८।३० |
| १।१८।१७ | ४।२५।२०।१० | ६।१४।५८।११ | २।२७।१५।५७ | ८।१७।१३।५४ | ६।२१।४।० | ६।११।४५।२० |
| २।१३।१५।५२ | ४।२५।५२।४७ | ६।१६।७।१६ | २।२७।१३।६ | ८।१७।५६।४८ | ६।२१।११।५ | ६।११।४२।९ |
| २।२५।१८।३९ | ४।२६।२५।१७ | ६।१७।१९।१६ | २।२७।१०।२ | ८।१८।३८।३९ | ६।२१।१८।१० | ६।११।३८।५८ |
| ३।७।२०।१८ | ४।२६।५७।४१ | ६।१८।३३।६० | २।२७।६।४७ | ८।१९।१९।२३ | ६।२१।२५।१३ | ६।११।३५।४७ |
| ३।१९।२४।४७ | ४।२७।२९।५७ | ६।१९।५१।१६ | २।२७।३।२० | ८।१९।५८।५८ | ६।२१।३२।१५ | ६।११।३२।३६ |
| ४।१।३५।३२ | ४।२८।२।७ | ६।२१।१०।५४ | २।२६।५९।४२ | ८।२०।३७।२२ | ६।२१।३९।१७ | ६।११।२९।२६ |
| ४।१३।५५।३३ | ४।२८।३४।१० | ६।२२।३२।४४ | २।२६।५५।५३ | ८।२१।१४।३० | ६।२१।४६।१७ | ६।११।२६।१५ |
| ४।२६।२७।२५ | ४।२९।६।५ | ६।२३।५६।३८ | २।२६।५१।५३ | ८।२१।५०।२१ | ६।२१।५३।१५ | ६।११।२३।४ |
| ५।९।१३।३ | ४।२९।३७।५४ | ६।२५।२२।२५ | २।२६।४७।४१ | ८।२२।२४।५१ | ६।२२।०।१३ | ६।११।१९।५३ |
| ५।२।२१३।४४ | ५।०९।३५ | ६।२६।४९।६० | २।२६।४३।१९ | ८।२२।५७।५६ | ६।२२।७।९ | ६।११।१६।४२ |
| ५।२।२९।५९ | ५।०।४१।१० | ६।२८।१९।१३ | २।२६।३८।४६ | ८।२३।२९।३४ | ६।२२।१४।४ | ६।११।१३।३१ |
| ६।१९।१।३१ | ५।१।१२।३७ | ६।२९।४९।५९ | २।२६।३४।३ | ८।२३।५९।४० | ६।२२।२०।५७ | ६।११।१०।२१ |
| ६।१९।५९।१९ | ५।१।४३।५६ | ७।१।२२।१० | २।२६।२९।९ | ८।२४।२८।११ | ६।२२।२७।४८ | ६।११।७।१० |

नोटः रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, ... १२ बजे, दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १३, १४, ... २३ बजे र रात्री १२ बजेलाई ० बजेले संकेत गरिएको छ ।

**अयान्नप्राशनमुहूर्तः**– पुत्रको ६ वा ८, कन्याको ५ वा ७ महिनामा दुवैपक्षको २।३।५।७।१०।१३ तिथि, सोम.बुध.गुरु.शुक्रवार, अश्वि.रो.मृ.पु.ति.३उत्तरा.ह.चि.स्वा.अनु.अभि.श्र.ध.श.रे.यी १७ नक्षत्रमा, जन्मर्क्ष लग्नदेखि अष्टम लग्न उसका नवमांशक १।८।१२ लग्नछाडी, केन्द्र त्रिकोणमा शुभग्रह ३।६।११ मा पापग्रह भै दशम स्थान शुद्धगरी शुभवेलामा अन्नप्राशन गराउनु ।

**कर्णवेधमुहूर्तः**– चैत्र,पौष, तिथिक्षय, चातुर्मास, जन्ममहिना रिक्तातिथि, समवर्ष, जन्मतारा छाडी ६।७।८ महिनामा वा जन्मदेखि १२।१६ दिनमा, सोम.बुध.गुरु.शुक्रबार, विषमवर्ष, अ.मृ.पु.ति.ह.चि.अनु.अभि.रे.नक्षत्रमा, केन्द्रत्रिकोणमा शुभग्रह, ३।६।११ मा पापग्रह भई गुरु शुक्रका लग्नमा अष्टमस्थान शुद्ध गरी कर्णवेध गर्नु राम्रो हुन्छ । छोराको दाहिने र छोरीको बाम कान पहिला छेडनु ।

**चूडामुहूर्तः**– गर्भाधान वा जन्मदेखि विषम ३।५।७ वर्षमा, ८।१२ रिक्ता १।६ तिथि, पर्वदीन, चैत्रमहिना, जन्मराशि या लग्नदेखि अष्टमलग्नछाडी, उत्तरायण, सोम बुध शुक्रवार, शुभलग्न शुभ अंशामा लग्नदेखि अष्टशुद्ध गरी ३।६।११मा पापग्रह भै मृ.रे.चि.स्वा.पु.श्र.ध.श.ह.अश्वि.ति.अभि.ज्ये. यी १३ नक्षत्रमा मुण्डन गर्नु ।

**अक्षरारम्भमुहूर्तः**– गणेश, विष्णु, सरस्वती,लक्ष्मीको पूजागरी ५ वर्षमा ११।१२।१०।२।५।६।३ तिथि, उत्तरायण, ह.अश्वि.ति.अभि.श्र.स्वा. रे.पुन.श्ले.चि.अनु.नक्षत्रमा, सोम बुध गुरु शुक्रवारमा चरलग्न छाडी शुभलग्न शुभांशकमा अक्षरारम्भ गरँउनु शुभ हुन्छ । श्रीपञ्चमीमा भने केही विचार गर्नु पर्दैन श्री गणेश र श्री सरस्वतीको भक्ति र श्रद्धा पूर्वक आराधना पूजा गरी गर्दा हुन्छ ।

**व्याकणारम्भमुहूर्तः**– अश्वि.रो.मृ.पुन.तिष्य.ह.चि.स्वा.वि.अनु.यी १० नक्षत्रमा, बुध.गुरु.शुक्रवारमा शुभ होला ।

**गणितारम्भ मुहूर्तः**– रो.मृ.ति.ह.अनु.श.पूभा.रे. यी ८ नक्षत्रमा, बुध, गुरु र शुक्रवार शुभ छ ।

**जलाशयमुहूर्तः**– रो.मृ.ति.३उत्तरा.ह.अनु.पूषा.ध.श.रे. नक्षत्रमा, बुध गुरु लग्नमा भै १० स्थानमा शुक्र र जलचर राशिका चन्द्रमा भएका बखतमा पापग्रह निर्बली भै गुरु शुक्रको उदयपारी राहुको मुखपीठमा गराइ जलाशयको आरम्भ गर्नु शुभ छ ।

**कन्यावरणमुहूर्तः**– कृ.रो.मृ.मघा.३पूर्वा.३उत्तरा.ह.स्वा.अनु.मू.श्र.ध.रे.१३ यी नक्षत्रमा र शुभवारमा शुभ छ ।

**स्वयम्वरमुहूर्तः**– कृ.रो.३पूर्वा.३उत्तरा. यी नक्षत्रमा शुभ छ ।

**प्रथमरजस्वलायां जलस्पर्शनमुहूर्तः**– अश्वि.मृ.३उत्तरा.ह.स्वा.अनु.रेयी ९ नक्षत्रमा, रवि.भौम.गुरुवारमा शुभ छ । क्रमशः

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५ ने.सं.११३४ **मार्गशीर्षशुक्लपक्षः** ( थिंल्लाथ्व) पाः ज्ये.,ध.,श.,रे.,अ.,३ (दिसम्बर १२ सन् २०१३ ) दक्षिणायनं, हेमन्तर्तुः, पराभवनामकः संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | चरा घप= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | १८ | म. | १ | ५३।५८ | ४:१५ | ज्ये | ५६।१३ | ५:९ | सु | ०।४ / ५२।५४ | ६:४३ / ३:४९ | किं | २६।३५ | १७:१८ | मुद्गर | ५६।१३-५:९ | २६।७ | ६:४० | १७:६ | 3 | अपाङ्गतादिवसः, |
| | १९ | बु. | २ | ४८।२३ | २:२ | मू | ५२।२० | ३:३७ | शु | ४५।१८ | ०:४८ | बा | २१।१३ | १५:१० | ध्वज | धनु | २६।५ | ६:४१ | १७:६ | 4 | चन्द्रोदयः ❶मानवाधिकारदिवसः, |
| | २० | बृ. | ३ | ४२।३१ | २३:४२ | पू | ४८।११ | १:५८ | गं | ३७।२८ | २१:४० | तै | १५।२८ | १२:५२ | धाता | धनु | २६।३ | ६:४१ | १७:७ | 5 | ❻(थिलापुन्हि-योमरिपुन्हि), उधौलीपूजा, ज्यापुदिवसः, |
| | २१ | शु. | ४ | ३६।३४ | २१:१९ | उ | ४३।५८ | ०:१७ | वृ | २९।३२ | १८:३१ | व | ९।३१ | १०:३० | आनन्द | २।६-७:३२ | २६।२ | ६:४२ | १७:७ | 6 | भ.९।३१उ.३६।३४या., |
| | २२ | श. | ५ | ३०।४५ | १९:१ | श्र | ३९।५५ | २२:४१ | ध्रु | २१।४२ | १५:२४ | ब | ३।३६ / ५७।५८ | ८:९ / ५:५४ | स्थिर | मकर | २६।० | ६:४३ | १७:७ | 7 | विवाहपञ्चमी, जनकपुरे श्रीसीताराम विवाहमेला, |
| प्र | २३ | आ. | ६ | २५।१६ | १६:५० | धं | ३६।१४ | २१:१३ | व्या | १४।६ | १२:२२ | ग | ५२।४४ | ३:४९ | मातङ्ग | ८।०-९:५६ | २५।५९ | ६:४३ | १७:७ | 8 | ध.पं.प्रवृत्तिः८।०, द्विपुष्करः२५।१६उ.३६।१४या., |
| | २४ | सो. | ७ | २०।१९ | १४:५२ | श | ३३।६ | १९:५९ | ह | ६।५४ | ९:३० | भ | ४८।७ | १:५९ | अमृत | कुम्भ | २५।५७ | ६:४४ | १७:७ | 9 | भ.२०।१९उ.४८।७या., ❷ध.पं.निवृत्तिः२८।४९, |
| | २५ | मं. | ८ | १६।५ | १३:११ | पू | ३०।४३ | १९:२ | व | ०।१४ / ५४।१५ | ६:५० / ४:२७ | बा | ४४।१८ | ०:२८ | काण | १६।१४-१३:१४ | २५।५६ | ६:४५ | १७:७ | 10 | भौमाष्टमीव्रतं, (बखुमद), गोरखकालीपूजा, ❶ |
| | २६ | बु. | ९ | १२।४३ | ११:५१ | उ | २९।१४ | १८:२७ | व्य | ४९।१ | २:२२ | तै | ४१।२७ | २३:२० | लुम्ब | मीन | २५।५५ | ६:४६ | १७:८ | 11 | पाङ्गा श्रीवैष्णवीदेवीयात्रा,धनगढी दुर्गाजाँत, डोटी पोखरीजाँत, |
| | २७ | बृ. | १० | १०।२५ | १०:५६ | रे | २८।४९ | १८:१८ | व | ४४।४१ | ०:३९ | व | ३९।४२ | २२:३९ | मित्र | २८।४९-१८:१८ | २५।५४ | ६:४६ | १७:८ | 12 | भ.३९।४२उ., कीर्तिपुरे श्रीइन्द्राणीयात्रा, ❷ |
| | २८ | शु. | ११ | ९।१७ | १०:३० | अ | २९।३४ | १८:३६ | प | ४१।१८ | २३:१८ | ब | ३९।१२ | २२:२८ | वज्र | मेष | २५।५३ | ६:४७ | १७:८ | 13 | भ.९।१७या., मोक्षदा एकादशी व्रतं, श्रीगीताजयन्ती, |
| प्र | २९ | श. | १२ | ९।२५ | १०:३३ | भ | ३१।३३ | १९:२५ | शि | ३८।५४ | २२:२१ | कौ | ३९।५९ | २२:४७ | ध्वांक्ष | ४७।१५-१:४२ | २५।५२ | ६:४८ | १७:९ | 14 | शनिप्रदोषव्रतम्, ❺धनुष्यर्कः१०।३१ ( पौषसंक्रान्ति), |
| | ३० | आ. | १३ | १०।५० | ११:८ | कृ | ३४।४७ | २०:४३ | सि | ३७।२९ | २१:४८ | ग | ४२।३ | २३:३७ | धूम्र | वृष | २५।५२ | ६:४८ | १७:९ | 15 | ❹दत्तात्रयजयन्ती, काशीस्थ पिशाचमोचनतीर्थश्राद्धं, ❺ |
| पौ | १ | सो. | १४ | १३।३२ | १२:१४ | रो | ३९।११ | २२:२९ | सा | ३६।५९ | २१:३७ | भ | ४५।१९ | ०:५७ | प्रवर्द्ध | वृष | २५।५१ | ६:४९ | १७:९ | 16 | भ.१३।३२उ.४५।१९या. पूर्णिमाव्रतं, कुठीधान्यलक्ष्मीपूजा, ❹ |
| | २ | मं. | १५ | १७।२१ | १३:४६ | मृ | ४४।३५ | ०:३९ | शु | ३७।१७ | २१:४४ | बा | ४९।३७ | २:४० | राक्षस | ११।४५-११:३२ | २५।५१ | ६:४९ | १७:१० | 17 | धान्यपूर्णिमा, धान्यपर्वतदानं, धनेश्वरमेला,(गैंडूपूजा) ❻ |

ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः मं.मा.उ., बु.मा.१८ ध.पू., बृ.व.उ., शु.२९ व.उ.प., श.मा.उ.

पापशाः शनि:१, राहु:१०-केतु ४, १८रवि:९, २०भौम:११, २१रवि:१०, २४रवि:११-शनि:२, २६भौम:१२, २७बृ.वि.१२, १ रवि: १,

**औषधि सेवन मन्त्रः**– अच्युतानन्दगोविन्द नामोच्चारण भेषजात् । नश्यन्ति सकला रोगाः सत्यं सत्यं वदाम्यहम् ॥ धन्वन्तरिर्वृकोदासः काशिराजश्च वीर्यवान् । नकुलः सहदेवश्च पञ्चैतेव्याधि घातकाः । शरीरञ्च नवच्छिद्रं व्याधिग्रस्तं कलेवरम् । औषधि जीन्हवीतोयं वैद्यो नारायणो हरिः ॥

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

१८ गते ज्येष्ठायां१सूर्यः६।४२=९:२०
१८ गते अनुभेबुधः१५।२९=१२:५२
१८ गते पूर्वास्तोबुधः३४।४३=२०:५३
२० गते उफायां३भौमः५।३४=८:५५
२१ गते ज्येष्ठायां२सूर्यः२२।५६=१५:५२
२२ गते उ.षा.यां शुक्रः५१।१५=३:१३
२४ गते ज्येष्ठायां३सूर्यः३८।५८=२२:१९

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

२४गते विशाखायांरशनिः४५।४५=१:२
२६ गते उफायां४भौमः४०।२१=२२:५४
२६ गते ज्येष्ठायांबुधः२२।४०=१५:५०
२७ गते ज्येष्ठायां४सूर्यः५४।५०=४:४२
२९ गते वक्रीशुक्रः ५१।४५=३:३०
१ गते मू.१धनुष्यर्कः१ ०।३१=११:१

| ३५ | मार्गशीर्ष २२ शनौ ५१।३३ | |
|---|---|---|
| र. | ७।२१।३०।२३ | ६१।१३ |
| भौ. | ५।४।४४।५० | ३०।६ |
| बु. | ७।१०।४६।७ | १००।२८ |
| गु. | २।२५।५७।१० | ५।४३ |
| शु. | ८।२६।४०।५ | १८।६ |
| श. | ६।२३।७।२३ | ६।४९ |
| रा. | ६।१०।४८।३२ | ३।११ |

ग्रहाणां राशिप्रवेशः १ रवि: ९,

| ३६ | मार्गशीर्ष २९ शनौ ५१।२१ | |
|---|---|---|
| र. | ७।२८।३९।३ | ६१।१९ |
| भौ. | ५।८।१४।२६ | २८।५६ |
| बु. | ७।२२।३७।२० | १०४।४७ |
| गु. | २।२५।१२।२४ | ६।४१ |
| शु. | ८।२७।४५।२ | ३।१९ |
| श. | ६।२३।५३।४ | ६।३१ |
| रा. | ६।१०।२६।१७ | ३।११ |

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५:१९ | ७:४१ | ९:४५ | ११:२८ | १२:५६ | १४:२२ | १५:५८ | १७:५४ | २०:९ | २२:२९ | ०:४५ | ३:० |
| ५:१५ | ७:३७ | ९:४१ | ११:२४ | १२:५२ | १४:१८ | १५:५४ | १७:५१ | २०:५ | २२:२५ | ०:४१ | २:५६ |
| ५:११ | ७:३३ | ९:३७ | ११:२० | १२:४९ | १४:१४ | १५:५१ | १७:४७ | २०:१ | २२:२१ | ०:३७ | २:५२ |
| ५:७ | ७:२९ | ९:३३ | ११:१६ | १२:४५ | १४:११ | १५:४७ | १७:४३ | १९:५७ | २२:१७ | ०:३३ | २:४९ |
| ५:३ | ७:२५ | ९:२९ | ११:१२ | १२:४१ | १४:७ | १५:४३ | १७:३९ | १९:५३ | २२:१३ | ०:२९ | २:४५ |
| ४:५९ | ७:२१ | ९:२५ | ११:८ | १२:३७ | १४:३ | १५:३९ | १७:३५ | १९:४९ | २२:९ | ०:२५ | २:४१ |
| ४:५५ | ७:१७ | ९:२१ | ११:४ | १२:३३ | १३:५९ | १५:३५ | १७:३१ | १९:४५ | २२:५ | ०:२१ | २:३७ |
| ४:५१ | ७:१३ | ९:१७ | ११:० | १२:२९ | १३:५५ | १५:३१ | १७:२७ | १९:४१ | २२:१ | ०:१८ | २:३३ |
| ४:४७ | ७:९ | ९:१३ | १०:५७ | १२:२५ | १३:५१ | १५:२७ | १७:२३ | १९:३८ | २१:५७ | ०:१४ | २:२९ |
| ४:४३ | ७:५ | ९:१० | १०:५३ | १२:२१ | १३:४७ | १५:२३ | १७:१९ | १९:३४ | २१:५३ | ०:१० | २:२५ |
| ४:४० | ७:१ | ९:६ | १०:४९ | १२:१७ | १३:४३ | १५:१९ | १७:१५ | १९:३० | २१:४९ | ०:६ | २:२१ |
| ४:३६ | ६:५८ | ९:२ | १०:४५ | १२:१३ | १३:३९ | १५:१५ | १७:११ | १९:२६ | २१:४५ | ०:२ | २:१७ |
| ४:३२ | ६:५४ | ८:५८ | १०:४१ | १२:९ | १३:३५ | १५:११ | १७:७ | १९:२२ | २१:४२ | २३:५८ | २:१३ |
| धनु | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक |
| ६:५० | ८:५४ | १०:३७ | १२:५ | १३:३१ | १५:७ | १७:३ | १९:१८ | २१:३८ | २३:५४ | २:९ | ४:२८ |
| ६:४२ | ८:५० | १०:३३ | १२:१ | १३:२७ | १५:३ | १६:५९ | १९:१४ | २१:३४ | २३:५० | २:५ | ४:२४ |

## श्री संवत् २०७० मार्गशीर्षशुक्लपक्ष

| गते | वार | रवि | चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १८ | मंगल | ७।१६।३३।११ | ७।१६।४५।४१ | ५।२।१५।८ | ७।२।५५।४० | २।२६।२४।५ | ८।२४।५५।३ | ६।२२।३४।३८ | ६।११।३।५९ |
| १९ | बुध | ७।१७।३४।१९ | ८।०।५४।१३ | ५।२।४६।१२ | ७।४।३०।२४ | २।२६।१८।५१ | ८।२५।२०।१३ | ६।२२।४१।२६ | ६।११।०।४८ |
| २० | गुरु | ७।१८।३५।२८ | ८।१५।१०।३ | ५।३।१७।८ | ७।६।६।१८ | २।२६।१३।२७ | ८।२५।४३।३७ | ६।२२।४८।१२ | ६।१०।५७।३७ |
| २१ | शुक्र | ७।१९।३६।३८ | ८।२९।२९।५३ | ५।३।४७।५७ | ७।७।४३।१७ | २।२६।७।५४ | ८।२६।५।९ | ६।२२।५४।५७ | ६।१०।५४।२७ |
| २२ | शनि | ७।२०।३७।४९ | ९।१३।४९।५५ | ५।४।१८।३७ | ७।९।२१।१५ | २।२६।२।१२ | ८।२६।२४।४८ | ६।२३।१।३९ | ६।१०।५१।१६ |
| २३ | आइत | ७।२१।३९।२ | ९।२८।६।१६ | ५।४।४९।८ | ७।११।०।९ | २।२५।५६।२० | ८।२६।४२।२७ | ६।२३।८।२० | ६।१०।४८।५ |
| २४ | सोम | ७।२२।४०।१५ | १०।१२।१५।३८ | ५।५।१९।३१ | ७।१२।३९।५२ | २।२५।५०।१९ | ८।२६।५८।४ | ६।२३।१४।५८ | ६।१०।४४।५४ |
| २५ | मंगल | ७।२३।४१।२९ | १०।२६।१५।४ | ५।५।४९।४६ | ७।१४।२०।२३ | २।२५।४४।१० | ८।२७।११।३५ | ६।२३।२१।३४ | ६।१०।४१।४३ |
| २६ | बुध | ७।२४।४२।४५ | ११।१०।२।१० | ५।६।१९।५१ | ७।१६।१।३६ | २।२५।३७।५३ | ८।२७।२२।५४ | ६।२३।२८।८ | ६।१०।३८।३३ |
| २७ | गुरु | ७।२५।४४।१ | ११।२३।३५।८ | ५।६।४९।४८ | ७।१७।४३।२८ | २।२५।३१।२७ | ८।२७।३१।५९ | ६।२३।३४।३९ | ६।१०।३५।२२ |
| २८ | शुक्र | ७।२६।४५।१८ | ०।६।५२।५१ | ५।७।१९।३५ | ७।१९।२५।५४ | २।२५।२४।५४ | ८।२७।३८।४६ | ६।२३।४१।९ | ६।१०।३२।११ |
| २९ | शनि | ७।२७।४६।३६ | ०।१९।५४।५९ | ५।७।४९।१२ | ७।२१।८।५२ | २।२५।१८।१२ | ८।२७।४३।११ | ६।२३।४७।३५ | ६।१०।२९।० |
| ३० | आइत | ७।२८।४७।५५ | १।२।४२।० | ५।८।१८।४० | ७।२२।५२।१८ | २।२५।११।२४ | ८।२७।४५।१० | ६।२३।५३।५९ | ६।१०।२५।४९ |
| १ | सोम | ७।२९।४९।१५ | १।१५।१५।४ | ५।८।४७।५९ | ७।२४।३६।९ | २।२५।४।२९ | ८।२७।४४।४२ | ६।२४।०।२१ | ६।१०।२२।३९ |
| २ | मंगल | ८।०।५०।३५ | १।२७।३६।४ | ५।९।१७।७ | ७।२६।२०।२२ | २।२४।५७।२७ | ८।२७।४१।४४ | ६।२४।६।४० | ६।१०।१९।२८ |

पौष १ गते सोमवार धनुलग्नको आरम्भ भोलिपल्टको (पौष २ गतेको) सूर्योदय पूर्व ६:४६ बजे दोस्रो पटक पनि हुन्छ ।

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

| सूर्यः फलम् | रा. | चन्द्रः फलम् |
|---|---|---|
| ९ कान्तिक्षयः | मे. | २ धनलाभः |
| ८ कष्टम् | वृ. | १ अन्नलाभः |
| ७ गमनम | मि. | १२ व्ययः |
| ६ शत्रुनाशः | क. | ११ लाभः |
| ५ दैन्यम् | सिं. | १० सुखम् |
| ४ माननाशः | कं. | ९ नृपसुखम् |
| ३ श्रीप्राप्तिः | तु. | ८ कष्टम् |
| २ भयम् | वृ. | ७ स्त्रीसुखम् |
| १ स्थाननाशः | ध. | ६ लाभः |
| १२ व्ययः | म. | ५ कार्यसिद्धिः |
| ११ लाभः | कुं. | ४ कुक्षिरुक् |
| १०कर्मप्राप्तिः | मी. | ३ श्रीप्राप्तिः |

### नक्षत्रःफलम्

कृ. रो. मृ. ..... **गमनम्**
आ.पु.ति.श्ले.म.पू **सुखम्**
उ. ह. चि. ..... **पीडा**
स्वा.वि.ऽनु.ज्ये.मू.पू. **वस्त्रम्**
उ. श्र. ध. ..... **हानिः**
श.पू.उ.रे.अ.भ. **धनम्**

*संक्रान्तिःफलम्* **धनु (पौष)** श्री संवत् २०७० शाके १९३५ पराभवनामकसंवत्सरे, श्री सूर्यदक्षिणायने, हेमन्ततौ, मार्गशीर्षशुक्ल चतुर्दश्यांतिथौ, रोहिणीनक्षत्रे, साध्ययोगे, वणिजकरणे, सोमवासरे, श्री सूर्योदयाद्गत घटिकासु १० पलासु ३१ श्री सूर्यो वृश्चिकाद्धनुषिं प्रविष्टस्तदा मार्गशीर्षो गतः पौषमासः प्राप्तः ॥ वारतो ध्वाँक्षी वैश्यसुखा, नक्षत्रतो मन्दा विप्रसुखा, कालतो विप्रघ्नी, षड्शीतिमुखन्नाम्नी धनु (पौष) संक्रान्तिश्च प्राप्ता ॥ **इयं** महिषारुढा, करभोपवाहना, श्यामवस्त्रा, तोमरायुधा, त्रपुपात्रहस्ता, दध्यशना, यावकलेपा, मृगजातिरर्कपुष्पा, निविष्ठा, ज्वरावस्था, मण्या भरणा, प्रगल्भाऽऽग्नेयमुखा, मुहूर्त्ताः४५ धान्यार्घ वृष्टिषु श्रेष्ठफलदाः मासदेवता नारायणो, मासदेवी लक्ष्मी, मासार्कोविष्णुः, धनुषि सूर्यो वृषे चन्द्रो, मिथुने देवगुरुः ॥ तिथिवारं च नक्षत्रंयोगः करणमेव च ॥ पञ्चाङ्गस्य फलं श्रुत्वा गंगास्नान फलं लभेत् ॥

*मासिक(भविष्य)फल* **धनु (पौष)** मासको जागतिक परिस्थिति सामान्य रहनेछ। बुधवासरीय अमायोगले खेतीपाती सागसब्जीमा तुषारापातद्वारा हानी नोक्सानी, खाद्यान्नको कमी, दुर्भिक्षको आशंका, शीतज्वर, शीतलहरी संक्रामक रोगव्याधीको संभावना, चोरी, अत्याचार, हत्या अपहरण आदि घटनाले जनता त्रसित रहने, जनधनको हानि संभव । मूलका सूर्यले सून, चाँदी मणिमाणिक्य, रुई, सूतीवस्त्र आदि महँगा हुनसक्ने छन् । मुद्राविनिमयमा घटाबढीले वैदेशिक व्यापारमा निकै असर पुग्ला । दैनिककार्यमा अस्थिरता, शीर्षस्थ नेतामा असहमति, जनतामा क्लेश वृद्धि, उपघात र स्वल्प अन्नोत्पति । सागसब्जी तरकारीमा तुषारोले क्षति पुऱ्याउला। हस्ता र स्वाति नक्षत्रमा पापग्रहकोवेधले तोरीकोतेल, खुर्सानी, हींग, रक्तपदार्थ आदिमा महँगीको सम्भावना, अन्य सामान्य । शीताधिक्य रहे पनि ३, ६, १०, १२ गते र मासको अन्त्यमा मन्दझरी वा मेघ बादल दर्शनको योग छ ।

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५ ने.सं.११३४ **पौषकृष्णपक्षः** (थिंलागा) पाः पुन.,पू.फा.,ह.,स्वा.,वि.,पू.षा. (दिस.१२ सन् १३/ जन.१ सन् १४) **दक्षिणायनं, हेमन्तर्तुः, पराभवनामकःसंवत्सरः**

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | न.रा. ध.प. = बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ३ | बु. | १ | २२।४ | १५:३९ | आ | ५०।४२ | ३:७ | शु | ३८।१० | २२:६ | तै | ५४।४० | ४:४२ | मुशल | मिथुन | २५।५० | ६:५० | १७:१० | 18 | कोकाकौशीकीसंगममेला, |
| | ४ | वृ. | २ | २७।२० | १७:४७ | पु | ५७।१२ | ५:४३ | ब्र | ३९।२५ | २२:३७ | व | ६०।० | ६:५१ | सिद्धि | ४०।३३-२३:४ | २५।५० | ६:५१ | १७:११ | 19 | |
| प्र | ५ | शु. | ३ | ३२।४७ | १९:५८ | ति | ६०।० | समस्त | ऐं | ४०।४३ | २३:८ | व | ०।४ | ६:५३ | उत्पात | कर्कट | २५।५० | ६:५१ | १७:११ | 20 | भ.०।४उ.३२।४७या., |
| | ६ | श. | ४ | ३७।५५ | २२:२ | ति | ३।३७ | ८:१९ | वै | ४१।४५ | २३:३४ | ब | ५।२४ | ९:२ | मित्र | कर्कट | २५।५० | ६:५२ | १७:१२ | 21 | मकरेसायनार्कः३९।४८, |
| | ७ | आ. | ५ | ४२।२३ | २३:४९ | श्ले | ९।३६ | १०:४३ | वि | ४२।१५ | २३:४६ | कौ | १०।१५ | १०:५८ | वज्र | ९।३६-१०:४३ | २५।५० | ६:५२ | १७:१२ | 22 | ❶(जनवरी१ ता.३१ सन्२०१४ प्रारम्भ) |
| | ८ | सो. | ६ | ४५।५१ | १:१३ | म | १४।४७ | १२:४७ | प्री | ४२।२ | २३:४२ | ग | १४।१५ | १२:३५ | ध्वांक्ष | सिंह | २५।५० | ६:५३ | १७:१३ | 23 | भ.४५।५१उ., |
| प्र | ९ | मं. | ७ | ४८।९ | २:९ | पू | १८।५५ | १४:२७ | आ | ४८।५५ | २३:१५ | भ | १७।९ | १३:४५ | धूम्र | ३४।४६-२०:४८ | २५।५० | ६:५३ | १७:१३ | 24 | भ.१७।९या., त्रिपुष्करः१८।५५उ.४८।९या., |
| | १० | बु. | ८ | ४९।१० | २:३४ | उ | २१।५२ | १५:३८ | सौ | ३८।५१ | २२:२६ | बा | १८।४९ | १४:२५ | प्रवर्द्ध | कन्या | २५।५० | ६:५४ | १७:१४ | 25 | **बुधाष्टमीव्रतं**, गोरखकालीपूजा, क्रिसमस डे, |
| | ११ | वृ. | ९ | ४८।५४ | २:२८ | ह | २३।३४ | १६:२० | शो | ३५।४७ | २१:१३ | तै | १९।११ | १४:३५ | राक्षस | ५३।५७-४:२९ | २५।५० | ६:५४ | १७:१४ | 26 | ❶गया-विष्णुपादुका-गोकर्ण-वैत्रावती-वराहादिक्षेत्रेश्राद्धं❶ |
| | १२ | शु. | १० | ४७।२३ | १:५२ | चि | २४।२ | १६:३१ | अ | ३१।४४ | १९:३६ | व | १८।१७ | १४:१३ | मुशल | तुला | २५।५१ | ६:५५ | १७:१५ | 27 | भ.१८।१७उ.४७।२३या., (दिसिपूजा), |
| | १३ | श. | ११ | ४४।४४ | ०:४९ | स्वा | २३।२१ | १६:१५ | सु | २६।४७ | १७:३८ | ब | १६।११ | १३:२३ | सिद्धि | तुला | २५।५१ | ६:५५ | १७:१६ | 28 | **सफला एकादशी व्रतं**, त्रिपुष्करः४४।४४उ., |
| प्र | १४ | आ. | १२ | ४१।६ | २३:२२ | वि | २१।३९ | १५:३५ | धृ | २१।१ | १५:२० | कौ | १३।१ | १२:८ | उत्पात | ७।१०-९:४७ | २५।५२ | ६:५५ | १७:१६ | 29 | त्रिपुष्करः२१।३९या., |
| | १५ | सो. | १३ | ३६।३८ | २१:३५ | अ | १९।५ | १५:३४ | शू | १४।३३ | १२:४५ | ग | ८।५७ | १०:३० | मानस | वृश्चिक | २५।५३ | ६:५६ | १७:१७ | 30 | भ.३६।३८उ., **प्रदोषव्रतं**, **तमुल्होछार**, |
| | १६ | मं. | १४ | ३१।३१ | १९:३२ | ज्ये | १५।५० | १३:१६ | गं | ७।३० | ९:५६ | भ | ४।८ / ५८।४७ | ८:३५ / ६:२७ | मुद्गर | १५।५०-१३:१६ | २५।५४ | ६:५६ | १७:१८ | 31 | भ.४।८या., (दिशी च:ह्रेपूजा), |
| | १७ | बु. | ३० | २५।५६ | १७:१९ | मू | १२।३ | ११:४६ | वृ | ०।१ / ५२।१६ | ६:५७ / ३:५१ | किं | ५३।३ | ४:९ | ध्वज | धनु | २५।५५ | ६:५६ | १७:१८ | 1 | **दर्शश्राद्धं**, निशी एवं हलोबार्ने, मौनी पौषी अमावास्या❶ |

ग्रहाणां वक्रमार्गीयास्तः मं.मा.उ., बु.मा.अ.पू., वृ.व.उ., शु.व.उ.प., श.मा.उ.

पापांशाः शनि२, राहु१०-केतु४, ३भौम१, ४रवि२ ७रवि३, ८राहु२-केतु३, १०रवि ४-भौम२, १४रवि५, १७ रवि ६


**पार्टी टाउन रेष्टुरेन्ट एण्ड चिल्ड्रेन पार्क, मिलनचोक बुटवल-११**

विवाह, व्रतबन्ध,गोष्ठी, पारिवारिक जमघट आदि समारोहका लागि चाहिने सम्पूर्ण सेवाहरूका निम्ति पर्याप्त पार्किङ्गसुविधा, उचित व्यवस्थापनसहित हामी सदैव तत्पर छौं एकपटक सेवाको मौका अवश्य दिनुहोस् ।

सम्पर्क – ०७१-५४८३२०, ९८५७०२९१९१


**ग्रह संचार समय घड़ि पला र बजेदेखि**

३ गते हस्तर्क्षे१भौमः२८।५९=१८:२६
४ गते मूलभे२सूर्यः२६।७=१७:१७
४ गते मू.१ धनुषिबुधः५।५६=९:१३
७ गते मूलभे३सूर्यः४१।३६=२३:३१
७ गते पुनः पू.षा.यांशुक्रः२९।७=१८:३१
८ गते स्वात्यां१राहुः
अश्विन्यांश्केतुः७।१२=९:४६

**ग्रह संचार समय घड़ि पला र बजेदेखि**

१० गते मूलभे४सूर्यः५७।०=५:४२
१० गते हस्तर्क्षे२भौमः३५।३६=२१:८
११ गते पू.षा.यांबुधः४३।४=०:८
१४ गते पू.षा.यां१सूर्यः१२।१९=११:५१
१४ गते पुनःपुनर्वसौ१गुरुः४६।४६=१:३८
१७ गते पू.षा.यां२सूर्यः२७।३८=१७:५९

| ३७ | पौष ६ शनौ ५१।११ | |
|---|---|---|
| र. | ८।५।४८।२४ | ६१।२४ |
| भौ. | ५।११।३५।५९ | २७।३५ |
| बु. | ८।४।४९।२२ | १०६।१३ |
| गु. | २।२४।२१।५३ | ७।२४ |
| शु. | ८।२६।५१।२ | १३।०० |
| श. | ६।२४।३६।३८ | ६।१० |
| रा. | ६।१०।४।२ | ३।११ |

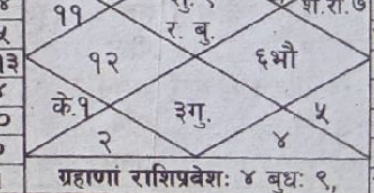


ग्रहाणां राशिप्रवेशः ४ बुधः ९,

| ३८ | पौष १३ शनौ ५१।३ | |
|---|---|---|
| र. | ८।१२।५८।१२ | ६१।२६ |
| भौ. | ५।१४।४८।१४ | २६।१ |
| बु. | ८।१७।२।१६ | १०४।५१ |
| गु. | २।२३।२७।२५ | ७।५३ |
| शु. | ८।२३।५७।८ | २६।५५ |
| श. | ६।२५।१७।४१ | ५।४६ |
| रा. | ६।९।४१।४७ | ३।११ |

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| धनु | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६:३८ | ८:४६ | १०:२९ | ११:५७ | १३:२३ | १४:५९ | १६:५५ | १९:१० | २१:३० | २३:४६ | २:१ | ४:२० |
| ६:३४ | ८:४२ | १०:२५ | ११:५३ | १३:१९ | १४:५५ | १६:५२ | १९:६ | २१:२६ | २३:४२ | १:५७ | ४:१६ |
| ६:३० | ८:३८ | १०:२१ | ११:५० | १३:१५ | १४:५२ | १६:४८ | १९:२ | २१:२२ | २३:३८ | १:५४ | ४:१२ |
| ६:२६ | ८:३४ | १०:१७ | ११:४६ | १३:१२ | १४:४८ | १६:४४ | १८:५८ | २१:१८ | २३:३४ | १:५० | ४:८ |
| ६:२२ | ८:३० | १०:१३ | ११:४२ | १३:८ | १४:४४ | १६:४० | १८:५४ | २१:१४ | २३:३० | १:४६ | ४:४ |
| ६:१८ | ८:२६ | १०:९ | ११:३८ | १३:४ | १४:४० | १६:३६ | १८:५० | २१:१० | २३:२६ | १:४२ | ४:० |
| ६:१४ | ८:२२ | १०:५ | ११:३४ | १३:० | १४:३६ | १६:३२ | १८:४६ | २१:६ | २३:२३ | १:३८ | ३:५६ |
| ६:१० | ८:१८ | १०:१ | ११:३० | १२:५६ | १४:३२ | १६:२८ | १८:४२ | २१:२ | २३:१९ | १:३४ | ३:५२ |
| ६:६ | ८:१४ | ९:५८ | ११:२६ | १२:५२ | १४:२८ | १६:२४ | १८:३९ | २०:५८ | २३:१५ | १:३० | ३:४८ |
| ६:२ | ८:११ | ९:५४ | ११:२२ | १२:४८ | १४:२४ | १६:२० | १८:३५ | २०:५४ | २३:११ | १:२६ | ३:४५ |
| ५:५९ | ८:७ | ९:५० | ११:१८ | १२:४४ | १४:२० | १६:१६ | १८:३१ | २०:५० | २३:७ | १:२२ | ३:४१ |
| ५:५५ | ८:३ | ९:४६ | ११:१४ | १२:४० | १४:१६ | १६:१२ | १८:२७ | २०:४६ | २३:३ | १:१८ | ३:३७ |
| ५:५१ | ७:५९ | ९:४२ | ११:१० | १२:३६ | १४:१२ | १६:८ | १८:२३ | २०:४३ | २२:५९ | १:१४ | ३:३३ |
| ५:४७ | ७:५५ | ९:३८ | ११:६ | १२:३२ | १४:८ | १६:४ | १८:१९ | २०:३९ | २२:५५ | १:१० | ३:२९ |
| ५:४३ | ७:५१ | ९:३४ | ११:२ | १२:२८ | १४:४ | १६:० | १८:१५ | २०:३५ | २२:५१ | १:६ | ३:२५ |

## श्री संवत् २०७० पौषकृष्णपक्ष

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

| गते | वार | रवि | चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३ | बुध | ८।१।५१।५६ | २।९।४७।३० | ५।९।४६।५ | ७।२८।४।५२ | २।२४।५०।१८ | ८।२७।३६।१३ | ६।२४।१२।५६ | ६।१०।१६।१७ |
| ४ | गुरु | ८।२।५३।१८ | २।२१।५२।२१ | ५।१०।१४।५२ | ७।२९।४९।३७ | २।२४।४३।४ | ८।२७।२८।९ | ६।२४।१९।९ | ६।१०।१३।६ |
| ५ | शुक्र | ८।३।५४।४० | ३।३।५३।५९ | ५।१०।४३।२८ | ८।१।३४।३५ | २।२४।३५।४३ | ८।२७।१७।३१ | ६।२४।२५।२० | ६।१०।९।५५ |
| ६ | शनि | ८।४।५६।३ | ३।१५।५६।२१ | ५।११।११।५४ | ८।३।१९।४१ | २।२४।२८।१७ | ८।२७।४।१८ | ६।२४।३१।२७ | ६।१०।६।४५ |
| ७ | आइत | ८।५।५७।२७ | ३।२८।३।१० | ५।११।४०।८ | ८।५।४।५२ | २।२४।२०।४६ | ८।२६।४८।३३ | ६।२४।३७।३२ | ६।१०।३।३४ |
| ८ | सोम | ८।६।५८।५१ | ४।१०।१७।४० | ५।१२।८।११ | ८।६।५०।२ | २।२४।१३।११ | ८।२६।३०।१७ | ६।२४।४३।३३ | ६।१०।०।२३ |
| ९ | मंगल | ८।८।०।१५ | ४।२२।४२।४१ | ५।१२।३६।२ | ८।८।३५।८ | २।२४।५।३० | ८।२६।९।३३ | ६।२४।४९।३१ | ६।९।५७।१२ |
| १० | बुध | ८।९।१।४० | ५।५।२०।२९ | ५।१३।३।४२ | ८।१०।२०।७ | २।२३।५७।४६ | ८।२५।४६।२६ | ६।२४।५५।२६ | ६।९।५४।१ |
| ११ | गुरु | ८।१०।३।५ | ५।१८।१२।४२ | ५।१३।३१।९ | ८।१२।४।५५ | २।२३।४९।५८ | ८।२५।२१।२ | ६।२५।१।१७ | ६।९।५०।५१ |
| १२ | शुक्र | ८।११।४।३१ | ६।१।२०।१८ | ५।१३।५८।२३ | ८।१३।४९।३० | २।२३।४२।६ | ८।२४।५३।२६ | ६।२५।७।६ | ६।९।४७।४० |
| १३ | शनि | ८।१२।५।५७ | ६।१४।४३।२४ | ५।१४।२५।२५ | ८।१५।३३।४९ | २।२३।३४।११ | ८।२४।२३।४९ | ६।२५।१२।५० | ६।९।४४।२९ |
| १४ | आइत | ८।१३।७।२३ | ६।२८।२१।२५ | ५।१४।५२।१३ | ८।१७।१७।४७ | २।२३।२६।१४ | ८।२३।५२।१८ | ६।२५।१८।३१ | ६।९।४१।१८ |
| १५ | सोम | ८।१४।८।४९ | ७।१२।१२।५८ | ५।१५।१८।४८ | ८।१९।१।२२ | २।२३।१८।१४ | ८।२३।१९।६ | ६।२५।२४।९ | ६।९।३८।७ |
| १६ | मंगल | ८।१५।१०।१६ | ७।२६।१६।२ | ५।१५।४५।१० | ८।२०।४४।३० | २।२३।१०।१२ | ८।२२।४४।२४ | ६।२५।२९।४३ | ६।९।३४।५६ |
| १७ | बुध | ८।१६।११।४३ | ८।१०।२८।१ | ५।१६।११।१७ | ८।२२।२७।८ | २।२३।२।८ | ८।२२।८।२६ | ६।२५।३५।१३ | ६।९।३१।४६ |

**सूतिका जलस्पर्शमुहूर्तः**- अश्वि.मृ.३उत्तरा.ह.स्वा.रे.वि. यी ९ नक्षत्रमा, रवि.भौम.गुरुवारमा शुभ हुन्छ ।

**बधूप्रवेशमुहूर्तः**- विवाहदेखि १६ दिनभित्र, समदिन वा ५।७।९ दिनमा वा १६ दिन नाघ्यो भने विषममास वा विषमवर्षलिनु, ५ वर्षदेखि अधिक भए शुभ मुहूर्तमा ३उत्तरा.रो.ह.अश्वि.ति.अभि.मृ.रे.चि.अनु.श्र.ध.म.स्वा. यी १६ नक्षत्रमा, ४।९।१४ तिथि, रवि.भौम. बुधवार छाडी वधुप्रवेश गर्नु ।

**अथ नवीनवधु पाककर्मगर्नेमुहूर्त्तः** कृ.रो. मृ.ति.३उत्तरा.वि.ज्ये. श्र.ध.श.रे.यी नक्षत्रमा, रवि.भौम.शनिवार, छाड़ी शुभतिथिमा अष्टम शुद्ध सप्तम वली भएको स्थिरलग्न पारी पाककर्म शुरु गर्नु पर्दछ ।

**द्विरागमनमुहूर्तः**- सन्मुख दक्षिण शुक्रछाडी विषम १।३।५ वर्ष, ११।१।८ राशिको सूर्यमा, रवि-गुरु शुद्धि भै सोम.बुध.गुरु.शुक्रवार, ३।१२।६।७।२ लग्नमा, ह.अश्वि.ति.अभि.३उत्तरा.रो.स्वा.पु.श्र.ध.श. मू. रे.चि.अनु.मृ. यी १८ नक्षत्रमा द्विरागमन गर्नु ।

**शिलान्यासमुहूर्तः**- अश्वि.रो.मृ.ति.ह.३उत्तरा.श्र.रे. यी १० नक्षत्र शुभ छन् ।

**द्वारन्यासमुहूर्तः**- अश्वि.३उत्तरा.ह.ति.श्र.मृ.स्वा.रे.रो. यी ११ नक्षत्रमा द्वारचक्र जुराई ढोका बसालनु शुभ छ ।

**जीर्णगृहप्रवेशमुहूर्तः**- कार्त्तिक मार्गशीर्ष श्रावणमास, श.ति.स्वा. ध.मृ.रे.चि.अनु.३उत्तरा.रो.यी १२ नक्षत्रमा जीर्णगृहप्रवेशगर्नु । गुरु शुक्रास्तको दोष छैन ।

**गृहारम्भ मुहूर्तः**- कर्ताको सूर्य गुरु चन्द्रवलि भै जामित्र विवाहोक्त सम्पूर्णदोष छाडी ४।९।१४ तिथि, रवि मंगलवार चरलग्न चराशंक छाडी, मृ.रे.चि.अनु.३उत्तरा.रो.श.स्वा.ध.ह.ति. यी १३ नक्षत्रमा, पौष फाल्गुन, वैशाख, श्रावण, कार्तिक,मार्गशीष मासमा वृषवास्तुचक्र समेत जुराई गृहारम्भ गर्नु ।

**गृहप्रवेशमुहूर्तः** उत्तरायण ज्येष्ठ माघ फाल्गुन वैशाख मासमा, मृ. रे.चि.अनु.३उत्तरा.रो.यी ८ नक्षत्र जन्मराशि वा लग्नदेखि ३।६।११ मा पापग्रह १।२।५।७।९।१० स्थानमा शुभग्रह भै ४।८ स्थान शुद्धगरि जन्मर्क्ष लग्नदेखि अष्टमलग्न छाडी, रवि मंगलवार, रिक्ता अमातिथि चरलग्न चरांशक चैत्रमास छाडी शुद्ध भकूटमा जलपूर्ण कलश र ब्राम्हण अघि लगाई कलशचक्रसमेत जुराई गृहप्रवेश गर्नु तर गुरु शुक्रको अस्तमा गृहप्रवेश गर्न हुँदैन ।

**गृहवास्तुमुहूर्तः**- वैशाख श्रावण कार्त्तिक मार्गशीर्ष फाल्गुन महिना रो.मृ.पु.ति.उफा.ह.चि.स्वा.अनु.पूषा.श्र.ध.श.रे.अश्वि. यी १५ नक्षत्रमा २।३।५।६।१०।११ लग्नमा वास्तु चक्र समेत जुराई वास्तु गर्नु शुभ छ ।

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५ ने.सं.११३४ **पौषशुक्लपक्षः** (पोहेलाथ्व) पा. पू.षा., ध. श., उ.भा., अ., ३.म. (जनवरी १ सन् २०१४) दक्षिणायनं-हेमन्तर्तुः उत्तरायणं-शिशिरर्तुः **पराभवनामकः संवत्सरः**

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | वरा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | १८ | वृ. | १ | २०।६ | १४:५९ | पू. | ७।५८ | १०:८ | व्या. | ४४।२१ | ०:४१ | बा. | ४७।८ | १:४८ | धाता | २१।५६-१५:४३ | २५।५६ | ६:५७ | १७:१९ | 2 | चन्द्रोदयः, **तोललोसार**, |
| | १९ | श. | २ | १४।११ | १२:३७ | उ. | ३।४६ / २२।४२ | ८:२७ / ६:५० | ह. | ३६।२८ | २१:३२ | तै. | ४१।१७ | २३:२७ | काल | मकर | २५।५७ | ६:५७ | १७:२० | 3 | ❶ नेपालज्योतिषपरिषद् स्थापना दिवस, |
| प्र | २० | श. | ३ | ८।२६ | १०:१९ | ध. | ५५।५६ | ५:१९ | व. | २८।४७ | १८:२८ | व. | ३५।४१ | २१:१३ | प्रवर्द्ध | २७।४५-१८:३ | २५।५८ | ६:५७ | १७:२० | 4 | भ.३५।४१उ., ध.प. प्रवृत्तिः २७।४५, |
| | २१ | आ. | ४ | ३।२ / ५८।११ | ८:१० / ६:१४ | श. | ५२।४१ | ४:२ | सि. | २१।२६ | १५:३२ | ब. | ३०।३२ | १९:१० | राक्षस | कुम्भ | २६।० | ६:५७ | १७:२१ | 5 | भ.३।२या., गुरु गोविन्दसिंहजयन्ती, |
| | २२ | सो. | ६ | ५४।३ | ४:३५ | पु. | ५०।८ | ३:१ | व्य. | १४।३४ | १२:४७ | कौ. | २६।१ | १७:२२ | मुशल | ३५।४१-२१:१४ | २६।१ | ६:५७ | १७:२२ | 6 | ❷मत्स्येन्द्रनाथस्नान(जगान्हव), ध.पं. निवृत्तिः ४७।४८, ❶ |
| प्र | २३ | मं. | ७ | ५०।५० | ३:१८ | उ. | ४८।२७ | २:२० | व. | ८।२० | १०:१८ | गं. | २२।१९ | १५:५३ | सिद्धि | मीन | २६।३ | ६:५८ | १७:२३ | 7 | भ.५०।५०उ., ❸पृथ्वीजयन्ती, द्विपुष्कर ४९।३३उ.५२।५१या., |
| | २४ | बु. | ८ | ४८।४० | २:२६ | रे. | ४७।४८ | २:५ | प. | ५४।० / ५८।१३ | ८:६ / ६:१४ | भ. | १९।३६ | १४:४८ | उत्पात | ४७।४८-२:५ | २६।४ | ६:५८ | १७:२३ | 8 | भ.१९।३६या., **बधाष्टमीव्रत**, गोरखकालीपूजा, श्रीश्वेत❷ |
| | २५ | बृ. | ९ | ४७।४१ | २:२ | अ. | ४८।१७ | २:१७ | सि. | ५४।२९ | ४:४५ | बा. | १८।१ | १४:१० | मानस | मेष | २६।६ | ६:५८ | १७:२४ | 9 | ❽रु.स.(रिडी)क्षेत्रत्रिदिवसीयमेला, **देवघाटमकरस्नान प्रारम्भ**, |
| | २६ | शु. | १० | ४७।५८ | २:९ | भ. | ५०।१ | २:५८ | सा. | ५१।४६ | ३:४० | तै. | १७।३९ | १४:२ | मुद्गर | मेष | २६।८ | ६:५८ | १७:२५ | 10 | ❻(घ्योचाकुसल्हु) ल.पु. शङ्खमूलस्नान, ❸ |
| | २७ | श. | ११ | ४९।३३ | २:४७ | क. | ५२।५९ | ४:१० | श. | ५०।२ | २:५९ | व. | १८।३६ | १४:२४ | ध्वज | ५।३८-९:१३ | २६।१० | ६:५८ | १७:२६ | 11 | भ.१८।३६उ.४९।३३या., **पुत्रदाएकादशी व्रतं**, मन्वादिः, ❸ |
| | २८ | श. | १२ | ५२।२३ | ३:५५ | रो. | ५७।९ | ५:५० | श. | ४९।१५ | २:४० | ब. | २०।४९ | १५:१७ | धाता | वृष | २६।१२ | ६:५८ | १७:२७ | 12 | मस्याङुली, |
| प्र | २९ | आ. | १३ | ५६।२० | ५:३० | मृ. | ६०।० | समस्त | ब. | ४९।१९ | २:४२ | कौ. | २४।१४ | १६:३९ | आनन्द | २९।३९-१८:४९ | २६।१४ | ६:५८ | १७:२७ | 13 | सोमप्रदोषव्रतं, ❹ (माघसंक्रान्ति), उत्तरायणारम्भः, **माघीपर्व**, ❶ |
| | ३० | सो. | १४ | ६०।० | समस्त | मृ. | २।२२ | ७:५५ | ऐं. | ५०।३ | २:५९ | गं. | २८।३९ | १८:२५ | राक्षस | मिथुन | २६।१६ | ६:५८ | १७:२८ | 14 | मकरेऽर्कः २९।१३, ❺भ.पु. हनुमत्तीर्थे त्रिवेणीमेला, |
| मा. | १ | म. | १४ | १।८ | ७:२५ | आ. | ८।२२ | १०:१९ | वै. | ५१।१४ | ३:२७ | भ. | ३३।४६ | २०:२८ | मुशल | ५८।१२-६:१५ | २६।१८ | ६:५८ | १७:२९ | 15 | भ.१।८उ.३३।४६या., **पूर्णिमाव्रतं**, **श्रीस्वस्थानीव्रतारम्भः**, ❹ |
| | २ | ब. | १५ | ६।२९ | ९:३३ | पु. | १४।५१ | १२:५४ | वि. | ५२।३५ | ४:० | बा. | ३९।१४ | २२:३९ | सिद्धि | कर्कट | २६।२० | ६:५८ | १७:३० | 16 | माघस्नानारम्भः, मिलापुन्हि, चाँगनारायणहैगु, आर्यदिवसः ❶ |

**वक्रमार्गाद्यास्तः** म.मा.उ., बु.मा.२५उ.प., बृ.व.उ., शु.व.२४ भ.प३०उ.पू.श.मा.उ.

**पापाशः** शनि:२, राहु:९-केतु:३ १८भौम:३ २०रवि:७ २३वि:८, २६भौम:४ २७रवि:९, २९शनि:३, ३०वि:१०,

**माघमास विशेष**– पौषशुक्ल पूर्णिमाबाट एकमास पर्यन्त नियमपूर्वक माघस्नान तथा व्रतको महिमा छ। यसमा भूमिशायी, ब्रम्हचर्यपालन, तिलको हवन, दान, भक्षणको विशेष महिमा छ। यसमासमा मूलाको स्पर्शबाट पनि जोगिनु उत्तम छ। माघमा प्रयागमा कल्पवास तथा संगम स्नानको ठूलो महिमा छ सो सम्भव नभए स्नानकालमा प्रयाग स्मरणले पनि महाफल प्राप्त हुने शास्त्रवचन छ।

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

१८ गते हस्तर्क्षे३भौमः६।३६=९:३५
१९ गते उ.षा.यांबुधः२९।२१=१८:४१
२० गते पू.षा.या३सूर्यः४२।५६=०:७
२१ गते उ.२रमकरेबुधः२९।२४=१८:४३
२३ गते पू.षा.या४सूर्यः५८।१७=६:१६
२४ गते पश्चिमास्तः शुक्रः ८।४७=१०:२९
२५ गते अभिजितिबुधः३६।३५=२१:३६
२५ गते पश्चिमोदितौ बुधः५।५५=९:२०

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

२६ गते हस्तर्क्षे४भौमः१२।५१=१२:६
२७ गते उ.षा.या१सूर्यः१३।४२=१२:२७
२७ गते श्रवणेबुधः४।१४=१:०
२८ गते अभित्यागबुधः२०।३=१४:५९
२९ गते विशाखायां ३ शनिः५३।१५=४:१६
३० गते उ.२मकरेऽर्कः २९।१३=१८:३९
३० गते पूर्वोदितः शुक्रः ११।४७=११:४१
२ गते पुनः मूलभेशुक्रः४८।५६=२:३२

| ३९ | पौष २० शनौ ५०।५७ | |
|---|---|---|
| रा. | ८।२०।८।१३ | ६१।२६ |
| भौ. | ५।१७।४९।३४ | २४।११ |
| बु. | ८।२८।५६।१८ | १००।३३ |
| गु. | २।२२।३०।५८ | ८।४ |
| शु. | ८।१९।४२।३८ | ३२।३१ |
| श. | ६।२५।५५।४७ | ५।१८ |
| रा. | ६।९।१९।३१ | ३।११ |

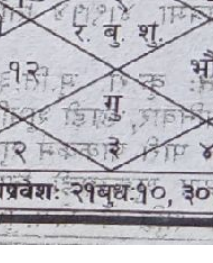


ग.राशिप्रवेशः २१बुधः१०, ३०रवि:१०,

| ४० | पौष २७ शनौ ५०।५५ | |
|---|---|---|
| रा. | ८।२७।१८।५ | ६१।२४ |
| भौ. | ५।२०।३८।५ | २२।२ |
| बु. | ९।१०।८।५७ | ९२।२३ |
| गु. | २।२१।३४।१५ | ८।२ |
| शु. | ८।१५।३०।४७ | २६।१८ |
| श. | ६।२६।३०।३३ | ४।४६ |
| रा. | ६।८।५७।१६ | ३।११ |

## दैनिक लग्नारम्भ: सारणी बजेमा

| धन् | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५:३९ | ७:४७ | ९:३० | १०:५८ | १२:२४ | १४:० | १५:५७ | १८:११ | २०:३१ | २२:४७ |
| ५:३५ | ७:४३ | ९:२६ | १०:५५ | १२:२० | १३:५७ | १५:५३ | १८:७ | २०:२७ | २२:४३ |
| ५:३१ | ७:३९ | ९:२२ | १०:५१ | १२:१७ | १३:५३ | १५:४९ | १८:३ | २०:२३ | २२:३९ |
| ५:२७ | ७:३५ | ९:१८ | १०:४७ | १२:१३ | १३:४९ | १५:४५ | १७:५९ | २०:१९ | २२:३५ |
| ५:२३ | ७:३१ | ९:१४ | १०:४३ | १२:९ | १३:४५ | १५:४१ | १७:५५ | २०:१५ | २२:३१ |
| ५:१९ | ७:२७ | ९:१० | १०:३९ | १२:५ | १३:४१ | १५:३१ | १७:५१ | २०:११ | २२:२७ |
| ५:१५ | ७:२३ | ९:६ | १०:३५ | १२:१ | १३:३७ | १५:३३ | १७:४७ | २०:७ | २२:२४ |
| ५:११ | ७:१९ | ९:२ | १०:३१ | ११:५७ | १३:३३ | १५:२९ | १७:४४ | २०:३ | २२:२० |
| ५:७ | ७:१५ | ८:५९ | १०:२७ | ११:५३ | १३:२९ | १५:२५ | १७:४० | १९:५९ | २२:१६ |
| ५:४ | ७:१२ | ८:५५ | १०:२३ | ११:४९ | १३:२५ | १५:२१ | १७:३६ | १९:५५ | २२:१२ |
| ५:० | ७:८ | ८:५१ | १०:१९ | ११:४५ | १३:२१ | १५:१७ | १७:३२ | १९:५१ | २२:८ |
| ४:५६ | ७:४ | ८:४७ | १०:१५ | ११:४१ | १३:१७ | १५:१३ | १७:२८ | १९:४७ | २२:४ |
| ४:५२ | ७:० | ८:४३ | १०:११ | ११:३७ | १३:१३ | १५:९ | १७:२४ | १९:४४ | २२:० |
| मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला |
| ६:५२ | ८:३९ | १०:७ | ११:३३ | १३:९ | १५:५ | १७:२० | १९:४० | २१:५६ | ०:११ |
| ६:४८ | ८:३५ | १०:३ | ११:२९ | १३:५ | १५:१ | १७:१६ | १९:३६ | २१:५२ | ०:७ |

## श्री सवत् २०७० पौषशुक्लपक्ष

| तुला | वृश्चिक | गते | वार | रवि |
|---|---|---|---|---|
| १:२ | ३:२१ | १८ | गुरु | ८।१७।१३।९ |
| ०:५८ | ३:१७ | १९ | शुक्र | ८।१८।१४।३६ |
| ०:५५ | ३:१३ | २० | शनि | ८।१९।१६।३ |
| ०:५१ | ३:९ | २१ | आइत | ८।२०।१७।२९ |
| ०:४७ | ३:५ | २२ | सोम | ८।२१।१८।५५ |
| ०:४३ | ३:१ | २३ | मंगल | ८।२२।२०।२१ |
| ०:३९ | २:५७ | २४ | बुध | ८।२३।२१।४६ |
| ०:३५ | २:५३ | २५ | गुरु | ८।२४।२३।११ |
| ०:३१ | २:४९ | २६ | शुक्र | ८।२५।२४।३५ |
| ०:२७ | २:४६ | २७ | शनि | ८।२६।२५।५९ |
| ०:२३ | २:४२ | २८ | आइत | ८।२७।२७।२२ |
| ०:१९ | २:३८ | २९ | सोम | ८।२८।२८।४५ |
| ०:१५ | २:३४ | ३० | मंगल | ८।२९।३०।७ |
| धन् | मकर | कुम्भ | मीन | मेष |
| ४:४८ | ६:२० | ८:३० | १०:७ | ११:४३ |
| ४:४४ | ६:१६ | ८:२६ | १०:३ | ११:३९ |

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

| चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ८।२४।४५।४९ | ५।१६।३७।१० | ८।२४।९।१२ | २।२२।५४।४ | ८।२१।३१।२५ | ६।२५।४०।३९ | ६।९।२८।३५ |
| ९।९।५।५८ | ५।१७।२।४९ | ८।२५।५०।३८ | २।२२।४५।५८ | ८।२०।५३।३८ | ६।२५।४६।१ | ६।९।२५।२४ |
| ९।२३।२४।२८ | ५।१७।२८।१२ | ८।२७।३१।२२ | २।२२।३७।५१ | ८।२०।१५।२१ | ६।२५।५१।२० | ६।९।२२।१३ |
| १०।७।३७।४३ | ५।१७।५३।२० | ८।२९।११।२० | २।२२।२९।४५ | ८।१९।३६।४९ | ६।२५।५६।३४ | ६।९।१९।२ |
| १०।२१।४२।३५ | ५।१८।१८।१२ | ९।०।५०।२७ | २।२२।२१।३८ | ८।१८।५८।२५ | ६।२६।१।४४ | ६।९।१५।५२ |
| ११।५।३६।२२ | ५।१८।४२।४९ | ९।२।२८।३९ | २।२२।१३।३२ | ८।१८।२०।२७ | ६।२६।६।५० | ६।९।१२।४१ |
| ११।१९।१६।५५ | ५।१९।७।८ | ९।४।५।५१ | २।२२।५।२६ | ८।१७।४३।११ | ६।२६।११।५२ | ६।९।९।३० |
| ०।२।४२।४३ | ५।१९।३१।११ | ९।५।४१।५८ | २।२१।५७।२० | ८।१७।६।५२ | ६।२६।१६।५० | ६।९।६।१९ |
| ०।१५।५३।४ | ५।१९।५४।५७ | ९।७।१६।५४ | २।२१।४९।१३ | ८।१६।३१।४६ | ६।२६।२१।४३ | ६।९।३।८ |
| ०।२८।४७।५६ | ५।२०।१८।२५ | ९।८।५०।३३ | २।२१।४१।७ | ८।१५।५८।५ | ६।२६।२६।३२ | ६।८।५९।५८ |
| १।११।२८।७ | ५।२०।४१।३४ | ९।१०।२२।५० | २।२१।३३।१ | ८।१५।२६।२ | ६।२६।३१।१६ | ६।८।५६।४७ |
| १।२३।५५।८ | ५।२१।४।२६ | ९।११।५३।३७ | २।२१।२४।५६ | ८।१४।५५।४९ | ६।२६।३५।५६ | ६।८।५३।३६ |
| २।६।११।९ | ५।२१।२६।५८ | ९।१३।२२।४७ | २।२१।१६।५२ | ८।१४।२७।३६ | ६।२६।४०।३१ | ६।८।५०।२५ |

माघ १ गते बुधवार मकरलग्नको आरम्भ भोलिपल्ट माघ २ गते सूर्योदय पूर्व ६:५६ बजे दोसो पटक पनि हुन्छ ।

| सूर्य: फलम् | रा. | चन्द्र: फलम् |
|---|---|---|
| १०कर्मप्राप्ति: | मे. | ३ श्रीप्राप्ति: |
| ९ कान्तिक्षय: | वृ. | २ धनलाभ: |
| ८ कष्टम् | मि. | १ अन्नलाभ: |
| ७ गमनम् | क. | १२ व्यय: |
| ६ शत्रुनाश: | सि. | ११ लाभ: |
| ५ दैन्यम् | क. | १० सुखम् |
| ४ मानना‍श: | तु. | ९ नृपसुखम् |
| ३ श्रीप्राप्ति: | वृ. | ८ कष्टम् |
| २ भयम् | ध. | ७ स्त्रीसुखम् |
| १ स्थानना‍श: | म. | ६ लाभ: |
| १२ व्यय | कु. | ५ कार्यसिद्धि |
| ११ लाभ: | मी. | ४ कुक्षिरुक् |

### संक्रान्ति: फलम्

मकर (माघ) श्री संवत् २०७० शाके १९३५ पराभवनामसंवत्सरे, श्री सूर्योत्तरायणे, शिशिरर्तौ पौषशुक्ल चतुर्दश्यातिथौ, आर्द्रानक्षत्रे, ऐन्द्रयोगे, वणिजकरणे, भौमवासरे, श्री सूर्योदयादगत घटिकास् २९ पलासु १३ श्री सूर्योधनुष्तोमकरेप्रविष्टस्तदा दक्षिणायना हेमन्ततु: पौषो गतौ शिशिरतुरुत्तरायणमाघमास: प्राप्त: ॥ वारतो महोदरी चौरसुखा, नक्षत्रतो राक्षसी अन्त्यजसुखा, कालत पिशाचघ्नी, अयननाम्नी मकर (माघ) संक्रान्तिश्च प्राप्ता ॥ इयं महिषारुढा, करभोपवाहना, श्यामवस्त्रा, तोमरायुधा, त्रपपात्रहस्ता, दध्यशना, यावकलेपा, मृगजातिरुकपुष्पा, निविष्ठा, ज्वरावस्था, मण्याभरणा प्रगल्भा ऽग्नेयमुखा, महर्त्ता १५ धान्यार्घवृष्टिष्वनिष्ठफलदा: परेद्युपुण्यकाल:, मासदेवतामाधवो, मासदेवीरुक्मिणी, मासाकी रुणो, मकरे सूर्यो मिथुने चन्द्रगुरुश्च ॥ तिथिवारं च नक्षत्रयोग करणमेवत्रापञ्चाङ्गस्यफलं श्रुत्वा मृगास्नानफलंलभेत् ॥

### नक्षत्र: फलम्

| | |
|---|---|
| म. आ. पु. | गमनम् |
| ति. अ. म. पू. उ. ह. | सुखम् |
| चि. स्वा. वि. | पीडा |
| अ. ज्ये. मू. पू. उ. श. | वस्त्रम् |
| ध. श. पू. | हानि: |
| उ. रे. अ. भ. कृ. रो. | धनम् |

### मासिक (भविष्य) फल

मकर (माघ) यसमासमा ग्रहस्थिति साधारणतया सन्तोष जनक छन् । बुधवारको संक्रान्ति र गुरुवासरी अमावास्याको योगले जनताको सुख सुविधामा केही वृद्धि, देशको परिस्थितिमा पनि केही सकारात्मक सुधार आउने, सामाजिक सौहार्द्रतामा वृद्धि अन्नादि, सागसब्जी लगायत दैनिक उपभोग्य वस्तुको मूल्यमा केही कमी, तर व्यापारी वर्गमा स्वार्थलोलुपताले कृत्रिम अभावको सिर्जना हुनसक्ने, जनताका दैनिक कार्य र सशासनप्रति राज्यपक्ष उदासीन, उत्तरी प्रदेशमा हिमपात शीतलहरी ज्वरकाशादिको रोग भय रहने छ । दाल, चामल, गहुँ, गुड, चीनी रुई, घत चना आदिमा सामान्य तेजी आउनेछ । सून-चाँदीको मूल्यमा केही उतार-चढाव हुनेछ । पशुमा व्याधीको भयले पशु मूल्यमा वृद्धि हुनेछ । शीतको प्रकोप अधिक भए पनि पुस्त्रीको योगबाट मध्यभागतिर मेघबादल दर्शन योग देखिएको छ ।

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५ ने. संवत् ११३४ **माघकृष्णपक्षः** ( पोहेलागा) पाः पू.फा.,चि.,स्वा.,वि.,श्रवण (जन.१२ सन् २०१४ ) उत्तरायणं,शिशिरर्तुः,पराभवनामकः संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ३ | शु. | १ | ११।५७ | ११:४४ | ति | २१।२३ | १५:३१ | प्री | ५३।४६ | ४:२८ | तै | ४४।३४ | ०:४७ | उत्पात | कर्कट | २६।२३ | ६:५८ | १७:३१ | 17 | |
| | ४ | श. | २ | १७।३ | १३:४७ | श्ले | २७।३१ | १७:५८ | आ | ५४।३१ | ४:४६ | व | ४९।२२ | २:४२ | मानस | २७।३१-१७:५८ | २६।२५ | ६:५७ | १७:३१ | 18 | भ.४९।२२उ., |
| प्र | ५ | आ. | ३ | २१।२७ | १५:३२ | म | ३२।५६ | २०:८ | सौ | ५४।३६ | ४:४८ | ब | ५३।१७ | ४:१६ | मुद्गर | सिंह | २६।२८ | ६:५७ | १७:३२ | 19 | भ.२१।२७या., काशीस्थ श्रीबडागणेश जन्मजयन्ती, |
| | ६ | सो. | ४ | २४।५१ | १६:५३ | पू | ३७।२२ | २१:५४ | शो | ५३।५० | ४:२९ | कौ | ५६।६ | ५:२३ | ध्वज | ५३।१७-४:१६ | २६।३० | ६:५७ | १७:३३ | 20 | कुम्भेसायनार्कः५८।३७, |
| | ७ | मं. | ५ | २७।३ | १७:४६ | उ | ४०।३७ | २३:१२ | अ | ५२।८ | ३:४८ | ग | ५७।४० | ६:१ | धाता | कन्या | २६।३३ | ६:५७ | १७:३४ | 21 | ❶नारायणमेला, बुटवलक्षेत्रत्रिवेणीमेला,**शहीददिवसः**, |
| प्र | ८ | बु. | ६ | २७।५७ | १८:८ | ह | ४२।३८ | ०:० | सु | ४९।२७ | २:४३ | भ | ५७।५५ | ६:७ | आनन्द | कन्या | २६।३५ | ६:५७ | १७:३५ | 22 | भ.२७।५७उ.५७।५५या., |
| | ९ | वृ. | ७ | २७।३५ | १७:५८ | चि | ४३।२५ | ०:१८ | धृ | ४५।४६ | १:१५ | बा | ५६।५५ | ५:४२ | चर | १३।११-१२:१३ | २६।३८ | ६:५६ | १७:३६ | 23 | **अष्टमीव्रतम्,** |
| | १० | शु. | ८ | २५।५८ | १७:१९ | स्वा | ४३।१ | ०:९ | शू | ४१।१० | २३:२४ | तै | ५४।४४ | ४:५० | गद | तुला | २६।४१ | ६:५६ | १७:३६ | 24 | गोरखकालीपूजा, |
| | ११ | श. | ९ | २३।१४ | १६:१४ | वि | ४१।३४ | २३:३४ | गं | ३५।४२ | २१:१३ | व | ५१।३० | ३:३२ | शुभ | २७।२-१७:४४ | २६।४४ | ६:५६ | १७:३७ | 25 | भ.५१।३०उ., |
| | १२ | आ. | १० | १९।३२ | १४:४४ | अ | ३९।१३ | २२:३७ | वृ | २९।३० | १८:४४ | ब | ४७।२१ | १:५२ | मृत्यु | वृश्चिक | २६।४७ | ६:५५ | १७:३८ | 26 | भ.१९।३२या., |
| | १३ | सो. | ११ | १५।१ | १२:५५ | ज्ये | ३६।८ | २१:२२ | ध्रु | २२।४१ | १६:० | कौ | ४२।३० | २३:५५ | पद्म | ३६।८-२१:२२ | २६।५० | ६:५५ | १७:३९ | 27 | **षट्तिला एकादशी व्रतम्,** |
| प्र | १४ | मं. | १२ | ९।५२ | १०:५१ | मू | ३२।३० | १९:५४ | व्या | १५।२३ | १३:४ | ग | ३७।६ | २१:४५ | छत्र | धनु | २६।५३ | ६:५५ | १७:४० | 28 | **प्रदोषव्रतम्,** |
| | १५ | बु. | १३ | ४।१६ / ५८।२४ | ८:३७ / ६:१६ | पू | २८।२९ | १८:१८ | ह | ७।४५ / ५९।५४ | १०:० / ६:५२ | भ | ३१।२१ | १९:२७ | श्रीवत्स | ४२।२७-२३:५३ | २६।५६ | ६:५४ | १७:४१ | 29 | भ.४।१६उ.३१।२१या., (लैचःद्वेपूजा), |
| | १६ | वृ. | ३० | ५२।३० | ३:५४ | उ | २४।२० | १६:३८ | सि | ५२।२ | ३:४२ | च | २५।२७ | १७:४ | सौम्य | मकर | २६।५९ | ६:५४ | १७:४१ | 30 | **दर्शश्राद्धं** निशी एवं हलोबार्ने, आर्यघाटक्षेत्रे माधव❶ |

*नोटः रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, ..... १२ बजे, दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १३, १४, ..... २३ बजे र रात्री १२ बजेलाई ० बजेले संकेत गरिएको छ।*

ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः मं.मा.उ., बु.मा.उ.प., व.व.उ., श.११ मा.उ.पू., श.मा.उ.

पापांशाः शनिः३, राहुः९-केतुः३, ३रवि:११, ५भौम:५, ७रवि:१२,१०रवि:१, १३रवि:२, १६रवि:३-भौम:६

**माघमासे नियमाः-** भूमिशायी प्रातः प्रयोगे वा गंगानदीतालाब अन्यतमे पुण्यतीर्थे प्रयागस्मरणेन स्नानं तन्मन्त्रः दुःखदारिद्रयनाशाय श्रीविष्णोस्तोषणाय च। प्रातः स्नानं करोम्यद्य माघे पापविनाशनम् ॥ मकरस्थे रवौ माघे गोविन्दाच्युतमाधव। स्नानेनानेन मे देव यथोक्त फदलदो भव ॥ इति पाद्मे। **स्नानान्ते सूर्यार्घ्यदानम्-** सवित्रे प्रसवित्रे च परं धामजले मम। स्वेतजसा परिभ्रष्टं पापंयातु सहस्त्रधा ॥

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

३ गते उ.षा.यां३सूर्यः४४।५१=०:५४
५ गते चित्रायां१भौमः१५।३७=१३:१२
७ गते उ४अभिजितिसूर्यः०।३७=७:१२
७ गते धनिष्ठायांबुधः२४।४६=१६:५१
९ गते पुनःआर्द्रायां४गुरुः४९।५३=२:५४
१० गते श्रवणे१सूर्यः१६।३३=१३:३३

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

११ गते अभित्यागसूर्यः८।५०=१०:२८
११ गते मार्गी शुक्रः ०।३०=६:५७
१३ गते श्रवणे२सूर्यः३२।३९=१९:५९
१४ गते ध.३ कुम्भेबुधः७।२६=९:५३
१६ गते श्रवणे३सूर्यः४८।५८=२:२९
१६ गते चित्रायां२भौमः८।३६=१०:२०

| ४१ | माघ ४ शनौ ५०।५६ | |
|---|---|---|
| र. | ९।४।२७।३२ | ६१।२० |
| भौ. | ५।२३।११।३१ | १९।३० |
| बु. | ९।२०।८।४ | ७८।२७ |
| गु. | २।२०।३८।१७ | ७।४४ |
| शु. | ८।१२।४३।० | १२।६ |
| श. | ६।२७।१।३६ | ४।१२ |
| रा. | ६।८।३५।० | ३।११ |

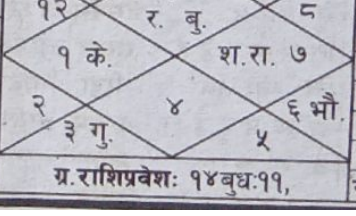


ग्र.राशिप्रवेशः १४बुधः११,

| ४२ | माघ ११ शनौ ५१।१ | |
|---|---|---|
| र. | ९।११।३६।२२ | ६१।१५ |
| भौ. | ५।२५।२७।५ | १६।२९ |
| बु. | ९।२८।३।५१ | ५५।३५ |
| गु. | २।१९।४५।३ | ७।१० |
| शु. | ८।११।५५।५७ | ४।१३ |
| श. | ६।२७।२८।३४ | ३।३४ |
| रा. | ६।८।१२।४४ | ३।११ |

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६:४४ | ८:३१ | ९:५९ | ११:२५ | १३:१ | १४:५८ | १७:१२ | १९:३२ | २१:४८ | ०:३ | २:२२ | ४:४० |
| ६:४० | ८:२७ | ९:५६ | ११:२१ | १२:५८ | १४:५४ | १७:८ | १९:२८ | २१:४४ | २४:० | २:१८ | ४:३६ |
| ६:३६ | ८:२३ | ९:५२ | ११:१८ | १२:५४ | १४:५० | १७:४ | १९:२४ | २१:४० | २३:५६ | २:१४ | ४:३२ |
| ६:३२ | ८:१९ | ९:४८ | ११:१४ | १२:५० | १४:४६ | १७:० | १९:२० | २१:३६ | २३:५२ | २:१० | ४:२८ |
| ६:२८ | ८:१५ | ९:४४ | ११:१० | १२:४६ | १४:४२ | १६:५६ | १९:१६ | २१:३२ | २३:४८ | २:६ | ४:२४ |
| ६:२४ | ८:११ | ९:४० | ११:६ | १२:४२ | १४:३८ | १६:५२ | १९:१२ | २१:२८ | २३:४४ | २:२ | ४:२० |
| ६:२० | ८:७ | ९:३६ | ११:२ | १२:३८ | १४:३४ | १६:४८ | १९:८ | २१:२५ | २३:४० | १:५८ | ४:१६ |
| ६:१७ | ८:४ | ९:३२ | १०:५८ | १२:३४ | १४:३० | १६:४५ | १९:४ | २१:२१ | २३:३६ | १:५४ | ४:१२ |
| ६:१३ | ८:० | ९:२८ | १०:५४ | १२:३० | १४:२६ | १६:४१ | १९:० | २१:१७ | २३:३२ | १:५१ | ४:८ |
| ६:९ | ७:५६ | ९:२४ | १०:५० | १२:२६ | १४:२२ | १६:३७ | १८:५६ | २१:१३ | २३:२८ | १:४७ | ४:५ |
| ६:५ | ७:५२ | ९:२० | १०:४६ | १२:२२ | १४:१८ | १६:३३ | १८:५२ | २१:९ | २३:२४ | १:४३ | ४:१ |
| ६:१ | ७:४८ | ९:१६ | १०:४२ | १२:१८ | १४:१४ | १६:२९ | १८:४९ | २१:५ | २३:२० | १:३९ | ३:५७ |
| ५:५७ | ७:४४ | ९:१२ | १०:३८ | १२:१४ | १४:१० | १६:२५ | १८:४५ | २१:१ | २३:१६ | १:३५ | ३:५३ |
| ५:५३ | ७:४० | ९:८ | १०:३४ | १२:१० | १४:६ | १६:२१ | १८:४१ | २०:५७ | २३:१२ | १:३१ | ३:४९ |

## श्री संवत् २०७० माघकृष्णपक्ष

| गते | वार | रवि | चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३ | शुक्र | ९।२।३४।१० | ३।१२।२२।३९ | ५।२२।३२।३६ | ९।१७।३९।२२ | २।२०।५२।५३ | ८।१३।१६।१३ | ६।२६।५३।४७ | ६।८।४०।५३ |
| ४ | शनि | ९।३।३५।२९ | ३।२४।२६।१५ | ५।२२।५३।४८ | ९।१९।०।४६ | २।२०।४४।५८ | ८।१२।५७।१२ | ६।२६।५८।३ | ६।८।३७।४२ |
| ५ | आइत | ९।४।३६।४७ | ४।६।३५।४८ | ५।२३।१४।३८ | ९।२०।१९।५१ | २।२०।३७।६ | ८।१२।४०।४० | ६।२७।२।१४ | ६।८।३४।३१ |
| ६ | सोम | ९।५।३८।५ | ४।१८।५४।२० | ५।२३।३५।१६ | ९।२१।३६।२६ | २।२०।२९।१७ | ८।१२।२६।४० | ६।२७।६।२० | ६।८।३१।२० |
| ७ | मंगल | ९।६।३९।२२ | ५।१।२४।२८ | ५।२३।५५।१२ | ९।२२।५०।१९ | २।२०।२१।३३ | ८।१२।१५।१४ | ६।२७।१०।२० | ६।८।२८।१० |
| ८ | बुध | ९।७।४०।३८ | ५।१४।८।१२ | ५।२४।१४।५५ | ९।२४।१।२० | २।२०।१३।५२ | ८।१२।६।२२ | ६।२७।१४।१६ | ६।८।२४।५९ |
| ९ | गुरु | ९।८।४१।५३ | ५।२७।६।५० | ५।२४।३४।१५ | ९।२५।९।१५ | २।२०।६।१६ | ८।१२।०।४ | ६।२७।१८।६ | ६।८।२१।४८ |
| १० | शुक्र | ९।९।४३।६ | ६।१०।२०।६० | ५।२४।५३।१० | ९।२६।१३।५२ | २।१९।५८।४४ | ८।११।५६।१९ | ६।२७।२१।५२ | ६।८।१८।३७ |
| ११ | शनि | ९।१०।४४।१९ | ६।२३।५०।२८ | ५।२५।११।४० | ९।२७।१४।५५ | २।१९।५१।१८ | ८।११।५५।४ | ६।२७।२५।३१ | ६।८।१५।२६ |
| १२ | आइत | ९।११।४५।३१ | ७।७।३४।१९ | ५।२५।२९।४६ | ९।२८।१२।१० | २।१९।४३।५७ | ८।११।५६।१७ | ६।२७।२९।६ | ६।८।१२।१५ |
| १३ | सोम | ९।१२।४६।४२ | ७।२१।३०।५२ | ५।२५।४७।२५ | ९।२९।५।२३ | २।१९।३६।४२ | ८।११।५९।५७ | ६।२७।३२।३५ | ६।८।९।५ |
| १४ | मंगल | ९।१३।४७।५२ | ८।५।३७।५० | ५।२६।४।३८ | ९।२९।५४।१५ | २।१९।२९।३३ | ८।१२।५।५९ | ६।२७।३५।५८ | ६।८।५।५४ |
| १५ | बुध | ९।१४।४९।० | ८।१९।५२।२२ | ५।२६।२९।२४ | १०।०।३८।३२ | २।१९।२२।३० | ८।१२।१४।२० | ६।२७।३९।१६ | ६।८।२।४३ |
| १६ | गुरु | ९।१५।५०।७ | ९।४।११।१५ | ५।२६।३७।४२ | १०।१।१७।५७ | २।१९।१५।३४ | ८।१२।२४।५७ | ६।२७।४२।२९ | ६।७।५९।३२ |

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

नोट: रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, ... १२ बज, दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १३, १४, ... २३ बजे र रात्री १२ बजेलाई ० बजेले संकेत गरिएका छ ।

**गृहच्छादनमुहूर्तः**- २।३।५।१०।११।१३ तिथिमा, ह.अश्वि.ति. अभि.चि.स्वा.मृ.पु.रो.उफा.उषा.अनु. यी १२ नक्षत्रमा रवि मंगलवार छाडी गृहच्छादन (घर छाउनु) गर्नु शुभ छ ।

**राजदर्शनमुहूर्तः**- मृ.अश्वि.ति.ध.श्र.ह.३उत्तरा.अ.चि.रे. नक्षत्रमा मंगलसहित शुभवार, शुभतिथिमा घातचन्द्र छोडिराजदर्शन सेवा गर्नु शुभ छ ।

**दोकानखोलनेमुहूर्तः**- रिक्तातिथि मंगलवारछाडि अस्वि.रो. मृ.ति.३उत्तरा.ह.चि.अनु.रे. यी नक्षत्रदेखि २।१०।११ मा शुभग्रह ८।१२ मा पापग्रह भएको स्थिर लग्नपारी दोकान खोलनु शुभ छ ।

**कपालदारी नङ् बनाउदामुहूर्तः**- अश्वि.मृ.पु.ति.ह.चि.स्वा.ज्ये. श्र.ध.श.रे. यी १२ नक्षत्रमा सोम.बुध.शुक्रवार शुभछन् ।

**द्रव्यप्रयोगमुहूर्तः**- स्वा.पु.मृ.रे.चि.अनु.वि.ति.श्र.ध.श.अश्वि. यी नक्षत्रमा बुधवार छाडी चरलग्नदेखि ५।८।९ स्थान शुद्धगरि धन दिनु मंगलवार नलिनु ऋणलिनाले उस्कावंशमा ऋण रहन्छ ।

**शीतलावेधमुहूर्तः**- अश्वि.रो.मृ.ति.ह.चि.स्वा.अनु.अभि.श्र.ध.रे यी १३ नक्षत्रमा, रवि मंगल वृहस्पतिवार शुभ छन् । लोकमा द्वित्रि-पुष्कर पंचक जन्मवार जन्मनक्षत्र छाड्दछन् ।

**चुल्लीनिर्माणमुहूर्तः**- अश्वि.रो.आ.ति.३पूर्वा.३उत्तरा.नक्षत्र शुभ छन् । चुल्ली चक्र जुराउनु लोकमा श्रावणमास त्याग गर्दछन् ।

**हलसारोगर्नेमुहूर्तः**- अश्वि.रो.मृ.पु.ति.३उत्तरा.ह.चि.स्वा.वि. अनु.मू.श्र.ध.श.रे. यी नक्षत्रमा, रवि र शनिवार, ४।६।९।१४ तिथि, ४।५।७।१०।११ लग्न छोडी हलचक्रजुराई हलोजोत्नु बेसछ ।

**बीजछर्दामुहूर्तः**- अ.रो.मृ.ति.३उत्तरा.ह.चि.स्वा.अनु.मू.ध.रे. यी नक्षत्रमा, रवि भौम शनिवार, ४।६।९ तिथि, ४।५।७।१०।११ लग्नछोडी फणिचक्रजुराई बिउछर्नु ।

**रोपाञ्जीगर्नेमुहूर्तः**- रो.उफा.वि.मू.श.पूभा.यी ६ नक्षत्रमा, भौम शनिवार छोडी बिउ छरेका ठाउबाट अन्त सार्नु रोपनु शुभ छ ।

**मूठिलिनेमुहूर्तः**- भ.कृ.मृ.आ.ति.अश्ले.म.३उत्तरा.ह.चि.स्वा.ज्ये. मू.पूषा.श्र.ध.पूभा. यी १९ नक्षत्रमा, ४।९।१४ तिथि, भौम शनिवार छोडी पाकेका अन्न काट्नु-टिप्नु-उखेल्नु बेसछ ।

**दाञ्जीगर्नेमुहूर्तः**- रो.म.पूफा.उफा.अनु.ज्ये.मू.श्र.रे. यी ९ नक्षत्रमा दाञ्जीगर्नु चुट्नु झार्नु बेसछ ।

**भकारीभर्ने मुहूर्तः**- अश्वि.रो.मृ.पु.ति.३उत्तरा.ह.चि.स्वा.अनु.मू. श्र.ध.रे. यी नक्षत्रमा, रवि भौम शनिवार १।४।७ लग्न छोडी तयार भएको अन्न भकारीमा थन्क्याउनु बेसछ ।

दिपाल ६७ पछाडि

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५ने. सं.११३४ **माघशुक्लपक्षः** (सिल्लाथ्व) पाः श्र.,ध.,श.,पू.भा.,अ., ३, ९ (जन.१/फर.२ सन् २०१४ ) उत्तरायणं, शिशिरर्तुः, पराभवनामकः संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडुपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | १७ | शु. | १ | ४६।४६ | १:३६ | श्र | २०।१४ | १४:५९ | व्य | ४४।१८ | ०:३७ | किं | १९।३७ | १४:४४ | धुम्र | ४८।१५-२:११ | २७।२ | ६:५३ | १७:४२ | 31 | **सोनमलोसार**, श्री वल्लभ जयन्ती, ध.पं.प्रवृत्तिः४८।१५, |
| | १८ | श. | २ | ४१।२५ | २३:२७ | ध | १६।२४ | १३:२६ | व | ३६।५२ | २१:३८ | बा | १४।३ | १२:३० | प्रवर्द्ध | कुम्भ | २७।६ | ६:५३ | १७:४३ | 1 | चन्द्रोदयः द्विपुष्करः१६।२४या., (फरवरी २ ता.२८), |
| | १९ | आ. | ३ | ३६।३८ | २१:३१ | श | १३।३ | १२:५ | प | २९।५३ | १८:४९ | तै | ८।५७ | १०:२७ | राक्षस | ५५।५६-५:१५ | २७।९ | ६:५२ | १७:४४ | 2 | ❹(सिंपुन्हि), **श्रीस्वस्थानीव्रतपूर्त्तिः** झापा कीचकबधमला |
| प्र | २० | सो. | ४ | ३२।३५ | १९:५४ | पू | १०।२१ | ११:० | शि | २३।२८ | १६:१५ | व | ४।३१ | ८:४० | मुशल | मीन | २७।१२ | ६:५२ | १७:४५ | 3 | भ. ४।३१उ.३२।३५या., तिलकुन्दचतुर्थी, ❶हलसारोगने |
| | २१ | मं. | ५ | २९।२७ | १८:३८ | उ | ८।२९ | १०:१५ | सि | १७।४६ | १३:५७ | ब | ०।५४ / ५८।१५ | ७:१३ / ६:९ | सिद्धि | मीन | २७।१६ | ६:५१ | १७:४५ | 4 | **श्री पञ्चमी**, वसन्तश्रवणं, **सरस्वतीपूजा**, रतिकामपूजा,❶ |
| प्र | २२ | बु. | ६ | २७।२२ | १७:४७ | रे | ७।३७ | ९:५३ | सा | १२।५२ | ११:५९ | ग | ५६।४६ | ५:३३ | उत्पात | ७।३७-९:५३ | २७।१९ | ६:५१ | १७:४६ | 5 | स्कन्दषष्ठी, ध.पं.निवृत्तिः७।३७, ❶लगलाचुयके |
| | २३ | वृ. | ७ | २६।२९ | १७:२६ | अ | ७।५२ | ९:५९ | शु | ८।५४ | १०:२३ | भ | ५६।३१ | ५:२६ | मानस | मेष | २७।२३ | ६:५० | १७:४७ | 6 | भ. २६।२९उ.५६।३१या.,मन्वादिः अचला/रथसप्तमी,❶ |
| | २४ | शु. | ८ | २६।५३ | १७:३४ | भ | ९।२० | १०:३३ | शु | ५।५४ | ९:११ | बा | ५७।३३ | ५:५१ | मुद्गर | २४।५३-१६:४७ | २७।२६ | ६:४९ | १७:४८ | 7 | **अष्टमीव्रतं**, गोरखकालीपूजा, भीष्माष्टमी, |
| | २५ | श. | ९ | २८।३४ | १८:१४ | कृ | १२।३ | ११:३८ | ब्र | ३।५३ | ८:२२ | तै | ५९।५२ | ६:४५ | ध्वज | वृष | २७।३० | ६:४९ | १७:४९ | 8 | द्रोणनवमी, ❷कुम्भेऽर्कः५६।३३, |
| | २६ | आ. | १० | ३१।२९ | १९:२४ | रो | १५।५९ | १३:११ | ऐं | २।५२ | ७:५७ | व | ६०।० | ६:४७ | धाता | ४८।२१-२:८ | २७।३३ | ६:४८ | १७:४९ | 9 | शल्यदशमी, ❸२६।५२उ.४०।२१या. |
| | २७ | सो. | ११ | ३५।३० | २०:५९ | मृ | २१।० | १५:११ | वै | २।४३ | ७:५३ | व | ३।२३ | ८:९ | आनन्द | मिथुन | २७।३७ | ६:४७ | १७:५० | 10 | भ. ३।२३उ.३५।३०या., **भीमा एकादशी व्रतम्**, |
| प्र | २८ | मं. | १२ | ४०।२१ | २२:५५ | आ | २६।५२ | १७:३२ | वि | ३।१९ | ८:६ | ब | ७।५१ | ९:५५ | चर | मिथुन | २७।४१ | ६:४७ | १७:५१ | 11 | भीष्मद्वादशी, वटु माघयात्रा, सन्याडुली, त्रिपुष्करः❸ |
| | २९ | बु. | १३ | ४५।४२ | १:३ | पु | ३३।१८ | २०:५ | प्री | ४।२७ | ८:३२ | कौ | १३।०० | ११:५८ | गद | १६।४०-१३:२६ | २७।४४ | ६:४६ | १७:५२ | 12 | **प्रदोषव्रतं**, सौभाग्यशूर्पदानं,**देवघाटमकरस्नानसमाप्ति**,❷ |
| प्र | १ | वृ. | १४ | ५१।७ | ३:१२ | ति | ३९।५३ | २२:४२ | आ | ५।५० | ९:५ | ग | १८।२७ | १४:८ | शुभ | कर्कट | २७।४८ | ६:४५ | १७:५२ | 13 | भ.५१।७उ., श्री पशुपतेच्छायादर्शनं, **फाल्गुनसंक्रान्ति**, |
| | २ | शु. | १५ | ५६।९ | ५:१२ | श्ले | ४६।११ | १:१३ | सौ | ७।११ | ९:३७ | भ | २३।४३ | १६:१४ | मृत्यु | ४६।११-१:१३ | २७।५२ | ६:४४ | १७:५३ | 14 | भ.२३।४३या., **पूर्णिमाव्रतं**, माघस्नानपूर्त्तिः माघयात्रा,❹ |

**ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः** मं.मा.उ., बु.२२व.२३ अ.प., वृ.व.उ., शु.मा.उ.पू., श.मा.उ.

**पापांशाः** शनि:३, राहु:९-केतु:३, भौम:६, २०रवि:४, २३रवि:५, २६रवि:६, २९रवि:७

अथ **श्रीपञ्चम्यां** बालकानां अक्षरारम्भः विशेषः तथा हलप्रवाहो हलपूजायेति शिष्टाचारः श्री सरस्वतीपूजा वसन्तोत्सवं च कारयेत्। **सप्तमी** रथसप्तम्यां गंगास्नानं महाफलम्॥ सूर्यग्रहणतुल्यास्तु शुक्लामाघस्य सप्तमी। अरुणोदयबेलायां तस्या स्नानं महाफलम्॥ माघे मासिसितेपक्षे सप्तमी कोटिभाष्करा। कुर्यात्स्नानार्घ्यदानाभ्यामायुरारोग्य संपदः॥ **अष्टमी** भीष्माष्टम्यां भीष्मार्घ्यदानमन्त्रः– वसूनामवताराय शंतनोरात्मजाय च। अर्घ्यं ददामि भीष्माय ह्यबालब्रम्हचारिणे॥ **मासनियमः** भूमौशयीतहोतव्यमाज्यन्तिलसमन्वितम्। हविष्यं ब्रम्हचर्यं च माघमासे महाफलमिति। **अथ मौनपूर्वक भोजनफलं** यस्तुसंवत्सरं पूर्णं भुङ्क्ते मौनेन सर्वदा। युगकोटि सहस्राणि स्वर्गलोके महीयते॥

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

१९ गते पूषायांशुक्रः३३।१७=२०:११
२० गते श्रवणे४सूर्यः५।३०=९:४
२२ गते वक्रीबुधः१६।३९=१३:३०
२३ गते पश्चिमास्तोबुधः०।५८=७:१३
२३ गते धनिष्ठायां१सूर्यः२२।१६=१५:४४
२६ गते धनिष्ठायां२सूर्यः३९।१६=२२:३१
२९ गते ध.३ कुम्भेऽर्कः६।३३=५:२३
१ गते पुनः ध.२मकरेबुधः१७।२४=१३:४३

| ४३ | माघ १८ शनौ ५१।८ |
|---|---|
| र. | ९।१८।४४।२२ | ६१।७ |
| भौ. | ५।२७।२१।३३ | १२।५५ |
| बु. | १०।२।४१।४ | २०।१२ |
| गु. | २।१८।५६।२७ | ६।२० |
| शु. | ८।१३।७।४ | १८।५१ |
| श. | ६।२७।५१।६ | २।५४ |
| रा. | ६।७।५०।२८ | ३।११ |

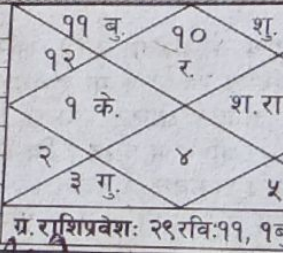


ग्र.राशिप्रवेशः २९रवि:११, १बुध:१०,

| ४४ | माघ २५ शनौ ५१।१८ |
|---|---|
| र. | ९।२५।५१।२० | ६०।५८ |
| भौ. | ५।२८।५१।११ | ८।४३ |
| बु. | १०।२।३४।५५ | २४।१९ |
| गु. | २।१८।१४।११ | ५।१८ |
| शु. | ८।१५।५६।२७ | ३०।३९ |
| श. | ६।२८।८।५५ | २।११ |
| रा. | ६।७।२८।१२ | ३।११ |

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ४:४९ | ७:३६ | ९:४ | १०:३० | १२:६ | १४:२ | १६:१७ | १८:३७ | २०:५३ | २३:८ | १:२७ | ३:४५ |
| ४:४५ | ७:३२ | ९:० | १०:२६ | १२:३ | १३:५९ | १६:१३ | १८:३३ | २०:४९ | २३:४ | १:२३ | ३:४१ |
| ४:४१ | ७:२८ | ८:५७ | १०:२२ | ११:५९ | १३:५५ | १६:९ | १८:२९ | २०:४५ | २३:१ | १:१९ | ३:३७ |
| ४:३७ | ७:२४ | ८:५३ | १०:१९ | ११:५५ | १३:५१ | १६:५ | १८:२५ | २०:४१ | २२:५७ | १:१५ | ३:३३ |
| ४:३३ | ७:२० | ८:४९ | १०:१५ | ११:५१ | १३:४७ | १६:१ | १८:२१ | २०:३७ | २२:५३ | १:११ | ३:२९ |
| ४:२९ | ७:१६ | ८:४५ | १०:११ | ११:४७ | १३:४३ | १५:५७ | १८:१७ | २०:३३ | २२:४९ | १:७ | ३:२५ |
| ४:२५ | ७:१२ | ८:४१ | १०:७ | ११:४३ | १३:३९ | १५:५३ | १८:१३ | २०:३० | २२:४५ | १:३ | ३:२१ |
| ४:२१ | ७:८ | ८:३७ | १०:३ | ११:३९ | १३:३५ | १५:५० | १८:९ | २०:२६ | २२:४१ | ०:५९ | ३:१७ |
| ४:१८ | ७:५ | ८:३३ | ९:५९ | ११:३५ | १३:३१ | १५:४६ | १८:५ | २०:२२ | २२:३७ | ०:५५ | ३:१३ |
| ४:१४ | ७:१ | ८:२९ | ९:५५ | ११:३१ | १३:२७ | १५:४२ | १८:१ | २०:१८ | २२:३३ | ०:५२ | ३:१० |
| ४:१० | ६:५७ | ८:२५ | ९:५१ | ११:२७ | १३:२३ | १५:३८ | १७:५७ | २०:१४ | २२:२९ | ०:४८ | ३:६ |
| ४:६ | ६:५३ | ८:२१ | ९:४७ | ११:२३ | १३:१९ | १५:३४ | १७:५३ | २०:१० | २२:२५ | ०:४४ | ३:२ |
| ४:२ | ६:४९ | ८:१७ | ९:४३ | ११:१९ | १३:१५ | १५:३० | १७:५० | २०:६ | २२:२१ | ०:४० | २:५८ |
| कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर |
| ६:४१ | ८:१३ | ९:३९ | ११:१५ | १३:११ | १५:२६ | १७:४६ | २०:२ | २२:१७ | ०:३६ | २:५४ | ४:५८ |
| ६:३७ | ८:९ | ९:३५ | ११:११ | १३:७ | १५:२२ | १७:४२ | १९:५८ | २२:१३ | ०:३२ | २:५० | ४:५४ |

## श्री संवत् २०७० माघशुक्लपक्ष

| गते | वार | रवि | चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १७ | शुक्र | ९।१६।५१।१३ | ९।१८।३०।४४ | ५।२६।५३।३२ | १०।१।५२।११ | २।१९।८।४५ | ८।१२।३७।४५ | ६।२७।४५।३५ | ६।७।५६।२१ |
| १८ | शनि | ९।१७।५२।१८ | १०।२।४६।५४ | ५।२७।८।५२ | १०।२।२१।० | २।१९।२।४ | ८।१२।५२।४२ | ६।२७।४८।३६ | ६।७।५३।११ |
| १९ | आइत | ९।१८।५३।२२ | १०।१६।५६।२३ | ५।२७।२३।४३ | १०।२।४४।७ | २।१८।५५।२९ | ८।१३।९।४२ | ६।२७।५१।३२ | ६।७।४९।६० |
| २० | सोम | ९।१९।५४।२४ | ११।०।५६।१५ | ५।२७।३८।३ | १०।३।१।१७ | २।१८।४९।३ | ८।१३।२८।४२ | ६।२७।५४।२१ | ६।७।४६।४९ |
| २१ | मंगल | ९।२०।५५।२५ | ११।१४।४४।१ | ५।२७।५१।५२ | १०।३।१२।१८ | २।१८।४२।४५ | ८।१३।४९।३७ | ६।२७।५७।५ | ६।७।४३।३८ |
| २२ | बुध | ९।२१।५६।२४ | ११।२८।१७।४९ | ५।२८।५।९ | १०।३।१६।६० | २।१८।३६।३५ | ८।१४।१२।२४ | ६।२७।५९।४३ | ६।७।४०।२७ |
| २३ | गुरु | ९।२२।५७।२२ | ०।११।३६।२८ | ५।२८।१७।५४ | १०।३।१५।१५ | २।१८।३०।३४ | ८।१४।३६।५९ | ६।२८।२।१४ | ६।७।३७।१७ |
| २४ | शुक्र | ९।२३।५८।१९ | ०।२४।३९।३५ | ५।२८।३०।५ | १०।३।७।३ | २।१८।२४।४१ | ८।१५।३।१७ | ६।२८।४।४० | ६।७।३४।६ |
| २५ | शनि | ९।२४।५९।१४ | १।७।२७।३० | ५।२८।४१।४२ | १०।२।५२।२५ | २।१८।१८।५८ | ८।१५।३१।१५ | ६।२८।७।० | ६।७।३०।५५ |
| २६ | आइत | ९।२६।०।८ | १।२०।१।१९ | ५।२८।५२।४४ | १०।२।३१।३१ | २।१८।१३।२३ | ८।१६।०।४९ | ६।२८।९।१४ | ६।७।२७।४४ |
| २७ | सोम | ९।२७।१।० | २।२।२२।५२ | ५।२९।३।११ | १०।२।४।३८ | २।१८।७।५९ | ८।१६।३१।५५ | ६।२८।११।२२ | ६।७।२४।३३ |
| २८ | मंगल | ९।२८।१।५१ | २।१४।३४।३४ | ५।२९।१३।१ | १०।१।३२।११ | २।१८।२।४४ | ८।१७।४।३० | ६।२८।१३।२३ | ६।७।२१।२३ |
| २९ | बुध | ९।२९।२।१५ | २।२६।३९।२० | ५।२९।२२।१५ | १०।०।५४।४१ | २।१७।५७।३९ | ८।१७।३८।३० | ६।२८।१५।१९ | ६।७।१८।१२ |

माघ २९ गते गुरुवार कुम्भलग्नको आरम्भ भोलिपल्टको (फाल्गुन १ गतेको) सूर्योदय अगाडि ६:४५ बजे दौसो पटक पनि हुन्छ ।

| गते | वार | रवि | चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | गुरु | १०।०।३।२७ | ३।८।४०।२९ | ५।२९।३०।५० | १०।०।१२।५१ | २।१७।५२।४४ | ८।१८।१३।५२ | ६।२८।१७।८ | ६।७।१५।१ |
| २ | शुक्र | १०।१।४।१३ | ३।२०।४१।५५ | ५।२९।३८।४७ | ९।२९।२७।२८ | २।१७।४७।६०* | ८।१८।५०।३३ | ६।२८।१८।५१ | ६।७।११।५० |

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

| सूर्यः फलम् | रा. | चन्द्रः फलम् |
|---|---|---|
| ११ लाभः | मे. | ४ कुक्षिरुक् |
| १०कर्मप्राप्तिः | वृ. | ३ श्रीप्राप्तिः |
| ९ कान्तिक्षयः | मि. | २ धनलाभः |
| ८ कष्टम् | क. | १ अन्नलाभः |
| ७ गमनम | सिं. | १२ व्ययः |
| ६ शत्रुनाशः | कं. | ११ लाभः |
| ५ दैन्यम् | तु. | १० सुखम् |
| ४ माननाशः | वृ. | ९ नृपसुखम् |
| ३ श्रीप्राप्तिः | ध. | ८ कष्टम् |
| २ भयम् | म. | ७ स्त्रीसुखम् |
| १ स्थाननाशः | कुं. | ६ लाभः |
| १२ व्ययः | मी. | ५ कार्यसिद्धिः |

*संक्रान्तिःफलम्* **कुम्भ (फाल्गुन)** श्री संवत् २०७० शाके १९३५ पराभवनामसंवत्सरे, श्री सूर्योत्तरायणे, शिशिरर्तौ माघशुक्ल चतुदश्यांतिथौ, तिष्यनक्षत्रे, आयुष्मान्योगे, गरकरणे, बुधवासरे, श्री सूर्योदयाद्गत घटिकासु ५६ पलासु ३३ श्री सूर्यमकरात्कुम्भराशिंप्रविष्टस्तदा माघोगतः फाल्गुनमासः प्राप्तः ॥ वारतो मन्दाकिनीक्षत्रियसुखा, नक्षत्रतो ध्वाँक्षीवैश्यसुखा, कालतः पशुपालघ्नी, विष्णुपदीन्नाम्नी कुम्भ(फाल्गुन) संक्रान्तिश्च प्राप्ता ॥ **इयं** गजारुढा, खरोपवाहना, रक्तवस्त्रा, धनुरायुधा, शीशपात्रहस्ता, दुग्धाशना, गोरोचनलेपा, पशुजातिः, विल्वपुष्पा, निविष्ठा, दुर्मुखावस्था, कङ्कणाभरणा, प्रौढा, वायव्यमुखा, मुहूर्त्ताः ३० धान्यार्घ वृष्टिषु समफलदा,परेद्युपुण्यकालः, मासदेवता गोविन्दो, मासदेवी धात्री, मासार्क सूर्यः, कुम्भे सूर्यः कर्कटे चन्द्रो, मिथुने देवगुरुः, तिथिवारं च नक्षत्रयोगः करणमेव च ॥पञ्चाङ्गस्य फलं श्रुत्वा गंगास्नान फलं लभेत् ॥

*नक्षत्रःफलम्*

| | |
|---|---|
| पु. ति. श्ले. ..... | **गमनम्** |
| म.पू.उ.ह.चि.स्वा. | **सुखम्** |
| वि. ऽनु. ज्ये. ..... | **पीडा** |
| मू.पू.उ.श्र.ध.श. | **वस्त्रम्** |
| पू. उ. रे. ..... | **हानिः** |
| अ.भ.कृ.रो.मृ.आ. | **धनम्** |

*मासिक(भविष्य)फल* **कुम्भ (फाल्गुन)** मासमा जागतिक परिस्थिति अनिष्ट जस्ता छन् । शनिवासरीय अमायोग पक्षविपक्षमा विग्रह विवाद कारक छ, शासन व्यवस्थाको शिथिलताले देशमा अव्यवस्थाको जगजगी रहला चोरी-डकैती, बलात्कार आदि अमानवीय क्रिया कलापले आफ्नो अस्तित्व बढाउने छन् । पहुँचवाला दोषी माथि कुनै प्रकारको कारवाही नहुनाले दण्डहीनताले प्रश्रय पाउने छ । पिडितको निराशामा कुनैकमी आउने छैन । खाद्यान्नको कमीले जनतामा केही मूल्यवृद्धिको मार थपिएला । शतभिषाका सूर्यले रुई, चाँदी, सुन, सन, सूत, कपास, गहूँ, तेल, दाख, जाईफल, रेशम, तील महँगा हुनेछन् । उत्तरी भेगमा नयाँ रोगव्याध शीत ज्वरादिको प्रकोपले सर्व साधारणमा असुविधा होला । ७, ८ गतेतिर सुवर्ण चाँदी रुई सस्यौं घृत आदि वस्तुको मूल्यमा केही कमी आउने छ । समताको प्रकृति रहे पनि मासको पहिलो र अन्तिम सप्ताहमा मेघ बादल दर्शनको योग छ ।

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५नै. सं.११३४ **फाल्गुनकृष्णपक्षः** (सिल्लागा) पाः पू.फा.चि.स्वा.वि.ध.श.पू.भा. (फर.२/मार्च ३ सन् २०१४) उत्तराययणं, शिशिरर्तुः, पराभवनामकः संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | न.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ३ | श. | १ | ६०।० | समस्त | म | ५१।४९ | ३:२७ | शो | ८।१० | १०:० | बा | २८।२६ | १८:६ | पद्म | सिंह | २७।५६ | ६:४४ | १७:५४ | 15 | |
| | ४ | आ. | १ | ०।२९ | ६:५४ | पू | ५६।३१ | ५:१९ | अ | ८।३४ | १०:८ | तै | ३२।१५ | १९:३७ | छत्र | सिंह | २८।० | ६:४३ | १७:५५ | 16 | त्रिपुष्करः५६।३१उ., |
| | ५ | सो. | २ | ३।४६ | ८:१२ | उ | ६०।० | समस्त | सु | ८।११ | ९:५८ | व | ३४।५६ | २०:४० | श्रीवत्स | १२।३२-११:४३ | २८।३ | ६:४२ | १७:५५ | 17 | भ.३४।५६उ., |
| प्र | ६ | मं. | ३ | ५।५० | ९:१ | उ | ०।६ | ६:४४ | धृ | ६।५२ | ९:२६ | ब | ३६।२२ | २१:१४ | धाता | कन्या | २८।७ | ६:४१ | १७:५६ | 18 | भ.५।५०या., मीनेसायनार्कः२९।१७, |
| | ७ | बु. | ४ | ६।३७ | ९:१९ | ह | २।२६ | ७:३९ | शू | ४।३४ | ८:३० | कौ | ३६।३० | २१:१६ | आनन्द | ३३।७-१९:५५ | २८।११ | ६:४० | १७:५७ | 19 | प्रजातन्त्रदिवसः, |
| | ८ | वृ. | ५ | ६।७ | ९:६ | चि | ३।३१ | ८:४ | गं | ९।१७ / ५७।१९ | ७:१० / ५:२८ | ग | ३५।२३ | २०:४८ | चर | तुला | २८।१५ | ६:३९ | १७:५७ | 20 | |
| प्र | ९ | शु. | ६ | ४।२३ | ८:२४ | स्वा | ३।२५ | ८:० | ध्रु | ५१।५३ | ३:२४ | भ | ३३।५ | १९:५२ | गद | ४७।३५-१:४० | २८।१९ | ६:३८ | १७:५८ | 21 | भ.४।२३उ.३३।५या., |
| | १० | श. | ७ | ९।३३ / ५७।४३ | ७:१५ / ५:४३ | वि | २।१३ | ७:३१ | व्या | ४५।५९ | १:१ | बा | २९।४५ | १८:३१ | शुभ | वृश्चिक | २८।२३ | ६:३८ | १७:५९ | 22 | अष्टमीव्रतं,गोरखकालीपूजा, त्रिपुष्करः१।३३या., |
| | ११ | आ. | ९ | ५३।७ | ३:५१ | अ | ०।५ / ५७।८ | ६:३९ / ५:२८ | ह | ३९।२५ | २२:२२ | तै | २५।३२ | १६:४९ | मृत्यु | ५७।८-५:२८ | २८।२७ | ६:३७ | १७:५९ | 23 | ❶समस्त शिवक्षेत्रे मेला, |
| | १२ | सो. | १० | ४७।५४ | १:४५ | मू | ५३।३८ | ४:३ | व | ३२।१९ | १९:३१ | व | २०।३६ | १४:५० | लुम्ब | धनु | २८।३१ | ६:३६ | १८:० | 24 | भ.२०।३६उ.४७।५४या., |
| | १३ | मं. | ११ | ४२।१५ | २३:२९ | पू | ४९।४३ | २:२८ | सि | २४।५० | १६:३१ | ब | १५।८ | १२:३८ | मित्र | धनु | २८।३५ | ६:३५ | १८:१ | 25 | विजया एकादशी व्रतं,त्रिपुष्करः४९।४३उ., |
| प्र | १४ | बु. | १२ | ३६।२२ | २१:७ | उ | ४५।३५ | ०:४८ | व्य | १७।६ | १३:२४ | कौ | ९।२१ | १०:१८ | वज्र | ३।४३-८:३ | २८।३९ | ६:३४ | १८:१ | 26 | ❼१४ व्रतं, सिलाचःद्वेपूजा,काशी,हलेशी,पाशुपतादि❶ |
| | १५ | वृ. | १३ | ३०।२७ | १८:४३ | श्र | ४१।२९ | २३:८ | व | ९।१७ | १०:१६ | ग | ३।२५ / ५७।३१ | ७:५५ / ५:३३ | ध्वज | मकर | २८।४३ | ६:३३ | १८:२ | 27 | भ.३०।२७उ.५७।३१या., प्रदोषव्रतं, महाशिवरात्रि ❼ |
| | १६ | शु. | १४ | २४।४३ | १६:२५ | ध | ३७।३५ | २१:३४ | प | ९।३४ / ५४।१३ | ७:९ / ४:९ | च | ५१।५७ | ३:१९ | धाता | ९।३१-१०:२० | २८।४७ | ६:३२ | १८:३ | 28 | ध.पं.प्रवृत्तिः९।३१, ❾(मार्च ३ ता.३१) |
| | १७ | श. | ३० | १९।२२ | १४:१६ | श | ३४।८ | २०:१० | सि | ४६।५८ | १:१८ | किं | ४६।५२ | १:१६ | आनन्द | कुम्भ | २८।५१ | ६:३१ | १८:३ | 1 | दर्शश्राद्धं निशी एवं हलोबार्ने, द्वापारयुगादिः,❾ |

वक्रमार्गोदयास्तः मं१२.व.उ, बु.१५मा.८ उ.पू, वृ.व.उ, शु.मा.उ.पू, श.१७ व.उ.

पापांशाः शनिः३, राहु९-केतु३, ४रवि८ ५भौम७ ७ रवि९, १० रवि१०, १२राहु ८-केतु २, १४रवि११, १७ रवि१२

**अथ शिवरात्रि व्रतमहात्म्यम्**– परात्परतरं नास्ति शिवात्रिः परात्परम् । ये नार्चयन्ति भक्तेशं रुद्रं त्रिभुवनेश्वरम् ॥ जन्तु जन्मसहस्रेषु भ्रमन्ते नात्र संशय । वर्षे वर्षे महादेवी नरोनारी पतिव्रता ॥ शिवरात्रौ महादेवं नित्यं भक्त्या प्रपूजयेत् । अर्णवो यदि वा शुष्येत् क्षीयते हिमवानपि ॥ चलत्यन्ते कदाचि द्वैनिश्चलंहि शिवव्रतम् । शिव भक्तस्तु यो देवि शिव रात्रि मुपोषकः ॥ गणत्वमक्षयं दिव्यं लभते शिवशासनात् । सर्वान् भुक्त्वा महाभोगान् ततो मोक्षमवाप्नुयात् ॥

**ग्रह संचार समय घड़ि पला र बजेदेखि**

४ गते धनिष्ठायां४सूर्यः१४।१०=१२:२३
५ गते चि.३तुलायांभौमः१५।३=१२:४३
७ गते शतभिषायां१सूर्यः३२।२=१९:२९
८ गते पूर्वोदितोबुधः१७।१३=१३:३२
१० गते शतभे२सूर्यः५०।१४=२:४३
१० गते पुनःश्रवणे बुधः३।५२=८:१०
१२ गते वक्रीभौमः३३।३८=२०:३

**ग्रह संचार समय घड़ि पला र बजेदेखि**

१२ गते उषायांशुक्रः५१।८=३:३
१२ गते चि.४रा.अ.र.के.०।३६=६:५१
१४ गते शतभे३सूर्यः८।४९=१०:५
१५ गते मार्गीबुधः२९।५७=१८:३२
१६ गते उषा२मकरेशुक्रः५१।२६=३:६
१७ गते शतभे४सूर्यः२७।४१=१७:३५
१७ गते वक्रीशनिः ३८।५=२१:४५

| ४५ | फाल्गुन ३ शनौ ५१।३१ | | ४६ | फाल्गुन १० शनौ ५१।४६ | |
|---|---|---|---|---|---|
| र. | १०।२।५७।७ | ६०।४७ | र. | १०।१०।१।३३ | ६०।३५ |
| भौ. | ५।२९।५१।४७ | ३।४९ | भौ. | ६।०।१९।३ | १।४८ |
| बु. | ९।२७।५६।५६ | ५१।७ | बु. | ९।२२।५५।९ | ३०।६ |
| गु. | २।१७।३९।३९ | ४।७ | गु. | २।१७।१३।५३ | २।४८ |
| शु. | ८।२०।२।३ | ३९।४७ | शु. | ८।२५।५।२३ | ४६।४४ |
| श. | ६।२८।२१।४६ | १।२६ | श. | ६।२८।२९।२७ | ०।४० |
| रा. | ६।७।७।५६ | ३।११ | रा. | ६।६।४३।३९ | ३।११ |

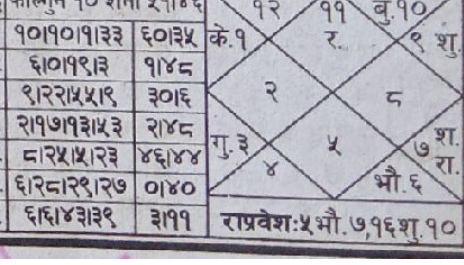


राप्रवेशः५भौ.७,१६शु.१०

| ४७ | फाल्गुन १७ शनौ ५२।३ | |
|---|---|---|
| र. | १०।१७।४।२९ | ६०।२१ |
| भौ. | ६।०।९।० | ८।२ |
| बु. | ९।२२।६।१९ | १४।४२ |
| गु. | २।१६।५७।३९ | १।२५ |
| शु. | ९।०।५२।१७ | ५२।२ |
| श. | ६।२८।३१।५३ | ०।७ |
| रा. | ६।६।२१।२३ | ३।११ |

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| कन्या | मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६:३३ | ८:५ | ९:३१ | ११:७ | १३:४ | १५:१८ | १७:३८ | १९:५४ | २२:९ | ०:२८ |
| ६:३१ | ८:२ | ९:२७ | ११:४ | १३:० | १५:१४ | १७:३४ | १९:५० | २२:६ | ०:२४ |
| ६:२९ | ७:५८ | ९:२४ | ११:० | १२:५६ | १५:१० | १७:३० | १९:४६ | २२:२ | ०:२० |
| ६:२७ | ७:५४ | ९:२० | १०:५६ | १२:५२ | १५:६ | १७:२६ | १९:४२ | २१:५८ | ०:१६ |
| ६:१७ | ७:५० | ९:१६ | १०:५२ | १२:४८ | १५:२ | १७:२२ | १९:३८ | २१:५४ | ०:१२ |
| ६:१३ | ७:४६ | ९:१२ | १०:४८ | १२:४४ | १४:५८ | १७:१८ | १९:३४ | २१:५० | ०:८ |
| ६:९ | ७:४२ | ९:८ | १०:४४ | १२:४० | १४:५४ | १७:१४ | १९:३१ | २१:४६ | ०:४ |
| ६:६ | ७:३८ | ९:४ | १०:४० | १२:३६ | १४:५१ | १७:१० | १९:२७ | २१:४२ | ०:० |
| ६:२ | ७:३४ | ९:० | १०:३६ | १२:३२ | १४:४७ | १७:६ | १९:२३ | २१:३८ | २३:५७ |
| ५:५८ | ७:३० | ८:५६ | १०:३२ | १२:२८ | १४:४३ | १७:२ | १९:१९ | २१:३४ | २३:५३ |
| ५:५४ | ७:२६ | ८:५२ | १०:२८ | १२:२४ | १४:३९ | १६:५८ | १९:१५ | २१:३० | २३:४९ |
| ५:५० | ७:२२ | ८:४८ | १०:२४ | १२:२० | १४:३५ | १६:५५ | १९:११ | २१:२६ | २३:४५ |
| ५:४६ | ७:१८ | ८:४४ | १०:२० | १२:१६ | १४:३१ | १६:५१ | १९:७ | २१:२२ | २३:४१ |
| ५:४२ | ७:१४ | ८:४० | १०:१६ | १२:१२ | १४:२७ | १६:४७ | १९:३ | २१:१८ | २३:३७ |
| ५:३८ | ७:१० | ८:३६ | १०:१२ | १२:८ | १४:२३ | १६:४३ | १८:५९ | २१:१४ | २३:३३ |

## श्री सवत् २०७० फाल्गुनकृष्णपक्ष

| धनु | मकर | गते | वार | रवि |
|---|---|---|---|---|
| २:४६ | ४:५० | ३ | शनि | १०।२।४।५७ |
| २:४२ | ४:४६ | ४ | आइत | १०।३।५।४० |
| २:३८ | ४:४२ | ५ | सोम | १०।४।६।२१ |
| २:३४ | ४:३८ | ६ | मंगल | १०।५।६।६० |
| २:३० | ४:३४ | ७ | बुध | १०।६।७।३७ |
| २:२६ | ४:३० | ८ | गुरु | १०।७।८।१३ |
| २:२२ | ४:२६ | ९ | शुक्र | १०।८।८।४६ |
| २:१८ | ४:२३ | १० | शनि | १०।९।९।१८ |
| २:१४ | ४:१९ | ११ | आइत | १०।१०।९।४९ |
| २:११ | ४:१५ | १२ | सोम | १०।११।१०।१७ |
| २:७ | ४:११ | १३ | मंगल | १०।१२।१०।४३ |
| २:३ | ४:७ | १४ | बुध | १०।१३।११।८ |
| १:५९ | ४:३ | १५ | गुरु | १०।१४।११।३० |
| १:५५ | ३:५९ | १६ | शुक्र | १०।१५।११।५१ |
| १:५१ | ३:५५ | १७ | शनि | १०।१६।१२।१० |

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

| चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ४।२।४७।२३ | ५।२९।४६।४ | ९।२८।२९।२९ | २।१७।४३।२६ | ८।१९।२८।३० | ६।२८।२०।२८ | ६।७।८।३९ |
| ४।१५।०।११ | ५।२९।५२।४१ | ९।२७।४९।५४ | २।१७।३९।२ | ८।२०।७।३९ | ६।२८।२१।५८ | ६।७।५।२९ |
| ४।२७।२३।९ | ५।२९।५८।३७ | ९।२६।५९।५१ | २।१७।३४।५० | ८।२०।४७।५७ | ६।२८।२३।२२ | ६।७।२।१८ |
| ४।२७।२३।९ | ५।९।५८।४० | ९।२६।१०।३७ | २।१७।३०।४८ | ८।२१।२९।२३ | ६।२८।२४।४० | ६।६।५९।७ |
| ५।२२।४८।२६ | ६।०।८।२४ | ९।२५।२३।१७ | २।१७।२६।५७ | ८।२२।११।५३ | ६।२८।२५।५१ | ६।६।५५।५६ |
| ५।५५।३।२७ | ६।०।१२।१३ | ९।२४।३८।५१ | २।१७।२३।१८ | ८।२२।५५।२५ | ६।२८।२६।५६ | ६।६।५२।४५ |
| ६।१९।१३।६० | ६।०।१५।१८ | ९।२३।५८।१२ | २।१७।१९।५० | ८।२३।३९।५६ | ६।२८।२७।५५ | ६।६।४९।३५ |
| ७।२।४९।३२ | ६।०।१७।३८ | ९।२३।२२।८ | २।१७।१६।३४ | ८।२४।२५।२४ | ६।२८।२८।४७ | ६।६।४६।२४ |
| ७।१६।३८।४८ | ६।०।१९।१३ | ९।२२।५१।१६ | २।१७।१३।२९ | ८।२५।११।४७ | ६।२८।२९।३३ | ६।६।४३।१३ |
| ८।०।३९।५२ | ६।०।२०।३ | ९।२२।२६।७ | २।१७।१०।३६ | ८।२५।५९।२ | ६।२८।३०।१२ | ६।६।४०।२ |
| ८।१४।५०।९ | ६।०।२०।६ | ९।२२।७।५ | २।१७।७।५४ | ८।२६।४७।८ | ६।२८।३०।४५ | ६।६।३६।५१ |
| ८।२९।६।४० | ६।०।१९।२२ | ९।२१।५४।२४ | २।१७।५।२५ | ८।२७।३६।२ | ६।२८।३१।१२ | ६।६।३३।४० |
| ९।१३।२६।१ | ६।०।१७।५० | ९।२१।४८।११ | २।१७।३।७ | ८।२८।२५।४४ | ६।२८।३१।३२ | ६।६।३०।३० |
| ९।२७।४४।१२ | ६।०।१५।३१ | ९।२१।४८।३० | २।१७।१।१ | ८।२९।१६।१० | ६।२८।३१।४५ | ६।६।२७।१९ |
| १०।११।५७।३६ | ६।०।१२।२३ | ९।२१।५५।१७ | २।१६।५९।८ | ९।०।७।१९ | ६।२८।३१।५२ | ६।६।२४।८ |

नोटः रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, १२ बजे दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १३, १४, २३ बजे र रात्री १२ बजेलाई ० बजेले संकेत गरिएको छ ।

**भकारीबाटभिक्नेमुहूर्तः**- अश्वि.रो.पु.ति.३उत्तरा.स्वा.वि.ज्ये. श्र.ध.श.यी नक्षत्रमा, रवि भौम शनिवार पंचपर्व छोडी भकारीबाट अन्न भिक्नु शुभ छ ।

**नवान्नप्राशनमुहूर्तः**- अश्वि.मृ.पु.ति.ह.चि.स्वा.अनु.अभि.श्र.ध. श.रे. यी १३ नक्षत्रमा, १।६।११ तिथि, शनि मंगलवार, चैत्र पौष विषघटी छाडी नवान्नप्राशन न्वागी खादाँ शुभ हुन्छ ।

**पशुनांगृहप्रवेशमुहूर्तः**-४।९।१४।८।३० तिथि, मंगलवार, श्र.३ उत्तरा.रो.नक्षत्र छाडी शुभग्रहका लग्नदेखि ८ स्थान शुद्धगरि उनका योनि नक्षत्रमा योगिनीचक्रसमेत जुराई पशुलाई सार्नु शुभ हुन्छ ।

**पशुखरिदबिक्रीमुहूर्तः**- अश्वि.पु.ति.ह.वि.ज्ये.श.रे. शुभछन् ।

**वस्त्रधारणमुहूर्तः**- अश्वि.ह.चि.स्वा.अनु.रे. यी नक्षत्रमा सधवा स्त्रीले वस्त्र वा गहना लाउनु । स्त्री वा पुरुषहरूलाई रिक्तातिथि छाडी पु.ति.रो.आ.३उत्तरा. यी नक्षत्रमा बुध गुरु शुक्रवार शुभ छन् ।

**काठको खलियो छाउँदाः**- रो.आ.म.पूफा.ह.स्वा.वि.अनु.मू.पूषा. श्र.यी नक्षत्रमा, रवि.सोम.भौम.बुध.शुक्रवार शुभ छन् । काष्ठस्थापन चक्र जुराउनु बेस छ ।

**मीतलाउनेमुहूर्तः**- मृ.ति.पूफा.चि.रे. यी नक्षत्रमा, ८।१२ तिथि, तैतिलकरण, सोम बुध गुरु शुक्रवार शुभ छन् ।

**खातारम्भमामुहूर्तः**- राहुको मुख र नाग जुराउनु पर्दछ ।

**ब्यापारगर्नेमुहूर्तः**- अश्वि.रो.पु.ति.३उत्तरा.ह.चि.अनु.मू.श्र.रे. यी नक्षत्रमा, रवि सोम बुध गुरुवार, दाहिने वा सन्मुख चन्द्रपारी ब्यापार गर्नु बढीया छ ।

**अथ पुराणश्रवणमुहूर्तः** अश्वि.रो.मृ.ति.अनु.ह.मू.श्र. यी ८ नक्षत्रमा शुभतिथि, शुभवारमा गुरुशुक्रको उदयकालमा पुराण श्रवणचक्र जुराई पुराणश्रवण प्रारम्भ गर्नु ।

**अथदेश परत्वेन गुरुशुक्रयोर्बाल्यवार्धक्य विचारः** शुक्रो गुरुःप्राक् परतश्च वालो विन्ध्ये दशावन्तिषु सप्तरात्रम् ॥ हूणेषुवंगेषु च षट् च पञ्च शेषेषु देशे त्रिदिनं वदन्ति ॥ (वालत्व बृद्धत्व ३, ३ दिन छोड्नु पर्दछ । )

**अथ गुरुशुक्रयोरस्ते वर्जितकर्मः** वापीकूपतडागयज्ञभवनं क्षौर प्रतिष्ठा व्रतम् ॥ विद्या मन्दिरकर्णवेधनमहादानं गुरोःसेवनम्॥ तीर्थयात्रा विवाह-काम्य-हवनं मन्त्रोपदेशं शुभम् ॥ दूरेणैवजिजीविषुः परिहर दस्ते गुरौ भार्गवे ॥ इति ॥

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५ ने. सं.११३४ **फाल्गुनशुक्लपक्षः** ( चिल्लाथ्व) पाः पू.भा.,अश्वि.,३, पू.फा. (मार्च ३ सन् २०१४) उत्तरायणं, शिशिरर्तुः/वसन्तर्तुः, पराभवनामकः संवत्सरः

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | ब.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
| १८ | आ. | १ | १४।३५ | १२:२० | पू | ३१।१७ | १९:१ | सा | ४०।२५ | २२:४० | बा | ४२।२६ | २३:२८ | चर | १६।५६-१३:१६ | २८।५५ | ६:३० | १८:४ | 2 | चन्द्रोदयः, **ग्याल्पोल्होसार**, त्रिपु.१४।३५उ.३१।१७या., |
| १९ | सो. | २ | १०।३३ | १०:४२ | उ | २९।१४ | १८:१० | शु | ३४।३२ | २०:१८ | तै | ३८।५१ | २२:१ | गद | मीन | २८।५९ | ६:२९ | १८:५ | 3 | |
| २० | मं. | ३ | ७।२६ | ९:२६ | रे | २८।८ | १७:४३ | शु | २९।२६ | १८:१४ | व | ३६।१५ | २०:५८ | शुभ | २८।८-१७:४३ | २९।३ | ६:२८ | १८:५ | 4 | भ.३६।१५उ., ध.पं.निवृत्तिः२८।८, |
| प्र २१ | बु. | ४ | ५।२४ | ८:३६ | अ | २८।८ | १७:४२ | ब्र | २५।१४ | १६:३२ | ब्र | ३४।४८ | २०:२२ | मृत्यु | मेष | २९।७ | ६:२७ | १८:६ | 5 | भ.५।२४या., |
| २२ | बृ. | ५ | ४।३३ | ८:१५ | भ | २९।२० | १८:१० | ऐ | २१।५९ | १५:१३ | कौ | ३४।३५ | २०:१६ | पद्म | ४४।४९-०:२१ | २९।१२ | ६:२६ | १८:६ | 6 | |
| २३ | शु. | ६ | ४।५९ | ८:२४ | कृ | ३१।४७ | १९:७ | वै | १९।४४ | १४:१८ | ग | ३५।३९ | २०:४० | छत्र | वृष | २९।१६ | ६:२५ | १८:७ | 7 | ❺ चीरोत्थानं (चीस्वायें), |
| प्र २४ | श. | ७ | ६।४१ | ९:४ | रो | ३५।२७ | २०:३५ | विं | १८।२९ | १३:४७ | भ | ३७।५९ | २१:३५ | श्रीवत्स | वृष | २९।२० | ६:२४ | १८:८ | 8 | भ.६।४१उ.३७।५९या., **नारीदिवसः**, |
| २५ | आ. | ८ | ९।३७ | १०:१३ | मृ | ४०।१५ | २२:२९ | प्री | १८।९ | १३:३८ | बा | ४१।२९ | २२:५८ | सौम्य | ७।४५-९:२९ | २९।२४ | ६:२३ | १८:८ | 9 | **अष्टमीव्रतं**, गोरखकालीपूजा, होलिकारम्भः, ❻ |
| २६ | सो. | ९ | १३।३७ | ११:४८ | आ | ४५।५९ | ०:४५ | आ | १८।३७ | १३:४८ | तै | ४५।५६ | ०:४४ | काल | मिथुन | २९।२८ | ६:२१ | १८:९ | 10 | ❼ रात्रौ चीरदाह, पहाडमाहोली, मन्वादिः, |
| २७ | मं. | १० | १८।२६ | १३:४३ | पु | ५२।१९ | ३:१६ | सौ | १९।४१ | १४:१३ | व | ५१।२ | २:४५ | स्थिर | ३५।४२-२०:३७ | २९।३२ | ६:२० | १८:९ | 11 | भ.५१।२उ., |
| २८ | बु. | ११ | २३।४४ | १५:४९ | ति | ५८।५६ | ५:५३ | शो | २१।७ | १४:४६ | ब | ५६।२४ | ४:५३ | मातङ्ग | कर्कट | २९।३६ | ६:१९ | १८:१० | 12 | भ.२३।४४या., **आमलकी एकादशी व्रतम्**, |
| प्र २९ | बृ. | १२ | २९।४ | १७:५६ | श्ले | ६०।० | समस्त | अ | २२।३५ | १५:२० | कौ | ६०।० | ६:१७ | अमृत | कर्कट | २९।४० | ६:१८ | १८:१० | 13 | गोविन्दद्वादशी, |
| ३० | श. | १३ | ३४।१ | १९:५३ | श्ले | ५।२३ | ८:२६ | सु | २३।४८ | १५:४८ | कौ | १।३८ | ६:५६ | मृत्यु | ५।२३-८:२६ | २९।४५ | ६:१७ | १८:११ | 14 | **प्रदोषव्रतं**, मीनेःकः४६।५८, |
| चै १ | श. | १४ | ३८।११ | २१:३२ | म | ११।१३ | १०:४५ | धृ | २४।२९ | १६:४ | ग | ६।१४ | ८:४६ | पद्म | सिंह | २९।४९ | ६:१६ | १८:११ | 15 | भ.३८।११उ., **चैत्रसंक्रान्ति**, |
| २ | आ. | १५ | ४१।२० | २२:४७ | पू | १६।९ | १२:४३ | शु | २४।२६ | १६:१ | भ | ९।५६ | १०:१३ | छत्र | ३२।१३-१९:८ | २९।५३ | ६:१५ | १८:१२ | 16 | भ.९।५६या., **पूर्णिमाव्रतं**, होली पूर्णिमा, (होलिपुन्हि), ❼ |

ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः मं.व.उ., बु.मा.उ.पू., बृ.२५ मा.उ., शु.मा.उ.पू., श.व.उ.

पापाशः शनि.३, राहु:८-केतु:२, भौम: ७, १९भौम:६, २०रवि:१, २४ रवि: २, २७ रवि:३, ३० रवि: ४,


**दुर्गा पुस्तक भण्डार तथा पूजन सामाग्री, मैत्रीपथ बुटवल-६,** सम्पूर्ण धार्मिक पुस्तक तथा सबैखाले पूजा, महायज्ञ, सप्ताह पुराण आदि कार्यका लागि चाहिने सम्पूर्ण पूजन सामाग्री तथा पूजाका भाँडाहरू उचित मूल्यमा उपलब्ध छन्। थोक खदिरका लागि पनि सम्पर्क गर्नु होस् साथै गीता प्रेस,गोरखपुरबाट प्रकाशित हुने सम्पूर्ण पुस्तकहरू उचित कमिशन सहित उपलब्ध छन्। सम्पर्क–९८०४४६०९३६,९८११५०७०१८,९८४२०८०४१९


**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

१९ गते चिंर कन्यायां भौमः ४०।८=२२:३२
२० गते पू.भा.यां१सूर्यः ४६।५६=१:१४
२० गते धनिष्ठायांबुधः ५२।५४=३:३७
२४ गते पू.भा.यांरसूर्यः६।३५=९:२
२४ गते अभिजिति शुक्रः १७।५०=१३:३२
२५ गते मार्गीगुरुः४७।४८=१:३०

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

२७ गते पू.भा.यां ३ सूर्यः२६।३५=१६:५८
२७ गते श्रवणे शुक्रः ४९।५=१:५८
२८ गते ध.३ कुम्भेबुधः३७।२६=२१:१८
२८ गते शुक्रस्याभिजितत्यागः ४४।२५=०:५
३० गते पू.४मीनेःक४६।५८=१:४

| ४८ | फाल्गुन २४ शनौ ५२।२१ | |
|---|---|---|
| र. | १०।२४।५।५० | ६०।७ |
| भौ. | ५।२९।१८।५६ | १४।३८ |
| बु. | ९।२६।१२।५९ | ५२।३८ |
| गु. | २।१६।५१।२० | ०।१ |
| शु. | ९।७।१२।१६ | ५६।७ |
| श. | ६।२८।२९।२ | ०।५४ |
| रा. | ६।५।५९।६ | ३।११ |

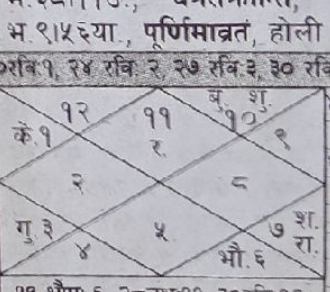


१९ भौमः ६, २८बुधः११, ३०रविः१२,

| ४९ | चैत्र १ शनौ ५२।४० | |
|---|---|---|
| र. | ११।१।५।२९ | ५९।५१ |
| भौ. | ५।२७।४८।४९ | २१।५ |
| बु. | १०।३।५७।१० | ७७।४८ |
| गु. | २।१६।५५।३ | १।२४ |
| शु. | ९।१३।५७।३९ | ५९।१७ |
| श. | ६।२८।२१।०० | १।४० |
| रा. | ६।५।३६।४९ | ३।११ |

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५:३४ | ७:६ | ८:३२ | १०:८ | १२:५ | १४:१९ | १६:३९ | १८:५५ | २१:१० | २३:२९ | १:४७ | ३:५१ |
| ५:३० | ७:३ | ८:२८ | १०:५ | १२:१ | १४:१५ | १६:३५ | १८:५१ | २१:७ | २३:२५ | १:४३ | ३:४७ |
| ५:२६ | ६:५९ | ८:२५ | १०:१ | ११:५७ | १४:११ | १६:३१ | १८:४७ | २१:३ | २३:२१ | १:३९ | ३:४३ |
| ५:२२ | ६:५५ | ८:२१ | ९:५७ | ११:५३ | १४:७ | १६:२७ | १८:४३ | २०:५९ | २३:१७ | १:३५ | ३:३९ |
| ५:१८ | ६:५१ | ८:१७ | ९:५३ | ११:४९ | १४:३ | १६:२३ | १८:३९ | २०:५५ | २३:१३ | १:३१ | ३:३५ |
| ५:१४ | ६:४७ | ८:१३ | ९:४९ | ११:४५ | १३:५९ | १६:१९ | १८:३६ | २०:५१ | २३:९ | १:२७ | ३:३१ |
| ५:११ | ६:४३ | ८:९ | ९:४५ | ११:४१ | १३:५६ | १६:१५ | १८:३२ | २०:४७ | २३:५ | १:२३ | ३:२७ |
| ५:७ | ६:३९ | ८:५ | ९:४१ | ११:३७ | १३:५२ | १६:११ | १८:२८ | २०:४३ | २३:१ | १:१९ | ३:२४ |
| ५:३ | ६:३५ | ८:१ | ९:३७ | ११:३३ | १३:४८ | १६:७ | १८:२४ | २०:३९ | २२:५८ | १:१५ | ३:२० |
| ४:५९ | ६:३१ | ७:५७ | ९:३३ | ११:२९ | १३:४४ | १६:३ | १८:२० | २०:३५ | २२:५४ | १:१२ | ३:१६ |
| ४:५५ | ६:२७ | ७:५३ | ९:२९ | ११:२५ | १३:४० | १५:५९ | १८:१६ | २०:३१ | २२:५० | १:८ | ३:१२ |
| ४:५१ | ६:२३ | ७:४९ | ९:२५ | ११:२१ | १३:३६ | १५:५६ | १८:१२ | २०:२७ | २२:४६ | १:४ | ३:८ |
| ४:४७ | ६:१९ | ७:४५ | ९:२१ | ११:१७ | १३:३२ | १५:५२ | १८:८ | २०:२३ | २२:४२ | १:० | ३:४ |
| मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धन | मकर | कुम्भ |
| ६:११ | ७:४१ | ९:१७ | ११:१३ | १३:२८ | १५:४८ | १८:४ | २०:१९ | २२:३८ | ०:५६ | ३:० | ४:४३ |
| ६:८ | ७:३७ | ९:१३ | ११:१० | १३:२४ | १५:४४ | १८:० | २०:१५ | २२:३४ | ०:५२ | २:५६ | ४:३९ |

## श्री संवत् २०७० फाल्गुनशुक्लपक्ष

| गते | वार | रवि | चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १८ | आइत | १०।१७।१२।२६ | १०।२६।३।० | ६।०।८।२६ | ९।२२।८।२४ | २।१६।५७।२६ | ९।०।५९।१० | ६।२८।३१।५३ | ६।६।२०।५७ |
| १९ | सोम | १०।१८।१२।४१ | ११।९।५७।४० | ६।०।३।३९ | ९।२२।२७।४२ | २।१६।५५।५७ | ९।१।५१।४० | ६।२८।३१।४७ | ६।६।१७।४६ |
| २० | मंगल | १०।१९।१२।५४ | ११।२३।३९।२२ | ५।२९।५८।४ | ९।२२।५२।५७ | २।१६।५४।४० | ९।२।४४।५० | ६।२८।३१।३५ | ६।६।१४।३६ |
| २१ | बुध | १०।२०।१३।४ | ०।७।६।३२ | ५।२९।५१।३८ | ९।२३।२३।५६ | २।१६।५३।३५ | ९।३।३८।३६ | ६।२८।३१।१६ | ६।६।११।२५ |
| २२ | गुरु | १०।२१।१३।१३ | ०।२०।१८।१७ | ५।२९।४४।२३ | ९।२४।०।२२ | २।१६।५२।४३ | ९।४।३२।५८ | ६।२८।३०।५० | ६।६।८।१४ |
| २३ | शुक्र | १०।२२।१३।२० | १।३।१४।३५ | ५।२९।३६।१८ | ९।२४।४१।६० | २।१६।५२।२ | ९।५।२७।५४ | ६।२८।३०।१९ | ६।६।५।३ |
| २४ | शनि | १०।२३।१३।२४ | १।१५।५६।४ | ५।२९।२७।२३ | ९।२५।२८।३२ | २।१६।५१।३४ | ९।६।२३।२३ | ६।२८।२९।४१ | ६।६।१।५२ |
| २५ | आइत | १०।२४।१३।२७ | १।२८।२४।११ | ५।२९।१७।३९ | ९।२६।१९।४३ | २।१६।५१।१८ | ९।७।१९।२४ | ६।२८।२८।५६ | ६।५।५८।४२ |
| २६ | सोम | १०।२५।१३।२७ | २।१०।४०।५९ | ५।२९।७।६ | ९।२७।१५।१७ | २।१६।५१।१५ | ९।८।१५।५६ | ६।२८।२८।५ | ६।५।५५।३१ |
| २७ | मंगल | १०।२६।१३।२५ | २।२२।४९।९ | ५।२८।५५।४३ | ९।२८।१४।५७ | २।१६।५१।२४ | ९।९।१२।५७ | ६।२८।२७।८ | ६।५।५२।२० |
| २८ | बुध | १०।२७।१३।२१ | ३।४।५१।४७ | ५।२८।४३।३२ | ९।२९।१८।२९ | २।१६।५१।४५ | ९।१०।१०।२७ | ६।२८।२६।५ | ६।५।४९।९ |
| २९ | गुरु | १०।२८।१३।१५ | ३।१६।५२।२२ | ५।२८।३०।३३ | १०।०।२५।३८ | २।१६।५२।१८ | ९।११।८।२५ | ६।२८।२४।५५ | ६।५।४५।५८ |
| ३० | शुक्र | १०।२९।१३।७ | ३।२८।५४।५७ | ५।२८।१६।४६ | १०।१।३६।१२ | २।१६।५३।४ | ९।१२।६।४९ | ६।२८।२३।३९ | ६।५।४२।४८ |
| १ | शनि | ११।०।१२।५७ | ४।११।३।० | ५।२८।२।१३ | १०।२।४९।५६ | २।१६।५४।२ | ९।१३।५।३८ | ६।२८।२२।१७ | ६।५।३९।३७ |
| २ | आइत | ११।१।१२।४५ | ४।२३।१९।४० | ५।२७।४६।५५ | १०।४।६।३८ | २।१६।५५।१२ | ९।१४।४।५३ | ६।२८।२०।४९ | ६।५।३६।२६ |

फाल्गुन ३० गते शुक्रवार मीनलग्नको आरम्भ भोलिपल्ट चैत्र १ गतेको सूर्योदय पूर्व ६:१५ बजे दोस्रो पटक हुन्छ ।

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

| सूर्यः फलम् | रा. | चन्द्रः फलम् |
|---|---|---|
| १२ व्ययः | मे. | ५ कार्यसिद्धिः |
| ११ लाभः | वृ. | ४ कक्षिरुक् |
| १०कर्मप्राप्तिः | मि. | ३ श्रीप्राप्तिः |
| ९ कान्तिक्षयः | क. | २ धनलाभः |
| ८ कष्टम् | सिं. | १ अन्नलाभः |
| ७ गमनम | कं. | १२ व्ययः |
| ६ शत्रुनाशः | तु. | ११ लाभः |
| ५ दैन्यम् | वृ. | १० सुखम् |
| ४ माननाशः | ध. | ९ नृपसुखम् |
| ३ श्रीप्राप्तिः | म. | ८ कष्टम् |
| २ भयम् | कुं. | ७ स्त्रीसुखम् |
| १ स्थाननाशः | मी. | ६ लाभः |

### नक्षत्रःफलम्

| | |
|---|---|
| अ. म. पू. ..... | गमनम् |
| उ.ह.चि.स्वा.वि.ऽनु. | सुखम् |
| ज्ये. मू. पू. ..... | पीडा |
| उ.श्र.ध.श.पू.उ. | वस्त्रम् |
| रे. अ. भ. ..... | हानिः |
| कृ.रो.मृ.आ.पु.ति. | धनम् |

*संक्रान्तिःफलम्* **मीन (चैत्र)** श्री संवत् २०७० शाके १९३५ पराभवनामकसंवत्सरे, श्री सूर्योत्तरायणे, वसन्ततौ, फाल्गुनशुक्ल चतुर्दश्यांतिथौ, मघानक्षत्रे, धृतियोगे, गरकरणे, शुक्र वासरे, श्री सूर्योदयादगत घटिकासु ४६ पलासु ५८ श्री सूर्यः कुम्भान्मीनराशिं प्रविष्टस्तदा शिशिरर्तुः फाल्गुनो गतो वसन्तर्तुः चैत्रमासः प्राप्तः ॥ वारतो मिश्रा पशुसुखा, नक्षत्रतो घोरा शूद्रसुखा, कालतो नटघ्नी, षड्शीतिमुखन्नाम्नी मीन (चैत्र) संक्रान्तिश्च प्राप्ता ॥ **इयं** गजारुढा, खरोपवाहना, रक्तवस्त्रा, धनुरायुधा, शीशपात्र हस्ता, दुग्धाशना, गोरोचनलेपा, पशुजातिः, विल्वपुष्पा निविष्ठा, दुर्मुखावस्था, कङ्गणाभरणा, प्रौढा, वायव्यमुखा, महूर्त्ता:३० धान्यार्घवृष्टिषु समफलदा, परेद्युपुण्यकालः, मासदेवता विष्णुः, मासदेवी रमा, मासार्को वेदाङ्गो, मीने सूर्यः सिंहेचन्द्रो, मिथुने देवगुरुः॥ तिथि वारञ्च नक्षत्रं योगः करणमेव च ॥ पञ्चाङ्गस्य फलं श्रुत्वा गंगास्नान फलंलभेत् ॥

*मासिक(भविष्य)फल* **मीन (चैत्र)** मासको जागतिक परिस्थिति त्यति सन्तोष कारक छैन । रविवासरी तथा अमायोगले अन्नाभाव, दुर्भिक्ष, जनमानसमा दुःख, परेसानी, चिन्ता, सन्ताप आदि हुनेछ । आफ्नो कार्यको अपूर्णताले श्रम र धनको व्यर्थव्यय, क्लेश आदि नराम्रा कुरा हुनेछन् । राजकीय पक्षबाट जनतामा कुनै सहानुभूति नदेखाइनु र नेता आफ्नै स्वार्थपूतिर्मा लिप्त रहने छन् । जनताले आफ्नो तनधनको असुरक्षाको महशूस गर्नेछन् । सामान्यजनमा अधिकारप्राप्त व्यक्तिद्वारा प्रताडना, हस्ता नक्षत्र क्रूरग्रहद्वारा वेधितहुनाले दाल, रुई, सूत, कपडा, तील, तेल, सस्यौं घृत, ताँमा, पीतल, सुन, चाँदी, धान्य, लौह, धातु आदेमा तेजी हुनेछ । सुख्खामेवा, दुग्धजन्य पदार्थ, पशु चौपाया आदिको मूल्यमा केही उतार-[illegible] आउने छ । सुख्खा खडेरी, वायु वतास,कतै कतै अग्निकाण्डले जनधन[illegible] हुनेछ । मासको पहिलो र अन्तिम सप्ताहमा मेघ बादल दर्शनको योग[illegible]

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३५ ने.सं.११३४ **चैत्रकृष्णपक्षः** (चिल्लागा) पाः ह.,चि.,वि.,ध.,पू.भा., उ.भा. (मार्च ३ सन् २०१४) उत्तरायणं, वसन्तर्तुः, पराभवनामकः संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प.= बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ३ | सो. | १ | ४३।१६ | २३:३२ | उ | २०।० | १४:१४ | गं | २३।२९ | १५:३७ | बा | १२।२९ | ११:१३ | श्रीवत्स | कन्या | २९।५७ | ६:१४ | १८:१३ | 17 | वसन्तादिस्तैलाभ्यङ्ग, चूतपुष्पप्राशन (चकंयातधूलयात)❶ |
| | ४ | मं. | २ | ४३।५६ | २३:४७ | ह | २२।३८ | १५:१६ | वृ | २१।३४ | १४:५० | तै | १३।४७ | ११:४३ | सौम्य | ५३।२७-३:३५ | ३०।१ | ६:१३ | १८:१३ | 18 | द्विपुष्करः२२।३८उ.४३।५६या., |
| | ५ | बु. | ३ | ४३।१८ | २३:३१ | चि | २४।१ | १५:४८ | ध्रु | १८।३९ | १३:३९ | व | १३।४८ | ११:४३ | काल | तुला | ३०।५ | ६:१२ | १८:१४ | 19 | भ.१३।४८उ.४३।१८या., नाला मत्स्येन्द्रनाथरथयात्रा❷ |
| प्र | ६ | वृ. | ४ | ४१।२७ | २२:४५ | स्वा | २४।११ | १५:५१ | व्या | १४।४६ | १२:५ | ब | १२।३३ | ११:१२ | स्थिर | तुला | ३०।१० | ६:१० | १८:१४ | 20 | मेषेसायनार्कः२५।७,❶नालामत्स्येन्दनाथस्नानं,नालान्हव,❸ |
| | ७ | शु. | ५ | ३८।३१ | २१:३४ | वि | २३।१४ | १५:२७ | ह | ९।५८ | १०:९ | कौ | १०।८ | १०:१३ | मातङ्ग | ८।३५-९:३५ | ३०।१४ | ६:९ | १८:१५ | 21 | ❸तराईमाहोली,गणगौरपूजा प्रारम्भः, |
| प्र | ८ | श. | ६ | ३४।३७ | १९:५९ | अ | २१।१९ | १४:४० | व | ४।२१ / ५७।५९ | ७:५३ / ५:२० | ग | ६।४२ | ८:४९ | अमृत | वृश्चिक | ३०।१८ | ६:८ | १८:१५ | 22 | भ.३४।३७उ., जलदिवसः, ❷(नालायात्रा), |
| | ९ | आ. | ७ | २९।५६ | १८:५ | ज्ये | १८।३४ | १३:३३ | व्य | ५१।६ | २:३३ | भ | २।२३ / ५७।१९ | ७:४ / ५:३ | काण | १८।३४-१३:३३ | ३०।२२ | ६:७ | १८:१६ | 23 | भ.२।२३ या.,रवि सप्तमीव्रतं,**अष्टमीव्रतं**,(दूदूच्यांच्यां), |
| | १० | सो. | ८ | २४।३८ | १५:५७ | मू | १५।१२ | १२:११ | व | ४३।४७ | २३:३७ | तै | ५१।४८ | २:४९ | लुम्ब | धनु | ३०।२६ | ६:६ | १८:१६ | 24 | गोरखकालीपूजा, शीतलाष्टमी, वासेरा, |
| | ११ | मं. | ९ | १८।५५ | १३:३९ | पू | ११।२२ | १०:३७ | प | ३६।१० | २०:३३ | व | ४५।५६ | ०:२७ | मित्र | २५।२१-१६:१३ | ३०।३० | ६:५ | १८:१७ | 25 | भ.४५।५६उ., |
| | १२ | बु. | १० | १२।५८ | ११:१५ | उ | ७।१७ | ८:५८ | शि | २८।२५ | १७:२६ | ब | ३९।५६ | २२:२ | मुद्गर | मकर | ३०।३४ | ६:४ | १८:१७ | 26 | भ.१२।५८या., ❹देवपत्तने देशोद्वारपूजा, |
| | १३ | वृ. | ११ | ६।५९ | ८:५० | श्र | ३।९ / ५९।१९ | ७:५८ / ५:४२ | सि | २०।४३ | १४:२० | कौ | ३४।२ | १९:३९ | ध्वज | ३१।७-१८:२९ | ३०।३९ | ६:३ | १८:१८ | 27 | **पापमोचनी एकादशी व्रतं**, ध.पं.प्रवृत्तिः३१।७,❹ |
| प्र | १४ | शु. | १२ | ११।१२ / ५५।४६ | ६:३० / ४:२० | श | ५५।३५ | ४:१५ | सा | १३।१३ | ११:१९ | ग | २८।२५ | १७:२४ | सौम्य | कुम्भ | ३०।४३ | ६:१ | १८:१८ | 28 | भ.५५।४६उ.,**प्रदोषव्रतं**,महावारुणीयोगः११।१२उ.५५।३५या., |
| | १५ | श. | १४ | ५०।५६ | २:२३ | पू | ५२।३५ | ३:२ | शु | ६।४ / ५९।२२ | ८:२६ / ५:४५ | भ | २३।१७ | १५:१९ | काल | ३८।१७-२१:१९ | ३०।४७ | ६:० | १८:१९ | 29 | भ.२३।१७या., पिशाचचतुर्दशीव्रतं, (पाशाचःद्वे पूजा), |
| | १६ | आ. | ३० | ४६।५२ | ०:४४ | उ | ५०।२० | २:७ | ब्र | ५३।२० | ३:१९ | च | १८।४९ | १३:३१ | स्थिर | मीन | ३०।५१ | ५:५९ | १८:२० | 30 | **दर्शश्राद्धं** निशी एवं हलोबार्ने, अश्वयात्रा (**घोडेजात्रा**), |

*नोटः रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, ..... १२ बजे, दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १३, १४, ..... २३ बजे र रात्री १२ बजेलाई ० बजेले संकेत गरिएको छ।*

**ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः** मं.व.उ., बृ.मा.उ.पू., बृ.मा.उ., शु.मा.उ.पू., श.व.उ.

**पापांशाः** शनि ३, राहु ८-केतु २, ४रवि ५, ५भौम ५, ७ रवि ६, १० रवि ७ १४ रवि ८, १५ भौम ४

चैत्रकृष्ण प्रतिपदामा चीरदाह गरेको **भष्मधाणगर्ने मन्त्रः** वन्दितासि सुरेन्द्रेण ब्रम्हणा शंकरेण च। अतस्त्वं पाहि नो देवी भूते भूति प्रदाभव ॥ **अथ चूतषप्राशन मन्त्रः** चूतमग्रयं वसन्तस्य माकन्द कुसुमं तव। सचन्दनपिवाम्यद्य सर्वकामार्थसिद्धये ॥

**काकस्पर्श फलः** – कागले शीरमा छोयो भने दारिद्रय,मरण कुनै होला। कटिमा छोए ठुलो भय अरिष्ट होला। स्त्रीको शीरमा छोयो भने पति वा पुत्रको मरण। रुखमुनि, खाने चीजको संयोगले छोए दोष हुंदैन। काक मैथुन देखियो भने ६ महिना भित्र ठूलो अनिष्ट हुनसक्छ विधिपूर्वक काकशान्ति गर्नु पर्दछ।

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

३ गते शतभिषायांबुधः५४।१=३:५०
४ गते उ.भा.यांसूर्यः७।४९=९:२०
५ गते पुनः चित्रायांभौमः५५।८=४:१५
७ गते उ.भा.यांसूर्यः२९।१=१७:४६
१० गते उ.भा.यांसूर्यः५०।३९=२:२१
११ गते धनि.शुक्रः ५।२=८:१४
१२ गते पू.भा.यांबुधः३५।५३=२०:२५
१४ गते उ.भा.यांसूर्यः१२।४४=११:७
१५गते पुनः हस्तर्क्षेभौमः२६।५२=१६:४५

| ५० | चैत्र ८ शनौ ५३।० | |
|---|---|---|
| र. | ११।८।३।२२ | ५९।३५ |
| भौ. | ५।२५।४२।४३ | २६।३८ |
| बु. | १०।१४।१।२९ | ९३।३१ |
| गु. | २।१७।८।४० | २।४६ |
| शु. | ९।२१।२।४६ | ६१।४७ |
| श. | ६।२८।७।५७ | २।२४ |
| रा. | ६।५।१४।३३ | ३।११ |

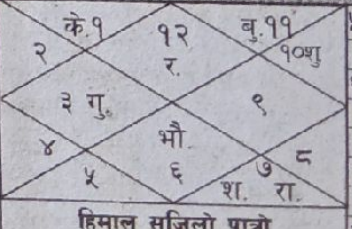

हिमाल सजिलो पात्रो

| ५१ | चैत्र १५ शनौ ५३।१९ | |
|---|---|---|
| र. | ११।१४।५९।२६ | ५९।१९ |
| भौ. | ५।२३।९।४९ | ३०।२८ |
| बु. | १०।२५।३३।३६ | १०३।९ |
| गु. | २।१७।३१।५३ | ४।४ |
| शु. | ९।२८।२३।२२ | ६३।४५ |
| श. | ६।२७।५०।१३ | ३।५ |
| रा. | ६।४।५२।१६ | ३।११ |

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६:४ | ७:३३ | ९:१० | ११:६ | १३:२० | १५:४० | १७:५६ | २०:११ | २२:३० | ०:४८ |
| ६:० | ७:३० | ९:६ | ११:२ | १३:१६ | १५:३६ | १७:५२ | २०:८ | २२:२६ | ०:४४ |
| ५:५६ | ७:२६ | ९:२ | १०:५८ | १३:१२ | १५:३२ | १७:४८ | २०:४ | २२:२२ | ०:४० |
| ५:५२ | ७:२२ | ८:५८ | १०:५४ | १३:८ | १५:२८ | १७:४४ | २०:० | २२:१८ | ०:३६ |
| ५:४८ | ७:१८ | ८:५४ | १०:५० | १३:४ | १५:२४ | १७:४० | १९:५६ | २२:१४ | ०:३२ |
| ५:४४ | ७:१४ | ८:५० | १०:४६ | १३:० | १५:२० | १७:३७ | १९:५२ | २२:१० | ०:२८ |
| ५:४० | ७:१० | ८:४६ | १०:४२ | १२:५७ | १५:१६ | १७:३३ | १९:४८ | २२:६ | ०:२४ |
| ५:३६ | ७:६ | ८:४२ | १०:३८ | १२:५३ | १५:१२ | १७:२९ | १९:४४ | २२:२ | ०:२० |
| ५:३२ | ७:२ | ८:३८ | १०:३४ | १२:४९ | १५:८ | १७:२५ | १९:४० | २१:५९ | ०:१७ |
| ५:२८ | ६:५८ | ८:३४ | १०:३० | १२:४५ | १५:४ | १७:२१ | १९:३६ | २१:५५ | ०:१३ |
| ५:२४ | ६:५४ | ८:३० | १०:२६ | १२:४१ | १५:१ | १७:१७ | १९:३२ | २१:५१ | ०:९ |
| ५:२० | ६:५० | ८:२६ | १०:२२ | १२:३७ | १४:५७ | १७:१३ | १९:२८ | २१:४७ | ०:५ |
| ५:१६ | ६:४६ | ८:२२ | १०:१८ | १२:३३ | १४:५३ | १७:९ | १९:२४ | २१:४३ | ०:१ |
| ५:१२ | ६:४२ | ८:१८ | १०:१४ | १२:२९ | १४:४९ | १७:५ | १९:२० | २१:३९ | २३:५७ |

## श्री संवत् २०७० चैत्रकृष्णपक्ष

| मकर | कुम्भ | गते | वार | रवि |
|---|---|---|---|---|
| २:५२ | ४:३५ | ३ | सोम | ११।२।१२।३० |
| २:४८ | ४:३१ | ४ | मंगल | ११।३।१२।१३ |
| २:४४ | ४:२७ | ५ | बुध | ११।४।११।५४ |
| २:४० | ४:२३ | ६ | गुरु | ११।५।११।३३ |
| २:३६ | ४:१९ | ७ | शुक्र | ११।६।११।१० |
| २:३२ | ४:१५ | ८ | शनि | ११।७।१०।४४ |
| २:२८ | ४:१२ | ९ | आइत | ११।८।१०।१६ |
| २:२५ | ४:८ | १० | सोम | ११।९।९।४६ |
| २:२१ | ४:४ | ११ | मंगल | ११।१०।९।१४ |
| २:१७ | ४:० | १२ | बुध | ११।११।८।३९ |
| २:१३ | ३:५६ | १३ | गुरु | ११।१२।८।३ |
| २:९ | ३:५२ | १४ | शुक्र | ११।१३।७।२४ |
| २:५ | ३:४८ | १५ | शनि | ११।१४।६।४२ |
| २:१ | ३:४४ | १६ | आइत | ११।१५।५।१२ |

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्ट सारणी राशि, अंश, कला र विकलामा

| चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ५।५।४७।३५ | ५।२७।३०।५२ | १०।५।२६।८ | २।१६।५६।३४ | ९।१५।४।३१ | ६।२८।१९।१४ | ६।५।३३।१५ |
| ५।१८।२८।५२ | ५।२७।१४।७ | १०।६।४८।१५ | २।१६।५८।८ | ९।१६।४।३२ | ६।२८।१७।३४ | ६।५।३०।४ |
| ६।१।२४।५४ | ५।२६।५६।३९ | १०।८।१२।४७ | २।१६।५९।५४ | ९।१७।४।५६ | ६।२८।१५।४७ | ६।५।२६।५४ |
| ६।१४।३६।२५ | ५।२६।३८।२१ | १०।९।३९।३७ | २।१७।१।५२ | ९।१८।५।४१ | ६।२८।१३।५५ | ६।५।२३।४३ |
| ६।२८।३।१९ | ५।२६।१९।४४ | १०।११।८।३४ | २।१७।४।३ | ९।१९।६।४६ | ६।२८।११।५६ | ६।५।२०।३२ |
| ७।११।४४।४६ | ५।२६।०।२१ | १०।१२।३९।३२ | २।१७।६।२५ | ९।२०।८।१२ | ६।२८।९।५२ | ६।५।१७।२१ |
| ७।२५।३९।१२ | ५।२५।४०।२२ | १०।१४।१२।२१ | २।१७।८।५८ | ९।२१।९।५७ | ६।२८।७।४२ | ६।५।१४।१० |
| ८।९।४४।२५ | ५।२५।१९।५१ | १०।१५।४६।५५ | २।१७।११।४४ | ९।२२।१२।१ | ६।२८।५।२६ | ६।५।१०।५९ |
| ८।२३।५७।३८ | ५।२४।५८।४८ | १०।१७।२३।६ | २।१७।१४।४१ | ९।२३।१४।२३ | ६।२८।३।४ | ६।५।७।४९ |
| ९।८।१५।४२ | ५।२४।३७।१७ | १०।१९।०।५० | २।१७।१७।५० | ९।२४।१७।३ | ६।२८।०।३७ | ६।५।४।३८ |
| ९।२२।३४।५८ | ५।२४।१५।२० | १०।२०।३९।५८ | २।१७।२१।१० | ९।२५।१९।६० | ६।२७।५८।४ | ६।५।१।२७ |
| १०।६।५१।२७ | ५।२३।५२।५९ | १०।२२।२०।२७ | २।१७।२४।४२ | ९।२६।२३।१३ | ६।२७।५५।२६ | ६।४।५८।१६ |
| १०।२१।१।४४ | ५।२३।३०।१६ | १०।२४।२।१० | २।१७।२८।२५ | ९।२७।२६।४२ | ६।२७।५२।४२ | ६।४।५५।५ |
| ११।५।२।५० | ५।२३।७।१६ | १०।२५।४५।२ | २।१७।३२।२० | ९।२८।३०।२६ | ६।२७।४९।५४ | ६।४।५१।५५ |

### यात्रा (साइत) सम्बन्धी विविध विचार

घर वा बसेको ठाउँ छोडी अन्यत्र जानलाई यात्रा भनिन्छ । यात्रामा शुभ तिथि २, ३, ५, ७, १०, ११, १३, १५ इ तिथि लिएका अन्य छोडिएका छन् ।

**लिएका नक्षत्रः** अश्वि.मृ.पु.ति.ह.अनु.श्र.ध.रे. शुभ ।

**छाडिएका नक्षत्रः** ३उत्तरा.भ.कृ.आ.श्ले.म.चि.स्वा.वि. अशुभ ।

शेष मध्यम । वारमा दिशाशूल छोडेर अन्य शुभ ।

**चन्द्रमा र लग्नः** सन्मुख वा दाहिनेपर्ने दिशाका राशिको लग्न वा चन्द्रमा शुभ । अन्य अशुभ दिशाशूल- पूर्वमा १, ९ तिथि ज्ये. नक्षत्र शनि, सोमवार शूल हुन्छ । दक्षिणमा- ५, १३ तिथि ध. श. पूभा. उभा. रे. नक्षत्र गुरुवार शूल हुन्छ । पश्चिममा-४, १४ तिथि रो. नक्षत्र रवि शुक्रवार शूल हुन्छ । उत्तरमा- २,१० तिथि उफा. नक्षत्र मंगल बुधवार शूल हुन्छ ।

**कालशूलः** पूर्वमा सूर्योदय, दक्षिणमा मध्यान्ह, पश्चिममा सूर्यास्त, उत्तरमा मध्यरात्रि शूल हुन्छ नजान् । एकै दिनमा पुगिने यात्रामा (हिड्दा) शूल र योगिनीको बिचार न गरे पनि हुन्छ ।

**कालराहुः** रविवार-उत्तर, सोमवार-वायव्य, मंगलवार-पश्चिम, बुधवार-नैऋत्य, वृहस्पतिवार-दक्षिण, शुक्रवार-आग्नेय, शनिवार-पूर्व दिशामा कालराहु हुन्छ । सन्मुख दाहिने नपार्नु । **द्विग्द्वारी नक्षत्रः** मृ.ति.ह.श्र. सबै समयमा अश्वि.ति.ह.अनु. सबै दिशालाई शुभ छन् । वार नक्षत्र स्थूल र सूक्ष्म दुई हुन्छन् । स्थूल नभए सूक्ष्मवार नक्षत्रको वेलामुहूर्त्त पारी यात्रा गर्नु शुभ हुन्छ । यात्रा लग्नशुद्धिले सब शुद्ध हुन्छ तेसैमा पनि मन शुद्धि छैन् भने शुभसाईत भएपनि यात्रा नगर्नु, सबैमा **मनोत्साह** चाहिन्छ । "उषः प्रशस्यते गर्गः शकुनं च वृहस्पतिः । अङ्गिराश्च मनोत्साहो विप्रवाक्यं जनार्दनः ॥" आफ्नो जन्मवार जन्म नक्षत्रमा पनि यात्रा गर्नु हुँदैन । बाबु-छोरा दाजुभाइ नौजना स्त्री र तीनजना ब्राम्हण एकैसाथ यात्रा गर्नु हुँदैन। यात्रामा **वासस्थानबाट हिड्दा पढ्ने मन्त्रः** गच्छ गौतम शीघ्रत्वं ग्रामेषु नगरेषु च । आसनं शयनं शययां स्थानं मे परिकल्पयः ॥ **यात्राबाट निवृत भएर गृहप्रवेश गर्दा-** नवम दिन-वर्ष-मास ४,६,८,९, १२,१४ तिथि छोडी अनु.चि.मृ. ३उत्तरा.रे.रो.यति नक्षत्रमा प्रवेश गर्नु शुभ हुन्छ । **सम्मुख वा दाहिने शुक्रको दोष नलाग्ने दिन** रेवतीदेखि मृगशिरा नक्षत्र सम्ममा चन्द्रमा हुँदा शुक्र अन्ध हुन्छ त्यसमा सम्मुख दाहिने शुक्रको दोष लाग्दैन । विशेषतः स्त्रीहरूले यात्रा गर्दा सम्मुख वा दाहिने शुक्र पार्नु हुँदैन । स्त्रीणां गमने दक्षिण सम्मुख दोषः सम्मुखे दक्षिणे शुक्रे नो गच्छेत् कदाचन । गर्भिणीतु विगर्भास्यान्नवोढा वन्ध्यतामियात् ॥ **तत्परिहारः-** रेवत्यादि मृगान्तेच यावत्तिष्ठति चन्द्रमा । तावदन्धो भवेत्शुक्रः सम्मुखे दक्षिणे शुभः ॥

श्री संवत् २०७० श्री शाके १९३६ ने. सं. ११३४ **चैत्रशुक्लपक्षः** (चौलाख्व) पाः रे.,अ. ३, पू.फा.,उ.फा.,ह.,चि., (मार्च३/अप्रिल४ सन् २०१४) उत्तरायणं, वसन्तर्तुः, प्लवङ्गनामकः संवत्सरः

| | ग. | वा. | ति. | घ. प. | बजेसम्म | न. | घ. प. | बजेसम्म | यो. | घ. प. | बजेसम्म | क. | घ. प. | बजेसम्म | योगाः | च.रा. घ.प. = बजेसम्म | दिनमान | सूर्योदय | सूर्यास्त | ता. | भद्रा, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, धनिष्ठा पञ्चक र चाडपर्वहरू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | १७ | सो. | १ | ४३।४३ | २३:२७ | रे | ४९।१ | १:३४ | ऐं | ४८।४ | १:१२ | किं | १५।१२ | १२:३ | मातङ्ग | ४९।१-१:३४ | ३०।५५ | ५:५८ | १८:२० | 31 | वत्सरारम्भस्तैलाभ्यङ्गं, निम्बपत्रप्राशनं, चोभार❺ |
| | १८ | मं. | २ | ४१।३८ | २२:३६ | अ | ४८।४५ | १:२७ | वै | ४३।४० | २३:२५ | बा | १२।३४ | १०:५८ | अमृत | मेष | ३०।५९ | ५:५७ | १८:२१ | 1 | चन्द्रोदयः, (अप्रैल४ता.३०), ❷ध.पं.निवृत्तिः४९।१, |
| | १९ | बु. | ३ | ४०।४५ | २२:१४ | भ | ४९।४० | १:४८ | वि | ४०।१३ | २२:१ | तै | ११।४ | १०:२१ | काण | मेष | ३१।३ | ५:५६ | १८:२१ | 2 | मत्स्यजयन्ती, (मत्स्यनारायणमेला) गौरीव्रतं, मन्वादिः, |
| प्र | २० | बृ. | ४ | ४१।७ | २२:२२ | कृ | ५१।५० | २:३९ | प्री | ३७।४५ | २१:१ | व | १०।४८ | १०:१४ | लुम्ब | ५।७-७:५८ | ३१।७ | ५:५५ | १८:२२ | 3 | भ.१०।४८उ.४१।७ या., |
| | २१ | शु. | ५ | ४२।४७ | २३:० | रो | ५५।१४ | ३:५९ | आ | ३६।१८ | २०:२५ | ब | ११।४९ | १०:३७ | मित्र | वृष | ३१।११ | ५:५४ | १८:२२ | 4 | |
| | २२ | श. | ६ | ४५।३९ | ०:८ | मृ | ५९।४७ | ५:४७ | सौ | ३५।४७ | २०:११ | कौ | १४।६ | ११:३१ | वज्र | २७।२४-१६:५० | ३१।१५ | ५:५२ | १८:२३ | 5 | द्विपु.४५।३९उ.५९।४७ या., |
| प्र | २३ | आ. | ७ | ४९।३५ | १:४१ | आ | ६०।० | समस्त | शो | ३६।७ | २०:१८ | ग | १७।३१ | १२:५२ | ध्वांक्ष | मिथुन | ३१।१९ | ५:५१ | १८:२३ | 6 | भ.४९।३५उ., रवि सप्तमीव्रतम्, |
| | २४ | सो. | ८ | ५४।१९ | ३:३४ | आ | ५।२२ | ७:५९ | अ | ३७।७ | २०:४१ | भ | २१।५३ | १४:३६ | काल | ५४।५८-३:४९ | ३१।२३ | ५:५० | १८:२४ | 7 | भ.२१।५३या.,अष्टमीव्रतं,चैत्राष्टमीव्रतञ्च,चैतेदशैं❶ |
| | २५ | मं. | ९ | ५९।३१ | ५:३८ | पु | ११।३६ | १०:२८ | सु | ३८।३३ | २१:१५ | बा | २६।५४ | १६:३५ | स्थिर | कर्कट | ३१।२७ | ५:४९ | १८:२४ | 8 | श्रीरामनवमीव्रतं (श्री रामजयन्ती),❶(खाँयुसल्हुँ), |
| | २६ | बु. | १० | ६०।० | समस्त | ति | १८।११ | १३:४ | धृ | ४०।८ | २१:५१ | तै | ३२।११ | १८:४१ | मातङ्ग | कर्कट | ३१।३१ | ५:४८ | १८:२५ | 9 | ❸(वैशाखसंक्रान्ति),नववर्षारम्भः,भ.पु.विश्वध्वजपातनं❶ |
| | २७ | बृ. | १० | ४।४८ | ७:४२ | श्ले | २४।४० | १५:३९ | शू | ४१।३१ | २२:२४ | व | ३७।१५ | २०:४१ | अमृत | २४।४०-१५:३९ | ३१।३५ | ५:४७ | १८:२५ | 10 | भ.३७।१५उ., भ.पु.भैरवभद्रकालीयात्रा, |
| | २८ | शु. | ११ | ९।३७ | ९:३७ | म | ३०।४० | १८:२ | गं | ४२।२७ | २२:४५ | ब | ४१।४४ | २२:२८ | काण | सिंह | ३१।३९ | ५:४६ | १८:२६ | 11 | भ.९।३७या.,कामदाएकादशीव्रतम्, |
| प्र | २९ | श. | १२ | १३।४१ | ११:१३ | पू | ३५।५० | २०:५ | वृ | ४२।४१ | २२:५० | कौ | ४५।१९ | २३:५३ | लुम्ब | ५१।५७-२:३२ | ३१।४३ | ५:४५ | १८:२६ | 12 | शनिप्रदोषव्रतम्, ❺आदिनाथस्नानं(चोवाहान्हवँ),❷ |
| | ३० | आ. | १३ | १६।४३ | १२:२५ | उ | ३९।५६ | २१:४२ | ध्रु | ४२।४ | २२:३४ | ग | ४७।४६ | ०:५० | मित्र | कन्या | ३१।४७ | ५:४४ | १८:२७ | 13 | भ.पु.विश्वध्वजोत्थानं, महावीरजयन्ती, |
| वै | १ | सो. | १४ | १८।३३ | १३:८ | ह | ४२।५१ | २२:५१ | व्या | ४०।३० | २१:५५ | भ | ४८।५७ | १:१८ | वज्र | कन्या | ३१।५१ | ५:४३ | १८:२७ | 14 | भ.१८।३३उ.४८।५७ या.,पूर्णिमा व्रतं, मेषेऽर्कः९।३४❶ |

ग्रहाणां वक्रमार्गोदयास्तः मं.व.उ., बु.मा.२३अ.पू., बृ.मा.उ., शु.मा.उ.पू., श.व.उ.

पापाशाः शनिः२, राहुः८-केतुः९, १भौमः९, २०रवि१०, २३भौमः३, २४रवि११, २७रवि१२, १रवि१

अथ निम्बपत्रप्राशन मन्त्रः सचन्दनानि पत्राणि निम्बस्य प्रपीवाम्यहम्। संवत्सर ममारोग्य भूयान्निम्बस्यभक्षणात्॥

अथ अशोककलिकाष्टप्राशन मन्त्रः-त्वामशोकवराभीष्ट मधुमाससमुद्भव। पिवामिशोकसंतप्तोमामशोक सदाकुरु।

अथ समय विचारः चैत्रको अन्त्य अश्विनी नक्षत्रको दिनमा पानी परे चौमासाको अन्त्यमा सुखा पर्छ।

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

१७ गते रेवत्यां१सूर्यः३५।१३=२०:३
१७ गते कुम्भे शुक्रः २४।१६=१५:४०
१८ गते पू.४मीनेबुधः२६।९=१६:२४
२० गते रेवत्यां२सूर्यः५८।८=५:१०
२० गते उ.भा.यांबुधः१८।४१=१३:२३
२३ गते पुनःहस्तर्क्षेभौमः५४।१८=३:३५
२३ गते पूर्वास्तोबुधः९।३४=९:४१

**ग्रह संचार समय घडि पला र बजेदेखि**

२४ गते रेवत्यां३सूर्यः२१।३१=१४:२७
२७ गते रेवत्यां४सूर्यः४५।१८=२३:५४
२७ गते रेवत्यांबुधः३६।६=२०:१४
१ गते अ.१ मेषेऽर्कः९।३४=९:३३

❶श्रीभवान्युत्पत्तिः
गो.का.पूजा,अशोककलिकाष्ठप्राशनं, श्रीश्वेतमत्स्येन्द्रनाथ यात्रा,(जवयात)

| ५२ | चैत्र २२ शनौ ५३।३९ | |
|---|---|---|
| र. | ११।२१।५३।३९ | ५९।२ |
| भौ. | ५।२०।२४।२ | ३१।५१ |
| बु. | ११।७।५९।५३ | १०८।४७ |
| गु. | २।१८।४।१५ | ५।१८ |
| शु. | १०।५।५६।१२ | ६५।२० |
| श. | ६।२७।२८।१२ | ३।४१ |
| रा. | ६।४।२९।५९ | ३।११ |

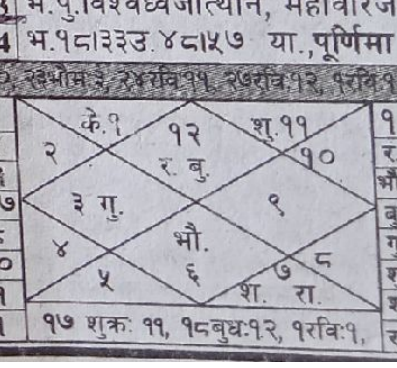


१७ शुक्रः ११, १८बुधः१२, १रविः१,

| १ | वैशाख १ सोमे ९।३४ | |
|---|---|---|
| र. | ०।०।०।० | ५८।४३ |
| भौ. | ५।१७।१५।५७ | २९।४८ |
| बु. | ११।२३।१८।५५ | १११।११ |
| गु. | २।१८।५३।२५ | ६।३९ |
| शु. | १०।१५।३।६ | ६६।४८ |
| श. | ६।२६।५७।३० | ४।१८ |
| रा. | ६।४।३।४३ | ३।११ |

## दैनिक लग्नारम्भः सारणी बजेमा

| मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्कट | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५:९ | ६:३८ | ८:१४ | १०:११ | १२:२५ | १४:४५ | १७:१ | १९:१६ | २१:३५ | २३:५३ |
| ५:५ | ६:३४ | ८:११ | १०:७ | १२:२१ | १४:४१ | १६:५७ | १९:१३ | २१:३१ | २३:४९ |
| ५:१ | ६:३१ | ८:७ | १०:३ | १२:१७ | १४:३७ | १६:५३ | १९:९ | २१:२७ | २३:४५ |
| ४:५७ | ६:२७ | ८:३ | ९:५९ | १२:१३ | १४:३३ | १६:४९ | १९:५ | २१:२३ | २३:४१ |
| ४:५३ | ६:२३ | ७:५९ | ९:५५ | १२:९ | १४:२९ | १६:४५ | १९:१ | २१:१९ | २३:३७ |
| ४:४९ | ६:१९ | ७:५५ | ९:५१ | १२:५ | १४:२५ | १६:४१ | १८:५७ | २१:१५ | २३:३३ |
| ४:४५ | ६:१५ | ७:५१ | ९:४७ | १२:१ | १४:२१ | १६:३८ | १८:५३ | २१:११ | २३:२९ |
| ४:४१ | ६:११ | ७:४७ | ९:४३ | ११:५८ | १४:१७ | १६:३४ | १८:४९ | २१:७ | २३:२५ |
| ४:३७ | ६:७ | ७:४३ | ९:३९ | ११:५४ | १४:१३ | १६:३० | १८:४५ | २१:४ | २३:२१ |
| ४:३३ | ६:३ | ७:३९ | ९:३५ | ११:५० | १४:९ | १६:२६ | १८:४१ | २१:० | २३:१८ |
| ४:२९ | ५:५९ | ७:३५ | ९:३१ | ११:४६ | १४:५ | १६:२२ | १८:३७ | २०:५६ | २३:१४ |
| ४:२५ | ५:५५ | ७:३१ | ९:२७ | ११:४२ | १४:२ | १६:१८ | १८:३३ | २०:५२ | २३:१० |
| ४:२१ | ५:५१ | ७:२७ | ९:२३ | ११:३८ | १३:५८ | १६:१४ | १८:२९ | २०:४८ | २३:६ |
| ४:१७ | ५:४७ | ७:२३ | ९:१९ | ११:३४ | १३:५४ | १६:१० | १८:२५ | २०:४४ | २३:२ |
| ४:१३ | ५:४३ | ७:१९ | ९:१५ | ११:३० | १३:५० | १६:६ | १८:२१ | २०:४० | २२:५८ |

## श्री संवत् २०७० चैत्रशुक्लपक्ष

| मकर | कुम्भ | तिथि | वार | रवि |
|---|---|---|---|---|
| १:५७ | ३:४० | १७ | सोम | ११।१६।५।१३ |
| १:५३ | ३:३६ | १८ | मंगल | ११।१७।४।२५ |
| १:४९ | ३:३२ | १९ | बुध | ११।१८।३।३५ |
| १:४५ | ३:२८ | २० | गुरु | ११।१९।२।४३ |
| १:४१ | ३:२४ | २१ | शुक्र | ११।२०।१।४८ |
| १:३७ | ३:२० | २२ | शनि | ११।२१।०।५१ |
| १:३३ | ३:१६ | २३ | आइत | ११।२१।५९।५२ |
| १:३० | ३:१३ | २४ | सोम | ११।२२।५८।५० |
| १:२६ | ३:९ | २५ | मंगल | ११।२३।५७।४७ |
| १:२२ | ३:५ | २६ | बुध | ११।२४।५६।४१ |
| १:१८ | ३:१ | २७ | गुरु | ११।२५।५५।३३ |
| १:१४ | २:५७ | २८ | शुक्र | ११।२६।५४।२२ |
| १:१० | २:५३ | २९ | शनि | ११।२७।५३।१० |
| १:६ | २:४९ | ३० | आइत | ११।२८।५१।५५ |
| १:२ | २:४५ | १ | सोम | ११।२९।५०।३८ |

## सूर्योदय कालिन दैनिक ग्रहस्पष्टं सारणी राशि, अंशा, कला र विकलामा

| चन्द्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ११।१८।५२।१० | ५।२२।४३।५९ | १०।२७।२८।५९ | २।१७।३६।२५ | ९।२९।३४।२५ | ६।२७।४६।६० | ६।४।४८।४४ |
| ०।२।२७।४८ | ५।२२।२०।३० | १०।२९।१३।५६ | २।१७।४०।४२ | १०।०।३८।३९ | ६।२७।४४।० | ६।४।४५।३३ |
| ०।१५।४८।२७ | ५।२१।५६।५१ | ११।०।५९।४९ | २।१७।४५।९ | १०।१।४३।७ | ६।२७।४०।५६ | ६।४।४२।२२ |
| ०।२८।५३।३५ | ५।२१।३३।४ | ११।२।४६।३५ | २।१७।४९।४८ | १०।२।४७।४८ | ६।२७।३७।४७ | ६।४।३९।११ |
| १।११।४३।२६ | ५।२१।९।१४ | ११।४।३४।४८ | २।१७।५४।३७ | १०।३।५२।४२ | ६।२७।३४।३३ | ६।४।३६।१ |
| १।२४।१९।१ | ५।२०।४५।२२ | ११।६।२२।२५ | २।१७।५९।३७ | १०।४।५७।४९ | ६।२७।३१।१४ | ६।४।३२।५० |
| २।६।४२।२ | ५।२०।२१।३१ | ११।८।११।२३ | २।१८।४।४८ | १०।६।३।९ | ६।२७।२७।५१ | ६।४।२९।३९ |
| २।१८।५४।४९ | ५।१९।५७।४६ | ११।१०।०।५८ | २।१८।१०।९ | १०।७।८।४० | ६।२७।२४।२३ | ६।४।२६।२८ |
| ३।१।०।१५ | ५।१९।३४।१२ | ११।११।५१।७ | २।१८।१५।४० | १०।८।१४।२३ | ६।२७।२०।५० | ६।४।२३।१७ |
| ३।१३।१।३३ | ५।१९।१०।५३ | ११।१३।४१।४६ | २।१८।२१।२२ | १०।९।२०।१७ | ६।२७।१७।१३ | ६।४।२०।७ |
| ३।२५।२।३१ | ५।१८।४७।५० | ११।१५।३२।५३ | २।१८।२७।१४ | १०।१०।२६।२२ | ६।२७।१३।३२ | ६।४।१६।५६ |
| ४।७।७।२ | ५।१८।२५।७ | ११।१७।२४।२५ | २।१८।३३।१६ | १०।११।३२।३८ | ६।२७।९।४७ | ६।४।१३।४५ |
| ४।१९।१८।२५ | ५।१८।२।४६ | ११।१९।१६।१८ | २।१८।३९।२८ | १०।१२।३९।४ | ६।२७।५।५८ | ६।४।१०।३४ |
| ५।१।३९।३५ | ५।१७।४०।५० | ११।२१।८।२९ | २।१८।४५।५० | १०।१३।४५।३९ | ६।२७।२।५ | ६।४।७।२३ |
| ५।१४।१३।१० | ५।१७।१९।२० | ११।२३।०।५६ | २।१८।५२।२१ | १०।१४।५२।२५ | ६।२६।५८।९ | ६।४।४।१३ |

नोटः रात्री १ बजेबाट दिनको १२ बजेसम्मलाई १, २, ... १२ बजे, दिन १ बाट रात्री ११ बजेसम्मलाई १३, १४, ... २३ बजे र रात्री १२ बजेलाई ० बजेले संकेत गरिएको छ ।


यस पञ्चाङ्गका प्राप्ति स्थानहरू

श्रेष्ठ बुक्स एण्ड न्यूज, दमक

वैदिक संस्कार तथा सामाग्री प्रतिष्ठान, वित्तामोड

विद्या कुटिर, उर्लाबारी

सत्यनारायण शर्मा सत्यनारायण मन्दिर, विराटनगर

नारायणगढमा:

अरूण पुस्तक भण्डार,
मास्के पुस्तक भण्डार,
दिलमाया पुस्तक भण्डार,
स्टेशनरी स्टोर्स,
धार्मिक पुस्तक पसल,
वैदिकपूजासामग्रीप्रतिष्ठान,

पोखरामा:

पोखरा साहित्य सदन,
गोरखापत्र बाजे,
जोशी पुस्तक पसल,
सरस्वती पुस्तक पसल,
ओजनबुक्स ए स्टेशनर्स,
हेलोस्टेशनरी ए बुक्स हाउस,
पालिखे बुक्स ए स्टेशनर्स,
केदार बस्ती,
लक्ष्मी पुस्तक सदन,
चन्द्र राना, लेनपा, ९८४६०३५१७५
मनकामनाबुक्स ए स्टेशनर्स,
प्रतिक्षा स्टेशनरी, शिशुवाचोक
मलेपतिबुक्स ए स्टेशनर्स, बारलुङ्ग

धार्मिक पुस्तक पसल, दमौली, तनहुँ
राधा स्टेशनरी, दुलेगौंडा, तनहुँ

बुटवलमा:

लक्ष्मी पुस्तक पसल
दिव्यज्योति पुस्तक पसल
रेसुङ्गा पुस्तक पसल
ओम्निसेन्टबुक्स ए स्टेशनर्स
प्रभात बुक्स ए स्टेशनर्स
रिक्की स्टेशनर्स
चेतना स्टेशनर्स
आशिष स्टेशनर्स
साजन स्टोर्स
योगेश कुमार
बुक्स प्लाजा

वर्षा ट्रेड सेन्टर
बुटवल किराना पसल
पवन किराना भण्डार
ठाकुरदीन नन्दकिशोर
सरस्वती पुस्तक पसल
नेपाल बुक्स ए स्टेशनर्स
हिमालय बुक्स हाउस
सर्वज्ञ बुक्स ए स्टेशनर्स, भैरहवा
प्रश्न पुस्तक पसल, डण्डा, नं.प.
जय दुर्गे स्टेशनरी, कुश्मा
लालचन्द राजेशचन्द
राजभण्डारी, बाग्लुङ
पुस्तक भवन, स्याङ्जा
वैशालु पुस्तक पसल, रिडी
श्रेष्ठ न्यूज एजेन्सी, पाल्पा

गौरी पुस्तक पसल सुर्खेत
हाको पुस्तक पसल सुर्खेत
जनता बुक स्टल घोराही, दाङ
गौरी पुस्तक भण्डार तुल्सीपुर, दाङ
ज्ञान भण्डार तुल्सीपुर, दाङ

नेपालगञ्जमा:

माछापुच्छ्रे बुक्स ए स्टेशनर्स
उज्वल स्टेशनर्स नेपालगञ्ज
एभरेष्ट बुक्स नेपालगञ्ज

धनगढीमा:

चौलानी पुस्तक भण्डार
चुवोंई पुस्तक पसल
दुर्गा पुस्तक भण्डार

काठमाण्डौमा:

सुकुन्दा पुस्तक भवन
हेरिटेज पब्लिसर्स एण्ड डिस्ट्रिब्युटर्स
गुरु पुस्तक विक्रेता

वाराणसीमा:

बम्बै बुक डिपो
बाबु माधवप्रसाद शर्मा
सुब्बा होमनाथ केदारनाथ
मुकेश प्रकाशन
बम्बै पुस्तक भवन
दुर्गा साहित्य भण्डार पो.ब.नं.१०९६, वाराणसी

भारतका अन्य शहरमा:

झवाली बुक स्टल शिलाङ्ग
भारत पिक्चर हाउस सिलिगुडी

हिमालय बुक स्टल शिलाङ्ग

मनिपुरमा:

प्रेम बुक स्टोर, मोटबुङ
मित्र पुस्तक भण्डार कालापहाड,
जगनिधि आचार्य, मोरेह
शान्ति पुस्तक पसल, मोरेह
भवानी सुवेदी, चारहजारे
कृष्णप्रसाद शर्मा, पल्टनबजार, गुवाहाटी
पं देवी प्रसाद रिजाल, मेघालय
पुष्पा म्युजिक सेन्टर, (एन.बी खत्री), दिल्ली


मातृ भाषाको सम्मान
राष्ट्रको सम्मान